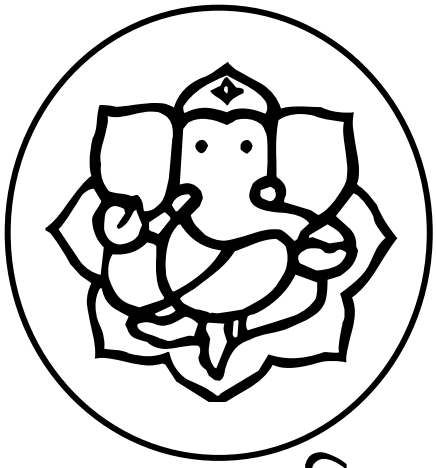

जन्म–पत्रिका

नाम–	***Jhon Adams(Male)***
जन्म दिन–	***06:01:1983(Thursday)***
जन्म समय–	***00:18:00PM***
जन्म स्थान–	***Asansol (west Bengal)(INDIA) 023:41 086:59***
दादा का नाम–	
दादी का नाम–	
पिता का नाम–	
माता का नाम–	
धर्म–	
जाति–	
उप जाति–	
फोन–	
मोबाइल–	
इ–मेल–	
पता–	

नाम–	_____
संस्था का नाम–	_____
पता–	_____
	_____
	_____
फोन–	_____

श्रीगणेशाय नमः

गणानां त्वां गणपतिं हवामहे कविं कवीनामुपमश्रवस्तमम् ।
ज्येष्ठराजं ब्रह्मणां ब्रह्मणस्पत आ नः शृण्वन्नूतिभिः सीद सादनम् ।।

नवग्रहस्तोत्र

जपाकुसुमसंकाशं काश्यपेयं महद्द्युतिम ।
तमोऽरिं सर्वपापघ्नं प्रणतोऽसिदिवाकरम्।। १ ।।
दधिशङ्खतुषाराभं क्षीरोदार्णवसंभवम ।
नमामि शशिनं सोमं शंभोर्मुकुटभूषणम।। 2 ।।
धरणीगर्भसंभूतं विधुत्कान्तिसमप्रभम् ।
कुमारंशक्तिहस्तंचमगंलंण्णमाम्यहम्।। ३ ।।
प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम् ।
सौम्यंसौम्यगुणोपेतंतंवुधंप्रणमाम्यहम् ।। ४ ।।
देवानां च ऋषीणां च गुरूं काड़वनसंनिभम्।
बुद्धिभूतंत्रिलोकेशंतंनमामिबृहस्पतिम् ।। ५ ।।
हिमकुन्दमृणालाभं दैत्यानां परमं गुरूम्
सर्वशास्त्रप्रवक्तारंभार्गवंप्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।
नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम् ।
छायामार्तण्डसुभूतंतंनमामिशनैश्वरम् ।। ७ ।।
अर्धकायं महावीर्य चन्द्रादित्यविमदनम्।
सिंहिकागर्भसंभूतंतंराहुंप्रणमाम्यहम्।। ८ ।।
पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम् ।। ६ ।।

फलश्रुति

इति व्यासमुखोद्गीतं यः पठेत्सुसमाहितः।
दिवा वा यदि वा रात्रौ विघ्नशान्तिर्भयविष्यति ।। १ ।।
नरनारीनृपाणां च भवेहुः स्वप्रनाशनम
ऐश्वर्यमतुलंतेषामारोग्यंपुष्टिवर्धनम् ।। 2 ।।
ग्रहनक्षत्रजाः पीडस्तस्कराग्रिसमुद्रवाः ।
ताः सर्वाः प्रशमं यान्ति व्यासो ब्रूते न संशयः ।। ३ ।।
इति श्री व्यासविरचितं आदित्यादिनवग्रहस्तोत्रं संपूर्णम् ।।

ज्योतिष सारिणी

जन्म दिन–	6 January 1983 (Thursday)
जन्म समय–	00:18:00PM
जन्म स्थान–	Asansol (west Bengal) INDIA
रेखांश–	086:59:00E
अक्षांश–	023:41:00N
समयक्षेत्र–	-05:30:00 hrs
समय संशोधन–	00:00:00 hrs
जीएमटी. समय–	06:48:00 hrs
स्थानीय समय संस्कार–	00:17:56 hrs
स्थानीय समय–	12:35:56 hrs

सांपातिक काल–	19:37:05 hrs
सूर्योदय–	06:28:30AM
सूर्यास्त–	05:07:06PM
अयनांश–	N.C.Lahiri (023:37:11)
विक्रम संवत्–	**2039**
शक संवत्–	**1904**
संवत्सर–	**दन्दुभि**
संवत्सर अधिपति–	**भग**

अवकहड़ा चक्र

लग्न :	मेष
लग्नाधिपति :	मंगल
राशि (चन्द्रमा) :	कन्या
राशिपति :	बुध
नक्षत्र :	हस्त
नक्षत्रपति :	चन्द्रमा
नक्षत्र चरण :	4
पाया :	स्वर्ण
ऋतु :	हेमन्त
मास :	मार्गशीर्ष
पक्ष :	कृष्ण
तिथि :	अष्टमी
तिथि श्रेणी :	जया
तिथि पति :	राहु
करण :	कौलव
करण श्रेणी :	चर
करणपति :	चन्द्र
गण :	देव
वर्ण :	वैश्य
योनि :	महिष (स्त्री)
सूर्य सिद्धान्त योग :	अतिगण्ड
रज्जु :	कंठ
वश्य :	द्विपद
तत्व :	अग्नि
तत्वाधिपति :	मंगल
विहग :	वायस
नाड़ी :	आदि
नाड़ी पद :	अन्त
वेध :	शतभिषा
आद्याक्षर :	था

घात चक्र

राशि (सूर्य) :	मिथुन
मास :	भद्रा
तिथि :	5,10,15
वार :	शनिवार
नक्षत्र :	श्रावण
प्रहर :	1
लग्न :	मीन
सूर्य सिद्धान्त योग :	सुकर्मन
करण :	कौलव

शासक ग्रह (कृ0 मू0 पद्धति के अनुसार)

वारेश :	बृहस्पति
लग्नेश :	मंगल
लग्न नक्षत्र स्वामी–	केतु
लग्न उप स्वामी :	शुक्र
चन्द्र राशि स्वामी :	बुध
चन्द्र नक्षत्र स्वामी ब	चन्द्रमा
चन्द्र उप स्वामी :	शुक्र
फॉरच्युना(कृ0 प0)	279:31:32
अयनाशं (कृ0 प0) :	023:31:24

पाश्चात्य ज्योतिषीय सारिणी

सूर्य राशि–	मकर
देकानेट–	2
फेस :	IV
चन्द्र राशि (पाश्चात्य) :	तुला
लग्न (पाश्चात्य) :	वृष
सूर्य का अवधिपति :	बृहस्पति
चन्द्रमा का अवधिपति :	बृहस्पति
अवधि बदलाव :	––

आपकी कुण्डली में कुज दोष (या मांगलिक दोष) उपस्थित है। परन्तु कुछ निश्चित परिस्थितियों की अपस्थिति के कारण, मांगलिक दोष निरस्त नहीं हो रहा है।

ग्रह स्थिति

ग्रह		राशि	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	सप्तकारक	विशेष	विशेष
AC	लग्न	मेष	मंगल	08:13:14	अश्विनी.3	केतु	...	...	...
☉	सूर्य	धनु	बृहस्पति	21:45:34	पूर्वाषाढ़.3	शुक्र	भ्रात्रि	मित्र के भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
☽	चन्द्रमा	कन्या	बुध	23:10:40	हस्ता.4	चन्द्रमा	अमात्य	शत्रु के भाव में	––
♂	मंगल	मकर	शनि	27:32:02	धनिष्ठा.2	मंगल	आत्म	उच्चस्थ	शुभ ग्रह के साथ
☿	बुध	मकर	शनि	08:53:41	उत्तराषाढ़.4	सूर्य	अपत्या	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
♃	बृहस्पति	वृश्चिक	मंगल	08:34:35	अनुराधा.2	शनि	ज्ञाति	मित्र के भाव में	––
♀	शुक्र	मकर	शनि	07:03:18	उत्तराषाढ़.4	सूर्य	दारा	मित्र के भाव में	शुभ ग्रह के साथ
♄	शनि	तुला	शुक्र	09:38:04	स्वाति.1	राहु	मात्रि	उच्चस्थ	––
☊	राहु व	मिथुन	बुध	09:57:41	अरिद्रा.1	राहु	...	तटस्थ भाव में	––
☋	केतु व	धनु	बृहस्पति	09:57:41	मूला.3	केतु	...	तटस्थ भाव में	दुष्ट ग्रह के साथ
♅	इन्द्र	वृश्चिक	मंगल	13:35:50	अनुराधा.4	शनि	...	––	शुभ ग्रह के साथ
♆	वरूण	धनु	बृहस्पति	03:49:31	मूला.2	केतु	...	––	दुष्ट ग्रह के साथ
♇	रूद्र	तुला	शुक्र	05:42:39	चित्रा.4	मंगल	...	––	दुष्ट ग्रह के साथ

लग्न कुण्डली

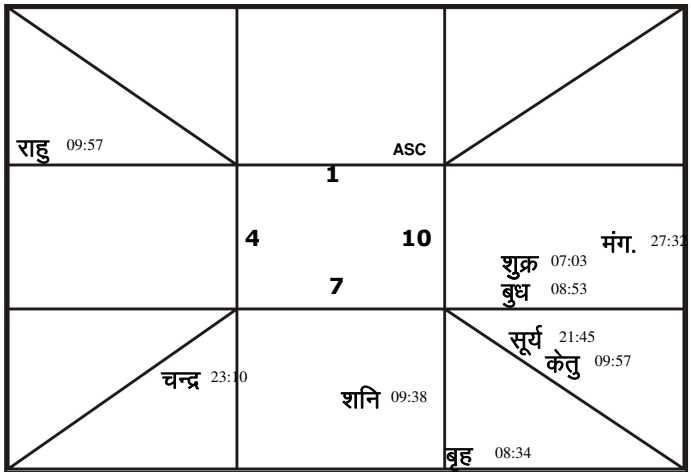

नवांश कुण्डली

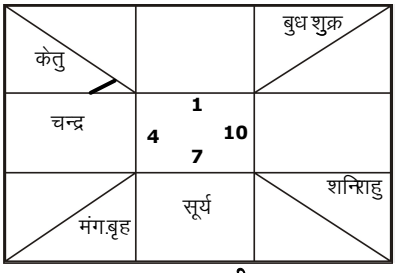

चन्द्र कुण्डली

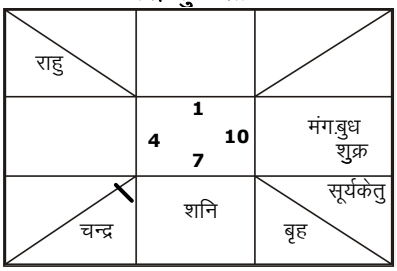

ग्रह से ग्रह और ग्रह से लग्न के बीच की दूरी

	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	---	254	165	289	271	210	269	181	62	242	215	236	177
सूर्य	106	---	271	36	17	317	15	288	168	348	322	342	284
चन्द्रमा	195	89	---	124	106	45	104	16	257	77	50	71	13
मंगल	71	324	236	---	341	281	340	252	132	312	286	306	248
बुध	89	343	254	19	---	300	358	271	151	331	305	325	267
बृहस्पति	150	43	315	79	60	---	58	331	211	31	5	25	327
शुक्र	91	345	256	20	2	302	---	273	153	333	307	327	269
शनि	179	72	344	108	89	29	87	---	240	60	34	54	356
राहु	298	192	103	228	209	149	207	120	---	180	154	174	116
केतु	118	12	283	48	29	329	27	300	180	---	334	354	296
इन्द्र	145	38	310	74	55	355	53	326	206	26	---	20	322
वरूण	124	18	289	54	35	335	33	306	186	6	340	---	302
रूद्र	183	76	347	112	93	33	91	4	244	64	38	58	---

0,1,359	कन्जक्शॅन	59,60,61,299,300,301	सेक्सटाइल	89,90,91,269,270,271	स्कवायर
119,120,121,239,240,241	ट्राइन	149,150,151,209,210,211	क्वीनकक्सं	179,180,181	अपोजीसन

भाव स्फूट और कुण्डली

भाव सख्या	भाव मध्य		भाव विस्तार (आरम्भ––अन्त)			
I	मेष	008:13:14	मीन	21:39:34	मेष	21:39:34
II	वृष	005:05:54	मेष	21:39:34	वृष	18:32:14
III	मिथुन	001:58:34	वृष	18:32:14	मिथुन	15:24:53
IV	कर्क	028:51:13	मिथुन	15:24:53	कर्क	15:24:53
V	सिहं	001:58:34	कर्क	15:24:53	सिहं	18:32:14
VI	कन्या	005:05:54	सिहं	18:32:14	कन्या	21:39:34
VII	तुला	008:13:14	कन्या	21:39:34	तुला	21:39:34
VIII	वृश्चिक	005:05:54	तुला	21:39:34	वृश्चिक	18:32:14
IX	धनु	001:58:34	वृश्चिक	18:32:14	धनु	15:24:53
X	मकर	028:51:13	धनु	15:24:53	मकर	15:24:53
XI	कुम्भ	001:58:34	मकर	15:24:53	कुम्भ	18:32:14
XII	मीन	005:05:54	कुम्भ	18:32:14	मीन	21:39:34

लग्न कुण्डली

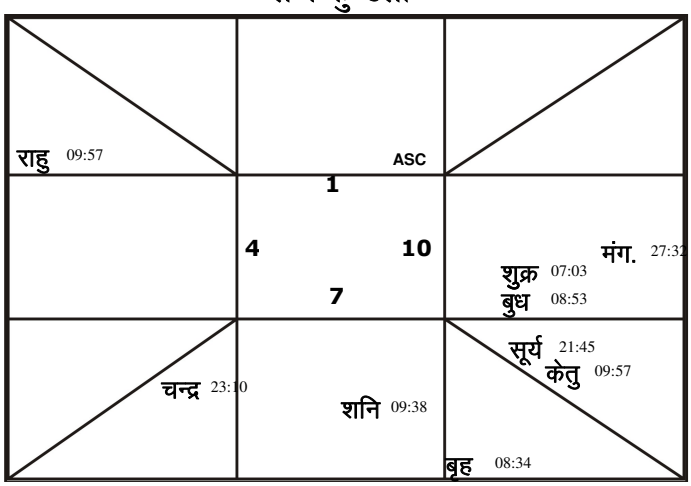

भाव कुण्डली

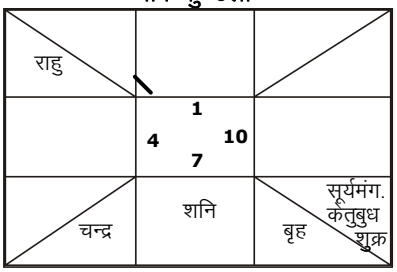

भाव चलित कुण्डली

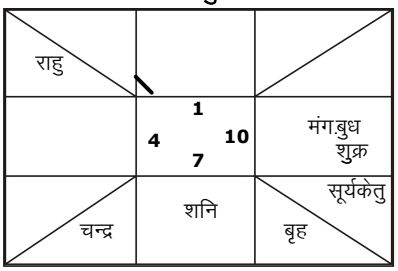

ग्रह से भाव (भाव मध्य) के बीच की दूरी

	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु	इन्द्र	वरूण	रूद्र
लग्न	254	165	289	**271**	**210**	**269**	**181**	62	242	215	236	177
दूसरा भाव	227	138	262	244	183	242	155	35	215	188	**209**	**151**
तीसरा भाव	200	111	236	217	157	215	128	8	188	162	182	124
नादिर	173	84	**209**	190	130	188	101	341	161	135	155	97
पॉचवा भाव	140	51	176	157	97	155	68	308	128	102	122	64
छठवा भाव	107	18	142	124	63	122	35	275	95	68	**89**	31
सातॅवा भाव	74	345	109	**91**	30	**89**	**1**	242	62	35	56	357
आठवा भाव	47	318	82	64	3	62	335	215	35	8	29	331
नवा भाव	20	291	56	37	337	35	308	188	8	342	2	304
एम सी	353	264	29	10	310	8	281	161	341	315	335	277
ग्यारहवा भाव	320	231	356	337	277	335	248	128	308	282	302	244
बारहवा भाव	287	198	322	304	243	302	215	95	275	248	**269**	**211**

0,1,359 ०,१,३५९ कन्जक्शॅन **59,60,61,299,300,301** सेक्सटाइल **89,90,91,269,270,271** स्कवायर

119,120,121,239,240,241 ट्राइन **149,150,151,209,210,211** क्वीनकक्सं **179,180,181** अपोजीसन

षोडश वर्ग

लग्न(जन्म) कुण्डली

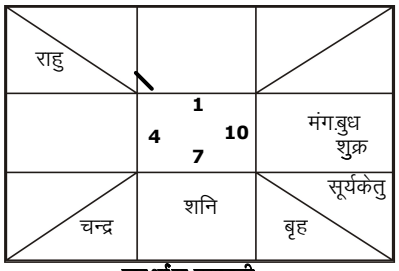

होरा कुण्डली

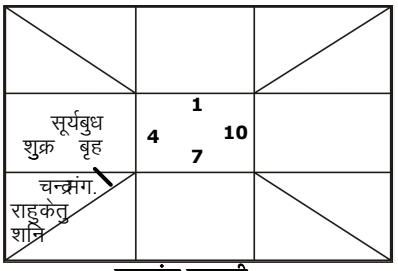

द्रेष्काण कुण्डली

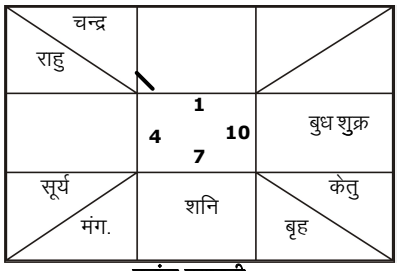

चतुर्थांश कुण्डली

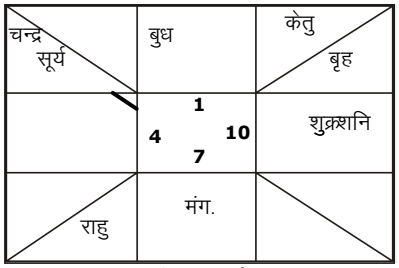

सप्तमांश कुण्डली

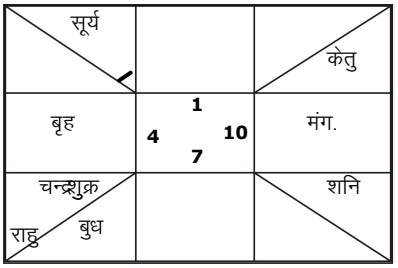

नवांश कुण्डली

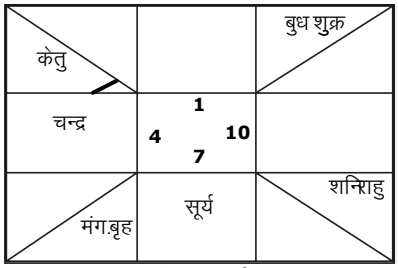

दशमांश कुण्डली

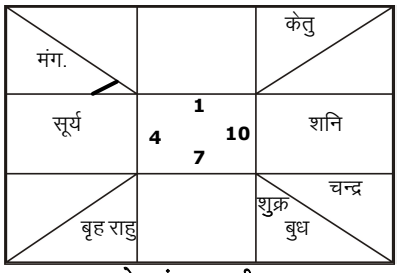

द्वादशांश कुण्डली

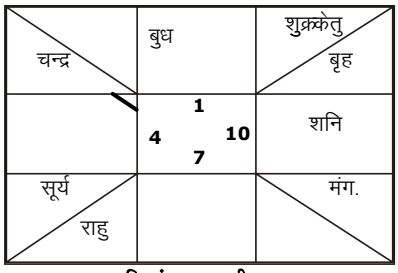

D1	मुख्य कुण्डली, सभी मुद्दों के लिए
D2	धन दौलत के लिए
D3	सहोदरों का जीवन और स्वास्थ्य
D4	भाग्य और रिहायशी मकान
D7	संतान और उनकी संतान
D9	जीवनसाथी और उनका स्वास्थ्य
D10	कारोबार और किसी भी कार्य में सफलता
D12	माता-पिता का जीवन और स्वास्थ्य
D16	वाहन से संबंधित बातें
D20	अध्यात्मिक रूझान
D24	शिक्षा, ज्ञान और समझ
D27	ताकत और दुर्बलता
D30	दरिद्रता, कठिनाईयां और दुर्गति
D40	शुभ-अशुभ घटनाएं
D45	सभी मुद्दों के लिए
D60	सभी मुद्दों के लिए

षोडशांश कुण्डली

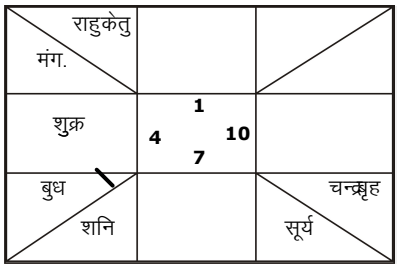

विशांश कुण्डली

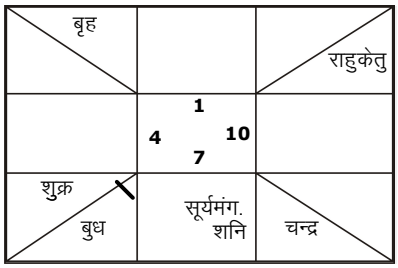

चतुर्विंशांश कुण्डली

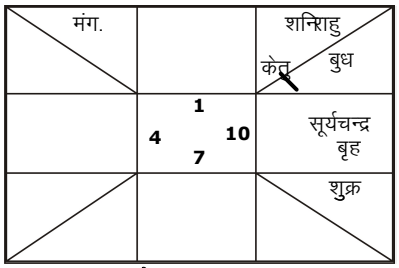

सप्तविंशांश कुण्डली

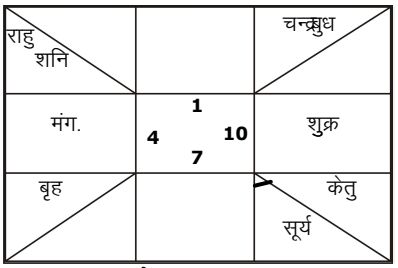

त्रिंशांश कुण्डली

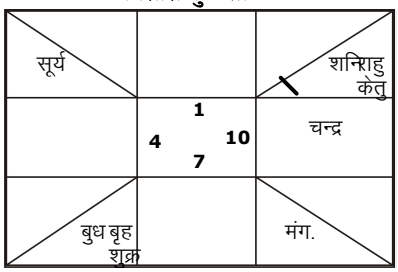

खवेदांश कुण्डली

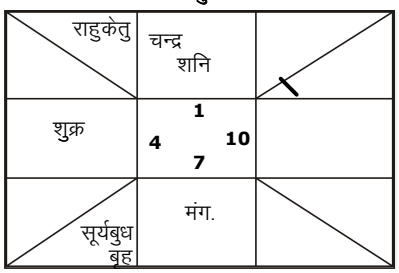

अक्षवेदांशं कुण्डली

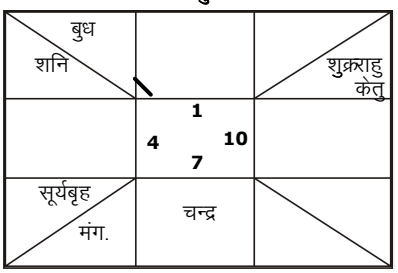

षष्ठांश कुण्डली

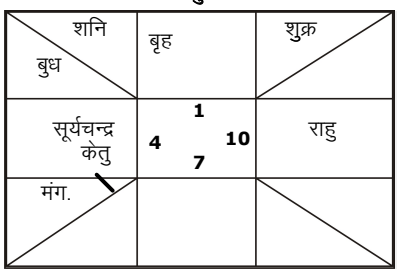

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

षड्बल

बल का नाम	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि
उच्च बल	23.92	13.27	59.84	22.04	18.81	33.35	56.54
सप्त वर्ग बल	135.00	108.75	108.75	110.63	120.00	91.88	142.50
युग्म अयुग्म बल	30.00	30.00	00.00	00.00	00.00	30.00	30.00
केन्द्रादी बल	15.00	15.00	60.00	60.00	30.00	60.00	60.00
द्रेक्कन बल	00.00	15.00	00.00	00.00	15.00	00.00	00.00
स्थान बल	**203.92**	**182.02**	**228.59**	**192.66**	**183.81**	**215.23**	**289.04**
वांछित स्थान बल	165	133	96	165	165	133	96
वांछित अंश	123.59	136.86	238.12	116.76	111.40	161.82	301.09
दिग बल	**57.64**	**31.89**	**50.44**	**30.22**	**10.12**	**02.73**	**59.53**
वांछित दिग बल	35	50	30	35	35	50	30
वांछित अंश	164.67	63.78	168.13	86.36	28.91	05.47	198.43
नतोन्नत बल	57.50	02.50	02.50	57.50	00.00	57.50	02.50
पक्ष बल	30.47	29.53	30.47	30.47	29.53	29.53	30.47
त्रिभाग बल	60.00	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00
वर्ष बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	15.00	00.00
मास बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	30.00
दिन बल	00.00	00.00	00.00	00.00	45.00	00.00	00.00
होरा बल	00.00	00.00	00.00	60.00	00.00	00.00	00.00
अयन बल	01.14	37.78	11.49	54.09	03.69	04.36	45.26
युद्ध बल	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00	00.00
काल बल	**149.12**	**69.81**	**44.47**	**202.06**	**138.22**	**106.39**	**108.24**
वांछित काल बल	112	100	67	112	112	100	67
वांछित अंश	133.14	69.81	66.37	180.41	123.41	106.39	161.55
चेष्टा बल	**01.14**	**29.53**	**45.00**	**45.00**	**30.00**	**45.00**	**30.00**
वांछित चेष्टा बल	50	30	40	50	50	30	40
वांछित अंश	02.29	98.42	112.50	90.00	60.00	150.00	75.00
नैसर्गिक बल	**60.00**	**51.43**	**17.14**	**25.71**	**34.29**	**42.86**	**08.57**
द्रिक बल	**-27.28**	**-04.17**	**-07.66**	**-27.77**	**-04.25**	**-27.81**	**-00.42**
कुल षड्बल	**444.54**	**360.51**	**377.99**	**467.89**	**392.18**	**384.39**	**494.96**
षड्बल (रूप में)	**7.41**	**6.01**	**6.30**	**7.80**	**6.54**	**6.41**	**8.25**
न्यूनतम वांछनिय	390	360	300	420	390	330	300
वांछनिय अंश	113.98	100.14	126.00	111.40	100.56	116.48	164.99
तुलनात्मक स्थिति	**3**	**7**	**6**	**2**	**4**	**5**	**1**
इष्ट फल	**11.07**	**19.80**	**51.89**	**31.49**	**23.75**	**38.74**	**41.19**
कष्ट फल	**48.93**	**40.20**	**08.11**	**28.51**	**36.25**	**21.26**	**18.81**
दिप्ति बल	**100.00**	**29.53**	**11.92**	**36.72**	**14.39**	**19.53**	**24.04**

भावबल

भाव सँख्या	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII
भाव राशि	मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन
भावाधिपति बल	377.99	384.39	467.89	467.89	444.54	467.89	384.39	377.99	392.18	392.18	494.96	392.18
भाव दिग्बल	30.00	20.00	40.00	60.00	10.00	10.00	00.00	50.00	20.00	00.00	40.00	20.00
भाव दृष्टि बल	-09.51	09.84	-28.22	03.75	-06.95	11.23	00.42	15.60	-08.74	-27.81	02.07	07.09
भाव बल का योग	**398.48**	**414.23**	**479.67**	**531.65**	**447.59**	**489.12**	**384.81**	**443.58**	**403.43**	**364.36**	**537.03**	**419.27**
भाव बल (रूप में)	**6.64**	**6.90**	**7.99**	**8.86**	**7.46**	**8.15**	**6.41**	**7.39**	**6.72**	**6.07**	**8.95**	**6.99**
तुलनात्मक स्थिति	**10**	**8**	**4**	**2**	**5**	**3**	**11**	**6**	**9**	**12**	**1**	**7**

ग्रह स्थिति–कृष्णमूर्ति पद्धति

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स0	विशेष
लग्न	मेष	08:19:01	अश्विनी–३	केतु	मंगल	बृहस्पति	बुध	शनि	...
सूर्य	धनु	21:51:21	पूर्वाषाढ–३	शुक्र	बृहस्पति	बृहस्पति	राहु	चन्द्रमा	मित्र के भाव में
चन्द्रमा	कन्या	23:16:27	हस्त–४	चन्द्रमा	बुध	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु के भाव में
मंगल	मकर	27:37:50	धनिष्ठा–२	मंगल	शनि	बृहस्पति	राहु	राहु	उच्चस्थ
बुध	मकर	08:59:29	उत्तराषाढ़–४	सूर्य	शनि	शुक्र	बृहस्पति	शनि	मित्र के भाव में
बृहस्पति	वृश्चिक	08:40:23	अनुराधा–२	शनि	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा	शनि	मित्र के भाव में
शुक्र	मकर	07:09:05	उत्तराषाढ़–४	सूर्य	शनि	केतु	शुक्र	बुध	मित्र के भाव में
शनि	तुला	09:43:52	स्वाती–१	राहु	शुक्र	बृहस्पति	शुक्र	शनि	उच्चस्थ
राहु व	मिथुन	10:03:29	आर्द्रा–२	राहु	बुध	बृहस्पति	चन्द्रमा	शुक्र	तटस्थ भाव में
केतु व	धनु	10:03:29	मूल–४	केतु	बृहस्पति	शनि	केतु	शनि	तटस्थ भाव में
इन्द्र	वृश्चिक	13:41:38	अनुराधा–४	शनि	मंगल	राहु	शनि	राहु	––
वरूण	धनु	03:55:19	मूल–२	केतु	बृहस्पति	चन्द्रमा	राहु	केतु	––
रूद्र	तुला	05:48:26	चित्रा–४	मंगल	शुक्र	चन्द्रमा	राहु	बुध	––
फारच्यूना	मकर	09:44:07	उत्तराषाढ़–४		शनि	शुक्र	बुध	बुध	....

लग्न कुण्डली

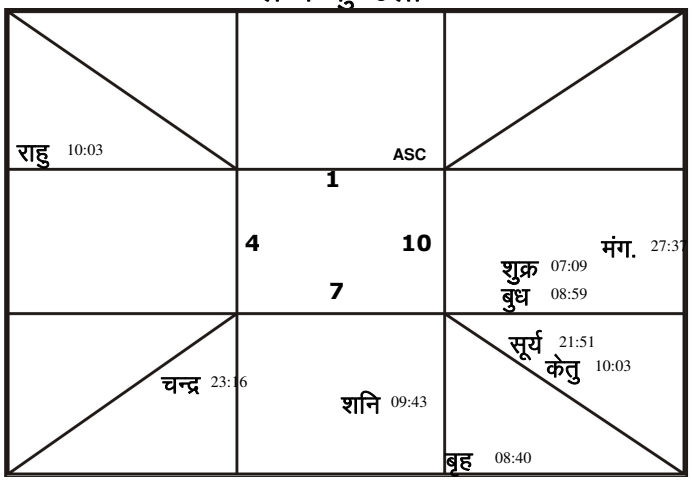

कृष्णमूर्ति भाव चलित

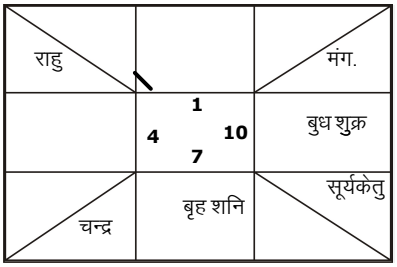

नवांश कुण्डली

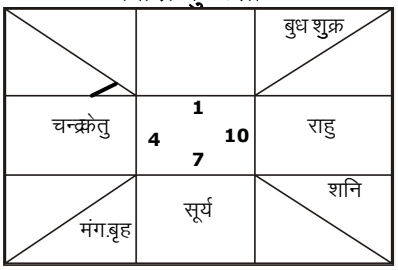

भाव विवरण – कृष्णमूर्ति पद्धति

भाव	राशि	डिग्री	नक्षत्र – चरन	न0 पति	राशि प0	उप	उपउप	उउउ स0
I	मेष	08:19:01	अश्विनी–३	केतु	मंगल	बृहस्पति	बुध	शनि
II	वृष	09:10:05	कृत्तिका–४	सूर्य	शुक्र	शुक्र	बृहस्पति	राहु
III	मिथुन	04:34:12	मृगशिर–४	मंगल	बुध	शुक्र	बुध	सूर्य
IV	कर्क	28:57:01	पुनर्वसु–३	बृहस्पति	चन्द्रमा	सूर्य	राहु	बुध
V	सिहं	26:05:27	आश्लेषा–३	बुध	सूर्य	राहु	मंगल	शुक्र
VI	कन्या	29:19:57	उत्तराफाल्गुनी–१	सूर्य	बुध	राहु	राहु	शनि
VII	तुला	08:19:01	स्वाती–१	राहु	शुक्र	राहु	सूर्य	राहु
VIII	वृश्चिक	09:10:05	अनुराधा–२	शनि	मंगल	शुक्र	राहु	शुक्र
IX	धनु	04:34:12	मूल–२	केतु	बृहस्पति	चन्द्रमा	शुक्र	सूर्य
X	मकर	28:57:01	उत्तराषाढ़–१	सूर्य	शनि	मंगल	केतु	शुक्र
XI	कुम्भ	26:05:27	धनिष्ठा–१	मंगल	शनि	राहु	मंगल	शुक्र
XII	मीन	29:19:57	पूर्वाभाद्रपद–३	बृहस्पति	बृहस्पति	सूर्य	केतु	बुध

जैमिनी लग्न कुण्डली

लग्न(जन्म) कण्डली

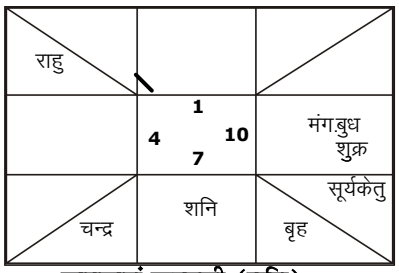

नवांश कण्डली

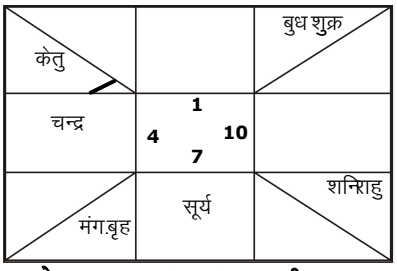

नवांश कण्डली (कृष्ण मिश्रा)

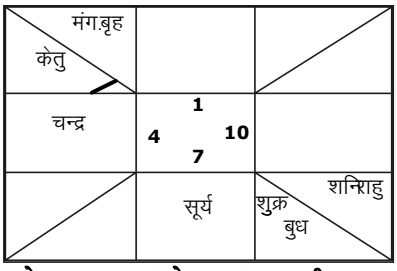

कारकाशं कण्डली (राशि)

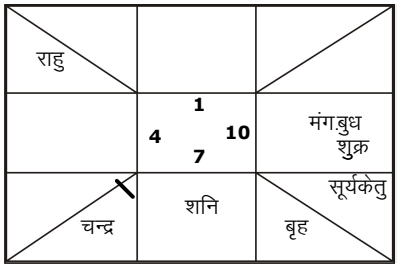

द्रेष्काण लग्न (प्रत्रा.)कण्डली

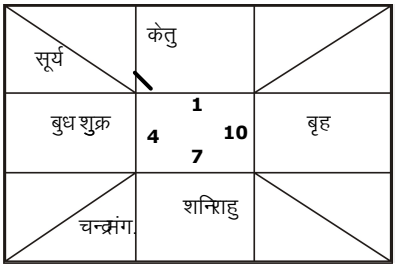

द्रेष्काण लग्न (सोमनाथ)कण्डली

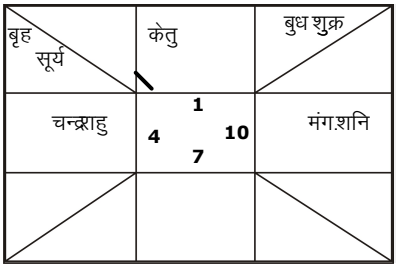

आरुढ लग्न कण्डली

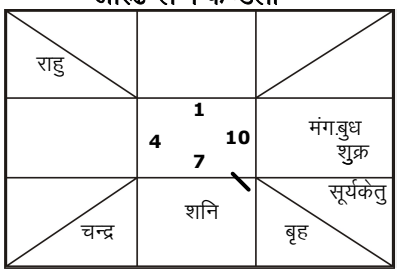

उप-पद लग्न कण्डली

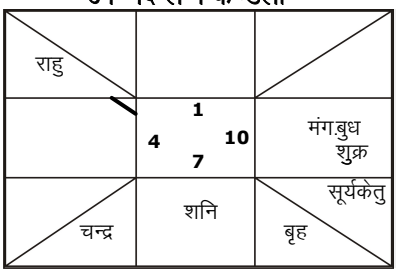

होरा लग्न (वद्धि करिका) कण्डली

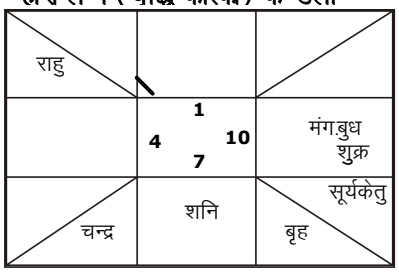

होरा लग्न (सवाया) कण्डली

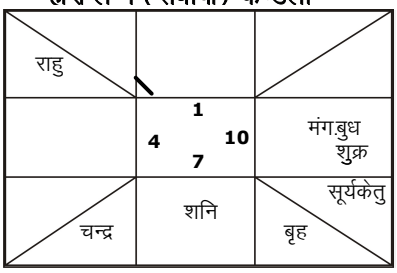

आयर लग्न कण्डली

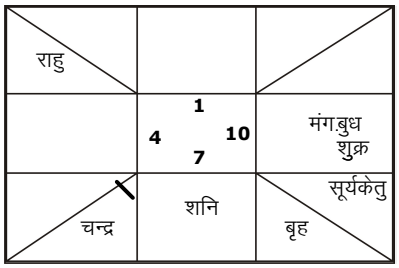

पका लग्न कण्डली

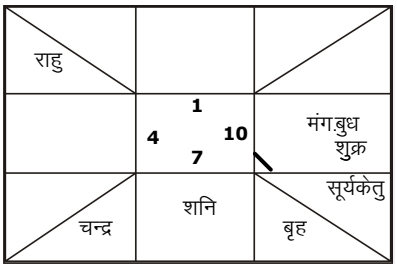

इन्द लग्न कण्डली

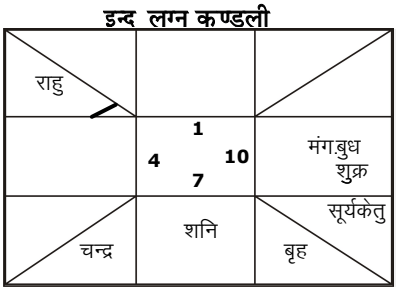

दिव्य लग्न कण्डली

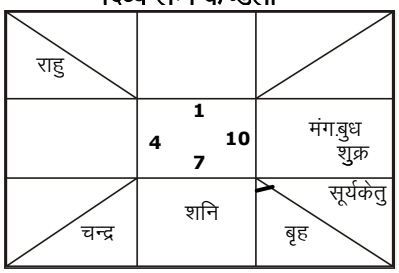

तारा लग्न कण्डली

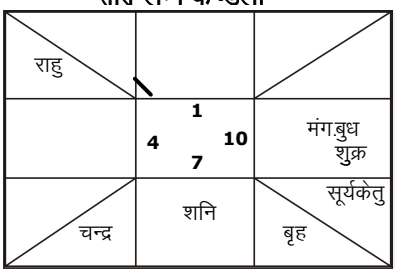

त्रिप्रवन लग्न कण्डली

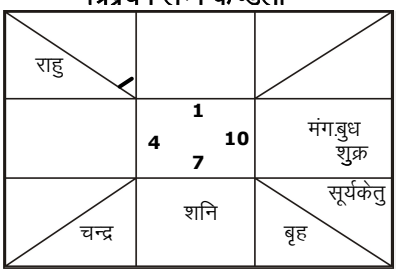

Printed by - MindSutra Software Technologies, New Delhi , www.mindsutra.com

उपग्रहों की स्थिति

सूर्य पर आधारित उपग्रह

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
धुम	मंगल	वृष	05:05:34	कृत्तिका	3
व्यतिपात	राहु	कुम्भ	24:54:26	पूर्वाभाद्रपद	2
परिवेश	चन्द्रमा	सिहं	24:54:26	पूर्वाफाल्गुनी	4
इन्द्रचाप	शुक्र	वृश्चिक	05:05:34	अनुराधा	1
शिखि	केतु	वृश्चिक	21:45:34	ज़्येष्ठा	2
भुकम्प	....	मीन	11:45:34	उत्तराभाद्रपद	3
उल्का	....	मेष	21:45:34	भरणी	3
ब्रह्मदंड	....	मिथुन	28:25:34	पुनर्वसु	3
ध्वजा	....	कन्या	18:25:34	हस्त	3

दिवस पर आधारित उपग्रह (पराशर)

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
यमकन्टक	बृहस्पति	धनु	21:04:47	पूर्वाषाढ	3
कोदन्ड	शुक्र	मकर	11:52:59	श्रवण	1
गुलिका	शनि	कुम्भ	05:30:59	धनिष्ठा	4
कालबेला	सूर्य	मीन	01:42:09	पूर्वाभाद्रपद	4
परिधि	चन्द्रमा	मीन	28:21:48	रेवती	4
मृत्यु	मंगल	मेष	23:00:19	भरणी	3
अर्द्धप्रहर	बुध	वृष	14:43:57	रोहिणी	2
मन्दी	यम	कुम्भ	22:47:03	पूर्वाभाद्रपद	1

दिवस पर आधारित उपग्रह (कालिदास)

उपग्रह	अधिपति	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नक्षत्र चरन
यमकन्टक	बृहस्पति	मकर	11:52:59	श्रवण	1
कोदन्ड	शुक्र	कुम्भ	05:30:59	धनिष्ठा	4
गुलिका	शनि	मीन	01:42:09	पूर्वाभाद्रपद	4
कालबेला	सूर्य	मीन	28:21:48	रेवती	4
परिधि	चन्द्रमा	मेष	23:00:19	भरणी	3
मृत्यु	मंगल	वृष	14:43:57	रोहिणी	2
अर्द्धप्रहर	बुध	मिथुन	04:06:20	मृगशिर	4
मन्दी	यम	कुम्भ	22:47:03	पूर्वाभाद्रपद	1

ग्रह दृष्टि (पराशरी)

ग्रह	मुख्य दृष्टि	विशेष दृष्टि
सूर्य	राहु	------
चन्द्रमा	------	------
मंगल	------	लग्न
बुध	------	------
बृहस्पति	------	------
शुक्र	------	------
शनि	लग्न	सूर्य, केतु
राहु	सूर्य, केतु	------
केतु	राहु	------

ग्रह दृष्टि (जैमिनी)

राशि (ग्रह)	सम्मुख दृष्टि	पृष्ठ दृष्टि
मेष	वृश्चिक (बृ0)	सिहं, कुम्भ
वृष	तुला (श0)	कर्क, मकर (मं0, बु0, शु0)
मिथुन (रा0)	कन्या (च0)	धनु (सू0, के0), मीन
कर्क	कुम्भ	वृष, वृश्चिक (बृ0)
सिहं	मकर (मं0, बु0, शु0)	मेष, तुला (श0)
कन्या (च0)	मिथुन (रा0)	धनु (सू0, के0), मीन
तुला (श0)	वृष	सिहं, कुम्भ
वृश्चिक (बृ0)	मेष	कर्क, मकर (मं0, बु0, शु0)
धनु (सू0, के0)	मीन	मिथुन (रा0), कन्या (च0)
मकर (मं0, बु0, शु0)	सिहं	वृष, वृश्चिक (बृ0)
कुम्भ	कर्क	मेष, तुला (श0)
मीन	धनु (सू0, के0)	मिथुन (रा0), कन्या (च0)

नोट-सम्मुख दृष्टि का प्रभाव पृष्ठ दृष्टि से ज़्यादा होता है।

ग्रह दृष्टि (ताजिक)

ग्रह	लग्न	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
लग्न	---									
सूर्य	5/9 (-)	---								
चन्द्रमा	6/8 (-)	4/10 (+)	---							
मंगल	4/10 (-)	2/12 (+)	5/9 (+)	---						
बुध	4/10 (+)	2/12 (-)	5/9 (-)	1/1 (-)	---					
बृहस्पति	6/8 (+)	2/12 (-)	3/11 (-)	3/11 (-)	3/11 (+)	---				
शुक्र	4/10 (+)	2/12 (-)	5/9 (-)	1/1 (-)	1/1 (+)	3/11 (+)	---			
शनि	7/7 (+)	3/11 (-)	2/12 (-)	4/10 (-)	4/10 (+)	2/12 (+)	4/10 (+)	---		
राहु	3/11 (+)	7/7 (-)	4/10 (-)	6/8 (-)	6/8 (+)	6/8 (+)	6/8 (+)	5/9 (+)	---	
केतु	5/9 (+)	1/1 (-)	4/10 (-)	2/12 (-)	2/12 (+)	2/12 (+)	2/12 (+)	3/11 (+)	7/7 (+)	---

१/१ कन्जक्शन , २ /१२ सेमी सेक्सटाइल , ३/११ सेक्सटाइल , ४/१० स्क्वायर , ५/६ ट्राइन , ६/८ क्वीन्कशं , ७/७ अपोजीशन (.) से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश है , () से अभिप्राय यह है कि इसमें ग्रहीय दृष्टि सीमा का समावेश नहीं है।

नोट- ग्रह दृष्टि के लिए ताजिक सिद्धान्त के अनुसार औसत ग्रहीय दृष्टि सीमा को लिया गया है। राहु और केतु के लिए दृष्टि सीमा ६ लिय गया है, परन्तु लग्न के लिए किसी दृष्टि सीमा को नहीं लिया गया है।

ग्रह अवस्था

ग्रह	स्वप्नादि 3	बलादि 5	लज्जितादि 9	दिप्तादि 9	दिप्तादि 10
सूर्य	स्वप्न	वृद्ध	क्षुदित	प्रमुदित	मुदित
चन्द्रमा	जाग्रत	कुमार	गर्वित	दुखित	संत
मंगल	सुप्त	बाल	क्षुदित	दीप्त	दीप्त
बुध	स्वप्न	वृद्ध	लज़्जित	प्रमुदित	मुदित
बृहस्पति	स्वप्न	वृद्ध	मुदित	प्रमुदित	मुदित
शुक्र	जाग्रत	वृद्ध	लज़्जित	प्रमुदित	मुदित
शनि	स्वप्न	कुमार	मुदित	दीप्त	दीप्त
राहु	स्वप्न	वृद्ध	क्षुदित	दीन	संत
केतु	स्वप्न	वृद्ध	क्षुदित	दीन	मुदित

सन्नडि

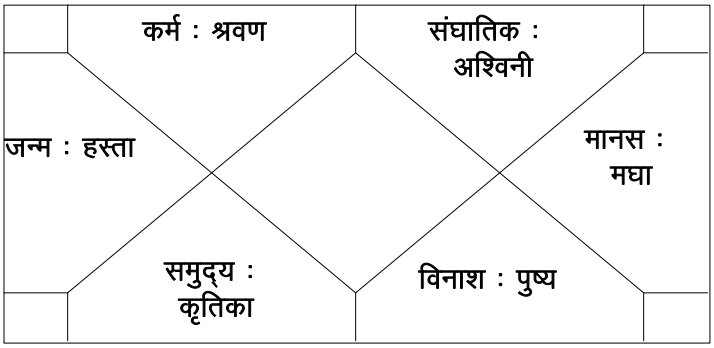

स्थुन		कंटक स्थुन-	उत्तराषाढ़	जाति-	मघा	देश-	पूर्वाफाल्गुनी
कुज स्थुन-	रेवती	रक्त स्थुन-	उत्तराफाल्गुनी	प्रतिष्ठा-	उत्तराफाल्गुनी	त्रि-नाड़ि	

नव-तारा चक्र

जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरि	साधक	निधन	मित्र	अति मित्र
हस्त	चित्रा	स्वाती	विशाखा	अनुराधा	ज़्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ	उत्तराषाढ़
श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पूर्वाभाद्रपद	उत्तराभाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृत्तिका
रोहिणी	मृगशिर	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पूर्वाफाल्गुनी	उत्तराफाल्गुनी

आर्कचतुष्टय और नवशुभ अर्क

जन्म : हस्ता	कर्म : अभिजीत	आधान : कृतिका	नैधव : पुनर्वसु

आर्कचतुष्टय की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२८ नक्षत्र के आधार पर)।

		दग्ध : पूर्वाषाढ़	क्षय : शतभिषा
	शूल : रेवती	सन्निपात : अरिद्रा	ध्वज : मघा
उल्का : हस्ता	भुकम्प : चित्रा	वज्रक : स्वाति	निर्घात : विशाखा

नवशुभ अर्क की गणना चन्द्रमा के नक्षत्र से की जाती है (२७ नक्षत्र के आधार पर)।

जैमिनी पद चक्र

भाव पद

क्रस	पद नाम	पद राशि
1	लग्न पद	तुला
2	धन पद	कन्या
3	सहज पद	सिंह
4	मात्रि पद	वृश्चिक
5	मंत्र पद	मेष
6	अरि पद	वृष
7	दारा पद	मेष
8	रन्ध्र पद	मीन
9	पितृ पद	तुला
10	कर्म पद	कर्क
11	लाभ पद	मिथुन
12	ब्यय पद	कर्क

ग्रह पद

ग्रह		पद राशि
☉	सूर्य	मेष
☽	चन्द्रमा	वृश्चिक
♂	मंगल	तुला
☿	बुध	सिंह
♃	बृहस्पति	तुला
♀	शुक्र	मेष
♄	शनि	मिथुन

राशि पद

क्रस	राशि	पद राशि
1	मेष	मेष
2	वृष	धनु
3	मिथुन	मिथुन
4	कर्क	कर्क
5	सिंह	सिंह
6	कन्या	धनु
7	तुला	तुला
8	वृश्चिक	मिथुन
9	धनु	धनु
10	मकर	धनु
11	कुम्भ	कुम्भ
12	मीन	कन्या

त्रि-पाप चक्र

प्रथम चक्र उम्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितिय चक्र उम्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतिय चक्र उम्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध
केतु कुण्डली	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा	केतु	शुक्र	शुक्र	शुक्र	राहु	राहु	केतु	शनि	शनि
गुरू कुण्डली	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि

प्रथम चक्र उम्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितिय चक्र उम्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतिय चक्र उम्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु
केतु कुण्डली	शनि	सूर्य	सूर्य	सूर्य	केतु	बुध	बुध	बुध	मंगल	मंगल	मंगल	केतु
गुरू कुण्डली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल

प्रथम चक्र उम्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितिय चक्र उम्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतिय चक्र उम्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	शनि	बृहस्पति	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुण्डली	बृहस्पति	बृहस्पति	बृहस्पति	चन्द्रमा	चन्द्रमा	चन्द्रमा	केतु	शुक्र	शुक्र	शुक्र	राहु	राहु
गुरू कुण्डली	केतु	चन्द्रमा	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चन्द्रमा	बुध

मैत्री चक्र

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
☽	चन्द्रमा	मित्र	....	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
♂	मंगल	मित्र	मित्र	....	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
☿	बुध	मित्र	शत्रु	सम	....	सम	मित्र	सम	सम	सम
♃	बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	सम	मित्र	सम
♀	शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	....	मित्र	मित्र	मित्र
♄	शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	....	मित्र	मित्र
☊	राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	मित्र	....	सम
☋	केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र	सम	....

तत्कालिक मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु
☽	चन्द्रमा	मित्र	....	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र
♂	मंगल	मित्र	शत्रु	....	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
☿	बुध	मित्र	शत्रु	शत्रु	....	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
♃	बृहस्पति	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	....	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
♀	शुक्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	....	मित्र	शत्रु	मित्र
♄	शनि	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	....	शत्रु	मित्र
☊	राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	....	शत्रु
☋	केतु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	....

पचंधा मैत्री

ग्रह		सूर्य	चन्द्रमा	मंगल	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि	राहु	केतु
☉	सूर्य	....	अधिमित्र	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	सम	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु
☽	चन्द्रमा	अधिमित्र	....	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
♂	मंगल	अधिमित्र	सम	....	अधिशत्रु	अधिमित्र	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	अधिमित्र
☿	बुध	अधिमित्र	अधिशत्रु	शत्रु	....	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	मित्र
♃	बृहस्पति	अधिमित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	सम	....	सम	मित्र	सम	मित्र
♀	शुक्र	सम	अधिशत्रु	शत्रु	सम	मित्र	....	अधिमित्र	सम	अधिमित्र
♄	शनि	सम	सम	सम	अधिमित्र	मित्र	अधिमित्र	....	सम	अधिमित्र
☊	राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	शत्रु	सम	सम	सम	....	शत्रु
☋	केतु	अधिशत्रु	सम	अधिमित्र	मित्र	मित्र	अधिमित्र	अधिमित्र	शत्रु	....

अर्गला चक्र

मुख्य अर्गला

ग्रह	अर्गला (द्वितिय) के द्वारा	विरोधार्गला (द्वादश) के द्वारा	अर्गला (चतुर्थ) के द्वारा	विरोधार्गला (दशम्) के द्वारा	अर्गला (एकादश) के	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	मंगल, बुध, शुक्र	बृहस्पति	–––	चन्द्रमा	शनि	–––
चन्द्रमा	शनि	–––	सूर्य, केतु	राहु	–––	बृहस्पति
मंगल	–––	सूर्य, केतु	–––	शनि	बृहस्पति	–––
बुध	–––	सूर्य, केतु	–––	शनि	बृहस्पति	–––
बृहस्पति	सूर्य, केतु	शनि	–––	–––	चन्द्रमा	मंगल, बुध, शुक्र
शुक्र	–––	सूर्य, केतु	–––	शनि	बृहस्पति	–––
शनि	बृहस्पति	चन्द्रमा	मंगल, बुध, शुक्र	–––	–––	सूर्य, केतु
राहु	–––	–––	–––	चन्द्रमा	–––	–––
केतु	बृहस्पति	मंगल, बुध, शुक्र	चन्द्रमा	–––	–––	शनि

गौण अर्गला

ग्रह	अर्गला पंचम के द्वारा	विरोधार्गला (नवम्) के द्वारा
सूर्य	–––	–––
चन्द्रमा	मंगल, बुध, शुक्र	–––
मंगल	–––	चन्द्रमा
बुध	–––	चन्द्रमा
बृहस्पति	–––	–––
शुक्र	–––	चन्द्रमा
शनि	–––	राहु
राहु	–––	शनि
केतु	–––	–––

विशेष अर्गला

ग्रह	विरोधार्गला (तृतीय) के द्वारा
सूर्य	....
चन्द्रमा	....
मंगल	....
बुध	....
बृहस्पति	....
शुक्र	....
शनि	....
राहु	....
केतु	....

केतु और राहु ग्रह के लिए अर्गला और विरोध अर्गला मुख्य और गौण दोनो, की गणना उल्टी तरफ से किया जाता है। यह सामान्य नियमों के विपरीत है–यह सिद्धान्त हमारे प्राचीन ज्योतिषीयों के द्वारा दिया गया है।

सुदर्शन चक्र

2/14/26/38/50/62/74/86/98/110 1/13/25/37/49/61/73/85/97/109 12/24/36/48/60/72/84/96/108/120

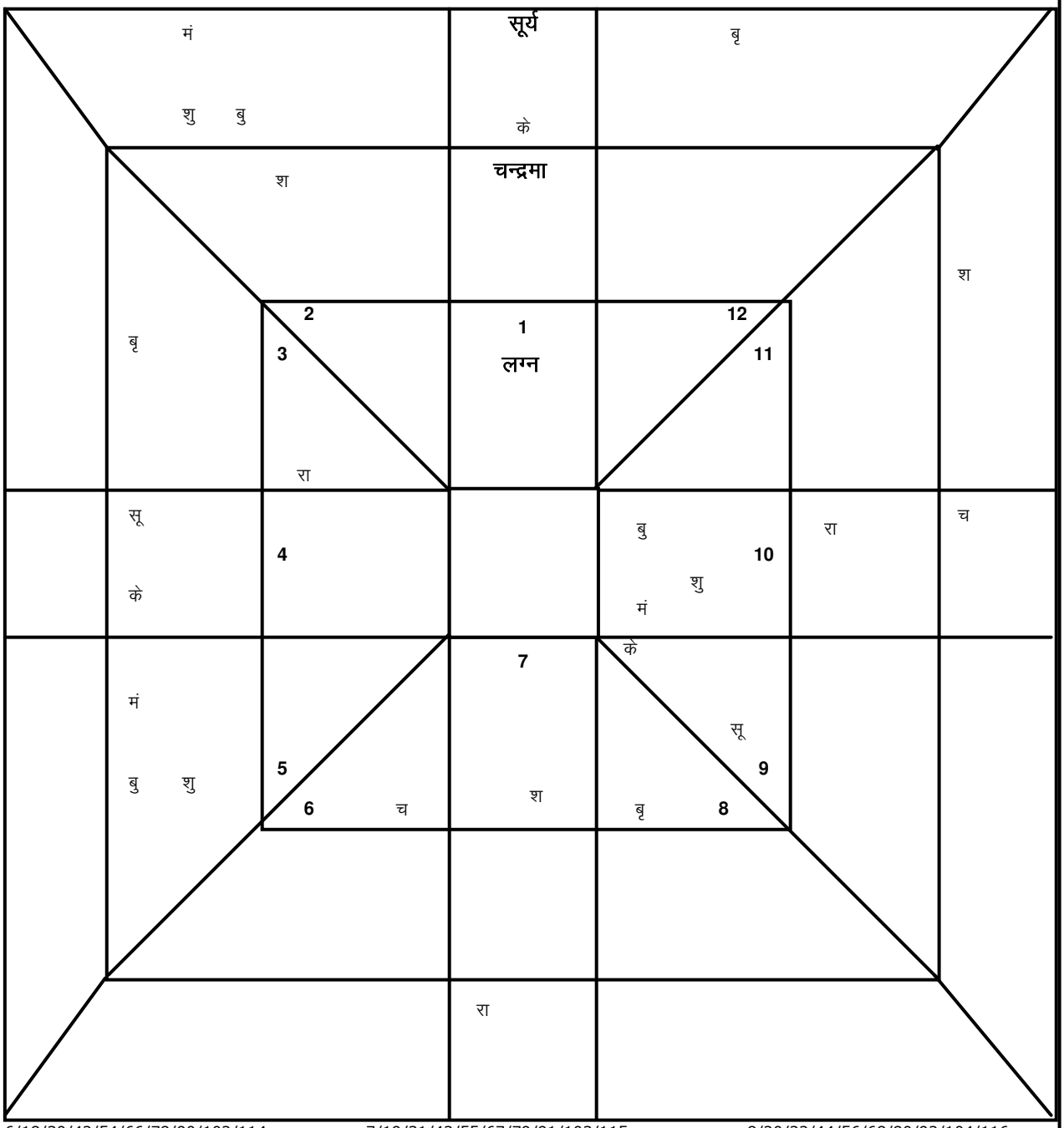

6/18/30/42/54/66/78/90/102/114 7/19/31/43/55/67/79/91/103/115 8/20/32/44/56/68/80/92/104/116

सुदर्शन चक्र शुभ और अशुभ ग्रहों के प्रभाव को दर्शाता है यह (i) लग्न (ii) चन्द्रमा और (iii)सूर्य की स्थिति से इन प्रभावों देखता है। यह जातक की उम्र को भी दर्शाता है कि कब ये प्रभाव जातक पर पड़गें।

यदि केवल शुभ ग्रहों (वृहस्पति, शुक्र वुध, चन्द्रमा) का प्रभाव है तो पूरा साल खुशीयो से भरा होगा और मांगलिक कार्य होगें। यदि केवल अशुभ ग्रहों (मंगल, शनि, राहु, केतू, सुर्य) का प्रभाव है तो यह साल अमंगलकारी होगा।

भिन्न अष्टक वर्ग कुण्डली

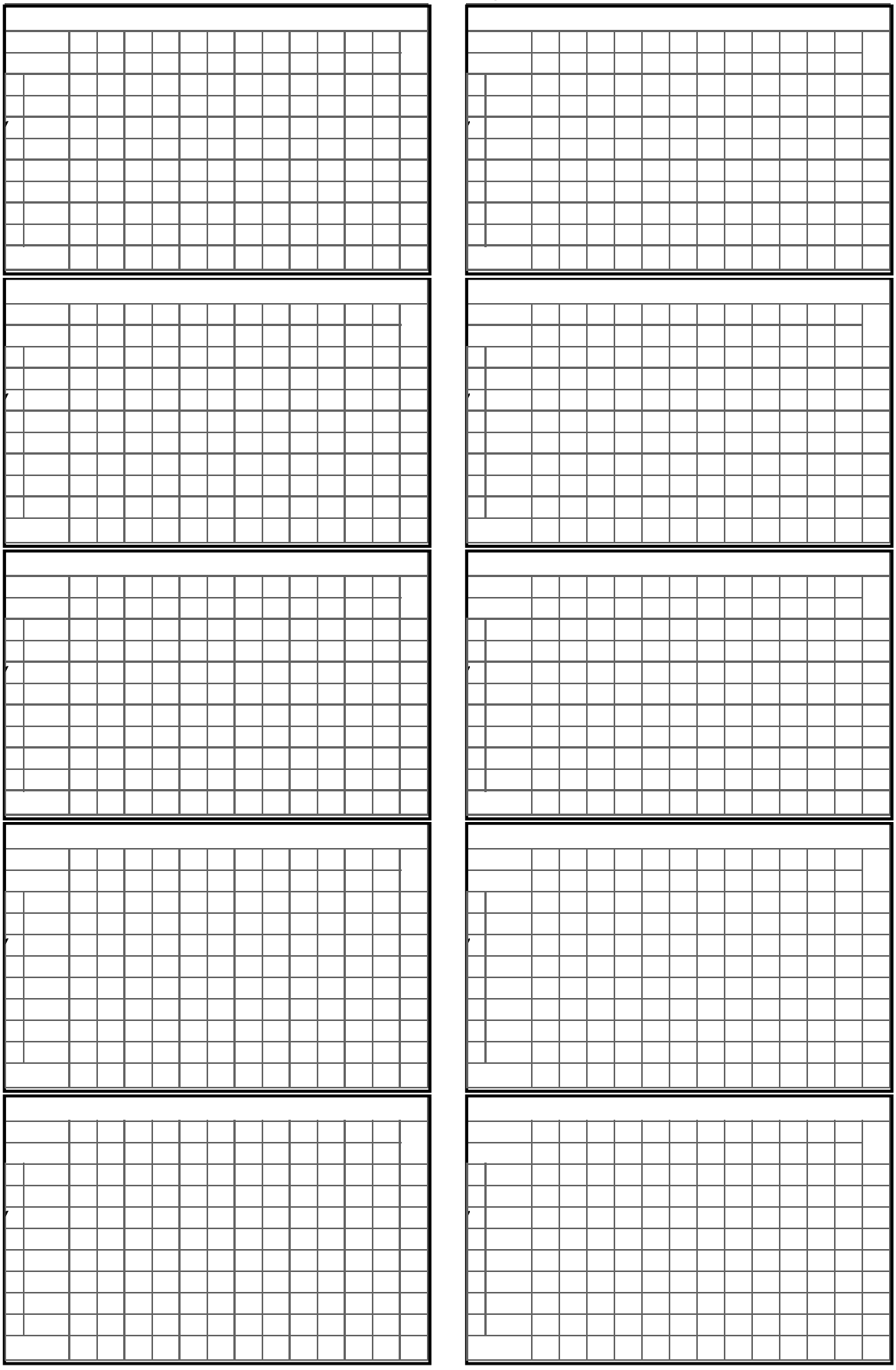

सर्वाष्टक वर्ग से निष्कर्ष

सर्वाष्टक वर्ग

राशि		मेष	वृष	मिथुन	कर्क	सिहं	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुम्भ	मीन	
भाव		I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII	IX	X	XI	XII	
♄	शनि	2	1	5	3	2	4	4	4	5	2	3	4	39
♃	बृहस्पति	3	5	4	4	4	6	6	4	4	6	7	3	56
♂	मगंल	5	3	4	3	4	3	4	4	1	3	4	1	39
☉	सूर्य	3	2	6	7	3	5	4	4	3	4	3	4	48
♀	शुक	3	6	5	5	5	5	3	6	4	3	3	4	52
☿	बुध	7	5	4	4	4	5	6	6	2	5	4	2	54
☽	चन्द्रमा	2	5	5	4	3	6	5	5	1	2	6	5	49
योग		25	27	33	30	25	34	32	33	20	25	30	23	337
AC	लग्न	3	3	4	3	5	4	4	5	2	5	6	5	49
☊	राहु	5	2	5	6	3	3	0	3	6	3	5	3	44

तत्व चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	शुभ दिशा
अग्नि त्रिकोन	84.25	70	पूर्व
पृथ्वी त्रिकोन	84.25	86	दक्षिण
वायू त्रिकोन	84.25	95	पश्चिम
जल त्रिकोन	84.25	86	उत्तर

)विशेष – सबसे ज़्यादा बिन्दु सबसे शुभ दिशा को इंगित करता है (पू, द, प और उ)। अगर दोनों भागों के बिन्दुओं की संख्या बराबर या आसपास हैं, तो शुभ दिशा (उ पू, दपू, उ प और दप) होगी।)

भुवन चक्र

स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
केन्द्र भाव–राशि	112.33	112	मेहनत और लगन
पनफरा भाव–राशि	112.33	115	आर्थिक स्थिति
अपक्लिम् भाव–राशि	112.33	110	वित्त हानि

दिशा चक्र

भाग	स0 व0 बिन्दु	पूर्णाकं	प्राप्ति	निष्कर्ष
बन्धुक	भाग्य त्रिकोन	84.25	70	बन्धु –बान्धवो से सहायता
सेवक	कर्म त्रिकोन	84.25	86	नौकरी से अर्जन
पोषक	लाभ त्रिकोन	84.25	95	लाभ और धन
घातक	व्यय त्रिकोन	84.25	86	दुर्भाग्य और हानि

सर्वातोभद्र चक्र

जन्म						
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	दिशा		
AC लग्न	मेष	008:13:14	1 (3)	—	—	—
सूर्य	धनु	021:45:34	20 (3)		मि0ग्र0	दु0ग्रह
चन्द्रमा	कन्या	023:10:40	13 (4)		श0ग्र0	—
मंगल	मकर	027:32:02	24 (2)		उच्च0	शु0ग्र0
बुध	मकर	008:53:41	22 (4)		मि0ग्र0	शु0ग्र0
बृहस्पति	वृश्चिक	008:34:35	17 (2)		मि0ग्र0	—
शुक्र	मकर	007:03:18	22 (4)		मि0ग्र0	शु0ग्र0
शनि	तुला	009:38:04	15 (1)		उच्च0	—
राहु	मिथुन	009:57:41	6 (1)	व0	त0ग्र0	—
केतु	धनु	009:57:41	19 (3)	व0	त0ग्र0	दु0ग्रह

गोचर						
ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	दिशा		
AC लग्न	मिथुन	018:17:49	6 (4)	—	—	—
सूर्य	धनु	004:40:18	19 (2)			शु0ग्र0
चन्द्रमा	मिथुन	019:05:34	6 (4)			—
मंगल	वृश्चिक	010:49:16	17 (3)			दु0ग्रह
बुध	धनु	016:29:41	20 (1)			दु0ग्रह
बृहस्पति	कुम्भ	004:15:12	24 (4)			—
शुक्र	मकर	002:18:24	21 (2)	व0	व0	दु0ग्रह
शनि	मकर	016:33:03	23 (2)			शु0ग्र0
राहु	वृष	005:58:43	3 (3)	व0	व0	—
केतु	वृश्चिक	005:58:43	17 (1)	व0	व0	दु0ग्रह

Name: Jhon Adams Date : 6 January 1983 (Thursday) Time : 00:18:00PM Place : Asansol (west Bengal) , INDIA
Transit Date : 20 December 2021 (Monday) Transit Time : 05:56:23PM Place : Asansol (west Bengal) , INDIA

गोचर के ग्रह   जन्म समय के ग्रह

राशियाँ	मे	वृष		मिथुन		कर्क		राशियाँ
नवतारा	अतिमित्र	जन्म	संपत	विपत	क्षेम	प्रत्यरी	साधक	नवतारा
नाड़ी	प्रचन्ड	पवन	दहन	शोभय	नीर	जल	अमृत	नाड़ी
नवांश	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	1 2 3 4	5 6 7 8	9 10 11 12	नवांश
पद	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	1 2 3 4	पद
अ	रा कृत्तिका	रोहिणी	मृगशिर	रा च आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	आ

राशि	नवतारा	नाड़ी	नवांश	पद	नक्षत्र								नक्षत्र	पद	नवांश	नाड़ी	नवतारा	राशि
मेष	मित्र	प्रचन्ड	8 7 6 5	4 3 2 1	भरणी	00	अ	व	क	ह	द	00	मघा	1 2 3 4	1 2 3 4	अमृत	निधन	सिंह
	निधन	पवन	4 3 2 1	4 3 2 1	अश्विनी	ल	लृ	वृष	मिथुन	कर्क	लृ	म	पूर्वाफाल्गुनी	1 2 3 4	5 6 7 8	जल	मित्र	
मीन	साधक	दहन	12 11 10 9	4 3 2 1	रेवती	च	मेष	ओ	रवि, मंगल १, ६, ११	औ	सिंह	ट	उत्तराफाल्गुनी	1 2 3 4	9 10 11 12	नीर	अतिमित्र	कन्या
	प्रत्यरी	शोभय	8 7 6 5	4 3 2 1	उत्तराभाद्र	ध	मीन	शुक्रवार ४, ९, १४	शनिवार ५, १०, १५	सोम, बुध २, ७, १२	कन्या	प	हस्त च	1 2 3 4	1 2 3 4	शोभय	जन्म	
कुम्भ	क्षेम	नीर	4 3 2 1	4 3 2 1	पूर्वाभाद्रपद	स	कुम्भ	अः	बृहस्पतिवार ३, ८, १३	अं	तुला	र	चित्रा	1 2 3 4	5 6 7 8	दहन	संपत	तुला
	विपत	जल	12 11 10 9	4 3 2 1	शतभिषा	ग	ऐ	मकर	धनु	वृश्चिक	ऐ	थ	स्वाती श	1 2 3 4	9 10 11 12	पवन	विपत	
मकर	संपत	अमृत	8 7 6 5	4 3 2 1 मं	बृ धनिष्ठा	ऋ	ख	ज	भ	य	न	ॠ	विशाखा	1 2 3 4	1 2 3 4	प्रचन्ड	क्षेम	वृश्चिक

इ	श्रवण श	अभिजीत शु बु	उत्तराषाढ़ शु	पूर्वाषाढ बु सू	मूल सू के	ज्येष्ठा मं	अनुराधा के बृ	ई
पद	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	4 3 2 1	पद
नवांश	4 3 2 1	12 12 12 12	12 11 10 9	8 7 6 5	4 3 2 1	12 11 10 9	8 7 6 5	नवांश
नाड़ी	अमृत	जल	नीर	शोभय	दहन	पवन	प्रचन्ड	नाड़ी
नवतारा	जन्म		अतिमित्र	मित्र	निधन	साधक	प्रत्यरी	नवतारा

कोटा चक्र

Name: Jhon Adams Date : 6 January 1983 (Thursday) Time : 00:18:00PM Place : Asansol (west Bengal) , INDIA
Transit Date : 20 December 2021 (Monday) Transit Time : 05:56:23PM Place : Asansol (west Bengal) , INDIA

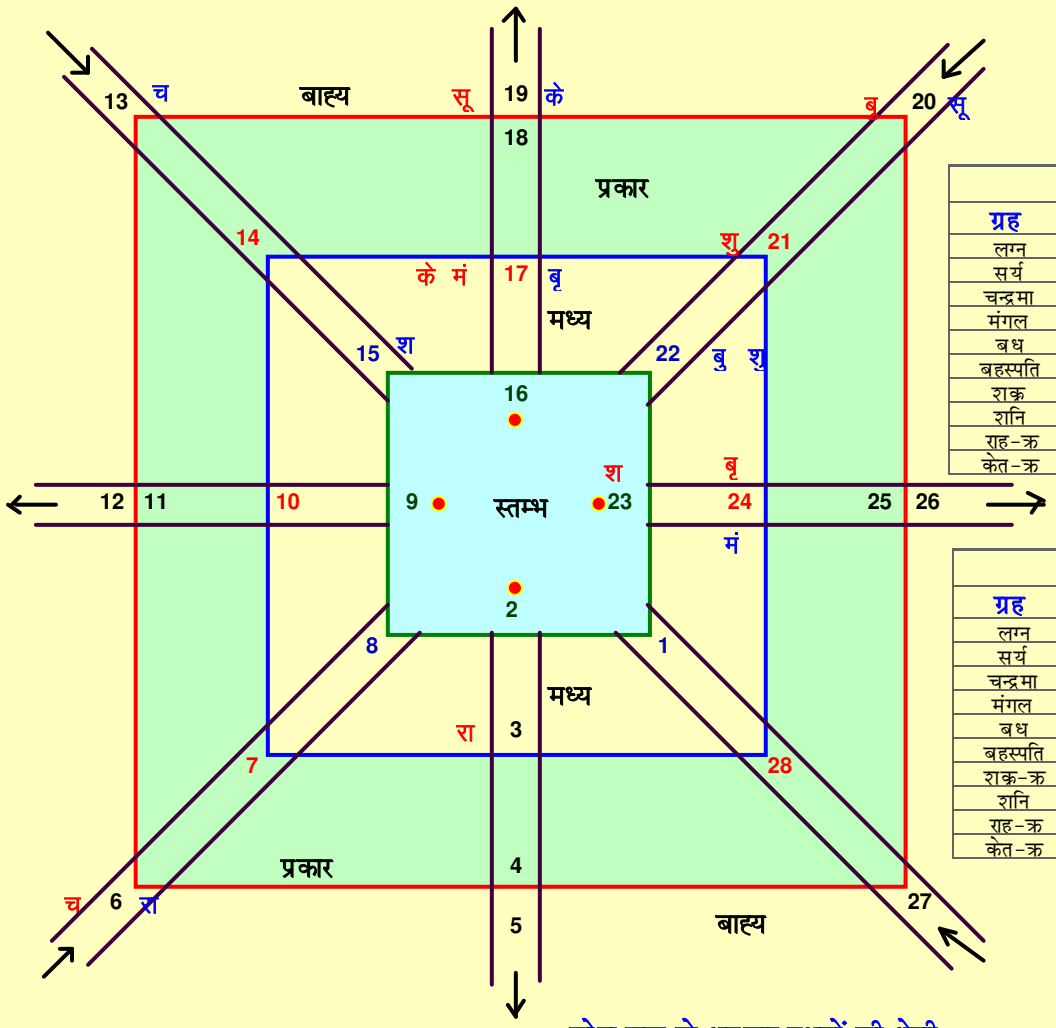

गोचर के ग्रह
जन्म समय के ग्रह

ग्रह स्थिति-जन्म

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नपति
लग्न	मेष	08:13:14	अश्विनी (३)	केत
सर्य	धन	21:45:34	पर्वाषाढ (३)	शक्र
चन्द्रमा	कन्या	23:10:40	हस्त (४)	चन्द्रमा
मंगल	मकर	27:32:02	धनिष्ठा (२)	चन्द्रमा
बध	मकर	08:53:41	अभिजीत (४)	सर्य
बहस्पति	वश्चिक	08:34:35	अनराधा (२)	शनि
शक्र	मकर	07:03:18	अभिजीत (४)	सर्य
शनि	तला	09:38:04	स्वाती (१)	राह
राह-क्र	मिथन	09:57:41	आर्द्रा (१)	राह
केत-क्र	धन	09:57:41	मल (३)	केत

ग्रह स्थिति-गोचर

ग्रह	राशि	डिग्री	नक्षत्र	नपति
लग्न	मिथन	18:17:49	आर्द्रा (४)	राह
सर्य	धन	04:40:18	मल (२)	केत
चन्द्रमा	मिथन	19:05:34	आर्द्रा (४)	राह
मंगल	वश्चिक	10:49:16	अनराधा (३)	शनि
बध	धन	16:29:41	पर्वाषाढ (१)	शक्र
बहस्पति	कम्भ	04:15:12	धनिष्ठा (४)	चन्द्रमा
शक्र-क्र	मकर	02:18:24	उत्तराषाढ (२)	सर्य
शनि	मकर	16:33:03	श्रवण (२)	चन्द्रमा
राह-क्र	वष	05:58:43	कत्तिका (३)	सर्य
केत-क्र	वश्चिक	05:58:43	अनराधा (१)	शनि

कोटा चक्र के अनुसार नक्षत्रों की श्रेणी

(२८ नक्षत्र के सिद्धान्त पर अभिजित नक्षत्र के साथ)

क्र स	श्रेणी	I	II	III	IV
1.	स्तम्भ नक्षत्र-	विशाखा	श्रवण	भरणी	आश्लेषा
2.	मध्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	स्वाती	अभिजीत	अश्विनी	पुष्य
3.	मध्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	अनुराधा	धनिष्ठा	कृत्तिका	मघा
4.	प्रकार नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	चित्रा	उत्तराषाढ़	रेवती	पुनर्वसु
5.	प्रकार नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	ज़्येष्ठा	शतभिषा	रोहिणी	पूर्वाफाल्गुनी
6.	बाह्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का प्रवेश और राह तथा केत का निकास)	हस्त	पूर्वाषाढ	उत्तराभाद्रपद	आर्द्रा
7.	बाह्य नक्षत्र (सुर्य से शनि आदि ग्रहों का निकास और राह तथा केत का प्रवेश)	मूल	पूर्वाभाद्रपद	मृगशिर	उत्तराफाल्गुनी

कोटा स्वामी- बुध

कोटा पाल- बुध

नैसर्गिक शुभ ग्रह- बृहस्पति, शुक्र, बुध और चन्द्रमा		
विवरण	जन्म	गोचर
मारक ग्रह १	शुक्र	चन्द्रमा
मारक ग्रह २	शुक्र	बृहस्पति
सामान्य बाधक ग्रह	शनि	बृहस्पति
विशेष बाधक ग्रह	वरूण	केतु
त्रिका स्वामी १	बुध	मंगल
त्रिका स्वामी २	मंगल	शनि
त्रिका स्वामी ३	बृहस्पति	शुक्र

नैसर्गिक अशुभ ग्रह- शनि, मंगल, राहु और केतु		
विवरण	जन्म	गोचर
क्रियात्मक अशुभ ग्रह १	शनि	मंगल
क्रियात्मक अशुभ ग्रह २	बुध	सूर्य
कोटा पाल और कोटा स्वामी के लिए बाधक ग्रह	मंगल	सूर्य
मुख्य कोटा स्वामी और गौण कोटा स्वामी के लिए बाधक ग्रह	---	---

विंशोत्तरी दशा

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : चन्द्रमा : 0 व0 १ मा0 १२ दि0

क0 स0		ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽	चन्द्रमा महादशा	0 y.1 m.12 d.	06:01:1983 --- 18:02:1983
2	♂	मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:1983 --- 18:02:1990
3	☊	राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	18:02:1990 --- 18:02:2008
4	♃	बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	18:02:2008 --- 18:02:2024
5	♄	शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	18:02:2024 --- 18:02:2043
6	☿	बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	18:02:2043 --- 18:02:2060
7	☋	केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:2060 --- 18:02:2067
8	♀	शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	18:02:2067 --- 18:02:2087
9	☉	सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	18:02:2087 --- 18:02:2093

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	
सूर्य	06:01:1983 - 18:02:1983

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
मंगल	18:02:1983 - 17:07:1983
राहु	17:07:1983 - 04:08:1984
बृहस्पति	04:08:1984 - 11:07:1985
शनि	11:07:1985 - 19:08:1986
बुध	19:08:1986 - 16:08:1987
केतु	16:08:1987 - 12:01:1988
शुक्र	12:01:1988 - 14:03:1989
सूर्य	14:03:1989 - 20:07:1989
चन्द्रमा	20:07:1989 - 18:02:1990

राहु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
राहु	18:02:1990 - 31:10:1992
बृहस्पति	31:10:1992 - 26:03:1995
शनि	26:03:1995 - 30:01:1998
बुध	30:01:1998 - 19:08:2000
केतु	19:08:2000 - 06:09:2001
शुक्र	06:09:2001 - 06:09:2004
सूर्य	06:09:2004 - 01:08:2005
चन्द्रमा	01:08:2005 - 30:01:2007
मंगल	30:01:2007 - 18:02:2008

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बृहस्पति	18:02:2008 - 07:04:2010
शनि	07:04:2010 - 19:10:2012
बुध	19:10:2012 - 24:01:2015
केतु	24:01:2015 - 31:12:2015
शुक्र	31:12:2015 - 31:08:2018
सूर्य	31:08:2018 - 19:06:2019
चन्द्रमा	19:06:2019 - 19:10:2020
मंगल	19:10:2020 - 25:09:2021
राहु	25:09:2021 - 18:02:2024

शनि दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शनि	18:02:2024 - 21:02:2027
बुध	21:02:2027 - 31:10:2029
केतु	31:10:2029 - 10:12:2030
शुक्र	10:12:2030 - 09:02:2034
सूर्य	09:02:2034 - 21:01:2035
चन्द्रमा	21:01:2035 - 22:08:2036
मंगल	22:08:2036 - 01:10:2037
राहु	01:10:2037 - 07:08:2040
बृहस्पति	07:08:2040 - 18:02:2043

बुध दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
बुध	18:02:2043 - 17:07:2045
केतु	17:07:2045 - 14:07:2046
शुक्र	14:07:2046 - 14:05:2049
सूर्य	14:05:2049 - 20:03:2050
चन्द्रमा	20:03:2050 - 19:08:2051
मंगल	19:08:2051 - 16:08:2052
राहु	16:08:2052 - 05:03:2055
बृहस्पति	05:03:2055 - 10:06:2057
शनि	10:06:2057 - 18:02:2060

केतु दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
केतु	18:02:2060 - 16:07:2060
शुक्र	16:07:2060 - 16:09:2061
सूर्य	16:09:2061 - 21:01:2062
चन्द्रमा	21:01:2062 - 22:08:2062
मंगल	22:08:2062 - 18:01:2063
राहु	18:01:2063 - 06:02:2064
बृहस्पति	06:02:2064 - 12:01:2065
शनि	12:01:2065 - 21:02:2066
बुध	21:02:2066 - 18:02:2067

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
शुक्र	18:02:2067 - 19:06:2070
सूर्य	19:06:2070 - 19:06:2071
चन्द्रमा	19:06:2071 - 18:02:2073
मंगल	18:02:2073 - 19:04:2074
राहु	19:04:2074 - 19:04:2077
बृहस्पति	19:04:2077 - 19:12:2079
शनि	19:12:2079 - 18:02:2083
बुध	18:02:2083 - 19:12:2085
केतु	19:12:2085 - 18:02:2087

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से ——— तक
सूर्य	18:02:2087 - 07:06:2087
चन्द्रमा	07:06:2087 - 07:12:2087
मंगल	07:12:2087 - 13:04:2088
राहु	13:04:2088 - 08:03:2089
बृहस्पति	08:03:2089 - 25:12:2089
शनि	25:12:2089 - 07:12:2090
बुध	07:12:2090 - 13:10:2091
केतु	13:10:2091 - 18:02:2092
शुक्र	18:02:2092 - 18:02:2093

विंशोत्तरी दशा

बृहस्पति महादशा (18:02:2008 से 18:02:2024)

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	18:02:2008
शनि	01:06:2008
बुध	03:10:2008
केतु	21:01:2009
शुक्र	08:03:2009
सूर्य	15:07:2009
चन्द्रमा	23:08:2009
मंगल	27:10:2009
राहु	12:12:2009

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	07:04:2010
बुध	01:09:2010
केतु	10:01:2011
शुक्र	05:03:2011
सूर्य	06:08:2011
चन्द्रमा	21:09:2011
मंगल	07:12:2011
राहु	30:01:2012
बृहस्पति	17:06:2012

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	19:10:2012
केतु	13:02:2013
शुक्र	02:04:2013
सूर्य	18:08:2013
चन्द्रमा	29:09:2013
मंगल	07:12:2013
राहु	24:01:2014
बृहस्पति	28:05:2014
शनि	15:09:2014

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	24:01:2015
शुक्र	13:02:2015
सूर्य	11:04:2015
चन्द्रमा	28:04:2015
मंगल	26:05:2015
राहु	15:06:2015
बृहस्पति	05:08:2015
शनि	20:09:2015
बुध	13:11:2015

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	31:12:2015
सूर्य	11:06:2016
चन्द्रमा	29:07:2016
मंगल	19:10:2016
राहु	15:12:2016
बृहस्पति	10:05:2017
शनि	17:09:2017
बुध	18:02:2018
केतु	06:07:2018

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	31:08:2018
चन्द्रमा	15:09:2018
मंगल	09:10:2018
राहु	26:10:2018
बृहस्पति	09:12:2018
शनि	17:01:2019
बुध	04:03:2019
केतु	15:04:2019
शुक्र	02:05:2019

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	19:06:2019
मंगल	30:07:2019
राहु	27:08:2019
बृहस्पति	08:11:2019
शनि	12:01:2020
बुध	29:03:2020
केतु	07:06:2020
शुक्र	05:07:2020
सूर्य	24:09:2020

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	19:10:2020
राहु	08:11:2020
बृहस्पति	29:12:2020
शनि	12:02:2021
बुध	07:04:2021
केतु	26:05:2021
शुक्र	14:06:2021
सूर्य	10:08:2021
चन्द्रमा	27:08:2021

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	25:09:2021
बृहस्पति	03:02:2022
शनि	31:05:2022
बुध	17:10:2022
केतु	18:02:2023
शुक्र	10:04:2023
सूर्य	03:09:2023
चन्द्रमा	17:10:2023
मंगल	29:12:2023

विंशोत्तरी दशा

राहु अन्तर्दशा (25:09:2021 से 18:02:2024)

राहु प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
राहु	25:09:2021
बृहस्पति	14:10:2021
शनि	01:11:2021
बुध	22:11:2021
केतु	10:12:2021
शुक्र	18:12:2021
सूर्य	09:01:2022
चन्द्रमा	15:01:2022
मंगल	26:01:2022

बृहस्पति प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
बृहस्पति	03:02:2022
शनि	19:02:2022
बुध	09:03:2022
केतु	26:03:2022
शुक्र	01:04:2022
सूर्य	21:04:2022
चन्द्रमा	27:04:2022
मंगल	07:05:2022
राहु	13:05:2022

शनि प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
शनि	31:05:2022
बुध	22:06:2022
केतु	11:07:2022
शुक्र	20:07:2022
सूर्य	12:08:2022
चन्द्रमा	19:08:2022
मंगल	30:08:2022
राहु	07:09:2022
बृहस्पति	28:09:2022

बुध प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
बुध	17:10:2022
केतु	03:11:2022
शुक्र	10:11:2022
सूर्य	01:12:2022
चन्द्रमा	07:12:2022
मंगल	18:12:2022
राहु	25:12:2022
बृहस्पति	12:01:2023
शनि	29:01:2023

केतु प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
केतु	18:02:2023
शुक्र	21:02:2023
सूर्य	01:03:2023
चन्द्रमा	04:03:2023
मंगल	08:03:2023
राहु	11:03:2023
बृहस्पति	19:03:2023
शनि	25:03:2023
बुध	03:04:2023

शुक्र प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
शुक्र	10:04:2023
सूर्य	04:05:2023
चन्द्रमा	11:05:2023
मंगल	24:05:2023
राहु	01:06:2023
बृहस्पति	23:06:2023
शनि	12:07:2023
बुध	05:08:2023
केतु	25:08:2023

सूर्य प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
सूर्य	03:09:2023
चन्द्रमा	05:09:2023
मंगल	09:09:2023
राहु	11:09:2023
बृहस्पति	18:09:2023
शनि	24:09:2023
बुध	30:09:2023
केतु	07:10:2023
शुक्र	09:10:2023

चन्द्रमा प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
चन्द्रमा	17:10:2023
मंगल	23:10:2023
राहु	27:10:2023
बृहस्पति	07:11:2023
शनि	17:11:2023
बुध	28:11:2023
केतु	08:12:2023
शुक्र	13:12:2023
सूर्य	25:12:2023

मंगल प्रत्यन्तर्दशा

सूक्ष्म दशा	से –
मंगल	29:12:2023
राहु	01:01:2024
बृहस्पति	08:01:2024
शनि	15:01:2024
बुध	23:01:2024
केतु	30:01:2024
शुक्र	02:02:2024
सूर्य	11:02:2024
चन्द्रमा	14:02:2024

विंशोत्तरी दशा

राहु प्रत्यन्तर्दशा (25:09:2021 से 03:02:2022)

राहु सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
राहु	25:09:2021 : 02:47:25AM
बृहस्पति	28:09:2021 : 01:44:47AM
शनि	30:09:2021 : 04:49:06PM
बुध	03:10:2021 : 07:42:59PM
केतु	06:10:2021 : 02:43:49PM
शुक्र	07:10:2021 : 06:19:27PM
सूर्य	11:10:2021 : 01:09:51AM
चन्द्रमा	12:10:2021 : 00:48:59AM
मंगल	13:10:2021 : 04:14:11PM

बृहस्पति सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
बृहस्पति	14:10:2021 : 07:49:49PM
शनि	17:10:2021 : 03:53:39AM
बुध	19:10:2021 : 10:28:13PM
केतु	22:10:2021 : 10:02:18AM
शुक्र	23:10:2021 : 10:33:59AM
सूर्य	26:10:2021 : 08:38:47AM
चन्द्रमा	27:10:2021 : 05:40:13AM
मंगल	28:10:2021 : 04:42:37PM
राहु	29:10:2021 : 05:14:18PM

शनि सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
शनि	01:11:2021 : 08:18:37AM
बुध	04:11:2021 : 03:22:09PM
केतु	07:11:2021 : 02:06:23PM
शुक्र	08:11:2021 : 07:14:00PM
सूर्य	12:11:2021 : 06:27:12AM
चन्द्रमा	13:11:2021 : 07:25:09AM
मंगल	15:11:2021 : 01:01:45AM
राहु	16:11:2021 : 06:09:23AM
बृहस्पति	19:11:2021 : 09:03:15AM

बुध सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
बुध	22:11:2021 : 03:37:49AM
केतु	24:11:2021 : 06:55:17PM
शुक्र	25:11:2021 : 08:58:56PM
सूर्य	28:11:2021 : 11:26:32PM
चन्द्रमा	29:11:2021 : 09:46:49PM
मंगल	01:12:2021 : 11:00:37AM
राहु	02:12:2021 : 01:04:17PM
बृहस्पति	05:12:2021 : 08:05:07AM
शनि	07:12:2021 : 07:39:12PM

केतु सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
केतु	10:12:2021 : 06:23:25PM
शुक्र	11:12:2021 : 05:07:17AM
सूर्य	12:12:2021 : 11:46:53AM
चन्द्रमा	12:12:2021 : 08:58:45PM
मंगल	13:12:2021 : 00:18:33PM
राहु	13:12:2021 : 11:02:25PM
बृहस्पति	15:12:2021 : 02:38:03AM
शनि	16:12:2021 : 03:09:44AM
बुध	17:12:2021 : 08:17:21AM

शुक्र सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
शुक्र	18:12:2021 : 10:21:01AM
सूर्य	22:12:2021 : 01:57:01AM
चन्द्रमा	23:12:2021 : 04:13:49AM
मंगल	25:12:2021 : 00:01:49AM
राहु	26:12:2021 : 06:41:25AM
बृहस्पति	29:12:2021 : 01:31:49PM
शनि	01:01:2022 : 11:36:37AM
बुध	04:01:2022 : 10:49:49PM
केतु	08:01:2022 : 01:17:25AM

सूर्य सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
सूर्य	09:01:2022 : 07:57:01AM
चन्द्रमा	09:01:2022 : 03:50:03PM
मंगल	10:01:2022 : 04:58:27AM
राहु	10:01:2022 : 02:10:20PM
बृहस्पति	11:01:2022 : 01:49:27PM
शनि	12:01:2022 : 10:50:54AM
बुध	13:01:2022 : 11:48:51AM
केतु	14:01:2022 : 10:09:08AM
शुक्र	14:01:2022 : 07:21:01PM

चन्द्रमा सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
चन्द्रमा	15:01:2022 : 09:37:49PM
मंगल	16:01:2022 : 07:31:49PM
राहु	17:01:2022 : 10:51:37AM
बृहस्पति	19:01:2022 : 02:16:49AM
शनि	20:01:2022 : 01:19:13PM
बुध	22:01:2022 : 06:55:49AM
केतु	23:01:2022 : 08:09:37PM
शुक्र	24:01:2022 : 11:29:25AM
सूर्य	26:01:2022 : 07:17:25AM

मंगल सुक्ष्म दशा

प्राण दशा	से –
मंगल	26:01:2022 : 08:25:49PM
राहु	27:01:2022 : 07:09:41AM
बृहस्पति	28:01:2022 : 10:45:19AM
शनि	29:01:2022 : 11:17:00AM
बुध	30:01:2022 : 04:24:37PM
केतु	31:01:2022 : 06:28:17PM
शुक्र	01:02:2022 : 05:12:08AM
सूर्य	02:02:2022 : 11:51:44AM
चन्द्रमा	02:02:2022 : 09:03:37PM

विंशोत्तरी दशा

चन्द्रमा महादशा (06:01:1983 से 18:02:1983)

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

प्रत्यन्तर्दशा	से –

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	06:01:1983
केतु	08:01:1983
शुक्र	18:01:1983

विंशोत्तरी दशा

मंगल महादशा (18:02:1983 से 18:02:1990)

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	18:02:1983
राहु	26:02:1983
बृहस्पति	21:03:1983
शनि	10:04:1983
बुध	03:05:1983
केतु	24:05:1983
शुक्र	02:06:1983
सूर्य	27:06:1983
चन्द्रमा	04:07:1983

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	17:07:1983
बृहस्पति	12:09:1983
शनि	02:11:1983
बुध	02:01:1984
केतु	25:02:1984
शुक्र	19:03:1984
सूर्य	22:05:1984
चन्द्रमा	10:06:1984
मंगल	12:07:1984

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	04:08:1984
शनि	18:09:1984
बुध	11:11:1984
केतु	30:12:1984
शुक्र	18:01:1985
सूर्य	16:03:1985
चन्द्रमा	02:04:1985
मंगल	01:05:1985
राहु	21:05:1985

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	11:07:1985
बुध	13:09:1985
केतु	09:11:1985
शुक्र	03:12:1985
सूर्य	08:02:1986
चन्द्रमा	28:02:1986
मंगल	03:04:1986
राहु	27:04:1986
बृहस्पति	26:06:1986

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	19:08:1986
केतु	09:10:1986
शुक्र	31:10:1986
सूर्य	30:12:1986
चन्द्रमा	17:01:1987
मंगल	16:02:1987
राहु	09:03:1987
बृहस्पति	03:05:1987
शनि	20:06:1987

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	16:08:1987
शुक्र	25:08:1987
सूर्य	19:09:1987
चन्द्रमा	26:09:1987
मंगल	09:10:1987
राहु	17:10:1987
बृहस्पति	09:11:1987
शनि	28:11:1987
बुध	22:12:1987

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	12:01:1988
सूर्य	23:03:1988
चन्द्रमा	14:04:1988
मंगल	19:05:1988
राहु	13:06:1988
बृहस्पति	16:08:1988
शनि	12:10:1988
बुध	19:12:1988
केतु	17:02:1989

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	14:03:1989
चन्द्रमा	20:03:1989
मंगल	31:03:1989
राहु	07:04:1989
बृहस्पति	27:04:1989
शनि	14:05:1989
बुध	03:06:1989
केतु	21:06:1989
शुक्र	28:06:1989

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	20:07:1989
मंगल	06:08:1989
राहु	19:08:1989
बृहस्पति	20:09:1989
शनि	18:10:1989
बुध	21:11:1989
केतु	21:12:1989
शुक्र	03:01:1990
सूर्य	07:02:1990

विंशोत्तरी दशा

राहु महादशा (18:02:1990 से 18:02:2008)

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	18:02:1990
बृहस्पति	15:07:1990
शनि	24:11:1990
बुध	29:04:1991
केतु	16:09:1991
शुक्र	12:11:1991
सूर्य	25:04:1992
चन्द्रमा	13:06:1992
मंगल	03:09:1992

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	31:10:1992
शनि	25:02:1993
बुध	14:07:1993
केतु	15:11:1993
शुक्र	05:01:1994
सूर्य	31:05:1994
चन्द्रमा	14:07:1994
मंगल	25:09:1994
राहु	15:11:1994

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	26:03:1995
बुध	07:09:1995
केतु	01:02:1996
शुक्र	02:04:1996
सूर्य	23:09:1996
चन्द्रमा	14:11:1996
मंगल	09:02:1997
राहु	11:04:1997
बृहस्पति	14:09:1997

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	30:01:1998
केतु	11:06:1998
शुक्र	05:08:1998
सूर्य	07:01:1999
चन्द्रमा	22:02:1999
मंगल	11:05:1999
राहु	04:07:1999
बृहस्पति	21:11:1999
शनि	24:03:2000

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	19:08:2000
शुक्र	10:09:2000
सूर्य	13:11:2000
चन्द्रमा	02:12:2000
मंगल	03:01:2001
राहु	26:01:2001
बृहस्पति	24:03:2001
शनि	14:05:2001
बुध	14:07:2001

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	06:09:2001
सूर्य	08:03:2002
चन्द्रमा	02:05:2002
मंगल	01:08:2002
राहु	04:10:2002
बृहस्पति	17:03:2003
शनि	10:08:2003
बुध	30:01:2004
केतु	04:07:2004

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	06:09:2004
चन्द्रमा	23:09:2004
मंगल	20:10:2004
राहु	08:11:2004
बृहस्पति	28:12:2004
शनि	09:02:2005
बुध	02:04:2005
केतु	19:05:2005
शुक्र	07:06:2005

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	01:08:2005
मंगल	16:09:2005
राहु	17:10:2005
बृहस्पति	08:01:2006
शनि	22:03:2006
बुध	16:06:2006
केतु	02:09:2006
शुक्र	04:10:2006
सूर्य	03:01:2007

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	30:01:2007
राहु	22:02:2007
बृहस्पति	20:04:2007
शनि	10:06:2007
बुध	10:08:2007
केतु	03:10:2007
शुक्र	26:10:2007
सूर्य	29:12:2007
चन्द्रमा	17:01:2008

विंशोत्तरी दशा

बृहस्पति महादशा (18:02:2008 से 18:02:2024)

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	18:02:2008
शनि	01:06:2008
बुध	03:10:2008
केतु	21:01:2009
शुक्र	08:03:2009
सूर्य	15:07:2009
चन्द्रमा	23:08:2009
मंगल	27:10:2009
राहु	12:12:2009

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	07:04:2010
बुध	01:09:2010
केतु	10:01:2011
शुक्र	05:03:2011
सूर्य	06:08:2011
चन्द्रमा	21:09:2011
मंगल	07:12:2011
राहु	30:01:2012
बृहस्पति	17:06:2012

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	19:10:2012
केतु	13:02:2013
शुक्र	02:04:2013
सूर्य	18:08:2013
चन्द्रमा	29:09:2013
मंगल	07:12:2013
राहु	24:01:2014
बृहस्पति	28:05:2014
शनि	15:09:2014

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	24:01:2015
शुक्र	13:02:2015
सूर्य	11:04:2015
चन्द्रमा	28:04:2015
मंगल	26:05:2015
राहु	15:06:2015
बृहस्पति	05:08:2015
शनि	20:09:2015
बुध	13:11:2015

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	31:12:2015
सूर्य	11:06:2016
चन्द्रमा	29:07:2016
मंगल	19:10:2016
राहु	15:12:2016
बृहस्पति	10:05:2017
शनि	17:09:2017
बुध	18:02:2018
केतु	06:07:2018

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	31:08:2018
चन्द्रमा	15:09:2018
मंगल	09:10:2018
राहु	26:10:2018
बृहस्पति	09:12:2018
शनि	17:01:2019
बुध	04:03:2019
केतु	15:04:2019
शुक्र	02:05:2019

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	19:06:2019
मंगल	30:07:2019
राहु	27:08:2019
बृहस्पति	08:11:2019
शनि	12:01:2020
बुध	29:03:2020
केतु	07:06:2020
शुक्र	05:07:2020
सूर्य	24:09:2020

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	19:10:2020
राहु	08:11:2020
बृहस्पति	29:12:2020
शनि	12:02:2021
बुध	07:04:2021
केतु	26:05:2021
शुक्र	14:06:2021
सूर्य	10:08:2021
चन्द्रमा	27:08:2021

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	25:09:2021
बृहस्पति	03:02:2022
शनि	31:05:2022
बुध	17:10:2022
केतु	18:02:2023
शुक्र	10:04:2023
सूर्य	03:09:2023
चन्द्रमा	17:10:2023
मंगल	29:12:2023

विंशोत्तरी दशा

शनि महादशा (18:02:2024 से 18:02:2043)

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	18:02:2024
बुध	10:08:2024
केतु	13:01:2025
शुक्र	18:03:2025
सूर्य	17:09:2025
चन्द्रमा	11:11:2025
मंगल	11:02:2026
राहु	16:04:2026
बृहस्पति	27:09:2026

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	21:02:2027
केतु	10:07:2027
शुक्र	05:09:2027
सूर्य	16:02:2028
चन्द्रमा	05:04:2028
मंगल	26:06:2028
राहु	23:08:2028
बृहस्पति	18:01:2029
शनि	29:05:2029

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	31:10:2029
शुक्र	24:11:2029
सूर्य	30:01:2030
चन्द्रमा	19:02:2030
मंगल	25:03:2030
राहु	18:04:2030
बृहस्पति	17:06:2030
शनि	10:08:2030
बुध	13:10:2030

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	10:12:2030
सूर्य	20:06:2031
चन्द्रमा	17:08:2031
मंगल	21:11:2031
राहु	28:01:2032
बृहस्पति	20:07:2032
शनि	21:12:2032
बुध	22:06:2033
केतु	03:12:2033

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	09:02:2034
चन्द्रमा	26:02:2034
मंगल	27:03:2034
राहु	16:04:2034
बृहस्पति	07:06:2034
शनि	23:07:2034
बुध	16:09:2034
केतु	04:11:2034
शुक्र	24:11:2034

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	21:01:2035
मंगल	10:03:2035
राहु	13:04:2035
बृहस्पति	09:07:2035
शनि	24:09:2035
बुध	24:12:2035
केतु	15:03:2036
शुक्र	18:04:2036
सूर्य	24:07:2036

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	22:08:2036
राहु	15:09:2036
बृहस्पति	14:11:2036
शनि	07:01:2037
बुध	12:03:2037
केतु	09:05:2037
शुक्र	01:06:2037
सूर्य	08:08:2037
चन्द्रमा	28:08:2037

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	01:10:2037
बृहस्पति	06:03:2038
शनि	22:07:2038
बुध	03:01:2039
केतु	31:05:2039
शुक्र	30:07:2039
सूर्य	20:01:2040
चन्द्रमा	12:03:2040
मंगल	07:06:2040

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	07:08:2040
शनि	08:12:2040
बुध	04:05:2041
केतु	12:09:2041
शुक्र	05:11:2041
सूर्य	08:04:2042
चन्द्रमा	24:05:2042
मंगल	09:08:2042
राहु	02:10:2042

विंशोत्तरी दशा

बुध महादशा (18:02:2043 से 18:02:2060)

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	18:02:2043
केतु	22:06:2043
शुक्र	12:08:2043
सूर्य	06:01:2044
चन्द्रमा	19:02:2044
मंगल	03:05:2044
राहु	23:06:2044
बृहस्पति	02:11:2044
शनि	28:02:2045

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	17:07:2045
शुक्र	07:08:2045
सूर्य	06:10:2045
चन्द्रमा	24:10:2045
मंगल	23:11:2045
राहु	15:12:2045
बृहस्पति	07:02:2046
शनि	27:03:2046
बुध	23:05:2046

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	14:07:2046
सूर्य	02:01:2047
चन्द्रमा	23:02:2047
मंगल	20:05:2047
राहु	19:07:2047
बृहस्पति	21:12:2047
शनि	08:05:2048
बुध	19:10:2048
केतु	14:03:2049

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	14:05:2049
चन्द्रमा	29:05:2049
मंगल	24:06:2049
राहु	12:07:2049
बृहस्पति	28:08:2049
शनि	08:10:2049
बुध	26:11:2049
केतु	09:01:2050
शुक्र	27:01:2050

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	20:03:2050
मंगल	02:05:2050
राहु	01:06:2050
बृहस्पति	18:08:2050
शनि	26:10:2050
बुध	16:01:2051
केतु	30:03:2051
शुक्र	29:04:2051
सूर्य	24:07:2051

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	19:08:2051
राहु	09:09:2051
बृहस्पति	03:11:2051
शनि	21:12:2051
बुध	16:02:2052
केतु	08:04:2052
शुक्र	29:04:2052
सूर्य	28:06:2052
चन्द्रमा	16:07:2052

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	16:08:2052
बृहस्पति	03:01:2053
शनि	07:05:2053
बुध	01:10:2053
केतु	10:02:2054
शुक्र	05:04:2054
सूर्य	07:09:2054
चन्द्रमा	24:10:2054
मंगल	10:01:2055

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	05:03:2055
शनि	23:06:2055
बुध	01:11:2055
केतु	27:02:2056
शुक्र	15:04:2056
सूर्य	31:08:2056
चन्द्रमा	12:10:2056
मंगल	20:12:2056
राहु	06:02:2057

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	10:06:2057
बुध	13:11:2057
केतु	01:04:2058
शुक्र	28:05:2058
सूर्य	08:11:2058
चन्द्रमा	27:12:2058
मंगल	19:03:2059
राहु	15:05:2059
बृहस्पति	10:10:2059

विंशोत्तरी दशा

केतु महादशा (18:02:2060 से 18:02:2067)

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	18:02:2060
शुक्र	27:02:2060
सूर्य	22:03:2060
चन्द्रमा	30:03:2060
मंगल	11:04:2060
राहु	20:04:2060
बृहस्पति	12:05:2060
शनि	01:06:2060
बुध	25:06:2060

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	16:07:2060
सूर्य	25:09:2060
चन्द्रमा	17:10:2060
मंगल	21:11:2060
राहु	16:12:2060
बृहस्पति	18:02:2061
शनि	16:04:2061
बुध	22:06:2061
केतु	22:08:2061

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	16:09:2061
चन्द्रमा	22:09:2061
मंगल	03:10:2061
राहु	10:10:2061
बृहस्पति	29:10:2061
शनि	15:11:2061
बुध	05:12:2061
केतु	24:12:2061
शुक्र	31:12:2061

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	21:01:2062
मंगल	08:02:2062
राहु	20:02:2062
बृहस्पति	24:03:2062
शनि	22:04:2062
बुध	25:05:2062
केतु	25:06:2062
शुक्र	07:07:2062
सूर्य	12:08:2062

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	22:08:2062
राहु	31:08:2062
बृहस्पति	22:09:2062
शनि	12:10:2062
बुध	05:11:2062
केतु	26:11:2062
शुक्र	05:12:2062
सूर्य	29:12:2062
चन्द्रमा	06:01:2063

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	18:01:2063
बृहस्पति	17:03:2063
शनि	07:05:2063
बुध	07:07:2063
केतु	30:08:2063
शुक्र	21:09:2063
सूर्य	24:11:2063
चन्द्रमा	13:12:2063
मंगल	14:01:2064

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	06:02:2064
शनि	22:03:2064
बुध	15:05:2064
केतु	03:07:2064
शुक्र	23:07:2064
सूर्य	17:09:2064
चन्द्रमा	05:10:2064
मंगल	02:11:2064
राहु	22:11:2064

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	12:01:2065
बुध	17:03:2065
केतु	14:05:2065
शुक्र	06:06:2065
सूर्य	13:08:2065
चन्द्रमा	02:09:2065
मंगल	05:10:2065
राहु	29:10:2065
बृहस्पति	29:12:2065

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	21:02:2066
केतु	13:04:2066
शुक्र	04:05:2066
सूर्य	03:07:2066
चन्द्रमा	22:07:2066
मंगल	21:08:2066
राहु	11:09:2066
बृहस्पति	04:11:2066
शनि	22:12:2066

विंशोत्तरी दशा

शुक्र महादशा (18:02:2067 से 18:02:2087)

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	18:02:2067
सूर्य	08:09:2067
चन्द्रमा	08:11:2067
मंगल	18:02:2068
राहु	29:04:2068
बृहस्पति	29:10:2068
शनि	09:04:2069
बुध	19:10:2069
केतु	09:04:2070

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	19:06:2070
चन्द्रमा	08:07:2070
मंगल	07:08:2070
राहु	28:08:2070
बृहस्पति	22:10:2070
शनि	10:12:2070
बुध	05:02:2071
केतु	29:03:2071
शुक्र	19:04:2071

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	19:06:2071
मंगल	09:08:2071
राहु	14:09:2071
बृहस्पति	14:12:2071
शनि	04:03:2072
बुध	09:06:2072
केतु	03:09:2072
शुक्र	09:10:2072
सूर्य	18:01:2073

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	18:02:2073
राहु	14:03:2073
बृहस्पति	17:05:2073
शनि	13:07:2073
बुध	19:09:2073
केतु	18:11:2073
शुक्र	13:12:2073
सूर्य	22:02:2074
चन्द्रमा	15:03:2074

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	19:04:2074
बृहस्पति	01:10:2074
शनि	24:02:2075
बुध	16:08:2075
केतु	18:01:2076
शुक्र	22:03:2076
सूर्य	21:09:2076
चन्द्रमा	15:11:2076
मंगल	15:02:2077

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	19:04:2077
शनि	27:08:2077
बुध	28:01:2078
केतु	15:06:2078
शुक्र	11:08:2078
सूर्य	20:01:2079
चन्द्रमा	10:03:2079
मंगल	30:05:2079
राहु	26:07:2079

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	19:12:2079
बुध	19:06:2080
केतु	30:11:2080
शुक्र	06:02:2081
सूर्य	18:08:2081
चन्द्रमा	14:10:2081
मंगल	19:01:2082
राहु	27:03:2082
बृहस्पति	17:09:2082

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	18:02:2083
केतु	14:07:2083
शुक्र	12:09:2083
सूर्य	03:03:2084
चन्द्रमा	24:04:2084
मंगल	19:07:2084
राहु	18:09:2084
बृहस्पति	20:02:2085
शनि	08:07:2085

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	19:12:2085
शुक्र	13:01:2086
सूर्य	25:03:2086
चन्द्रमा	15:04:2086
मंगल	20:05:2086
राहु	14:06:2086
बृहस्पति	17:08:2086
शनि	13:10:2086
बुध	19:12:2086

विंशोत्तरी दशा

सूर्य महादशा (18:02:2087 से 18:02:2093)

सूर्य अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
सूर्य	18:02:2087
चन्द्रमा	23:02:2087
मंगल	04:03:2087
राहु	11:03:2087
बृहस्पति	27:03:2087
शनि	11:04:2087
बुध	28:04:2087
केतु	14:05:2087
शुक्र	20:05:2087

चन्द्रमा अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
चन्द्रमा	07:06:2087
मंगल	22:06:2087
राहु	03:07:2087
बृहस्पति	30:07:2087
शनि	24:08:2087
बुध	22:09:2087
केतु	17:10:2087
शुक्र	28:10:2087
सूर्य	28:11:2087

मंगल अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
मंगल	07:12:2087
राहु	14:12:2087
बृहस्पति	02:01:2088
शनि	19:01:2088
बुध	09:02:2088
केतु	27:02:2088
शुक्र	05:03:2088
सूर्य	27:03:2088
चन्द्रमा	02:04:2088

राहु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
राहु	13:04:2088
बृहस्पति	01:06:2088
शनि	15:07:2088
बुध	05:09:2088
केतु	22:10:2088
शुक्र	10:11:2088
सूर्य	04:01:2089
चन्द्रमा	20:01:2089
मंगल	17:02:2089

बृहस्पति अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बृहस्पति	08:03:2089
शनि	16:04:2089
बुध	01:06:2089
केतु	12:07:2089
शुक्र	29:07:2089
सूर्य	16:09:2089
चन्द्रमा	01:10:2089
मंगल	25:10:2089
राहु	11:11:2089

शनि अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शनि	25:12:2089
बुध	18:02:2090
केतु	08:04:2090
शुक्र	28:04:2090
सूर्य	25:06:2090
चन्द्रमा	12:07:2090
मंगल	10:08:2090
राहु	30:08:2090
बृहस्पति	21:10:2090

बुध अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
बुध	07:12:2090
केतु	20:01:2091
शुक्र	07:02:2091
सूर्य	30:03:2091
चन्द्रमा	15:04:2091
मंगल	11:05:2091
राहु	29:05:2091
बृहस्पति	14:07:2091
शनि	25:08:2091

केतु अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
केतु	13:10:2091
शुक्र	20:10:2091
सूर्य	11:11:2091
चन्द्रमा	17:11:2091
मंगल	28:11:2091
राहु	05:12:2091
बृहस्पति	24:12:2091
शनि	10:01:2092
बुध	31:01:2092

शुक्र अन्तर्दशा

प्रत्यन्तर्दशा	से –
शुक्र	18:02:2092
सूर्य	19:04:2092
चन्द्रमा	07:05:2092
मंगल	07:06:2092
राहु	28:06:2092
बृहस्पति	22:08:2092
शनि	10:10:2092
बुध	07:12:2092
केतु	27:01:2093

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

जन्म के समय विंशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : चन्द्रमा : 0 व0 १ मा0 १२ दि0

क्र0 स0	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा महादशा	0 y.1 m.12 d.	06:01:1983 --- 18:02:1983
2	♂ मंगल महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:1983 --- 18:02:1990
3	☊ राहु महादशा	18 y.0 m.0 d.	18:02:1990 --- 18:02:2008
4	♃ बृहस्पति महादशा	16 y.0 m.0 d.	18:02:2008 --- 18:02:2024
5	♄ शनि महादशा	19 y.0 m.0 d.	18:02:2024 --- 18:02:2043
6	☿ बुध महादशा	17 y.0 m.0 d.	18:02:2043 --- 18:02:2060
7	☋ केतु महादशा	7 y.0 m.0 d.	18:02:2060 --- 18:02:2067
8	♀ शुक्र महादशा	20 y.0 m.0 d.	18:02:2067 --- 18:02:2087
9	☉ सूर्य महादशा	6 y.0 m.0 d.	18:02:2087 --- 18:02:2093

विंशोत्तरी अन्तर्दशा

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
कन्या	06:01:1983
तुला	06:01:1983
वृश्चिक	06:01:1983
धनु	06:01:1983
मकर	06:01:1983
कुम्भ	06:01:1983
मीन	06:01:1983
मेष	06:01:1983
वृष	06:01:1983
मिथुन	06:01:1983
कर्क	06:01:1983
सिहं	06:01:1983

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मकर	18:02:1983
कुम्भ	19:09:1983
मीन	19:04:1984
मेष	18:11:1984
वृष	19:06:1985
मिथुन	18:01:1986
कर्क	19:08:1986
सिहं	20:03:1987
कन्या	19:10:1987
तुला	19:05:1988
वृश्चिक	19:12:1988
धनु	20:07:1989

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
मिथुन	18:02:1990
कर्क	19:08:1991
सिहं	18:02:1993
कन्या	19:08:1994
तुला	18:02:1996
वृश्चिक	19:08:1997
धनु	18:02:1999
मकर	19:08:2000
कुम्भ	18:02:2002
मीन	19:08:2003
मेष	18:02:2005
वृष	19:08:2006

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
वृश्चिक	18:02:2008
धनु	19:06:2009
मकर	19:10:2010
कुम्भ	18:02:2012
मीन	19:06:2013
मेष	19:10:2014
वृष	18:02:2016
मिथुन	19:06:2017
कर्क	19:10:2018
सिहं	18:02:2020
कन्या	19:06:2021
तुला	19:10:2022

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
तुला	18:02:2024
वृश्चिक	19:09:2025
धनु	19:04:2027
मकर	18:11:2028
कुम्भ	19:06:2030
मीन	18:01:2032
मेष	19:08:2033
वृष	20:03:2035
मिथुन	19:10:2036
कर्क	20:05:2038
सिहं	19:12:2039
कन्या	20:07:2041

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
मकर	18:02:2043
कुम्भ	19:07:2044
मीन	19:12:2045
मेष	20:05:2047
वृष	19:10:2048
मिथुन	20:03:2050
कर्क	19:08:2051
सिहं	18:01:2053
कन्या	19:06:2054
तुला	18:11:2055
वृश्चिक	19:04:2057
धनु	19:09:2058

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
धनु	18:02:2060
मकर	18:09:2060
कुम्भ	19:04:2061
मीन	18:11:2061
मेष	19:06:2062
वृष	18:01:2063
मिथुन	19:08:2063
कर्क	19:03:2064
सिहं	19:10:2064
कन्या	20:05:2065
तुला	19:12:2065
वृश्चिक	20:07:2066

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
मकर	18:02:2067
कुम्भ	19:10:2068
मीन	19:06:2070
मेष	18:02:2072
वृष	19:10:2073
मिथुन	19:06:2075
कर्क	18:02:2077
सिहं	19:10:2078
कन्या	19:06:2080
तुला	18:02:2082
वृश्चिक	19:10:2083
धनु	19:06:2085

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
धनु	18:02:2087
मकर	19:08:2087
कुम्भ	18:02:2088
मीन	19:08:2088
मेष	18:02:2089
वृष	19:08:2089
मिथुन	18:02:2090
कर्क	19:08:2090
सिहं	18:02:2091
कन्या	19:08:2091
तुला	18:02:2092
वृश्चिक	19:08:2092

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (18:02:2008 —— 18:02:2024)

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2008
बृहस्पति	19:04:2008
मंगल	19:06:2008
सूर्य	19:08:2008
शुक्र	19:10:2008
बुध	19:12:2008
चन्द्रमा	18:02:2009
लग्न	19:04:2009

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2009
बृहस्पति	19:08:2009
मंगल	19:10:2009
सूर्य	19:12:2009
शुक्र	18:02:2010
बुध	19:04:2010
चन्द्रमा	19:06:2010
लग्न	19:08:2010

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2010
बृहस्पति	19:12:2010
मंगल	18:02:2011
सूर्य	19:04:2011
शुक्र	19:06:2011
बुध	19:08:2011
चन्द्रमा	19:10:2011
लग्न	19:12:2011

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2012
बृहस्पति	19:04:2012
मंगल	19:06:2012
सूर्य	19:08:2012
शुक्र	19:10:2012
बुध	19:12:2012
चन्द्रमा	18:02:2013
लग्न	19:04:2013

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2013
बृहस्पति	19:08:2013
मंगल	19:10:2013
सूर्य	19:12:2013
शुक्र	18:02:2014
बुध	19:04:2014
चन्द्रमा	19:06:2014
लग्न	19:08:2014

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2014
बृहस्पति	19:12:2014
मंगल	18:02:2015
सूर्य	19:04:2015
शुक्र	19:06:2015
बुध	19:08:2015
चन्द्रमा	19:10:2015
लग्न	19:12:2015

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2016
बृहस्पति	19:04:2016
मंगल	19:06:2016
सूर्य	19:08:2016
शुक्र	19:10:2016
बुध	19:12:2016
चन्द्रमा	18:02:2017
लग्न	19:04:2017

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2017
बृहस्पति	19:08:2017
मंगल	19:10:2017
सूर्य	19:12:2017
शुक्र	18:02:2018
बुध	19:04:2018
चन्द्रमा	19:06:2018
लग्न	19:08:2018

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2018
बृहस्पति	19:12:2018
मंगल	18:02:2019
सूर्य	19:04:2019
शुक्र	19:06:2019
बुध	19:08:2019
चन्द्रमा	19:10:2019
लग्न	19:12:2019

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2020
बृहस्पति	19:04:2020
मंगल	19:06:2020
सूर्य	19:08:2020
शुक्र	19:10:2020
बुध	19:12:2020
चन्द्रमा	18:02:2021
लग्न	19:04:2021

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2021
बृहस्पति	19:08:2021
मंगल	19:10:2021
सूर्य	19:12:2021
शुक्र	18:02:2022
बुध	19:04:2022
चन्द्रमा	19:06:2022
लग्न	19:08:2022

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2022
बृहस्पति	19:12:2022
मंगल	18:02:2023
सूर्य	19:04:2023
शुक्र	19:06:2023
बुध	19:08:2023
चन्द्रमा	19:10:2023
लग्न	19:12:2023

विंशोत्तरी दशा
(अन्य विभाजन विधि)
चन्द्रमा दशा (06:01:1983 –– 18:02:1983)

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	
लग्न	

सिहं अन्तर

पत्यंर्तर	से ––– तक
शनि	
बृहस्पति	
मंगल	
सूर्य	
शुक्र	
बुध	
चन्द्रमा	06:01:1983
लग्न	11:01:1983

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

मंगल दशा (18:02:1983 —— 18:02:1990)

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:1983
बृहस्पति	16:03:1983
मंगल	12:04:1983
सूर्य	09:05:1983
शुक्र	04:06:1983
बुध	01:07:1983
चन्द्रमा	27:07:1983
लग्न	23:08:1983

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:09:1983
बृहस्पति	15:10:1983
मंगल	11:11:1983
सूर्य	07:12:1983
शुक्र	03:01:1984
बुध	30:01:1984
चन्द्रमा	25:02:1984
लग्न	23:03:1984

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:04:1984
बृहस्पति	15:05:1984
मंगल	11:06:1984
सूर्य	08:07:1984
शुक्र	04:08:1984
बुध	30:08:1984
चन्द्रमा	26:09:1984
लग्न	23:10:1984

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:11:1984
बृहस्पति	15:12:1984
मंगल	11:01:1985
सूर्य	06:02:1985
शुक्र	05:03:1985
बुध	31:03:1985
चन्द्रमा	27:04:1985
लग्न	24:05:1985

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:1985
बृहस्पति	16:07:1985
मंगल	12:08:1985
सूर्य	07:09:1985
शुक्र	04:10:1985
बुध	30:10:1985
चन्द्रमा	26:11:1985
लग्न	23:12:1985

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:01:1986
बृहस्पति	14:02:1986
मंगल	12:03:1986
सूर्य	08:04:1986
शुक्र	05:05:1986
बुध	31:05:1986
चन्द्रमा	27:06:1986
लग्न	24:07:1986

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:1986
बृहस्पति	15:09:1986
मंगल	11:10:1986
सूर्य	07:11:1986
शुक्र	04:12:1986
बुध	30:12:1986
चन्द्रमा	26:01:1987
लग्न	21:02:1987

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:03:1987
बृहस्पति	16:04:1987
मंगल	12:05:1987
सूर्य	08:06:1987
शुक्र	05:07:1987
बुध	31:07:1987
चन्द्रमा	27:08:1987
लग्न	22:09:1987

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:1987
बृहस्पति	15:11:1987
मंगल	11:12:1987
सूर्य	07:01:1988
शुक्र	03:02:1988
बुध	29:02:1988
चन्द्रमा	27:03:1988
लग्न	23:04:1988

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:05:1988
बृहस्पति	15:06:1988
मंगल	12:07:1988
सूर्य	07:08:1988
शुक्र	03:09:1988
बुध	30:09:1988
चन्द्रमा	26:10:1988
लग्न	22:11:1988

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:12:1988
बृहस्पति	14:01:1989
मंगल	10:02:1989
सूर्य	09:03:1989
शुक्र	04:04:1989
बुध	01:05:1989
चन्द्रमा	28:05:1989
लग्न	23:06:1989

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:07:1989
बृहस्पति	15:08:1989
मंगल	11:09:1989
सूर्य	08:10:1989
शुक्र	03:11:1989
बुध	30:11:1989
चन्द्रमा	26:12:1989
लग्न	22:01:1990

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

राहु दशा (18:02:1990 —— 18:02:2008)

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:1990
बृहस्पति	27:04:1990
मंगल	05:07:1990
सूर्य	11:09:1990
शुक्र	18:11:1990
बुध	26:01:1991
चन्द्रमा	04:04:1991
लग्न	12:06:1991

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:1991
बृहस्पति	27:10:1991
मंगल	03:01:1992
सूर्य	12:03:1992
शुक्र	19:05:1992
बुध	27:07:1992
चन्द्रमा	04:10:1992
लग्न	11:12:1992

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:1993
बृहस्पति	27:04:1993
मंगल	05:07:1993
सूर्य	11:09:1993
शुक्र	18:11:1993
बुध	26:01:1994
चन्द्रमा	04:04:1994
लग्न	12:06:1994

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:1994
बृहस्पति	27:10:1994
मंगल	03:01:1995
सूर्य	12:03:1995
शुक्र	20:05:1995
बुध	27:07:1995
चन्द्रमा	04:10:1995
लग्न	11:12:1995

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:1996
बृहस्पति	26:04:1996
मंगल	04:07:1996
सूर्य	11:09:1996
शुक्र	18:11:1996
बुध	26:01:1997
चन्द्रमा	04:04:1997
लग्न	12:06:1997

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:1997
बृहस्पति	27:10:1997
मंगल	03:01:1998
सूर्य	12:03:1998
शुक्र	20:05:1998
बुध	27:07:1998
चन्द्रमा	04:10:1998
लग्न	11:12:1998

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:1999
बृहस्पति	27:04:1999
मंगल	05:07:1999
सूर्य	11:09:1999
शुक्र	18:11:1999
बुध	26:01:2000
चन्द्रमा	04:04:2000
लग्न	11:06:2000

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2000
बृहस्पति	26:10:2000
मंगल	03:01:2001
सूर्य	12:03:2001
शुक्र	20:05:2001
बुध	27:07:2001
चन्द्रमा	04:10:2001
लग्न	11:12:2001

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2002
बृहस्पति	27:04:2002
मंगल	05:07:2002
सूर्य	11:09:2002
शुक्र	18:11:2002
बुध	26:01:2003
चन्द्रमा	04:04:2003
लग्न	12:06:2003

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2003
बृहस्पति	27:10:2003
मंगल	03:01:2004
सूर्य	12:03:2004
शुक्र	19:05:2004
बुध	27:07:2004
चन्द्रमा	04:10:2004
लग्न	11:12:2004

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2005
बृहस्पति	27:04:2005
मंगल	05:07:2005
सूर्य	11:09:2005
शुक्र	18:11:2005
बुध	26:01:2006
चन्द्रमा	04:04:2006
लग्न	12:06:2006

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2006
बृहस्पति	27:10:2006
मंगल	03:01:2007
सूर्य	12:03:2007
शुक्र	20:05:2007
बुध	27:07:2007
चन्द्रमा	04:10:2007
लग्न	11:12:2007

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (18:02:2008 —— 18:02:2024)

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2008
बृहस्पति	19:04:2008
मंगल	19:06:2008
सूर्य	19:08:2008
शुक्र	19:10:2008
बुध	19:12:2008
चन्द्रमा	18:02:2009
लग्न	19:04:2009

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2009
बृहस्पति	19:08:2009
मंगल	19:10:2009
सूर्य	19:12:2009
शुक्र	18:02:2010
बुध	19:04:2010
चन्द्रमा	19:06:2010
लग्न	19:08:2010

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2010
बृहस्पति	19:12:2010
मंगल	18:02:2011
सूर्य	19:04:2011
शुक्र	19:06:2011
बुध	19:08:2011
चन्द्रमा	19:10:2011
लग्न	19:12:2011

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2012
बृहस्पति	19:04:2012
मंगल	19:06:2012
सूर्य	19:08:2012
शुक्र	19:10:2012
बुध	19:12:2012
चन्द्रमा	18:02:2013
लग्न	19:04:2013

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2013
बृहस्पति	19:08:2013
मंगल	19:10:2013
सूर्य	19:12:2013
शुक्र	18:02:2014
बुध	19:04:2014
चन्द्रमा	19:06:2014
लग्न	19:08:2014

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2014
बृहस्पति	19:12:2014
मंगल	18:02:2015
सूर्य	19:04:2015
शुक्र	19:06:2015
बुध	19:08:2015
चन्द्रमा	19:10:2015
लग्न	19:12:2015

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2016
बृहस्पति	19:04:2016
मंगल	19:06:2016
सूर्य	19:08:2016
शुक्र	19:10:2016
बुध	19:12:2016
चन्द्रमा	18:02:2017
लग्न	19:04:2017

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2017
बृहस्पति	19:08:2017
मंगल	19:10:2017
सूर्य	19:12:2017
शुक्र	18:02:2018
बुध	19:04:2018
चन्द्रमा	19:06:2018
लग्न	19:08:2018

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2018
बृहस्पति	19:12:2018
मंगल	18:02:2019
सूर्य	19:04:2019
शुक्र	19:06:2019
बुध	19:08:2019
चन्द्रमा	19:10:2019
लग्न	19:12:2019

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2020
बृहस्पति	19:04:2020
मंगल	19:06:2020
सूर्य	19:08:2020
शुक्र	19:10:2020
बुध	19:12:2020
चन्द्रमा	18:02:2021
लग्न	19:04:2021

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2021
बृहस्पति	19:08:2021
मंगल	19:10:2021
सूर्य	19:12:2021
शुक्र	18:02:2022
बुध	19:04:2022
चन्द्रमा	19:06:2022
लग्न	19:08:2022

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2022
बृहस्पति	19:12:2022
मंगल	18:02:2023
सूर्य	19:04:2023
शुक्र	19:06:2023
बुध	19:08:2023
चन्द्रमा	19:10:2023
लग्न	19:12:2023

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

शनि दशा (18:02:2024 —— 18:02:2043)

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2024
बृहस्पति	30:04:2024
मंगल	12:07:2024
सूर्य	22:09:2024
शुक्र	04:12:2024
बुध	14:02:2025
चन्द्रमा	27:04:2025
लग्न	08:07:2025

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:09:2025
बृहस्पति	30:11:2025
मंगल	10:02:2026
सूर्य	23:04:2026
शुक्र	05:07:2026
बुध	15:09:2026
चन्द्रमा	26:11:2026
लग्न	06:02:2027

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:04:2027
बृहस्पति	01:07:2027
मंगल	11:09:2027
सूर्य	22:11:2027
शुक्र	03:02:2028
बुध	15:04:2028
चन्द्रमा	26:06:2028
लग्न	07:09:2028

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:11:2028
बृहस्पति	30:01:2029
मंगल	12:04:2029
सूर्य	23:06:2029
शुक्र	03:09:2029
बुध	15:11:2029
चन्द्रमा	26:01:2030
लग्न	08:04:2030

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2030
बृहस्पति	31:08:2030
मंगल	11:11:2030
सूर्य	22:01:2031
शुक्र	04:04:2031
बुध	16:06:2031
चन्द्रमा	27:08:2031
लग्न	07:11:2031

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:01:2032
बृहस्पति	31:03:2032
मंगल	11:06:2032
सूर्य	23:08:2032
शुक्र	03:11:2032
बुध	14:01:2033
चन्द्रमा	28:03:2033
लग्न	08:06:2033

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2033
बृहस्पति	30:10:2033
मंगल	11:01:2034
सूर्य	24:03:2034
शुक्र	04:06:2034
बुध	15:08:2034
चन्द्रमा	27:10:2034
लग्न	07:01:2035

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:03:2035
बृहस्पति	31:05:2035
मंगल	12:08:2035
सूर्य	23:10:2035
शुक्र	03:01:2036
बुध	15:03:2036
चन्द्रमा	27:05:2036
लग्न	07:08:2036

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2036
बृहस्पति	30:12:2036
मंगल	12:03:2037
सूर्य	24:05:2037
शुक्र	04:08:2037
बुध	15:10:2037
चन्द्रमा	26:12:2037
लग्न	09:03:2038

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:05:2038
बृहस्पति	31:07:2038
मंगल	11:10:2038
सूर्य	23:12:2038
शुक्र	05:03:2039
बुध	16:05:2039
चन्द्रमा	27:07:2039
लग्न	08:10:2039

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:12:2039
बृहस्पति	29:02:2040
मंगल	12:05:2040
सूर्य	23:07:2040
शुक्र	04:10:2040
बुध	15:12:2040
चन्द्रमा	25:02:2041
लग्न	09:05:2041

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:07:2041
बृहस्पति	30:09:2041
मंगल	11:12:2041
सूर्य	21:02:2042
शुक्र	05:05:2042
बुध	16:07:2042
चन्द्रमा	26:09:2042
लग्न	07:12:2042

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

बुध दशा (18:02:2043 —— 18:02:2060)

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2043
बृहस्पति	23:04:2043
मंगल	27:06:2043
सूर्य	31:08:2043
शुक्र	03:11:2043
बुध	07:01:2044
चन्द्रमा	12:03:2044
लग्न	15:05:2044

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:07:2044
बृहस्पति	22:09:2044
मंगल	26:11:2044
सूर्य	30:01:2045
शुक्र	04:04:2045
बुध	08:06:2045
चन्द्रमा	12:08:2045
लग्न	15:10:2045

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:12:2045
बृहस्पति	21:02:2046
मंगल	27:04:2046
सूर्य	01:07:2046
शुक्र	03:09:2046
बुध	07:11:2046
चन्द्रमा	11:01:2047
लग्न	16:03:2047

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:05:2047
बृहस्पति	24:07:2047
मंगल	26:09:2047
सूर्य	30:11:2047
शुक्र	03:02:2048
बुध	07:04:2048
चन्द्रमा	11:06:2048
लग्न	15:08:2048

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2048
बृहस्पति	23:12:2048
मंगल	25:02:2049
सूर्य	01:05:2049
शुक्र	05:07:2049
बुध	07:09:2049
चन्द्रमा	11:11:2049
लग्न	14:01:2050

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:03:2050
बृहस्पति	24:05:2050
मंगल	27:07:2050
सूर्य	30:09:2050
शुक्र	04:12:2050
बुध	06:02:2051
चन्द्रमा	12:04:2051
लग्न	16:06:2051

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2051
बृहस्पति	23:10:2051
मंगल	26:12:2051
सूर्य	29:02:2052
शुक्र	04:05:2052
बुध	08:07:2052
चन्द्रमा	11:09:2052
लग्न	14:11:2052

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:01:2053
बृहस्पति	24:03:2053
मंगल	28:05:2053
सूर्य	31:07:2053
शुक्र	04:10:2053
बुध	07:12:2053
चन्द्रमा	10:02:2054
लग्न	16:04:2054

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2054
बृहस्पति	23:08:2054
मंगल	27:10:2054
सूर्य	30:12:2054
शुक्र	05:03:2055
बुध	09:05:2055
चन्द्रमा	12:07:2055
लग्न	15:09:2055

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:11:2055
बृहस्पति	22:01:2056
मंगल	27:03:2056
सूर्य	31:05:2056
शुक्र	04:08:2056
बुध	07:10:2056
चन्द्रमा	11:12:2056
लग्न	14:02:2057

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:04:2057
बृहस्पति	23:06:2057
मंगल	27:08:2057
सूर्य	30:10:2057
शुक्र	03:01:2058
बुध	09:03:2058
चन्द्रमा	12:05:2058
लग्न	16:07:2058

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:09:2058
बृहस्पति	22:11:2058
मंगल	26:01:2059
सूर्य	31:03:2059
शुक्र	04:06:2059
बुध	08:08:2059
चन्द्रमा	11:10:2059
लग्न	15:12:2059

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

केतु दशा (18:02:2060 —— 18:02:2067)

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2060
बृहस्पति	15:03:2060
मंगल	11:04:2060
सूर्य	08:05:2060
शुक्र	04:06:2060
बुध	30:06:2060
चन्द्रमा	27:07:2060
लग्न	23:08:2060

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:09:2060
बृहस्पति	15:10:2060
मंगल	11:11:2060
सूर्य	07:12:2060
शुक्र	03:01:2061
बुध	30:01:2061
चन्द्रमा	25:02:2061
लग्न	24:03:2061

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:04:2061
बृहस्पति	16:05:2061
मंगल	12:06:2061
सूर्य	08:07:2061
शुक्र	04:08:2061
बुध	31:08:2061
चन्द्रमा	26:09:2061
लग्न	23:10:2061

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:11:2061
बृहस्पति	15:12:2061
मंगल	11:01:2062
सूर्य	06:02:2062
शुक्र	05:03:2062
बुध	31:03:2062
चन्द्रमा	27:04:2062
लग्न	24:05:2062

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2062
बृहस्पति	16:07:2062
मंगल	12:08:2062
सूर्य	07:09:2062
शुक्र	04:10:2062
बुध	30:10:2062
चन्द्रमा	26:11:2062
लग्न	23:12:2062

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:01:2063
बृहस्पति	14:02:2063
मंगल	12:03:2063
सूर्य	08:04:2063
शुक्र	05:05:2063
बुध	31:05:2063
चन्द्रमा	27:06:2063
लग्न	24:07:2063

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2063
बृहस्पति	15:09:2063
मंगल	11:10:2063
सूर्य	07:11:2063
शुक्र	04:12:2063
बुध	30:12:2063
चन्द्रमा	26:01:2064
लग्न	22:02:2064

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:03:2064
बृहस्पति	15:04:2064
मंगल	12:05:2064
सूर्य	07:06:2064
शुक्र	04:07:2064
बुध	31:07:2064
चन्द्रमा	26:08:2064
लग्न	22:09:2064

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2064
बृहस्पति	14:11:2064
मंगल	11:12:2064
सूर्य	07:01:2065
शुक्र	02:02:2065
बुध	01:03:2065
चन्द्रमा	28:03:2065
लग्न	23:04:2065

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:05:2065
बृहस्पति	16:06:2065
मंगल	12:07:2065
सूर्य	08:08:2065
शुक्र	03:09:2065
बुध	30:09:2065
चन्द्रमा	27:10:2065
लग्न	22:11:2065

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:12:2065
बृहस्पति	14:01:2066
मंगल	10:02:2066
सूर्य	09:03:2066
शुक्र	04:04:2066
बुध	01:05:2066
चन्द्रमा	28:05:2066
लग्न	23:06:2066

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	20:07:2066
बृहस्पति	15:08:2066
मंगल	11:09:2066
सूर्य	08:10:2066
शुक्र	03:11:2066
बुध	30:11:2066
चन्द्रमा	26:12:2066
लग्न	22:01:2067

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

शुक्र दशा (18:02:2067 —— 18:02:2087)

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2067
बृहस्पति	05:05:2067
मंगल	20:07:2067
सूर्य	04:10:2067
शुक्र	19:12:2067
बुध	04:03:2068
चन्द्रमा	19:05:2068
लग्न	04:08:2068

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2068
बृहस्पति	03:01:2069
मंगल	20:03:2069
सूर्य	04:06:2069
शुक्र	19:08:2069
बुध	03:11:2069
चन्द्रमा	18:01:2070
लग्न	04:04:2070

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2070
बृहस्पति	03:09:2070
मंगल	18:11:2070
सूर्य	02:02:2071
शुक्र	19:04:2071
बुध	05:07:2071
चन्द्रमा	19:09:2071
लग्न	04:12:2071

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2072
बृहस्पति	04:05:2072
मंगल	19:07:2072
सूर्य	04:10:2072
शुक्र	19:12:2072
बुध	05:03:2073
चन्द्रमा	20:05:2073
लग्न	04:08:2073

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2073
बृहस्पति	03:01:2074
मंगल	20:03:2074
सूर्य	04:06:2074
शुक्र	19:08:2074
बुध	03:11:2074
चन्द्रमा	18:01:2075
लग्न	04:04:2075

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2075
बृहस्पति	03:09:2075
मंगल	18:11:2075
सूर्य	03:02:2076
शुक्र	19:04:2076
बुध	04:07:2076
चन्द्रमा	18:09:2076
लग्न	04:12:2076

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2077
बृहस्पति	05:05:2077
मंगल	20:07:2077
सूर्य	04:10:2077
शुक्र	19:12:2077
बुध	05:03:2078
चन्द्रमा	20:05:2078
लग्न	04:08:2078

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2078
बृहस्पति	03:01:2079
मंगल	20:03:2079
सूर्य	04:06:2079
शुक्र	19:08:2079
बुध	03:11:2079
चन्द्रमा	18:01:2080
लग्न	04:04:2080

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2080
बृहस्पति	03:09:2080
मंगल	18:11:2080
सूर्य	02:02:2081
शुक्र	19:04:2081
बुध	05:07:2081
चन्द्रमा	19:09:2081
लग्न	04:12:2081

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2082
बृहस्पति	05:05:2082
मंगल	20:07:2082
सूर्य	04:10:2082
शुक्र	19:12:2082
बुध	05:03:2083
चन्द्रमा	20:05:2083
लग्न	04:08:2083

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:10:2083
बृहस्पति	03:01:2084
मंगल	19:03:2084
सूर्य	04:06:2084
शुक्र	19:08:2084
बुध	03:11:2084
चन्द्रमा	18:01:2085
लग्न	04:04:2085

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:06:2085
बृहस्पति	03:09:2085
मंगल	18:11:2085
सूर्य	02:02:2086
शुक्र	19:04:2086
बुध	05:07:2086
चन्द्रमा	19:09:2086
लग्न	04:12:2086

विंशोत्तरी दशा

(अन्य विभाजन विधि)

सूर्य दशा (18:02:2087 —— 18:02:2093)

धनु अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2087
बृहस्पति	12:03:2087
मंगल	04:04:2087
सूर्य	27:04:2087
शुक्र	20:05:2087
बुध	12:06:2087
चन्द्रमा	05:07:2087
लग्न	27:07:2087

मकर अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2087
बृहस्पति	11:09:2087
मंगल	04:10:2087
सूर्य	27:10:2087
शुक्र	18:11:2087
बुध	11:12:2087
चन्द्रमा	03:01:2088
लग्न	26:01:2088

कुम्भ अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2088
बृहस्पति	12:03:2088
मंगल	04:04:2088
सूर्य	26:04:2088
शुक्र	19:05:2088
बुध	11:06:2088
चन्द्रमा	04:07:2088
लग्न	27:07:2088

मीन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2088
बृहस्पति	11:09:2088
मंगल	04:10:2088
सूर्य	26:10:2088
शुक्र	18:11:2088
बुध	11:12:2088
चन्द्रमा	03:01:2089
लग्न	26:01:2089

मेष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2089
बृहस्पति	12:03:2089
मंगल	04:04:2089
सूर्य	27:04:2089
शुक्र	20:05:2089
बुध	12:06:2089
चन्द्रमा	05:07:2089
लग्न	27:07:2089

वृष अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2089
बृहस्पति	11:09:2089
मंगल	04:10:2089
सूर्य	27:10:2089
शुक्र	18:11:2089
बुध	11:12:2089
चन्द्रमा	03:01:2090
लग्न	26:01:2090

मिथुन अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2090
बृहस्पति	12:03:2090
मंगल	04:04:2090
सूर्य	27:04:2090
शुक्र	20:05:2090
बुध	12:06:2090
चन्द्रमा	05:07:2090
लग्न	27:07:2090

कर्क अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2090
बृहस्पति	11:09:2090
मंगल	04:10:2090
सूर्य	27:10:2090
शुक्र	18:11:2090
बुध	11:12:2090
चन्द्रमा	03:01:2091
लग्न	26:01:2091

सिहं अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2091
बृहस्पति	12:03:2091
मंगल	04:04:2091
सूर्य	27:04:2091
शुक्र	20:05:2091
बुध	12:06:2091
चन्द्रमा	05:07:2091
लग्न	27:07:2091

कन्या अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2091
बृहस्पति	11:09:2091
मंगल	04:10:2091
सूर्य	27:10:2091
शुक्र	18:11:2091
बुध	11:12:2091
चन्द्रमा	03:01:2092
लग्न	26:01:2092

तुला अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	18:02:2092
बृहस्पति	12:03:2092
मंगल	04:04:2092
सूर्य	26:04:2092
शुक्र	19:05:2092
बुध	11:06:2092
चन्द्रमा	04:07:2092
लग्न	27:07:2092

वृश्चिक अन्तर

पत्यंतर	से —— तक
शनि	19:08:2092
बृहस्पति	11:09:2092
मंगल	04:10:2092
सूर्य	26:10:2092
शुक्र	18:11:2092
बुध	11:12:2092
चन्द्रमा	03:01:2093
लग्न	26:01:2093

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय द्वादशोत्तरी ेग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : शनि : 0 व0 २ मा0 २0 दि0

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्यद्धस्त्रद्ध स्त्रह्व.रूव्द्ध द्दह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%द्मद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

क0 स0		ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	♄	शनि दशा	0 y.2 m.20 d.	06:01:1983 -- 28:03:1983
2	☽	चन्द्रमा दशा	21 y.0 m.0 d.	28:03:1983 -- 27:03:2004
3	☉	सूर्य दशा	7 y.0 m.0 d.	27:03:2004 -- 28:03:2011
4	♃	बृहस्पति दशा	9 y.0 m.0 d.	28:03:2011 -- 27:03:2020
5	☋	केतु दशा	11 y.0 m.0 d.	27:03:2020 -- 28:03:2031
6	☿	बुध दशा	13 y.0 m.0 d.	28:03:2031 -- 27:03:2044
7	☊	राहु दशा	15 y.0 m.0 d.	27:03:2044 -- 28:03:2059
8	♂	मंगल दशा	17 y.0 m.0 d.	28:03:2059 -- 27:03:2076

द्वादशोत्तरी दशा की अन्तर्दशाएं

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	
चन्द्रमा	
सूर्य	
बृहस्पति	
केतु	
बुध	
राहु	
मंगल	06:01:1983

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	28:03:1983
सूर्य	05:03:1987
बृहस्पति	27:06:1988
केतु	05:03:1990
बुध	27:03:1992
राहु	04:09:1994
मंगल	27:06:1997
शनि	03:09:2000

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	27:03:2004
बृहस्पति	03:09:2004
केतु	28:03:2005
बुध	04:12:2005
राहु	27:09:2006
मंगल	04:09:2007
शनि	26:09:2008
चन्द्रमा	04:12:2009

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	28:03:2011
केतु	17:12:2011
बुध	04:11:2012
राहु	21:11:2013
मंगल	04:02:2015
शनि	17:06:2016
चन्द्रमा	27:12:2017
सूर्य	04:09:2019

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	27:03:2020
बुध	26:04:2021
राहु	05:08:2022
मंगल	25:01:2024
शनि	27:09:2025
चन्द्रमा	09:08:2027
सूर्य	31:08:2029
बृहस्पति	09:05:2030

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	28:03:2031
राहु	30:09:2032
मंगल	27:06:2034
शनि	17:06:2036
चन्द्रमा	31:08:2038
सूर्य	07:02:2041
बृहस्पति	01:12:2041
केतु	17:12:2042

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	27:03:2044
मंगल	31:03:2046
शनि	10:07:2048
चन्द्रमा	25:01:2051
सूर्य	18:11:2053
बृहस्पति	26:10:2054
केतु	09:01:2056
बुध	01:07:2057

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	28:03:2059
शनि	26:10:2061
चन्द्रमा	13:09:2064
सूर्य	21:11:2067
बृहस्पति	14:12:2068
केतु	26:04:2070
बुध	27:12:2071
राहु	17:12:2073

द्वादशोत्तरी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)
केतु दशा (27:03:2020—28:03:2031)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्व्ह्रस्न्द्ध स्न्ह्र.रूब्द्ध द्र्ह्यड्ढ द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ह्वद्म द्वद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	27:03:2020
बुध	05:05:2020
राहु	20:06:2020
मंगल	12:08:2020
शनि	11:10:2020
चन्द्रमा	17:12:2020
सूर्य	01:03:2021
बृहस्पति	26:03:2021

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	26:04:2021
राहु	19:06:2021
मंगल	21:08:2021
शनि	31:10:2021
चन्द्रमा	18:01:2022
सूर्य	15:04:2022
बृहस्पति	14:05:2022
केतु	21:06:2022

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	05:08:2022
मंगल	16:10:2022
शनि	06:01:2023
चन्द्रमा	07:04:2023
सूर्य	17:07:2023
बृहस्पति	20:08:2023
केतु	02:10:2023
बुध	24:11:2023

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	25:01:2024
शनि	27:04:2024
चन्द्रमा	09:08:2024
सूर्य	01:12:2024
बृहस्पति	08:01:2025
केतु	26:02:2025
बुध	27:04:2025
राहु	07:07:2025

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	27:09:2025
चन्द्रमा	20:01:2026
सूर्य	28:05:2026
बृहस्पति	09:07:2026
केतु	02:09:2026
बुध	08:11:2026
राहु	26:01:2027
मंगल	27:04:2027

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	09:08:2027
सूर्य	28:12:2027
बृहस्पति	13:02:2028
केतु	14:04:2028
बुध	27:06:2028
राहु	22:09:2028
मंगल	01:01:2029
शनि	26:04:2029

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	31:08:2029
बृहस्पति	16:09:2029
केतु	06:10:2029
बुध	31:10:2029
राहु	29:11:2029
मंगल	02:01:2030
शनि	09:02:2030
चन्द्रमा	23:03:2030

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	09:05:2030
केतु	04:06:2030
बुध	06:07:2030
राहु	12:08:2030
मंगल	25:09:2030
शनि	13:11:2030
चन्द्रमा	06:01:2031
सूर्य	08:03:2031

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (06:01:1983–28:03:1983)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्मद्वस्त्रद्ध स्नह्ल.रूब्द्ध द्गह्यड्ड द्वादशोत्तरी छ्%ज्ञ्य द्बद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

पत्यंर्तर	से

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	06:01:1983

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (28:03:1983–27:03:2004)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्द्मद्धस्त्रद्ध स्त्रह्न.रूब्द्ध द्दह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%द्मद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	28:03:1983
सूर्य	22:12:1983
बृहस्पति	22:03:1984
केतु	15:07:1984
बुध	04:12:1984
राहु	20:05:1985
मंगल	28:11:1985
शनि	04:07:1986

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	05:03:1987
बृहस्पति	04:04:1987
केतु	13:05:1987
बुध	29:06:1987
राहु	23:08:1987
मंगल	26:10:1987
शनि	07:01:1988
चन्द्रमा	29:03:1988

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	27:06:1988
केतु	15:08:1988
बुध	15:10:1988
राहु	26:12:1988
मंगल	18:03:1989
शनि	20:06:1989
चन्द्रमा	02:10:1989
सूर्य	26:01:1990

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	05:03:1990
बुध	18:05:1990
राहु	14:08:1990
मंगल	22:11:1990
शनि	17:03:1991
चन्द्रमा	22:07:1991
सूर्य	10:12:1991
बृहस्पति	27:01:1992

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	27:03:1992
राहु	09:07:1992
मंगल	05:11:1992
शनि	20:03:1993
चन्द्रमा	18:08:1993
सूर्य	01:02:1994
बृहस्पति	29:03:1994
केतु	08:06:1994

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	04:09:1994
मंगल	19:01:1995
शनि	24:06:1995
चन्द्रमा	15:12:1995
सूर्य	25:06:1996
बृहस्पति	28:08:1996
केतु	19:11:1996
बुध	28:02:1997

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	27:06:1997
शनि	21:12:1997
चन्द्रमा	06:07:1998
सूर्य	09:02:1999
बृहस्पति	23:04:1999
केतु	26:07:1999
बुध	17:11:1999
राहु	31:03:2000

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	03:09:2000
चन्द्रमा	12:04:2001
सूर्य	12:12:2001
बृहस्पति	03:03:2002
केतु	16:06:2002
बुध	22:10:2002
राहु	21:03:2003
मंगल	12:09:2003

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (27:03:2004—28:03:2011)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्व्यद्धत्द्ध स्नद्ध.रूब्द्ध द्धह्यडु द्वादशोत्तरी ङ्क%ह्यद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	27:03:2004
बृहस्पति	06:04:2004
केतु	19:04:2004
बुध	05:05:2004
राहु	23:05:2004
मंगल	14:06:2004
शनि	08:07:2004
चन्द्रमा	04:08:2004

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	03:09:2004
केतु	20:09:2004
बुध	10:10:2004
राहु	03:11:2004
मंगल	01:12:2004
शनि	01:01:2005
चन्द्रमा	05:02:2005
सूर्य	15:03:2005

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	28:03:2005
बुध	22:04:2005
राहु	21:05:2005
मंगल	23:06:2005
शनि	31:07:2005
चन्द्रमा	12:09:2005
सूर्य	29:10:2005
बृहस्पति	14:11:2005

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	04:12:2005
राहु	07:01:2006
मंगल	16:02:2006
शनि	02:04:2006
चन्द्रमा	22:05:2006
सूर्य	17:07:2006
बृहस्पति	05:08:2006
केतु	28:08:2006

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	27:09:2006
मंगल	11:11:2006
शनि	02:01:2007
चन्द्रमा	01:03:2007
सूर्य	04:05:2007
बृहस्पति	26:05:2007
केतु	22:06:2007
बुध	26:07:2007

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	04:09:2007
शनि	02:11:2007
चन्द्रमा	06:01:2008
सूर्य	19:03:2008
बृहस्पति	13:04:2008
केतु	14:05:2008
बुध	21:06:2008
राहु	05:08:2008

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	26:09:2008
चन्द्रमा	09:12:2008
सूर्य	28:02:2009
बृहस्पति	27:03:2009
केतु	01:05:2009
बुध	13:06:2009
राहु	02:08:2009
मंगल	29:09:2009

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	04:12:2009
सूर्य	04:03:2010
बृहस्पति	03:04:2010
केतु	11:05:2010
बुध	27:06:2010
राहु	22:08:2010
मंगल	25:10:2010
शनि	06:01:2011

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (28:03:2011–27:03:2020)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्द्मद्धस्त्रद्ध स्त्रह्ल.रूब्द्ध द्द्यड्ढ द्वादशोत्तरी छ्%द्मद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	28:03:2011
केतु	18:04:2011
बुध	14:05:2011
राहु	14:06:2011
मंगल	19:07:2011
शनि	28:08:2011
चन्द्रमा	12:10:2011
सूर्य	30:11:2011

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	17:12:2011
बुध	18:01:2012
राहु	24:02:2012
मंगल	08:04:2012
शनि	27:05:2012
चन्द्रमा	21:07:2012
सूर्य	19:09:2012
बृहस्पति	09:10:2012

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	04:11:2012
राहु	19:12:2012
मंगल	08:02:2013
शनि	07:04:2013
चन्द्रमा	10:06:2013
सूर्य	21:08:2013
बृहस्पति	14:09:2013
केतु	14:10:2013

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	21:11:2013
मंगल	19:01:2014
शनि	27:03:2014
चन्द्रमा	09:06:2014
सूर्य	31:08:2014
बृहस्पति	27:09:2014
केतु	02:11:2014
बुध	15:12:2014

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	04:02:2015
शनि	21:04:2015
चन्द्रमा	14:07:2015
सूर्य	16:10:2015
बृहस्पति	16:11:2015
केतु	26:12:2015
बुध	13:02:2016
राहु	11:04:2016

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	17:06:2016
चन्द्रमा	20:09:2016
सूर्य	03:01:2017
बृहस्पति	06:02:2017
केतु	23:03:2017
बुध	17:05:2017
राहु	21:07:2017
मंगल	03:10:2017

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	27:12:2017
सूर्य	21:04:2018
बृहस्पति	30:05:2018
केतु	18:07:2018
बुध	17:09:2018
राहु	27:11:2018
मंगल	18:02:2019
शनि	22:05:2019

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	04:09:2019
बृहस्पति	17:09:2019
केतु	03:10:2019
बुध	23:10:2019
राहु	16:11:2019
मंगल	14:12:2019
शनि	14:01:2020
चन्द्रमा	18:02:2020

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (27:03:2020—28:03:2031)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्यद्मद्धस्त्रद्ध स्रह्न.रूब्द्ध द्ह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%ठ्ठद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	27:03:2020
बुध	05:05:2020
राहु	20:06:2020
मंगल	12:08:2020
शनि	11:10:2020
चन्द्रमा	17:12:2020
सूर्य	01:03:2021
बृहस्पति	26:03:2021

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	26:04:2021
राहु	19:06:2021
मंगल	21:08:2021
शनि	31:10:2021
चन्द्रमा	18:01:2022
सूर्य	15:04:2022
बृहस्पति	14:05:2022
केतु	21:06:2022

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	05:08:2022
मंगल	16:10:2022
शनि	06:01:2023
चन्द्रमा	07:04:2023
सूर्य	17:07:2023
बृहस्पति	20:08:2023
केतु	02:10:2023
बुध	24:11:2023

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	25:01:2024
शनि	27:04:2024
चन्द्रमा	09:08:2024
सूर्य	01:12:2024
बृहस्पति	08:01:2025
केतु	26:02:2025
बुध	27:04:2025
राहु	07:07:2025

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	27:09:2025
चन्द्रमा	20:01:2026
सूर्य	28:05:2026
बृहस्पति	09:07:2026
केतु	02:09:2026
बुध	08:11:2026
राहु	26:01:2027
मंगल	27:04:2027

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	09:08:2027
सूर्य	28:12:2027
बृहस्पति	13:02:2028
केतु	14:04:2028
बुध	27:06:2028
राहु	22:09:2028
मंगल	01:01:2029
शनि	26:04:2029

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	31:08:2029
बृहस्पति	16:09:2029
केतु	06:10:2029
बुध	31:10:2029
राहु	29:11:2029
मंगल	02:01:2030
शनि	09:02:2030
चन्द्रमा	23:03:2030

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	09:05:2030
केतु	04:06:2030
बुध	06:07:2030
राहु	12:08:2030
मंगल	25:09:2030
शनि	13:11:2030
चन्द्रमा	06:01:2031
सूर्य	08:03:2031

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (28:03:2031–27:03:2044)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्म्द्धस्न्द्ध स्न्ह्न.रूब्द्ध द्ध्य्ड्ड द्वादशोत्तरी छ्%म्द्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	28:03:2031
राहु	31:05:2031
मंगल	13:08:2031
शनि	04:11:2031
चन्द्रमा	06:02:2032
सूर्य	19:05:2032
बृहस्पति	23:06:2032
केतु	06:08:2032

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	30:09:2032
मंगल	24:12:2032
शनि	30:03:2033
चन्द्रमा	16:07:2033
सूर्य	12:11:2033
बृहस्पति	22:12:2033
केतु	11:02:2034
बुध	14:04:2034

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	27:06:2034
शनि	15:10:2034
चन्द्रमा	14:02:2035
सूर्य	29:06:2035
बृहस्पति	13:08:2035
केतु	10:10:2035
बुध	19:12:2035
राहु	12:03:2036

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	17:06:2036
चन्द्रमा	01:11:2036
सूर्य	01:04:2037
बृहस्पति	21:05:2037
केतु	25:07:2037
बुध	12:10:2037
राहु	13:01:2038
मंगल	01:05:2038

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	31:08:2038
सूर्य	14:02:2039
बृहस्पति	11:04:2039
केतु	21:06:2039
बुध	17:09:2039
राहु	29:12:2039
मंगल	26:04:2040
शनि	09:09:2040

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	07:02:2041
बृहस्पति	26:02:2041
केतु	21:03:2041
बुध	20:04:2041
राहु	24:05:2041
मंगल	03:07:2041
शनि	17:08:2041
चन्द्रमा	06:10:2041

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	01:12:2041
केतु	31:12:2041
बुध	07:02:2042
राहु	23:03:2042
मंगल	13:05:2042
शनि	10:07:2042
चन्द्रमा	13:09:2042
सूर्य	23:11:2042

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	17:12:2042
बुध	01:02:2043
राहु	27:03:2043
मंगल	28:05:2043
शनि	07:08:2043
चन्द्रमा	25:10:2043
सूर्य	20:01:2044
बृहस्पति	19:02:2044

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

राहु दशा (27:03:2044–28:03:2059)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्द्मद्धस्न्द्ध स्न्ह्.रूब्द्ध द्द्ह्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्%द्मद्म द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	27:03:2044
मंगल	04:07:2044
शनि	23:10:2044
चन्द्रमा	25:02:2045
सूर्य	12:07:2045
बृहस्पति	27:08:2045
केतु	25:10:2045
बुध	05:01:2046

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	31:03:2046
शनि	04:08:2046
चन्द्रमा	23:12:2046
सूर्य	28:05:2047
बृहस्पति	19:07:2047
केतु	24:09:2047
बुध	15:12:2047
राहु	20:03:2048

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	10:07:2048
चन्द्रमा	15:12:2048
सूर्य	07:06:2049
बृहस्पति	04:08:2049
केतु	18:10:2049
बुध	17:01:2050
राहु	05:05:2050
मंगल	06:09:2050

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	25:01:2051
सूर्य	06:08:2051
बृहस्पति	09:10:2051
केतु	30:12:2051
बुध	09:04:2052
राहु	07:08:2052
मंगल	23:12:2052
शनि	27:05:2053

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	18:11:2053
बृहस्पति	09:12:2053
केतु	06:01:2054
बुध	08:02:2054
राहु	20:03:2054
मंगल	05:05:2054
शनि	26:06:2054
चन्द्रमा	23:08:2054

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	26:10:2054
केतु	30:11:2054
बुध	12:01:2055
राहु	04:03:2055
मंगल	02:05:2055
शनि	08:07:2055
चन्द्रमा	21:09:2055
सूर्य	12:12:2055

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	09:01:2056
बुध	02:03:2056
राहु	03:05:2056
मंगल	15:07:2056
शनि	04:10:2056
चन्द्रमा	04:01:2057
सूर्य	15:04:2057
बृहस्पति	18:05:2057

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	01:07:2057
राहु	12:09:2057
मंगल	06:12:2057
शनि	13:03:2058
चन्द्रमा	29:06:2058
सूर्य	26:10:2058
बृहस्पति	05:12:2058
केतु	25:01:2059

द्वादशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (28:03:2059–27:03:2076)

आपकी कुण्डली में लग्न शुक्र द्वारा शासित किसी नवांश राशि (न वृष, न तुला) में नहीं पड़ रहा है। क्ष्व्वृद्धन्न्द्ध स्न्ह्न.रूब्ध्द्ध द्द्ध्यड्ड द्वादशोत्तरी ठ्ठ%न्न्ग्न द्धद्धति (११२ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है।

मंगल अन्तर

पत्यंर्तर	से
मंगल	28:03:2059
शनि	18:08:2059
चन्द्रमा	25:01:2060
सूर्य	20:07:2060
बृहस्पति	17:09:2060
केतु	02:12:2060
बुध	04:03:2061
राहु	22:06:2061

शनि अन्तर

पत्यंर्तर	से
शनि	26:10:2061
चन्द्रमा	22:04:2062
सूर्य	06:11:2062
बृहस्पति	11:01:2063
केतु	05:04:2063
बुध	18:07:2063
राहु	17:11:2063
मंगल	06:04:2064

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंर्तर	से
चन्द्रमा	13:09:2064
सूर्य	20:04:2065
बृहस्पति	01:07:2065
केतु	03:10:2065
बुध	25:01:2066
राहु	09:06:2066
मंगल	12:11:2066
शनि	08:05:2067

सूर्य अन्तर

पत्यंर्तर	से
सूर्य	21:11:2067
बृहस्पति	15:12:2067
केतु	15:01:2068
बुध	23:02:2068
राहु	08:04:2068
मंगल	30:05:2068
शनि	28:07:2068
चन्द्रमा	02:10:2068

बृहस्पति अन्तर

पत्यंर्तर	से
बृहस्पति	14:12:2068
केतु	23:01:2069
बुध	13:03:2069
राहु	10:05:2069
मंगल	15:07:2069
शनि	29:09:2069
चन्द्रमा	23:12:2069
सूर्य	26:03:2070

केतु अन्तर

पत्यंर्तर	से
केतु	26:04:2070
बुध	25:06:2070
राहु	04:09:2070
मंगल	25:11:2070
शनि	25:02:2071
चन्द्रमा	08:06:2071
सूर्य	01:10:2071
बृहस्पति	08:11:2071

बुध अन्तर

पत्यंर्तर	से
बुध	27:12:2071
राहु	20:03:2072
मंगल	24:06:2072
शनि	12:10:2072
चन्द्रमा	11:02:2073
सूर्य	26:06:2073
बृहस्पति	10:08:2073
केतु	07:10:2073

राहु अन्तर

पत्यंर्तर	से
राहु	17:12:2073
मंगल	07:04:2074
शनि	11:08:2074
चन्द्रमा	30:12:2074
सूर्य	04:06:2075
बृहस्पति	26:07:2075
केतु	01:10:2075
बुध	22:12:2075

षोडशोत्तरी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय षोडशोत्तरी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : चन्द्रमा : ० व० २ मा० ७ दि०

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति क फल अधिक उपयुक्त होगा।

क्र० स०	ग्रह दशा	अवधि	से ———— तक
1	☽ चन्द्रमा दशा	0 y.2 m.7 d.	06:01:1983 -- 15:03:1983
2	☿ बुध दशा	17 y.0 m.0 d.	15:03:1983 -- 14:03:2000
3	♀ शुक्र दशा	18 y.0 m.0 d.	14:03:2000 -- 15:03:2018
4	☉ सूर्य दशा	11 y.0 m.0 d.	15:03:2018 -- 15:03:2029
5	♂ मंगल दशा	12 y.0 m.0 d.	15:03:2029 -- 15:03:2041
6	♃ बृहस्पति दशा	13 y.0 m.0 d.	15:03:2041 -- 15:03:2054
7	♄ शनि दशा	14 y.0 m.0 d.	15:03:2054 -- 14:03:2068
8	☊ केतु दशा	15 y.0 m.0 d.	14:03:2068 -- 15:03:2083

षोडशोत्तरी दशा की अर्न्तदशाएं

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
बुध	
शुक्र	
सूर्य	
मंगल	
बृहस्पति	
शनि	
केतु	06:01:1983

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	15:03:1983
शुक्र	11:09:1985
सूर्य	01:05:1988
मंगल	11:12:1989
बृहस्पति	14:09:1991
शनि	10:08:1993
केतु	29:08:1995
चन्द्रमा	09:11:1997

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	14:03:2000
सूर्य	30:12:2002
मंगल	13:09:2004
बृहस्पति	25:07:2006
शनि	31:07:2008
केतु	03:10:2010
चन्द्रमा	30:01:2013
बुध	25:07:2015

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	15:03:2018
मंगल	31:03:2019
बृहस्पति	20:05:2020
शनि	13:08:2021
केतु	11:12:2022
चन्द्रमा	13:05:2024
बुध	19:11:2025
शुक्र	30:06:2027

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	15:03:2029
बृहस्पति	11:06:2030
शनि	15:10:2031
केतु	28:03:2033
चन्द्रमा	15:10:2034
बुध	11:06:2036
शुक्र	15:03:2038
सूर्य	24:01:2040

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	15:03:2041
शनि	29:08:2042
केतु	24:03:2044
चन्द्रमा	28:11:2045
बुध	14:09:2047
शुक्र	10:08:2049
सूर्य	16:08:2051
मंगल	09:11:2052

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	15:03:2054
केतु	22:11:2055
चन्द्रमा	14:09:2057
बुध	20:08:2059
शुक्र	07:09:2061
सूर्य	09:11:2063
मंगल	09:03:2065
बृहस्पति	20:08:2066

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	14:03:2068
चन्द्रमा	21:02:2070
बुध	18:03:2072
शुक्र	30:05:2074
सूर्य	26:09:2076
मंगल	27:02:2078
बृहस्पति	17:09:2079
शनि	23:05:2081

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (15:03:2018–15:03:2029)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	15:03:2018
मंगल	20:04:2018
बृहस्पति	30:05:2018
शनि	11:07:2018
केतु	26:08:2018
चन्द्रमा	15:10:2018
बुध	06:12:2018
शुक्र	31:01:2019

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	31:03:2019
बृहस्पति	13:05:2019
शनि	28:06:2019
केतु	18:08:2019
चन्द्रमा	10:10:2019
बुध	07:12:2019
शुक्र	06:02:2020
सूर्य	10:04:2020

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	20:05:2020
शनि	09:07:2020
केतु	02:09:2020
चन्द्रमा	30:10:2020
बुध	31:12:2020
शुक्र	07:03:2021
सूर्य	16:05:2021
मंगल	28:06:2021

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	13:08:2021
केतु	11:10:2021
चन्द्रमा	12:12:2021
बुध	17:02:2022
शुक्र	29:04:2022
सूर्य	13:07:2022
मंगल	28:08:2022
बृहस्पति	18:10:2022

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	11:12:2022
चन्द्रमा	16:02:2023
बुध	29:04:2023
शुक्र	14:07:2023
सूर्य	02:10:2023
मंगल	20:11:2023
बृहस्पति	13:01:2024
शनि	12:03:2024

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	13:05:2024
बुध	29:07:2024
शुक्र	18:10:2024
सूर्य	12:01:2025
मंगल	06:03:2025
बृहस्पति	02:05:2025
शनि	03:07:2025
केतु	08:09:2025

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	19:11:2025
शुक्र	13:02:2026
सूर्य	15:05:2026
मंगल	10:07:2026
बृहस्पति	09:09:2026
शनि	14:11:2026
केतु	24:01:2027
चन्द्रमा	10:04:2027

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	30:06:2027
सूर्य	05:10:2027
मंगल	03:12:2027
बृहस्पति	06:02:2028
शनि	16:04:2028
केतु	30:06:2028
चन्द्रमा	19:09:2028
बुध	14:12:2028

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (06:01:1983–15:03:1983)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से	पत्यंतर	से

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से

केतु अन्तर

पत्यंतर	से	पत्यंतर	से	पत्यंतर	से
				शनि	06:01:1983

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (15:03:1983–14:03:2000)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	15:03:1983
शुक्र	26:07:1983
सूर्य	15:12:1983
मंगल	10:03:1984
बृहस्पति	12:06:1984
शनि	23:09:1984
केतु	11:01:1985
चन्द्रमा	08:05:1985

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	11:09:1985
सूर्य	07:02:1986
मंगल	09:05:1986
बृहस्पति	17:08:1986
शनि	03:12:1986
केतु	29:03:1987
चन्द्रमा	01:08:1987
बुध	11:12:1987

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	01:05:1988
मंगल	26:06:1988
बृहस्पति	26:08:1988
शनि	31:10:1988
केतु	10:01:1989
चन्द्रमा	27:03:1989
बुध	16:06:1989
शुक्र	11:09:1989

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	11:12:1989
बृहस्पति	15:02:1990
शनि	28:04:1990
केतु	15:07:1990
चन्द्रमा	06:10:1990
बुध	02:01:1991
शुक्र	06:04:1991
सूर्य	15:07:1991

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	14:09:1991
शनि	01:12:1991
केतु	23:02:1992
चन्द्रमा	23:05:1992
बुध	27:08:1992
शुक्र	07:12:1992
सूर्य	25:03:1993
मंगल	30:05:1993

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	10:08:1993
केतु	08:11:1993
चन्द्रमा	13:02:1994
बुध	28:05:1994
शुक्र	14:09:1994
सूर्य	09:01:1995
मंगल	21:03:1995
बृहस्पति	06:06:1995

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	29:08:1995
चन्द्रमा	11:12:1995
बुध	31:03:1996
शुक्र	27:07:1996
सूर्य	28:11:1996
मंगल	13:02:1997
बृहस्पति	07:05:1997
शनि	05:08:1997

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	09:11:1997
बुध	07:03:1998
शुक्र	11:07:1998
सूर्य	21:11:1998
मंगल	10:02:1999
बृहस्पति	09:05:1999
शनि	13:08:1999
केतु	25:11:1999

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शुक्र दशा (14:03:2000—15:03:2018)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	14:03:2000
सूर्य	20:08:2000
मंगल	25:11:2000
बृहस्पति	11:03:2001
शनि	03:07:2001
केतु	03:11:2001
चन्द्रमा	15:03:2002
बुध	02:08:2002

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	30:12:2002
मंगल	27:02:2003
बृहस्पति	02:05:2003
शनि	11:07:2003
केतु	24:09:2003
चन्द्रमा	14:12:2003
बुध	09:03:2004
शुक्र	08:06:2004

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	13:09:2004
बृहस्पति	23:11:2004
शनि	07:02:2005
केतु	30:04:2005
चन्द्रमा	27:07:2005
बुध	29:10:2005
शुक्र	05:02:2006
सूर्य	22:05:2006

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	25:07:2006
शनि	16:10:2006
केतु	13:01:2007
चन्द्रमा	18:04:2007
बुध	29:07:2007
शुक्र	13:11:2007
सूर्य	07:03:2008
मंगल	16:05:2008

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	31:07:2008
केतु	04:11:2008
चन्द्रमा	15:02:2009
बुध	04:06:2009
शुक्र	28:09:2009
सूर्य	30:01:2010
मंगल	15:04:2010
बृहस्पति	06:07:2010

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	03:10:2010
चन्द्रमा	20:01:2011
बुध	18:05:2011
शुक्र	19:09:2011
सूर्य	29:01:2012
मंगल	19:04:2012
बृहस्पति	16:07:2012
शनि	19:10:2012

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	30:01:2013
बुध	04:06:2013
शुक्र	15:10:2013
सूर्य	05:03:2014
मंगल	30:05:2014
बृहस्पति	31:08:2014
शनि	11:12:2014
केतु	30:03:2015

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	25:07:2015
शुक्र	13:12:2015
सूर्य	11:05:2016
मंगल	11:08:2016
बृहस्पति	19:11:2016
शनि	07:03:2017
केतु	01:07:2017
चन्द्रमा	02:11:2017

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (15:03:2018–15:03:2029)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	15:03:2018
मंगल	20:04:2018
बृहस्पति	30:05:2018
शनि	11:07:2018
केतु	26:08:2018
चन्द्रमा	15:10:2018
बुध	06:12:2018
शुक्र	31:01:2019

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	31:03:2019
बृहस्पति	13:05:2019
शनि	28:06:2019
केतु	18:08:2019
चन्द्रमा	10:10:2019
बुध	07:12:2019
शुक्र	06:02:2020
सूर्य	10:04:2020

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	20:05:2020
शनि	09:07:2020
केतु	02:09:2020
चन्द्रमा	30:10:2020
बुध	31:12:2020
शुक्र	07:03:2021
सूर्य	16:05:2021
मंगल	28:06:2021

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	13:08:2021
केतु	11:10:2021
चन्द्रमा	12:12:2021
बुध	17:02:2022
शुक्र	29:04:2022
सूर्य	13:07:2022
मंगल	28:08:2022
बृहस्पति	18:10:2022

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	11:12:2022
चन्द्रमा	16:02:2023
बुध	29:04:2023
शुक्र	14:07:2023
सूर्य	02:10:2023
मंगल	20:11:2023
बृहस्पति	13:01:2024
शनि	12:03:2024

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	13:05:2024
बुध	29:07:2024
शुक्र	18:10:2024
सूर्य	12:01:2025
मंगल	06:03:2025
बृहस्पति	02:05:2025
शनि	03:07:2025
केतु	08:09:2025

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	19:11:2025
शुक्र	13:02:2026
सूर्य	15:05:2026
मंगल	10:07:2026
बृहस्पति	09:09:2026
शनि	14:11:2026
केतु	24:01:2027
चन्द्रमा	10:04:2027

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	30:06:2027
सूर्य	05:10:2027
मंगल	03:12:2027
बृहस्पति	06:02:2028
शनि	16:04:2028
केतु	30:06:2028
चन्द्रमा	19:09:2028
बुध	14:12:2028

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (15:03:2029–15:03:2041)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	15:03:2029
बृहस्पति	01:05:2029
शनि	21:06:2029
केतु	15:08:2029
चन्द्रमा	12:10:2029
बुध	14:12:2029
शुक्र	18:02:2030
सूर्य	29:04:2030

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	11:06:2030
शनि	05:08:2030
केतु	04:10:2030
चन्द्रमा	06:12:2030
बुध	12:02:2031
शुक्र	25:04:2031
सूर्य	10:07:2031
मंगल	25:08:2031

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	15:10:2031
केतु	18:12:2031
चन्द्रमा	24:02:2032
बुध	08:05:2032
शुक्र	24:07:2032
सूर्य	15:10:2032
मंगल	04:12:2032
बृहस्पति	28:01:2033

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	28:03:2033
चन्द्रमा	09:06:2033
बुध	26:08:2033
शुक्र	17:11:2033
सूर्य	13:02:2034
मंगल	08:04:2034
बृहस्पति	05:06:2034
शनि	08:08:2034

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	15:10:2034
बुध	07:01:2035
शुक्र	05:04:2035
सूर्य	08:07:2035
मंगल	03:09:2035
बृहस्पति	05:11:2035
शनि	11:01:2036
केतु	24:03:2036

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	11:06:2036
शुक्र	13:09:2036
सूर्य	22:12:2036
मंगल	21:02:2037
बृहस्पति	28:04:2037
शनि	09:07:2037
केतु	25:09:2037
चन्द्रमा	17:12:2037

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	15:03:2038
सूर्य	29:06:2038
मंगल	01:09:2038
बृहस्पति	10:11:2038
शनि	26:01:2039
केतु	18:04:2039
चन्द्रमा	15:07:2039
बुध	16:10:2039

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	24:01:2040
मंगल	03:03:2040
बृहस्पति	16:04:2040
शनि	01:06:2040
केतु	21:07:2040
चन्द्रमा	13:09:2040
बुध	10:11:2040
शुक्र	10:01:2041

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (15:03:2041—15:03:2054)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	15:03:2041
शनि	14:05:2041
केतु	17:07:2041
चन्द्रमा	24:09:2041
बुध	06:12:2041
शुक्र	22:02:2042
सूर्य	16:05:2042
मंगल	05:07:2042

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	29:08:2042
केतु	06:11:2042
चन्द्रमा	19:01:2043
बुध	08:04:2043
शुक्र	01:07:2043
सूर्य	28:09:2043
मंगल	21:11:2043
बृहस्पति	20:01:2044

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	24:03:2044
चन्द्रमा	11:06:2044
बुध	04:09:2044
शुक्र	03:12:2044
सूर्य	09:03:2045
मंगल	06:05:2045
बृहस्पति	08:07:2045
शनि	15:09:2045

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	28:11:2045
बुध	27:02:2046
शुक्र	02:06:2046
सूर्य	12:09:2046
मंगल	13:11:2046
बृहस्पति	20:01:2047
शनि	03:04:2047
केतु	21:06:2047

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	14:09:2047
शुक्र	25:12:2047
सूर्य	11:04:2048
मंगल	16:06:2048
बृहस्पति	27:08:2048
शनि	13:11:2048
केतु	05:02:2049
चन्द्रमा	06:05:2049

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	10:08:2049
सूर्य	02:12:2049
मंगल	10:02:2050
बृहस्पति	27:04:2050
शनि	19:07:2050
केतु	16:10:2050
चन्द्रमा	19:01:2051
बुध	30:04:2051

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	16:08:2051
मंगल	28:09:2051
बृहस्पति	14:11:2051
शनि	03:01:2052
केतु	27:02:2052
चन्द्रमा	25:04:2052
बुध	26:06:2052
शुक्र	31:08:2052

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	09:11:2052
बृहस्पति	30:12:2052
शनि	23:02:2053
केतु	23:04:2053
चन्द्रमा	26:06:2053
बुध	02:09:2053
शुक्र	13:11:2053
सूर्य	28:01:2054

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (15:03:2054—14:03:2068)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	15:03:2054
केतु	29:05:2054
चन्द्रमा	16:08:2054
बुध	09:11:2054
शुक्र	08:02:2055
सूर्य	15:05:2055
मंगल	12:07:2055
बृहस्पति	14:09:2055

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	22:11:2055
चन्द्रमा	16:02:2056
बुध	17:05:2056
शुक्र	22:08:2056
सूर्य	03:12:2056
मंगल	04:02:2057
बृहस्पति	13:04:2057
शनि	26:06:2057

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	14:09:2057
बुध	20:12:2057
शुक्र	02:04:2058
सूर्य	21:07:2058
मंगल	25:09:2058
बृहस्पति	07:12:2058
शनि	24:02:2059
केतु	20:05:2059

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	20:08:2059
शुक्र	07:12:2059
सूर्य	02:04:2060
मंगल	12:06:2060
बृहस्पति	29:08:2060
शनि	21:11:2060
केतु	19:02:2061
चन्द्रमा	27:05:2061

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	07:09:2061
सूर्य	08:01:2062
मंगल	25:03:2062
बृहस्पति	15:06:2062
शनि	12:09:2062
केतु	16:12:2062
चन्द्रमा	29:03:2063
बुध	16:07:2063

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	09:11:2063
मंगल	25:12:2063
बृहस्पति	14:02:2064
शनि	08:04:2064
केतु	06:06:2064
चन्द्रमा	07:08:2064
बुध	14:10:2064
शुक्र	24:12:2064

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	09:03:2065
बृहस्पति	03:05:2065
शनि	01:07:2065
केतु	03:09:2065
चन्द्रमा	10:11:2065
बुध	22:01:2066
शुक्र	09:04:2066
सूर्य	30:06:2066

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	20:08:2066
शनि	23:10:2066
केतु	31:12:2066
चन्द्रमा	15:03:2067
बुध	02:06:2067
शुक्र	25:08:2067
सूर्य	22:11:2067
मंगल	15:01:2068

षोडशोत्तरी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (14:03:2068–15:03:2083)

आपका जन्म कृष्ण-पक्ष (अवरोही चंद्र) में हुआ है और आपकी जन्मकुण्डली की होरा कुण्डली में लग्न सूर्य के होरा में पड़ रहा है। इस तरह से आपकी कुण्डली में षोडशोत्तरी दशा पद्धति (११६ साल का पूर्ण चक्र) लागू नहीं हो रहा है। इस स्थिति में विंशोत्तरी दशा पद्धति का फल अधिक उपयुक्त होगा।

केतु अन्तर

पत्यंतर	से
केतु	14:03:2068
चन्द्रमा	14:06:2068
बुध	20:09:2068
शुक्र	02:01:2069
सूर्य	22:04:2069
मंगल	28:06:2069
बृहस्पति	09:09:2069
शनि	28:11:2069

चन्द्रमा अन्तर

पत्यंतर	से
चन्द्रमा	21:02:2070
बुध	05:06:2070
शुक्र	24:09:2070
सूर्य	19:01:2071
मंगल	01:04:2071
बृहस्पति	18:06:2071
शनि	11:09:2071
केतु	11:12:2071

बुध अन्तर

पत्यंतर	से
बुध	18:03:2072
शुक्र	13:07:2072
सूर्य	15:11:2072
मंगल	31:01:2073
बृहस्पति	24:04:2073
शनि	22:07:2073
केतु	27:10:2073
चन्द्रमा	08:02:2074

शुक्र अन्तर

पत्यंतर	से
शुक्र	30:05:2074
सूर्य	09:10:2074
मंगल	28:12:2074
बृहस्पति	26:03:2075
शनि	29:06:2075
केतु	10:10:2075
चन्द्रमा	28:01:2076
बुध	24:05:2076

सूर्य अन्तर

पत्यंतर	से
सूर्य	26:09:2076
मंगल	14:11:2076
बृहस्पति	07:01:2077
शनि	06:03:2077
केतु	08:05:2077
चन्द्रमा	14:07:2077
बुध	24:09:2077
शुक्र	09:12:2077

मंगल अन्तर

पत्यंतर	से
मंगल	27:02:2078
बृहस्पति	27:04:2078
शनि	30:06:2078
केतु	06:09:2078
चन्द्रमा	18:11:2078
बुध	04:02:2079
शुक्र	28:04:2079
सूर्य	25:07:2079

बृहस्पति अन्तर

पत्यंतर	से
बृहस्पति	17:09:2079
शनि	25:11:2079
केतु	07:02:2080
चन्द्रमा	26:04:2080
बुध	20:07:2080
शुक्र	18:10:2080
सूर्य	22:01:2081
मंगल	21:03:2081

शनि अन्तर

पत्यंतर	से
शनि	23:05:2081
केतु	11:08:2081
चन्द्रमा	05:11:2081
बुध	04:02:2082
शुक्र	12:05:2082
सूर्य	22:08:2082
मंगल	24:10:2082
बृहस्पति	31:12:2082

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

जन्म के समय त्रिभागी ोग्य दशा (एन सी लहरी अयनाश : ०२३:३७:११) : चन्द्रमा : ० व० ० मा० २६ दि०

क्र० स०	ग्रह दशा	अवधि	से ———————— तक
1	☽ चन्द्रमा दशा	0 y.0 m.29 d.	06:01:1983 -- 05:02:1983
2	♂ मंगल दशा	5 y.0 m.0 d.	05:02:1983 -- 06:10:1987
3	☊ राहु दशा	12 y.0 m.0 d.	06:10:1987 -- 06:10:1999
4	♃ बृहस्पति दशा	11 y.0 m.0 d.	06:10:1999 -- 07:06:2010
5	♄ शनि दशा	13 y.0 m.0 d.	07:06:2010 -- 05:02:2023
6	☿ बुध दशा	11 y.0 m.0 d.	05:02:2023 -- 07:06:2034
7	☋ केतु दशा	5 y.0 m.0 d.	07:06:2034 -- 05:02:2039
8	♀ शुक्र दशा	13 y.0 m.0 d.	05:02:2039 -- 06:06:2052
9	☉ सूर्य दशा	4 y.0 m.0 d.	06:06:2052 -- 06:06:2056

त्रिभागी दशा की अर्न्तदशाएं

चन्द्रमा दशा

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	
मंगल	
राहु	
बृहस्पति	
शनि	
बुध	
केतु	
शुक्र	
सूर्य	06:01:1983

मंगल दशा

अन्तर्दशा	से
मंगल	05:02:1983
राहु	15:05:1983
बृहस्पति	26:01:1984
शनि	10:09:1984
बुध	07:06:1985
केतु	03:02:1986
शुक्र	13:05:1986
सूर्य	21:02:1987
चन्द्रमा	17:05:1987

राहु दशा

अन्तर्दशा	से
राहु	06:10:1987
बृहस्पति	25:07:1989
शनि	01:03:1991
बुध	24:01:1993
केतु	06:10:1994
शुक्र	19:06:1995
सूर्य	19:06:1997
चन्द्रमा	24:01:1998
मंगल	24:01:1999

बृहस्पति दशा

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	06:10:1999
शनि	09:03:2001
बुध	16:11:2002
केतु	21:05:2004
शुक्र	03:01:2005
सूर्य	14:10:2006
चन्द्रमा	27:04:2007
मंगल	17:03:2008
राहु	30:10:2008

शनि दशा

अन्तर्दशा	से
शनि	07:06:2010
बुध	08:06:2012
केतु	26:03:2014
शुक्र	20:12:2014
सूर्य	30:01:2017
चन्द्रमा	18:09:2017
मंगल	08:10:2018
राहु	05:07:2019
बृहस्पति	29:05:2021

बुध दशा

अन्तर्दशा	से
बुध	05:02:2023
केतु	14:09:2024
शुक्र	13:05:2025
सूर्य	03:04:2027
चन्द्रमा	26:10:2027
मंगल	06:10:2028
राहु	05:06:2029
बृहस्पति	15:02:2031
शनि	20:08:2032

केतु दशा

अन्तर्दशा	से
केतु	07:06:2034
शुक्र	14:09:2034
सूर्य	25:06:2035
चन्द्रमा	18:09:2035
मंगल	07:02:2036
राहु	17:05:2036
बृहस्पति	28:01:2037
शनि	12:09:2037
बुध	09:06:2038

शुक्र दशा

अन्तर्दशा	से
शुक्र	05:02:2039
सूर्य	27:04:2041
चन्द्रमा	26:12:2041
मंगल	05:02:2043
राहु	16:11:2043
बृहस्पति	16:11:2045
शनि	27:08:2047
बुध	06:10:2049
केतु	27:08:2051

सूर्य दशा

अन्तर्दशा	से
सूर्य	06:06:2052
चन्द्रमा	18:08:2052
मंगल	18:12:2052
राहु	13:03:2053
बृहस्पति	18:10:2053
शनि	01:05:2054
बुध	18:12:2054
केतु	13:07:2055
शुक्र	06:10:2055

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (07:06:2010 —— 05:02:2023)

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	07:06:2010
बुध	30:09:2010
केतु	12:01:2011
शुक्र	24:02:2011
सूर्य	26:06:2011
चन्द्रमा	01:08:2011
मंगल	01:10:2011
राहु	13:11:2011
बृहस्पति	02:03:2012

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	08:06:2012
केतु	09:09:2012
शुक्र	17:10:2012
सूर्य	04:02:2013
चन्द्रमा	08:03:2013
मंगल	02:05:2013
राहु	09:06:2013
बृहस्पति	16:09:2013
शनि	12:12:2013

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	26:03:2014
शुक्र	10:04:2014
सूर्य	25:05:2014
चन्द्रमा	08:06:2014
मंगल	30:06:2014
राहु	16:07:2014
बृहस्पति	25:08:2014
शनि	30:09:2014
बुध	12:11:2014

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	20:12:2014
सूर्य	28:04:2015
चन्द्रमा	05:06:2015
मंगल	08:08:2015
राहु	22:09:2015
बृहस्पति	16:01:2016
शनि	28:04:2016
बुध	28:08:2016
केतु	16:12:2016

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	30:01:2017
चन्द्रमा	10:02:2017
मंगल	02:03:2017
राहु	15:03:2017
बृहस्पति	19:04:2017
शनि	20:05:2017
बुध	25:06:2017
केतु	28:07:2017
शुक्र	10:08:2017

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	18:09:2017
मंगल	20:10:2017
राहु	12:11:2017
बृहस्पति	08:01:2018
शनि	01:03:2018
बुध	01:05:2018
केतु	24:06:2018
शुक्र	17:07:2018
सूर्य	19:09:2018

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	08:10:2018
राहु	24:10:2018
बृहस्पति	03:12:2018
शनि	08:01:2019
बुध	20:02:2019
केतु	30:03:2019
शुक्र	15:04:2019
सूर्य	30:05:2019
चन्द्रमा	12:06:2019

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	05:07:2019
बृहस्पति	17:10:2019
शनि	17:01:2020
बुध	07:05:2020
केतु	13:08:2020
शुक्र	23:09:2020
सूर्य	17:01:2021
चन्द्रमा	20:02:2021
मंगल	19:04:2021

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	29:05:2021
शनि	20:08:2021
बुध	25:11:2021
केतु	21:02:2022
शुक्र	29:03:2022
सूर्य	09:07:2022
चन्द्रमा	09:08:2022
मंगल	29:09:2022
राहु	04:11:2022

त्रिभागी दशा

(प्रचलित विभाजन विधि)

चन्द्रमा दशा (06:01:1983 —— 05:02:1983)

अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से

अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से	अन्तर्दशा	से
				बुध	06:01:1983
				केतु	09:01:1983
				शुक्र	16:01:1983

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

मंगल दशा (05:02:1983 —— 06:10:1987)

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	05:02:1983
राहु	11:02:1983
बृहस्पति	26:02:1983
शनि	11:03:1983
बुध	27:03:1983
केतु	10:04:1983
शुक्र	15:04:1983
सूर्य	02:05:1983
चन्द्रमा	07:05:1983

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	15:05:1983
बृहस्पति	23:06:1983
शनि	27:07:1983
बुध	05:09:1983
केतु	11:10:1983
शुक्र	26:10:1983
सूर्य	08:12:1983
चन्द्रमा	21:12:1983
मंगल	11:01:1984

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	26:01:1984
शनि	25:02:1984
बुध	01:04:1984
केतु	03:05:1984
शुक्र	17:05:1984
सूर्य	24:06:1984
चन्द्रमा	05:07:1984
मंगल	24:07:1984
राहु	06:08:1984

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	10:09:1984
बुध	22:10:1984
केतु	30:11:1984
शुक्र	15:12:1984
सूर्य	29:01:1985
चन्द्रमा	12:02:1985
मंगल	06:03:1985
राहु	22:03:1985
बृहस्पति	02:05:1985

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	07:06:1985
केतु	11:07:1985
शुक्र	25:07:1985
सूर्य	03:09:1985
चन्द्रमा	15:09:1985
मंगल	05:10:1985
राहु	19:10:1985
बृहस्पति	24:11:1985
शनि	27:12:1985

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	03:02:1986
शुक्र	09:02:1986
सूर्य	25:02:1986
चन्द्रमा	02:03:1986
मंगल	10:03:1986
राहु	16:03:1986
बृहस्पति	31:03:1986
शनि	13:04:1986
बुध	29:04:1986

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	13:05:1986
सूर्य	30:06:1986
चन्द्रमा	14:07:1986
मंगल	06:08:1986
राहु	23:08:1986
बृहस्पति	05:10:1986
शनि	11:11:1986
बुध	26:12:1986
केतु	05:02:1987

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	21:02:1987
चन्द्रमा	25:02:1987
मंगल	04:03:1987
राहु	09:03:1987
बृहस्पति	22:03:1987
शनि	03:04:1987
बुध	16:04:1987
केतु	28:04:1987
शुक्र	03:05:1987

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	17:05:1987
मंगल	29:05:1987
राहु	06:06:1987
बृहस्पति	28:06:1987
शनि	17:07:1987
बुध	08:08:1987
केतु	28:08:1987
शुक्र	05:09:1987
सूर्य	29:09:1987

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

राहु दशा (06:10:1987 —— 06:10:1999)

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	06:10:1987
बृहस्पति	13:01:1988
शनि	10:04:1988
बुध	23:07:1988
केतु	24:10:1988
शुक्र	02:12:1988
सूर्य	21:03:1989
चन्द्रमा	23:04:1989
मंगल	17:06:1989

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	25:07:1989
शनि	11:10:1989
बुध	12:01:1990
केतु	04:04:1990
शुक्र	08:05:1990
सूर्य	14:08:1990
चन्द्रमा	12:09:1990
मंगल	31:10:1990
राहु	04:12:1990

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	01:03:1991
बुध	19:06:1991
केतु	25:09:1991
शुक्र	05:11:1991
सूर्य	28:02:1992
चन्द्रमा	03:04:1992
मंगल	31:05:1992
राहु	11:07:1992
बृहस्पति	23:10:1992

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	24:01:1993
केतु	22:04:1993
शुक्र	28:05:1993
सूर्य	08:09:1993
चन्द्रमा	09:10:1993
मंगल	30:11:1993
राहु	05:01:1994
बृहस्पति	08:04:1994
शनि	30:06:1994

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	06:10:1994
शुक्र	21:10:1994
सूर्य	03:12:1994
चन्द्रमा	15:12:1994
मंगल	06:01:1995
राहु	21:01:1995
बृहस्पति	28:02:1995
शनि	03:04:1995
बुध	14:05:1995

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	19:06:1995
सूर्य	18:10:1995
चन्द्रमा	24:11:1995
मंगल	24:01:1996
राहु	06:03:1996
बृहस्पति	24:06:1996
शनि	30:09:1996
बुध	24:01:1997
केतु	07:05:1997

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	19:06:1997
चन्द्रमा	30:06:1997
मंगल	18:07:1997
राहु	31:07:1997
बृहस्पति	02:09:1997
शनि	01:10:1997
बुध	04:11:1997
केतु	05:12:1997
शुक्र	18:12:1997

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	24:01:1998
मंगल	23:02:1998
राहु	16:03:1998
बृहस्पति	10:05:1998
शनि	28:06:1998
बुध	25:08:1998
केतु	15:10:1998
शुक्र	06:11:1998
सूर्य	05:01:1999

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	24:01:1999
राहु	08:02:1999
बृहस्पति	18:03:1999
शनि	21:04:1999
बुध	31:05:1999
केतु	07:07:1999
शुक्र	22:07:1999
सूर्य	02:09:1999
चन्द्रमा	15:09:1999

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

बृहस्पति दशा (06:10:1999 —— 07:06:2010)

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	06:10:1999
शनि	14:12:1999
बुध	06:03:2000
केतु	19:05:2000
शुक्र	18:06:2000
सूर्य	13:09:2000
चन्द्रमा	09:10:2000
मंगल	21:11:2000
राहु	21:12:2000

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	09:03:2001
बुध	15:06:2001
केतु	10:09:2001
शुक्र	16:10:2001
सूर्य	27:01:2002
चन्द्रमा	27:02:2002
मंगल	19:04:2002
राहु	25:05:2002
बृहस्पति	26:08:2002

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	16:11:2002
केतु	02:02:2003
शुक्र	06:03:2003
सूर्य	06:06:2003
चन्द्रमा	04:07:2003
मंगल	19:08:2003
राहु	20:09:2003
बृहस्पति	11:12:2003
शनि	23:02:2004

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	21:05:2004
शुक्र	03:06:2004
सूर्य	11:07:2004
चन्द्रमा	22:07:2004
मंगल	10:08:2004
राहु	24:08:2004
बृहस्पति	27:09:2004
शनि	27:10:2004
बुध	02:12:2004

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	03:01:2005
सूर्य	22:04:2005
चन्द्रमा	24:05:2005
मंगल	17:07:2005
राहु	24:08:2005
बृहस्पति	29:11:2005
शनि	24:02:2006
बुध	07:06:2006
केतु	06:09:2006

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	14:10:2006
चन्द्रमा	24:10:2006
मंगल	09:11:2006
राहु	21:11:2006
बृहस्पति	20:12:2006
शनि	15:01:2007
बुध	15:02:2007
केतु	14:03:2007
शुक्र	26:03:2007

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	27:04:2007
मंगल	24:05:2007
राहु	12:06:2007
बृहस्पति	31:07:2007
शनि	12:09:2007
बुध	02:11:2007
केतु	18:12:2007
शुक्र	06:01:2008
सूर्य	29:02:2008

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	17:03:2008
राहु	30:03:2008
बृहस्पति	03:05:2008
शनि	02:06:2008
बुध	09:07:2008
केतु	10:08:2008
शुक्र	23:08:2008
सूर्य	30:09:2008
चन्द्रमा	11:10:2008

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	30:10:2008
बृहस्पति	26:01:2009
शनि	14:04:2009
बुध	15:07:2009
केतु	06:10:2009
शुक्र	09:11:2009
सूर्य	15:02:2010
चन्द्रमा	16:03:2010
मंगल	03:05:2010

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

शनि दशा (07:06:2010 —— 05:02:2023)

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	07:06:2010
बुध	30:09:2010
केतु	12:01:2011
शुक्र	24:02:2011
सूर्य	26:06:2011
चन्द्रमा	01:08:2011
मंगल	01:10:2011
राहु	13:11:2011
बृहस्पति	02:03:2012

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	08:06:2012
केतु	09:09:2012
शुक्र	17:10:2012
सूर्य	04:02:2013
चन्द्रमा	08:03:2013
मंगल	02:05:2013
राहु	09:06:2013
बृहस्पति	16:09:2013
शनि	12:12:2013

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	26:03:2014
शुक्र	10:04:2014
सूर्य	25:05:2014
चन्द्रमा	08:06:2014
मंगल	30:06:2014
राहु	16:07:2014
बृहस्पति	25:08:2014
शनि	30:09:2014
बुध	12:11:2014

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	20:12:2014
सूर्य	28:04:2015
चन्द्रमा	05:06:2015
मंगल	08:08:2015
राहु	22:09:2015
बृहस्पति	16:01:2016
शनि	28:04:2016
बुध	28:08:2016
केतु	16:12:2016

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	30:01:2017
चन्द्रमा	10:02:2017
मंगल	02:03:2017
राहु	15:03:2017
बृहस्पति	19:04:2017
शनि	20:05:2017
बुध	25:06:2017
केतु	28:07:2017
शुक्र	10:08:2017

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	18:09:2017
मंगल	20:10:2017
राहु	12:11:2017
बृहस्पति	08:01:2018
शनि	01:03:2018
बुध	01:05:2018
केतु	24:06:2018
शुक्र	17:07:2018
सूर्य	19:09:2018

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	08:10:2018
राहु	24:10:2018
बृहस्पति	03:12:2018
शनि	08:01:2019
बुध	20:02:2019
केतु	30:03:2019
शुक्र	15:04:2019
सूर्य	30:05:2019
चन्द्रमा	12:06:2019

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	05:07:2019
बृहस्पति	17:10:2019
शनि	17:01:2020
बुध	07:05:2020
केतु	13:08:2020
शुक्र	23:09:2020
सूर्य	17:01:2021
चन्द्रमा	20:02:2021
मंगल	19:04:2021

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	29:05:2021
शनि	20:08:2021
बुध	25:11:2021
केतु	21:02:2022
शुक्र	29:03:2022
सूर्य	09:07:2022
चन्द्रमा	09:08:2022
मंगल	29:09:2022
राहु	04:11:2022

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

बुध दशा (05:02:2023 —— 07:06:2034)

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	05:02:2023
केतु	29:04:2023
शुक्र	02:06:2023
सूर्य	08:09:2023
चन्द्रमा	07:10:2023
मंगल	25:11:2023
राहु	29:12:2023
बृहस्पति	26:03:2024
शनि	13:06:2024

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	14:09:2024
शुक्र	28:09:2024
सूर्य	07:11:2024
चन्द्रमा	19:11:2024
मंगल	09:12:2024
राहु	23:12:2024
बृहस्पति	29:01:2025
शनि	02:03:2025
बुध	09:04:2025

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	13:05:2025
सूर्य	05:09:2025
चन्द्रमा	10:10:2025
मंगल	06:12:2025
राहु	15:01:2026
बृहस्पति	29:04:2026
शनि	30:07:2026
बुध	16:11:2026
केतु	21:02:2027

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	03:04:2027
चन्द्रमा	13:04:2027
मंगल	30:04:2027
राहु	12:05:2027
बृहस्पति	12:06:2027
शनि	10:07:2027
बुध	12:08:2027
केतु	10:09:2027
शुक्र	22:09:2027

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	26:10:2027
मंगल	24:11:2027
राहु	14:12:2027
बृहस्पति	04:02:2028
शनि	21:03:2028
बुध	15:05:2028
केतु	03:07:2028
शुक्र	23:07:2028
सूर्य	19:09:2028

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	06:10:2028
राहु	20:10:2028
बृहस्पति	25:11:2028
शनि	28:12:2028
बुध	04:02:2029
केतु	10:03:2029
शुक्र	24:03:2029
सूर्य	03:05:2029
चन्द्रमा	15:05:2029

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	05:06:2029
बृहस्पति	06:09:2029
शनि	27:11:2029
बुध	06:03:2030
केतु	01:06:2030
शुक्र	08:07:2030
सूर्य	19:10:2030
चन्द्रमा	19:11:2030
मंगल	10:01:2031

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	15:02:2031
शनि	30:04:2031
बुध	26:07:2031
केतु	12:10:2031
शुक्र	13:11:2031
सूर्य	13:02:2032
चन्द्रमा	12:03:2032
मंगल	27:04:2032
राहु	29:05:2032

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	20:08:2032
बुध	02:12:2032
केतु	05:03:2033
शुक्र	12:04:2033
सूर्य	30:07:2033
चन्द्रमा	01:09:2033
मंगल	26:10:2033
राहु	03:12:2033
बृहस्पति	11:03:2034

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

केतु दशा (07:06:2034 —— 05:02:2039)

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	07:06:2034
शुक्र	12:06:2034
सूर्य	29:06:2034
चन्द्रमा	04:07:2034
मंगल	12:07:2034
राहु	18:07:2034
बृहस्पति	02:08:2034
शनि	15:08:2034
बुध	31:08:2034

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	14:09:2034
सूर्य	31:10:2034
चन्द्रमा	14:11:2034
मंगल	08:12:2034
राहु	25:12:2034
बृहस्पति	05:02:2035
शनि	15:03:2035
बुध	29:04:2035
केतु	08:06:2035

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	25:06:2035
चन्द्रमा	29:06:2035
मंगल	06:07:2035
राहु	11:07:2035
बृहस्पति	24:07:2035
शनि	04:08:2035
बुध	18:08:2035
केतु	30:08:2035
शुक्र	04:09:2035

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	18:09:2035
मंगल	30:09:2035
राहु	08:10:2035
बृहस्पति	29:10:2035
शनि	17:11:2035
बुध	10:12:2035
केतु	30:12:2035
शुक्र	07:01:2036
सूर्य	31:01:2036

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	07:02:2036
राहु	13:02:2036
बृहस्पति	28:02:2036
शनि	12:03:2036
बुध	28:03:2036
केतु	11:04:2036
शुक्र	17:04:2036
सूर्य	03:05:2036
चन्द्रमा	08:05:2036

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	17:05:2036
बृहस्पति	24:06:2036
शनि	28:07:2036
बुध	07:09:2036
केतु	13:10:2036
शुक्र	28:10:2036
सूर्य	10:12:2036
चन्द्रमा	23:12:2036
मंगल	13:01:2037

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	28:01:2037
शनि	27:02:2037
बुध	04:04:2037
केतु	06:05:2037
शुक्र	19:05:2037
सूर्य	26:06:2037
चन्द्रमा	08:07:2037
मंगल	27:07:2037
राहु	09:08:2037

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	12:09:2037
बुध	25:10:2037
केतु	02:12:2037
शुक्र	18:12:2037
सूर्य	31:01:2038
चन्द्रमा	14:02:2038
मंगल	08:03:2038
राहु	24:03:2038
बृहस्पति	04:05:2038

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	09:06:2038
केतु	13:07:2038
शुक्र	27:07:2038
सूर्य	05:09:2038
चन्द्रमा	17:09:2038
मंगल	07:10:2038
राहु	21:10:2038
बृहस्पति	26:11:2038
शनि	29:12:2038

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

शुक्र दशा (05:02:2039 —— 06:06:2052)

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	05:02:2039
सूर्य	20:06:2039
चन्द्रमा	31:07:2039
मंगल	06:10:2039
राहु	23:11:2039
बृहस्पति	23:03:2040
शनि	10:07:2040
बुध	16:11:2040
केतु	11:03:2041

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	27:04:2041
चन्द्रमा	09:05:2041
मंगल	29:05:2041
राहु	13:06:2041
बृहस्पति	19:07:2041
शनि	21:08:2041
बुध	28:09:2041
केतु	02:11:2041
शुक्र	16:11:2041

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	26:12:2041
मंगल	29:01:2042
राहु	22:02:2042
बृहस्पति	24:04:2042
शनि	17:06:2042
बुध	20:08:2042
केतु	16:10:2042
शुक्र	09:11:2042
सूर्य	16:01:2043

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	05:02:2043
राहु	21:02:2043
बृहस्पति	05:04:2043
शनि	13:05:2043
बुध	27:06:2043
केतु	06:08:2043
शुक्र	23:08:2043
सूर्य	09:10:2043
चन्द्रमा	23:10:2043

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	16:11:2043
बृहस्पति	04:03:2044
शनि	10:06:2044
बुध	04:10:2044
केतु	16:01:2045
शुक्र	27:02:2045
सूर्य	29:06:2045
चन्द्रमा	04:08:2045
मंगल	04:10:2045

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	16:11:2045
शनि	10:02:2046
बुध	24:05:2046
केतु	24:08:2046
शुक्र	01:10:2046
सूर्य	17:01:2047
चन्द्रमा	18:02:2047
मंगल	13:04:2047
राहु	21:05:2047

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	27:08:2047
बुध	27:12:2047
केतु	14:04:2048
शुक्र	29:05:2048
सूर्य	05:10:2048
चन्द्रमा	13:11:2048
मंगल	16:01:2049
राहु	02:03:2049
बृहस्पति	25:06:2049

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	06:10:2049
केतु	12:01:2050
शुक्र	21:02:2050
सूर्य	16:06:2050
चन्द्रमा	20:07:2050
मंगल	16:09:2050
राहु	26:10:2050
बृहस्पति	07:02:2051
शनि	09:05:2051

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	27:08:2051
शुक्र	12:09:2051
सूर्य	30:10:2051
चन्द्रमा	13:11:2051
मंगल	06:12:2051
राहु	23:12:2051
बृहस्पति	04:02:2052
शनि	13:03:2052
बुध	27:04:2052

त्रिभागी दशा
(प्रचलित विभाजन विधि)

सूर्य दशा (06:06:2052 —— 06:06:2056)

सूर्य अन्तर

अन्तर्दशा	से
सूर्य	06:06:2052
चन्द्रमा	10:06:2052
मंगल	16:06:2052
राहु	20:06:2052
बृहस्पति	01:07:2052
शनि	11:07:2052
बुध	22:07:2052
केतु	02:08:2052
शुक्र	06:08:2052

चन्द्रमा अन्तर

अन्तर्दशा	से
चन्द्रमा	18:08:2052
मंगल	28:08:2052
राहु	04:09:2052
बृहस्पति	23:09:2052
शनि	09:10:2052
बुध	28:10:2052
केतु	15:11:2052
शुक्र	22:11:2052
सूर्य	12:12:2052

मंगल अन्तर

अन्तर्दशा	से
मंगल	18:12:2052
राहु	23:12:2052
बृहस्पति	05:01:2053
शनि	16:01:2053
बुध	30:01:2053
केतु	11:02:2053
शुक्र	16:02:2053
सूर्य	02:03:2053
चन्द्रमा	06:03:2053

राहु अन्तर

अन्तर्दशा	से
राहु	13:03:2053
बृहस्पति	15:04:2053
शनि	14:05:2053
बुध	18:06:2053
केतु	19:07:2053
शुक्र	01:08:2053
सूर्य	06:09:2053
चन्द्रमा	17:09:2053
मंगल	06:10:2053

बृहस्पति अन्तर

अन्तर्दशा	से
बृहस्पति	18:10:2053
शनि	13:11:2053
बुध	14:12:2053
केतु	11:01:2054
शुक्र	22:01:2054
सूर्य	24:02:2054
चन्द्रमा	05:03:2054
मंगल	21:03:2054
राहु	02:04:2054

शनि अन्तर

अन्तर्दशा	से
शनि	01:05:2054
बुध	07:06:2054
केतु	09:07:2054
शुक्र	23:07:2054
सूर्य	30:08:2054
चन्द्रमा	11:09:2054
मंगल	30:09:2054
राहु	14:10:2054
बृहस्पति	17:11:2054

बुध अन्तर

अन्तर्दशा	से
बुध	18:12:2054
केतु	17:01:2055
शुक्र	29:01:2055
सूर्य	04:03:2055
चन्द्रमा	14:03:2055
मंगल	01:04:2055
राहु	13:04:2055
बृहस्पति	14:05:2055
शनि	10:06:2055

केतु अन्तर

अन्तर्दशा	से
केतु	13:07:2055
शुक्र	18:07:2055
सूर्य	01:08:2055
चन्द्रमा	05:08:2055
मंगल	13:08:2055
राहु	18:08:2055
बृहस्पति	30:08:2055
शनि	11:09:2055
बुध	24:09:2055

शुक्र अन्तर

अन्तर्दशा	से
शुक्र	06:10:2055
सूर्य	16:11:2055
चन्द्रमा	28:11:2055
मंगल	18:12:2055
राहु	01:01:2056
बृहस्पति	07:02:2056
शनि	11:03:2056
बुध	18:04:2056
केतु	23:05:2056

अष्टोत्तरी दशा

आपकी कुण्डली में अष्टोत्तरी दशा का अरिद्रादी सिद्धान्त प्रावी हो रहा है।

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	मंगल(हस्त)	0 y.0 m.8 d.	06:01:1983 -- 15:01:1983	110:42:42
2	मंगल(चित्रा)	2 y.0 m.0 d.	15:01:1983 -- 15:01:1985	235:04:04
3	मंगल(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	15:01:1985 -- 15:01:1987	007:29:43
4	मंगल(विशाखा)	2 y.0 m.0 d.	15:01:1987 -- 15:01:1989	156:06:38
5	बुध(अनुराधा)	5 y.8 m.0 d.	15:01:1989 -- 15:09:1994	108:31:45
6	बुध(ज़्येष्ठा)	5 y.8 m.0 d.	15:09:1994 -- 16:05:2000	197:47:22
7	बुध(मूल)	5 y.8 m.0 d.	16:05:2000 -- 15:01:2006	168:51:22
8	शनि(पूर्वाषाढ)	2 y.6 m.0 d.	15:01:2006 -- 16:07:2008	106:41:22
9	शनि(उत्तराषाढ़)	2 y.6 m.0 d.	16:07:2008 -- 15:01:2011	091:23:38
10	शनि(अभिजीत)	2 y.6 m.0 d.	15:01:2011 -- 16:07:2013	091:23:38
11	शनि(श्रवण)	2 y.6 m.0 d.	16:07:2013 -- 15:01:2016	002:48:44
12	बृहस्पति(धनिष्ठा)	6 y.4 m.0 d.	15:01:2016 -- 16:05:2022	156:06:38
13	बृहस्पति(शतभिषा)	6 y.4 m.0 d.	16:05:2022 -- 15:09:2028	288:32:16
14	बृहस्पति(पूर्वाभाद्रपद)	6 y.4 m.0 d.	15:09:2028 -- 15:01:2035	077:09:11
15	राहु(उत्तराभाद्रपद)	3 y.0 m.0 d.	15:01:2035 -- 15:01:2038	259:35:45
16	राहु(रेवती)	3 y.0 m.0 d.	15:01:2038 -- 15:01:2041	348:51:22
17	राहु(अश्विनी)	3 y.0 m.0 d.	15:01:2041 -- 15:01:2044	319:55:22
18	राहु(भरणी)	3 y.0 m.0 d.	15:01:2044 -- 15:01:2047	347:00:59
19	शुक्र(कृत्तिका)	7 y.0 m.0 d.	15:01:2047 -- 15:01:2054	178:48:51
20	शुक्र(रोहिणी)	7 y.0 m.0 d.	15:01:2054 -- 15:01:2061	090:13:57
21	शुक्र(मृगशिर)	7 y.0 m.0 d.	15:01:2061 -- 15:01:2068	214:35:20
22	सूर्य(आर्द्रा)	1 y.6 m.0 d.	15:01:2068 -- 16:07:2069	331:43:15
23	सूर्य(पुनर्वसु)	1 y.6 m.0 d.	16:07:2069 -- 15:01:2071	120:20:09
24	सूर्य(पुष्य)	1 y.6 m.0 d.	15:01:2071 -- 16:07:2072	091:23:38
25	सूर्य(आश्लेषा)	1 y.6 m.0 d.	16:07:2072 -- 15:01:2074	180:39:15
26	चन्द्रमा(मघा)	5 y.0 m.0 d.	15:01:2074 -- 15:01:2079	063:08:21
27	चन्द्रमा(पूर्वाफाल्गुनी)	5 y.0 m.0 d.	15:01:2079 -- 15:01:2084	090:13:57

(विशेष- घटनाओं के समय की सटीक जानकारी और स्पष्ट परिणाम के लिए आपको केवल एन सी लाहिड़ी अयनांश का प्रयोग करना चाहिए।)

षष्ठी–हायनी दशा

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	चन्द्रमा (हस्त)	0 y.0 m.6 d.	06:01:1983 -- 12:01:1983	346:21:19
2	चन्द्रमा (चित्रा)	1 y.6 m.0 d.	12:01:1983 -- 13:07:1984	110:42:42
3	बुध (स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	13:07:1984 -- 14:07:1986	348:51:22
4	बुध (विशाखा)	2 y.0 m.0 d.	14:07:1986 -- 13:07:1988	137:28:16
5	बुध (अनुराधा)	2 y.0 m.0 d.	13:07:1988 -- 14:07:1990	108:31:45
6	शुक्र (ज़्येष्ठा)	1 y.6 m.0 d.	14:07:1990 -- 12:01:1992	195:56:59
7	शुक्र (मूल)	1 y.6 m.0 d.	12:01:1992 -- 14:07:1993	167:00:59
8	शुक्र (पूर्वाषाढ)	1 y.6 m.0 d.	14:07:1993 -- 12:01:1995	194:06:35
9	शुक्र (उत्तराषाढ़)	1 y.6 m.0 d.	12:01:1995 -- 13:07:1996	178:48:51
10	शनि (अभिजीत)	2 y.0 m.0 d.	13:07:1996 -- 14:07:1998	002:48:44
11	शनि (श्रवण)	2 y.0 m.0 d.	14:07:1998 -- 13:07:2000	002:48:44
12	शनि (धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	13:07:2000 -- 14:07:2002	127:10:06
13	राहु (शतभिषा)	1 y.6 m.0 d.	14:07:2002 -- 12:01:2004	139:55:22
14	राहु (पूर्वाभाद्रपद)	1 y.6 m.0 d.	12:01:2004 -- 14:07:2005	288:32:16
15	राहु (उत्तराभाद्रपद)	1 y.6 m.0 d.	14:07:2005 -- 12:01:2007	259:35:45
16	राहु (रेवती)	1 y.6 m.0 d.	12:01:2007 -- 13:07:2008	348:51:22
17	बृहस्पति (अश्विनी)	3 y.4 m.0 d.	13:07:2008 -- 13:11:2011	108:32:16
18	बृहस्पति (भरणी)	3 y.4 m.0 d.	13:11:2011 -- 14:03:2015	135:37:53
19	बृहस्पति (कृत्तिका)	3 y.4 m.0 d.	14:03:2015 -- 14:07:2018	120:20:09
20	सूर्य (रोहिणी)	2 y.6 m.0 d.	14:07:2018 -- 12:01:2021	074:56:13
21	सूर्य (मृगशिर)	2 y.6 m.0 d.	12:01:2021 -- 14:07:2023	199:17:36
22	सूर्य (आर्द्रा)	2 y.6 m.0 d.	14:07:2023 -- 12:01:2026	331:43:15
23	सूर्य (पुनर्वसु)	2 y.6 m.0 d.	12:01:2026 -- 13:07:2028	120:20:09
24	मंगल (पुष्य)	3 y.4 m.0 d.	13:07:2028 -- 13:11:2031	127:10:06
25	मंगल (आश्लेषा)	3 y.4 m.0 d.	13:11:2031 -- 14:03:2035	216:25:43
26	मंगल (मघा)	3 y.4 m.0 d.	14:03:2035 -- 14:07:2038	187:29:43
27	चन्द्रमा (पूर्वाफाल्गुनी)	1 y.6 m.0 d.	14:07:2038 -- 12:01:2040	090:13:57
28	चन्द्रमा (उत्तराफाल्गुनी)	1 y.6 m.0 d.	12:01:2040 -- 14:07:2041	074:56:13

योगिनी दशा

क्रस	ग्रह (नक्षत्र)	दशा अवधि	से ---------- तक	समय बिन्दु
1	संकटा (राहु)(हस्त)	0 y.1 m.4 d.	06:01:1983 to 09:02:1983	243:08:21
2	मंगला (चन्द्रमा)(चित्रा)	1 y.0 m.0 d.	09:02:1983 to 09:02:1984	110:42:42
3	पिगंला (सूर्य)(स्वाती)	2 y.0 m.0 d.	09:02:1984 to 09:02:1986	331:43:15
4	धन्या (बृहस्पति)(विशाखा)	3 y.0 m.0 d.	09:02:1986 to 09:02:1989	077:09:11
5	भ्रमरी(मंगल)(अनुराधा)	4 y.0 m.0 d.	09:02:1989 to 09:02:1993	127:10:06
6	भद्रीका(बुध)(ज़्येष्ठा)	5 y.0 m.0 d.	09:02:1993 to 09:02:1998	197:47:22
7	उल्का (शनि)(मूल)	6 y.0 m.0 d.	09:02:1998 to 09:02:2004	079:35:45
8	सिद्धा (शुक्र)(पूर्वाषाढ)	7 y.0 m.0 d.	09:02:2004 to 09:02:2011	194:06:35
9	संकटा (राहु)(उत्तराषाढ़)	8 y.0 m.0 d.	09:02:2011 to 09:02:2019	331:43:15
10	मंगला (चन्द्रमा)(श्रवण)	1 y.0 m.0 d.	09:02:2019 to 09:02:2020	346:21:19
11	पिगंला (सूर्य)(धनिष्ठा)	2 y.0 m.0 d.	09:02:2020 to 09:02:2022	199:17:36
12	धन्या (बृहस्पति)(शतभिषा)	3 y.0 m.0 d.	09:02:2022 to 09:02:2025	288:32:16
13	भ्रमरी(मंगल)(पूर्वाभाद्रपद)	4 y.0 m.0 d.	09:02:2025 to 09:02:2029	156:06:38
14	भद्रीका(बुध)(उत्तराभाद्रपद)	5 y.0 m.0 d.	09:02:2029 to 09:02:2034	108:31:45
15	उल्का (शनि)(रेवती)	6 y.0 m.0 d.	09:02:2034 to 09:02:2040	108:31:45
16	सिद्धा (शुक्र)(अश्विनी)	7 y.0 m.0 d.	09:02:2040 to 09:02:2047	167:00:59
17	संकटा (राहु)(भरणी)	8 y.0 m.0 d.	09:02:2047 to 09:02:2055	347:00:59
18	मंगला (चन्द्रमा)(कृत्तिका)	1 y.0 m.0 d.	09:02:2055 to 09:02:2056	074:56:13
19	पिगंला (सूर्य)(रोहिणी)	2 y.0 m.0 d.	09:02:2056 to 09:02:2058	074:56:13
20	धन्या (बृहस्पति)(मृगशिर)	3 y.0 m.0 d.	09:02:2058 to 09:02:2061	156:06:38
21	भ्रमरी(मंगल)(आर्द्रा)	4 y.0 m.0 d.	09:02:2061 to 09:02:2065	007:29:43
22	भद्रीका(बुध)(पुनर्वसु)	5 y.0 m.0 d.	09:02:2065 to 09:02:2070	137:28:16
23	उल्का (शनि)(पुष्य)	6 y.0 m.0 d.	09:02:2070 to 09:02:2076	019:16:08
24	सिद्धा (शुक्र)(आश्लेषा)	7 y.0 m.0 d.	09:02:2076 to 09:02:2083	195:56:59

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ———————— तक
1	मेष दशा	9 y.0 m.0 d.	06:01:1983 --- 06:01:1992
2	वृष दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:1992 --- 06:01:1996
3	मिथुन दशा	7 y.0 m.0 d.	06:01:1996 --- 06:01:2003
4	कर्क दशा	10 y.0 m.0 d.	06:01:2003 --- 06:01:2013
5	सिहं दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:2013 --- 06:01:2017
6	कन्या दशा	8 y.0 m.0 d.	06:01:2017 --- 06:01:2025
7	तुला दशा	3 y.0 m.0 d.	06:01:2025 --- 06:01:2028
8	वृश्चिक दशा	11 y.0 m.0 d.	06:01:2028 --- 06:01:2039
9	धनु दशा	11 y.0 m.0 d.	06:01:2039 --- 06:01:2050
10	मकर दशा	3 y.0 m.0 d.	06:01:2050 --- 06:01:2053
11	कुम्भ दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:2053 --- 06:01:2057
12	मीन दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:2057 --- 06:01:2061

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

मेष दशा

भुक्ति	से
वृष	06:01:1983
मिथुन	07:10:1983
कर्क	07:07:1984
सिहं	07:04:1985
कन्या	06:01:1986
तुला	07:10:1986
वृश्चिक	08:07:1987
धनु	07:04:1988
मकर	06:01:1989
कुम्भ	07:10:1989
मीन	08:07:1990
मेष	07:04:1991

वृष दशा

भुक्ति	से
मेष	06:01:1992
मीन	07:05:1992
कुम्भ	06:09:1992
मकर	06:01:1993
धनु	08:05:1993
वृश्चिक	06:09:1993
तुला	06:01:1994
कन्या	08:05:1994
सिहं	06:09:1994
कर्क	06:01:1995
मिथुन	08:05:1995
वृष	06:09:1995

मिथुन दशा

भुक्ति	से
वृष	06:01:1996
मेष	07:08:1996
मीन	08:03:1997
कुम्भ	07:10:1997
मकर	08:05:1998
धनु	07:12:1998
वृश्चिक	08:07:1999
तुला	06:02:2000
कन्या	06:09:2000
सिहं	07:04:2001
कर्क	06:11:2001
मिथुन	07:06:2002

कर्क दशा

भुक्ति	से
मिथुन	06:01:2003
वृष	06:11:2003
मेष	06:09:2004
मीन	08:07:2005
कुम्भ	08:05:2006
मकर	08:03:2007
धनु	06:01:2008
वृश्चिक	06:11:2008
तुला	06:09:2009
कन्या	08:07:2010
सिहं	08:05:2011
कर्क	07:03:2012

सिहं दशा

भुक्ति	से
कन्या	06:01:2013
तुला	08:05:2013
वृश्चिक	06:09:2013
धनु	06:01:2014
मकर	08:05:2014
कुम्भ	06:09:2014
मीन	06:01:2015
मेष	08:05:2015
वृष	06:09:2015
मिथुन	06:01:2016
कर्क	07:05:2016
सिहं	06:09:2016

कन्या दशा

भुक्ति	से
तुला	06:01:2017
वृश्चिक	06:09:2017
धनु	08:05:2018
मकर	06:01:2019
कुम्भ	06:09:2019
मीन	07:05:2020
मेष	06:01:2021
वृष	06:09:2021
मिथुन	08:05:2022
कर्क	06:01:2023
सिहं	06:09:2023
कन्या	07:05:2024

तुला दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	06:01:2025
धनु	07:04:2025
मकर	08:07:2025
कुम्भ	07:10:2025
मीन	06:01:2026
मेष	07:04:2026
वृष	08:07:2026
मिथुन	07:10:2026
कर्क	06:01:2027
सिहं	07:04:2027
कन्या	08:07:2027
तुला	07:10:2027

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
तुला	06:01:2028
कन्या	07:12:2028
सिहं	06:11:2029
कर्क	07:10:2030
मिथुन	06:09:2031
वृष	07:08:2032
मेष	08:07:2033
मीन	07:06:2034
कुम्भ	08:05:2035
मकर	07:04:2036
धनु	08:03:2037
वृश्चिक	05:02:2038

धनु दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	06:01:2039
तुला	07:12:2039
कन्या	06:11:2040
सिहं	07:10:2041
कर्क	06:09:2042
मिथुन	07:08:2043
वृष	07:07:2044
मेष	07:06:2045
मीन	08:05:2046
कुम्भ	07:04:2047
मकर	07:03:2048
धनु	05:02:2049

मकर दशा

भुक्ति	से
धनु	06:01:2050
वृश्चिक	07:04:2050
तुला	08:07:2050
कन्या	07:10:2050
सिहं	06:01:2051
कर्क	07:04:2051
मिथुन	08:07:2051
वृष	07:10:2051
मेष	06:01:2052
मीन	07:04:2052
कुम्भ	07:07:2052
मकर	07:10:2052

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
मीन	06:01:2053
मेष	08:05:2053
वृष	06:09:2053
मिथुन	06:01:2054
कर्क	08:05:2054
सिहं	06:09:2054
कन्या	06:01:2055
तुला	08:05:2055
वृश्चिक	06:09:2055
धनु	06:01:2056
मकर	07:05:2056
कुम्भ	06:09:2056

मीन दशा

भुक्ति	से
मेष	06:01:2057
वृष	08:05:2057
मिथुन	06:09:2057
कर्क	06:01:2058
सिहं	08:05:2058
कन्या	06:09:2058
तुला	06:01:2059
वृश्चिक	08:05:2059
धनु	06:09:2059
मकर	06:01:2060
कुम्भ	07:05:2060
मीन	06:09:2060

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
कन्या दशा (06:01:2017 — 06:01:2025)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2017	तुला	06:09:2017	वृश्चिक	08:05:2018	धनु	06:01:2019
धनु	26:01:2017	कन्या	27:09:2017	तुला	28:05:2018	वृश्चिक	26:01:2019
मकर	16:02:2017	सिहं	17:10:2017	कन्या	17:06:2018	तुला	16:02:2019
कुम्भ	08:03:2017	कर्क	06:11:2017	सिहं	08:07:2018	कन्या	08:03:2019
मीन	28:03:2017	मिथुन	26:11:2017	कर्क	28:07:2018	सिहं	28:03:2019
मेष	17:04:2017	वृष	17:12:2017	मिथुन	17:08:2018	कर्क	17:04:2019
वृष	08:05:2017	मेष	06:01:2018	वृष	06:09:2018	मिथुन	08:05:2019
मिथुन	28:05:2017	मीन	26:01:2018	मेष	27:09:2018	वृष	28:05:2019
कर्क	17:06:2017	कुम्भ	16:02:2018	मीन	17:10:2018	मेष	17:06:2019
सिहं	08:07:2017	मकर	08:03:2018	कुम्भ	06:11:2018	मीन	08:07:2019
कन्या	28:07:2017	धनु	28:03:2018	मकर	26:11:2018	कुम्भ	28:07:2019
तुला	17:08:2017	वृश्चिक	17:04:2018	धनु	17:12:2018	मकर	17:08:2019

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	06:09:2019	मेष	07:05:2020	वृष	06:01:2021	मेष	06:09:2021
मेष	27:09:2019	वृष	27:05:2020	मिथुन	26:01:2021	मीन	27:09:2021
वृष	17:10:2019	मिथुन	17:06:2020	कर्क	16:02:2021	कुम्भ	17:10:2021
मिथुन	06:11:2019	कर्क	07:07:2020	सिहं	08:03:2021	मकर	06:11:2021
कर्क	26:11:2019	सिहं	27:07:2020	कन्या	28:03:2021	धनु	26:11:2021
सिहं	17:12:2019	कन्या	17:08:2020	तुला	17:04:2021	वृश्चिक	17:12:2021
कन्या	06:01:2020	तुला	06:09:2020	वृश्चिक	08:05:2021	तुला	06:01:2022
तुला	26:01:2020	वृश्चिक	26:09:2020	धनु	28:05:2021	कन्या	26:01:2022
वृश्चिक	16:02:2020	धनु	17:10:2020	मकर	17:06:2021	सिहं	16:02:2022
धनु	07:03:2020	मकर	06:11:2020	कुम्भ	08:07:2021	कर्क	08:03:2022
मकर	27:03:2020	कुम्भ	26:11:2020	मीन	28:07:2021	मिथुन	28:03:2022
कुम्भ	17:04:2020	मीन	17:12:2020	मेष	17:08:2021	वृष	17:04:2022

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	08:05:2022	मिथुन	06:01:2023	कन्या	06:09:2023	तुला	07:05:2024
मेष	28:05:2022	वृष	26:01:2023	तुला	27:09:2023	वृश्चिक	27:05:2024
मीन	17:06:2022	मेष	16:02:2023	वृश्चिक	17:10:2023	धनु	17:06:2024
कुम्भ	08:07:2022	मीन	08:03:2023	धनु	06:11:2023	मकर	07:07:2024
मकर	28:07:2022	कुम्भ	28:03:2023	मकर	26:11:2023	कुम्भ	27:07:2024
धनु	17:08:2022	मकर	17:04:2023	कुम्भ	17:12:2023	मीन	17:08:2024
वृश्चिक	06:09:2022	धनु	08:05:2023	मीन	06:01:2024	मेष	06:09:2024
तुला	27:09:2022	वृश्चिक	28:05:2023	मेष	26:01:2024	वृष	26:09:2024
कन्या	17:10:2022	तुला	17:06:2023	वृष	16:02:2024	मिथुन	17:10:2024
सिहं	06:11:2022	कन्या	08:07:2023	मिथुन	07:03:2024	कर्क	06:11:2024
कर्क	26:11:2022	सिहं	28:07:2023	कर्क	27:03:2024	सिहं	26:11:2024
मिथुन	17:12:2022	कर्क	17:08:2023	सिहं	17:04:2024	कन्या	17:12:2024

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
मेष दशा (06:01:1983 — 06:01:1992)

वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	06:01:1983	वृष	07:10:1983	मिथुन	07:07:1984	कन्या	07:04:1985
मीन	29:01:1983	मेष	30:10:1983	वृष	30:07:1984	तुला	30:04:1985
कुम्भ	21:02:1983	मीन	21:11:1983	मेष	22:08:1984	वृश्चिक	23:05:1985
मकर	15:03:1983	कुम्भ	14:12:1983	मीन	14:09:1984	धनु	15:06:1985
धनु	07:04:1983	मकर	06:01:1984	कुम्भ	07:10:1984	मकर	08:07:1985
वृश्चिक	30:04:1983	धनु	29:01:1984	मकर	29:10:1984	कुम्भ	30:07:1985
तुला	23:05:1983	वृश्चिक	21:02:1984	धनु	21:11:1984	मीन	22:08:1985
कन्या	15:06:1983	तुला	15:03:1984	वृश्चिक	14:12:1984	मेष	14:09:1985
सिहं	08:07:1983	कन्या	07:04:1984	तुला	06:01:1985	वृष	07:10:1985
कर्क	30:07:1983	सिहं	29:04:1984	कन्या	29:01:1985	मिथुन	30:10:1985
मिथुन	22:08:1983	कर्क	22:05:1984	सिहं	21:02:1985	कर्क	21:11:1985
वृष	14:09:1983	मिथुन	14:06:1984	कर्क	15:03:1985	सिहं	14:12:1985

कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:1986	वृश्चिक	07:10:1986	तुला	08:07:1987	वृश्चिक	07:04:1988
वृश्चिक	29:01:1986	धनु	30:10:1986	कन्या	30:07:1987	तुला	29:04:1988
धनु	21:02:1986	मकर	21:11:1986	सिहं	22:08:1987	कन्या	22:05:1988
मकर	15:03:1986	कुम्भ	14:12:1986	कर्क	14:09:1987	सिहं	14:06:1988
कुम्भ	07:04:1986	मीन	06:01:1987	मिथुन	07:10:1987	कर्क	07:07:1988
मीन	30:04:1986	मेष	29:01:1987	वृष	30:10:1987	मिथुन	30:07:1988
मेष	23:05:1986	वृष	21:02:1987	मेष	21:11:1987	वृष	22:08:1988
वृष	15:06:1986	मिथुन	15:03:1987	मीन	14:12:1987	मेष	14:09:1988
मिथुन	08:07:1986	कर्क	07:04:1987	कुम्भ	06:01:1988	मीन	07:10:1988
कर्क	30:07:1986	सिहं	30:04:1987	मकर	29:01:1988	कुम्भ	29:10:1988
सिहं	22:08:1986	कन्या	23:05:1987	धनु	21:02:1988	मकर	21:11:1988
कन्या	14:09:1986	तुला	15:06:1987	वृश्चिक	15:03:1988	धनु	14:12:1988

मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	06:01:1989	मीन	07:10:1989	मेष	08:07:1990	वृष	07:04:1991
वृश्चिक	29:01:1989	मेष	30:10:1989	वृष	30:07:1990	मिथुन	30:04:1991
तुला	21:02:1989	वृष	21:11:1989	मिथुन	22:08:1990	कर्क	23:05:1991
कन्या	15:03:1989	मिथुन	14:12:1989	कर्क	14:09:1990	सिहं	15:06:1991
सिहं	07:04:1989	कर्क	06:01:1990	सिहं	07:10:1990	कन्या	08:07:1991
कर्क	30:04:1989	सिहं	29:01:1990	कन्या	30:10:1990	तुला	30:07:1991
मिथुन	23:05:1989	कन्या	21:02:1990	तुला	21:11:1990	वृश्चिक	22:08:1991
वृष	15:06:1989	तुला	15:03:1990	वृश्चिक	14:12:1990	धनु	14:09:1991
मेष	08:07:1989	वृश्चिक	07:04:1990	धनु	06:01:1991	मकर	07:10:1991
मीन	30:07:1989	धनु	30:04:1990	मकर	29:01:1991	कुम्भ	30:10:1991
कुम्भ	22:08:1989	मकर	23:05:1990	कुम्भ	21:02:1991	मीन	21:11:1991
मकर	14:09:1989	कुम्भ	15:06:1990	मीन	15:03:1991	मेष	14:12:1991

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
वृष दशा (06:01:1992 – 06:01:1996)

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	06:01:1992	मेष	07:05:1992	मीन	06:09:1992	धन्	06:01:1993
मिथुन	16:01:1992	वृष	17:05:1992	मेष	16:09:1992	वृश्चिक	16:01:1993
कर्क	26:01:1992	मिथुन	27:05:1992	वृष	26:09:1992	तुला	26:01:1993
सिहं	06:02:1992	कर्क	07:06:1992	मिथुन	07:10:1992	कन्या	05:02:1993
कन्या	16:02:1992	सिहं	17:06:1992	कर्क	17:10:1992	सिहं	16:02:1993
तुला	26:02:1992	कन्या	27:06:1992	सिहं	27:10:1992	कर्क	26:02:1993
वृश्चिक	07:03:1992	तुला	07:07:1992	कन्या	06:11:1992	मिथुन	08:03:1993
धन्	17:03:1992	वृश्चिक	17:07:1992	तुला	16:11:1992	वृष	18:03:1993
मकर	27:03:1992	धन्	27:07:1992	वृश्चिक	26:11:1992	मेष	28:03:1993
कुम्भ	07:04:1992	मकर	07:08:1992	धन्	07:12:1992	मीन	07:04:1993
मीन	17:04:1992	कुम्भ	17:08:1992	मकर	17:12:1992	कुम्भ	17:04:1993
मेष	27:04:1992	मीन	27:08:1992	कुम्भ	27:12:1992	मकर	28:04:1993

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	08:05:1993	तुला	06:09:1993	वृश्चिक	06:01:1994	तुला	08:05:1994
तुला	18:05:1993	कन्या	17:09:1993	धन्	16:01:1994	वृश्चिक	18:05:1994
कन्या	28:05:1993	सिहं	27:09:1993	मकर	26:01:1994	धन्	28:05:1994
सिहं	07:06:1993	कर्क	07:10:1993	कुम्भ	05:02:1994	मकर	07:06:1994
कर्क	17:06:1993	मिथुन	17:10:1993	मीन	16:02:1994	कुम्भ	17:06:1994
मिथुन	27:06:1993	वृष	27:10:1993	मेष	26:02:1994	मीन	27:06:1994
वृष	08:07:1993	मेष	06:11:1993	वृष	08:03:1994	मेष	08:07:1994
मेष	18:07:1993	मीन	16:11:1993	मिथुन	18:03:1994	वृष	18:07:1994
मीन	28:07:1993	कुम्भ	26:11:1993	कर्क	28:03:1994	मिथुन	28:07:1994
कुम्भ	07:08:1993	मकर	07:12:1993	सिहं	07:04:1994	कर्क	07:08:1994
मकर	17:08:1993	धन्	17:12:1993	कन्या	17:04:1994	सिहं	17:08:1994
धन्	27:08:1993	वृश्चिक	27:12:1993	तुला	28:04:1994	कन्या	27:08:1994

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	06:09:1994	मिथुन	06:01:1995	वृष	08:05:1995	मेष	06:09:1995
तुला	17:09:1994	वृष	16:01:1995	मेष	18:05:1995	मीन	17:09:1995
वृश्चिक	27:09:1994	मेष	26:01:1995	मीन	28:05:1995	कुम्भ	27:09:1995
धन्	07:10:1994	मीन	05:02:1995	कुम्भ	07:06:1995	मकर	07:10:1995
मकर	17:10:1994	कुम्भ	16:02:1995	मकर	17:06:1995	धन्	17:10:1995
कुम्भ	27:10:1994	मकर	26:02:1995	धन्	27:06:1995	वृश्चिक	27:10:1995
मीन	06:11:1994	धन्	08:03:1995	वृश्चिक	08:07:1995	तुला	06:11:1995
मेष	16:11:1994	वृश्चिक	18:03:1995	तुला	18:07:1995	कन्या	16:11:1995
वृष	26:11:1994	तुला	28:03:1995	कन्या	28:07:1995	सिहं	26:11:1995
मिथुन	07:12:1994	कन्या	07:04:1995	सिहं	07:08:1995	कर्क	07:12:1995
कर्क	17:12:1994	सिहं	17:04:1995	कर्क	17:08:1995	मिथुन	17:12:1995
सिहं	27:12:1994	कर्क	28:04:1995	मिथुन	27:08:1995	वृष	27:12:1995

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
मिथुन दशा (06:01:1996 – 06:01:2003)

वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	06:01:1996	वृष	07:08:1996	मेष	08:03:1997	मीन	07:10:1997
मीन	24:01:1996	मिथुन	24:08:1996	वृष	26:03:1997	मेष	25:10:1997
कुम्भ	11:02:1996	कर्क	11:09:1996	मिथुन	12:04:1997	वृष	11:11:1997
मकर	28:02:1996	सिहं	29:09:1996	कर्क	30:04:1997	मिथुन	29:11:1997
धनु	17:03:1996	कन्या	17:10:1996	सिहं	18:05:1997	कर्क	17:12:1997
वृश्चिक	04:04:1996	तुला	04:11:1996	कन्या	05:06:1997	सिहं	04:01:1998
तुला	22:04:1996	वृश्चिक	21:11:1996	तुला	22:06:1997	कन्या	21:01:1998
कन्या	10:05:1996	धनु	09:12:1996	वृश्चिक	10:07:1997	तुला	08:02:1998
सिहं	27:05:1996	मकर	27:12:1996	धनु	28:07:1997	वृश्चिक	26:02:1998
कर्क	14:06:1996	कुम्भ	14:01:1997	मकर	15:08:1997	धनु	15:03:1998
मिथुन	02:07:1996	मीन	31:01:1997	कुम्भ	01:09:1997	मकर	02:04:1998
वृष	20:07:1996	मेष	18:02:1997	मीन	19:09:1997	कुम्भ	20:04:1998

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	08:05:1998	वृश्चिक	07:12:1998	तुला	08:07:1999	वृश्चिक	06:02:2000
वृश्चिक	25:05:1998	तुला	24:12:1998	कन्या	25:07:1999	धनु	23:02:2000
तुला	12:06:1998	कन्या	11:01:1999	सिहं	12:08:1999	मकर	12:03:2000
कन्या	30:06:1998	सिहं	29:01:1999	कर्क	30:08:1999	कुम्भ	30:03:2000
सिहं	18:07:1998	कर्क	16:02:1999	मिथुन	17:09:1999	मीन	17:04:2000
कर्क	04:08:1998	मिथुन	05:03:1999	वृष	04:10:1999	मेष	05:05:2000
मिथुन	22:08:1998	वृष	23:03:1999	मेष	22:10:1999	वृष	22:05:2000
वृष	09:09:1998	मेष	10:04:1999	मीन	09:11:1999	मिथुन	09:06:2000
मेष	27:09:1998	मीन	28:04:1999	कुम्भ	26:11:1999	कर्क	27:06:2000
मीन	14:10:1998	कुम्भ	15:05:1999	मकर	14:12:1999	सिहं	15:07:2000
कुम्भ	01:11:1998	मकर	02:06:1999	धनु	01:01:2000	कन्या	01:08:2000
मकर	19:11:1998	धनु	20:06:1999	वृश्चिक	19:01:2000	तुला	19:08:2000

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:09:2000	कन्या	07:04:2001	मिथुन	06:11:2001	वृष	07:06:2002
वृश्चिक	24:09:2000	तुला	25:04:2001	वृष	24:11:2001	मेष	25:06:2002
धनु	12:10:2000	वृश्चिक	13:05:2001	मेष	12:12:2001	मीन	13:07:2002
मकर	29:10:2000	धनु	31:05:2001	मीन	29:12:2001	कुम्भ	30:07:2002
कुम्भ	16:11:2000	मकर	17:06:2001	कुम्भ	16:01:2002	मकर	17:08:2002
मीन	04:12:2000	कुम्भ	05:07:2001	मकर	03:02:2002	धनु	04:09:2002
मेष	22:12:2000	मीन	23:07:2001	धनु	21:02:2002	वृश्चिक	22:09:2002
वृष	09:01:2001	मेष	10:08:2001	वृश्चिक	10:03:2002	तुला	09:10:2002
मिथुन	26:01:2001	वृष	27:08:2001	तुला	28:03:2002	कन्या	27:10:2002
कर्क	13:02:2001	मिथुन	14:09:2001	कन्या	15:04:2002	सिहं	14:11:2002
सिहं	03:03:2001	कर्क	02:10:2001	सिहं	03:05:2002	कर्क	02:12:2002
कन्या	21:03:2001	सिहं	19:10:2001	कर्क	20:05:2002	मिथुन	19:12:2002

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
कर्क दशा (06:01:2003 — 06:01:2013)

मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	06:01:2003	मेष	06:11:2003	वृष	06:09:2004	मेष	08:07:2005
मेष	31:01:2003	मीन	02:12:2003	मिथुन	01:10:2004	वृष	02:08:2005
मीन	26:02:2003	कुम्भ	27:12:2003	कर्क	27:10:2004	मिथुन	27:08:2005
कुम्भ	23:03:2003	मकर	21:01:2004	सिहं	21:11:2004	कर्क	22:09:2005
मकर	17:04:2003	धनु	16:02:2004	कन्या	17:12:2004	सिहं	17:10:2005
धनु	13:05:2003	वृश्चिक	12:03:2004	तुला	11:01:2005	कन्या	11:11:2005
वृश्चिक	07:06:2003	तुला	07:04:2004	वृश्चिक	05:02:2005	तुला	07:12:2005
तुला	02:07:2003	कन्या	02:05:2004	धनु	03:03:2005	वृश्चिक	01:01:2006
कन्या	28:07:2003	सिहं	27:05:2004	मकर	28:03:2005	धनु	26:01:2006
सिहं	22:08:2003	कर्क	22:06:2004	कुम्भ	23:04:2005	मकर	21:02:2006
कर्क	17:09:2003	मिथुन	17:07:2004	मीन	18:05:2005	कुम्भ	18:03:2006
मिथुन	12:10:2003	वृष	12:08:2004	मेष	12:06:2005	मीन	12:04:2006

कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	08:05:2006	धनु	08:03:2007	वृश्चिक	06:01:2008	तुला	06:11:2008
मेष	02:06:2006	वृश्चिक	02:04:2007	तुला	31:01:2008	कन्या	01:12:2008
वृष	27:06:2006	तुला	28:04:2007	कन्या	26:02:2008	सिहं	27:12:2008
मिथुन	23:07:2006	कन्या	23:05:2007	सिहं	22:03:2008	कर्क	21:01:2009
कर्क	17:08:2006	सिहं	17:06:2007	कर्क	17:04:2008	मिथुन	16:02:2009
सिहं	11:09:2006	कर्क	13:07:2007	मिथुन	12:05:2008	वृष	13:03:2009
कन्या	07:10:2006	मिथुन	07:08:2007	वृष	07:06:2008	मेष	07:04:2009
तुला	01:11:2006	वृष	01:09:2007	मेष	02:07:2008	मीन	03:05:2009
वृश्चिक	26:11:2006	मेष	27:09:2007	मीन	27:07:2008	कुम्भ	28:05:2009
धनु	22:12:2006	मीन	22:10:2007	कुम्भ	22:08:2008	मकर	22:06:2009
मकर	16:01:2007	कुम्भ	16:11:2007	मकर	16:09:2008	धनु	18:07:2009
कुम्भ	11:02:2007	मकर	12:12:2007	धनु	12:10:2008	वृश्चिक	12:08:2009

तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:09:2009	तुला	08:07:2010	कन्या	08:05:2011	मिथुन	07:03:2012
धनु	02:10:2009	वृश्चिक	02:08:2010	तुला	02:06:2011	वृष	01:04:2012
मकर	27:10:2009	धनु	27:08:2010	वृश्चिक	27:06:2011	मेष	27:04:2012
कुम्भ	21:11:2009	मकर	22:09:2010	धनु	23:07:2011	मीन	22:05:2012
मीन	17:12:2009	कुम्भ	17:10:2010	मकर	17:08:2011	कुम्भ	17:06:2012
मेष	11:01:2010	मीन	11:11:2010	कुम्भ	11:09:2011	मकर	12:07:2012
वृष	05:02:2010	मेष	07:12:2010	मीन	07:10:2011	धनु	07:08:2012
मिथुन	03:03:2010	वृष	01:01:2011	मेष	01:11:2011	वृश्चिक	01:09:2012
कर्क	28:03:2010	मिथुन	26:01:2011	वृष	26:11:2011	तुला	26:09:2012
सिहं	23:04:2010	कर्क	21:02:2011	मिथुन	22:12:2011	कन्या	22:10:2012
कन्या	18:05:2010	सिहं	18:03:2011	कर्क	16:01:2012	सिहं	16:11:2012
तुला	12:06:2010	कन्या	12:04:2011	सिहं	11:02:2012	कर्क	12:12:2012

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
सिहं दशा (06:01:2013 — 06:01:2017)

कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:2013	वृश्चिक	08:05:2013	तुला	06:09:2013	वृश्चिक	06:01:2014
वृश्चिक	16:01:2013	धनु	18:05:2013	कन्या	17:09:2013	तुला	16:01:2014
धनु	26:01:2013	मकर	28:05:2013	सिहं	27:09:2013	कन्या	26:01:2014
मकर	05:02:2013	कुम्भ	07:06:2013	कर्क	07:10:2013	सिहं	05:02:2014
कुम्भ	16:02:2013	मीन	17:06:2013	मिथुन	17:10:2013	कर्क	16:02:2014
मीन	26:02:2013	मेष	27:06:2013	वृष	27:10:2013	मिथुन	26:02:2014
मेष	08:03:2013	वृष	08:07:2013	मेष	06:11:2013	वृष	08:03:2014
वृष	18:03:2013	मिथुन	18:07:2013	मीन	16:11:2013	मेष	18:03:2014
मिथुन	28:03:2013	कर्क	28:07:2013	कुम्भ	26:11:2013	मीन	28:03:2014
कर्क	07:04:2013	सिहं	07:08:2013	मकर	07:12:2013	कुम्भ	07:04:2014
सिहं	17:04:2013	कन्या	17:08:2013	धनु	17:12:2013	मकर	17:04:2014
कन्या	28:04:2013	तुला	27:08:2013	वृश्चिक	27:12:2013	धनु	28:04:2014

मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
धनु	08:05:2014	मीन	06:09:2014	मेष	06:01:2015	वृष	08:05:2015
वृश्चिक	18:05:2014	मेष	17:09:2014	वृष	16:01:2015	मिथुन	18:05:2015
तुला	28:05:2014	वृष	27:09:2014	मिथुन	26:01:2015	कर्क	28:05:2015
कन्या	07:06:2014	मिथुन	07:10:2014	कर्क	05:02:2015	सिहं	07:06:2015
सिहं	17:06:2014	कर्क	17:10:2014	सिहं	16:02:2015	कन्या	17:06:2015
कर्क	27:06:2014	सिहं	27:10:2014	कन्या	26:02:2015	तुला	27:06:2015
मिथुन	08:07:2014	कन्या	06:11:2014	तुला	08:03:2015	वृश्चिक	08:07:2015
वृष	18:07:2014	तुला	16:11:2014	वृश्चिक	18:03:2015	धनु	18:07:2015
मेष	28:07:2014	वृश्चिक	26:11:2014	धनु	28:03:2015	मकर	28:07:2015
मीन	07:08:2014	धनु	07:12:2014	मकर	07:04:2015	कुम्भ	07:08:2015
कुम्भ	17:08:2014	मकर	17:12:2014	कुम्भ	17:04:2015	मीन	17:08:2015
मकर	27:08:2014	कुम्भ	27:12:2014	मीन	28:04:2015	मेष	27:08:2015

वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	06:09:2015	वृष	06:01:2016	मिथुन	07:05:2016	कन्या	06:09:2016
मीन	17:09:2015	मेष	16:01:2016	वृष	17:05:2016	तुला	16:09:2016
कुम्भ	27:09:2015	मीन	26:01:2016	मेष	27:05:2016	वृश्चिक	26:09:2016
मकर	07:10:2015	कुम्भ	06:02:2016	मीन	07:06:2016	धनु	07:10:2016
धनु	17:10:2015	मकर	16:02:2016	कुम्भ	17:06:2016	मकर	17:10:2016
वृश्चिक	27:10:2015	धनु	26:02:2016	मकर	27:06:2016	कुम्भ	27:10:2016
तुला	06:11:2015	वृश्चिक	07:03:2016	धनु	07:07:2016	मीन	06:11:2016
कन्या	16:11:2015	तुला	17:03:2016	वृश्चिक	17:07:2016	मेष	16:11:2016
सिहं	26:11:2015	कन्या	27:03:2016	तुला	27:07:2016	वृष	26:11:2016
कर्क	07:12:2015	सिहं	07:04:2016	कन्या	07:08:2016	मिथुन	07:12:2016
मिथुन	17:12:2015	कर्क	17:04:2016	सिहं	17:08:2016	कर्क	17:12:2016
वृष	27:12:2015	मिथुन	27:04:2016	कर्क	27:08:2016	सिहं	27:12:2016

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
कन्या दशा (06:01:2017 — 06:01:2025)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2017	तुला	06:09:2017	वृश्चिक	08:05:2018	धनु	06:01:2019
धनु	26:01:2017	कन्या	27:09:2017	तुला	28:05:2018	वृश्चिक	26:01:2019
मकर	16:02:2017	सिहं	17:10:2017	कन्या	17:06:2018	तुला	16:02:2019
कुम्भ	08:03:2017	कर्क	06:11:2017	सिहं	08:07:2018	कन्या	08:03:2019
मीन	28:03:2017	मिथुन	26:11:2017	कर्क	28:07:2018	सिहं	28:03:2019
मेष	17:04:2017	वृष	17:12:2017	मिथुन	17:08:2018	कर्क	17:04:2019
वृष	08:05:2017	मेष	06:01:2018	वृष	06:09:2018	मिथुन	08:05:2019
मिथुन	28:05:2017	मीन	26:01:2018	मेष	27:09:2018	वृष	28:05:2019
कर्क	17:06:2017	कुम्भ	16:02:2018	मीन	17:10:2018	मेष	17:06:2019
सिहं	08:07:2017	मकर	08:03:2018	कुम्भ	06:11:2018	मीन	08:07:2019
कन्या	28:07:2017	धनु	28:03:2018	मकर	26:11:2018	कुम्भ	28:07:2019
तुला	17:08:2017	वृश्चिक	17:04:2018	धनु	17:12:2018	मकर	17:08:2019

कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	06:09:2019	मेष	07:05:2020	वृष	06:01:2021	मेष	06:09:2021
मेष	27:09:2019	वृष	27:05:2020	मिथुन	26:01:2021	मीन	27:09:2021
वृष	17:10:2019	मिथुन	17:06:2020	कर्क	16:02:2021	कुम्भ	17:10:2021
मिथुन	06:11:2019	कर्क	07:07:2020	सिहं	08:03:2021	मकर	06:11:2021
कर्क	26:11:2019	सिहं	27:07:2020	कन्या	28:03:2021	धनु	26:11:2021
सिहं	17:12:2019	कन्या	17:08:2020	तुला	17:04:2021	वृश्चिक	17:12:2021
कन्या	06:01:2020	तुला	06:09:2020	वृश्चिक	08:05:2021	तुला	06:01:2022
तुला	26:01:2020	वृश्चिक	26:09:2020	धनु	28:05:2021	कन्या	26:01:2022
वृश्चिक	16:02:2020	धनु	17:10:2020	मकर	17:06:2021	सिहं	16:02:2022
धनु	07:03:2020	मकर	06:11:2020	कुम्भ	08:07:2021	कर्क	08:03:2022
मकर	27:03:2020	कुम्भ	26:11:2020	मीन	28:07:2021	मिथुन	28:03:2022
कुम्भ	17:04:2020	मीन	17:12:2020	मेष	17:08:2021	वृष	17:04:2022

मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	08:05:2022	मिथुन	06:01:2023	कन्या	06:09:2023	तुला	07:05:2024
मेष	28:05:2022	वृष	26:01:2023	तुला	27:09:2023	वृश्चिक	27:05:2024
मीन	17:06:2022	मेष	16:02:2023	वृश्चिक	17:10:2023	धनु	17:06:2024
कुम्भ	08:07:2022	मीन	08:03:2023	धनु	06:11:2023	मकर	07:07:2024
मकर	28:07:2022	कुम्भ	28:03:2023	मकर	26:11:2023	कुम्भ	27:07:2024
धनु	17:08:2022	मकर	17:04:2023	कुम्भ	17:12:2023	मीन	17:08:2024
वृश्चिक	06:09:2022	धनु	08:05:2023	मीन	06:01:2024	मेष	06:09:2024
तुला	27:09:2022	वृश्चिक	28:05:2023	मेष	26:01:2024	वृष	26:09:2024
कन्या	17:10:2022	तुला	17:06:2023	वृष	16:02:2024	मिथुन	17:10:2024
सिहं	06:11:2022	कन्या	08:07:2023	मिथुन	07:03:2024	कर्क	06:11:2024
कर्क	26:11:2022	सिहं	28:07:2023	कर्क	27:03:2024	सिहं	26:11:2024
मिथुन	17:12:2022	कर्क	17:08:2023	सिहं	17:04:2024	कन्या	17:12:2024

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
तुला दशा (06:01:2025 — 06:01:2028)

वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
तुला	06:01:2025	वृश्चिक	07:04:2025	धनु	08:07:2025	मीन	07:10:2025
कन्या	14:01:2025	तुला	15:04:2025	वृश्चिक	15:07:2025	मेष	14:10:2025
सिहं	21:01:2025	कन्या	23:04:2025	तुला	23:07:2025	वृष	22:10:2025
कर्क	29:01:2025	सिहं	30:04:2025	कन्या	30:07:2025	मिथुन	30:10:2025
मिथुन	05:02:2025	कर्क	08:05:2025	सिहं	07:08:2025	कर्क	06:11:2025
वृष	13:02:2025	मिथुन	15:05:2025	कर्क	15:08:2025	सिहं	14:11:2025
मेष	21:02:2025	वृष	23:05:2025	मिथुन	22:08:2025	कन्या	21:11:2025
मीन	28:02:2025	मेष	31:05:2025	वृष	30:08:2025	तुला	29:11:2025
कुम्भ	08:03:2025	मीन	07:06:2025	मेष	06:09:2025	वृश्चिक	07:12:2025
मकर	15:03:2025	कुम्भ	15:06:2025	मीन	14:09:2025	धनु	14:12:2025
धनु	23:03:2025	मकर	22:06:2025	कुम्भ	22:09:2025	मकर	22:12:2025
वृश्चिक	31:03:2025	धनु	30:06:2025	मकर	29:09:2025	कुम्भ	29:12:2025

मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
मेष	06:01:2026	वृष	07:04:2026	मेष	08:07:2026	वृष	07:10:2026
वृष	14:01:2026	मिथुन	15:04:2026	मीन	15:07:2026	मेष	14:10:2026
मिथुन	21:01:2026	कर्क	23:04:2026	कुम्भ	23:07:2026	मीन	22:10:2026
कर्क	29:01:2026	सिहं	30:04:2026	मकर	30:07:2026	कुम्भ	30:10:2026
सिहं	05:02:2026	कन्या	08:05:2026	धनु	07:08:2026	मकर	06:11:2026
कन्या	13:02:2026	तुला	15:05:2026	वृश्चिक	15:08:2026	धनु	14:11:2026
तुला	21:02:2026	वृश्चिक	23:05:2026	तुला	22:08:2026	वृश्चिक	21:11:2026
वृश्चिक	28:02:2026	धनु	31:05:2026	कन्या	30:08:2026	तुला	29:11:2026
धनु	08:03:2026	मकर	07:06:2026	सिहं	06:09:2026	कन्या	07:12:2026
मकर	15:03:2026	कुम्भ	15:06:2026	कर्क	14:09:2026	सिहं	14:12:2026
कुम्भ	23:03:2026	मीन	22:06:2026	मिथुन	22:09:2026	कर्क	22:12:2026
मीन	31:03:2026	मेष	30:06:2026	वृष	29:09:2026	मिथुन	29:12:2026

कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
मिथुन	06:01:2027	कन्या	07:04:2027	तुला	08:07:2027	वृश्चिक	07:10:2027
वृष	14:01:2027	तुला	15:04:2027	वृश्चिक	15:07:2027	धनु	14:10:2027
मेष	21:01:2027	वृश्चिक	23:04:2027	धनु	23:07:2027	मकर	22:10:2027
मीन	29:01:2027	धनु	30:04:2027	मकर	30:07:2027	कुम्भ	30:10:2027
कुम्भ	05:02:2027	मकर	08:05:2027	कुम्भ	07:08:2027	मीन	06:11:2027
मकर	13:02:2027	कुम्भ	15:05:2027	मीन	15:08:2027	मेष	14:11:2027
धनु	21:02:2027	मीन	23:05:2027	मेष	22:08:2027	वृष	21:11:2027
वृश्चिक	28:02:2027	मेष	31:05:2027	वृष	30:08:2027	मिथुन	29:11:2027
तुला	08:03:2027	वृष	07:06:2027	मिथुन	06:09:2027	कर्क	07:12:2027
कन्या	15:03:2027	मिथुन	15:06:2027	कर्क	14:09:2027	सिहं	14:12:2027
सिहं	23:03:2027	कर्क	22:06:2027	सिहं	22:09:2027	कन्या	22:12:2027
कर्क	31:03:2027	सिहं	30:06:2027	कन्या	29:09:2027	तुला	29:12:2027

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
वृश्चिक दशा (06:01:2028 – 06:01:2039)

तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2028	तुला	07:12:2028	कन्या	06:11:2029	मिथुन	07:10:2030
धन्	03:02:2028	वृश्चिक	04:01:2029	तुला	04:12:2029	वृष	04:11:2030
मकर	02:03:2028	धन्	31:01:2029	वृश्चिक	01:01:2030	मेष	02:12:2030
कुम्भ	30:03:2028	मकर	28:02:2029	धन्	29:01:2030	मीन	29:12:2030
मीन	27:04:2028	कुम्भ	28:03:2029	मकर	26:02:2030	कुम्भ	26:01:2031
मेष	25:05:2028	मीन	25:04:2029	कुम्भ	26:03:2030	मकर	23:02:2031
वृष	22:06:2028	मेष	23:05:2029	मीन	23:04:2030	धन्	23:03:2031
मिथुन	20:07:2028	वृष	20:06:2029	मेष	20:05:2030	वृश्चिक	20:04:2031
कर्क	17:08:2028	मिथुन	18:07:2029	वृष	17:06:2030	तुला	18:05:2031
सिहं	14:09:2028	कर्क	15:08:2029	मिथुन	15:07:2030	कन्या	15:06:2031
कन्या	12:10:2028	सिहं	11:09:2029	कर्क	12:08:2030	सिहं	13:07:2031
तुला	09:11:2028	कन्या	09:10:2029	सिहं	09:09:2030	कर्क	10:08:2031

मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	06:09:2031	मेष	07:08:2032	वृष	08:07:2033	मेष	07:06:2034
मेष	04:10:2031	मीन	04:09:2032	मिथुन	04:08:2033	वृष	05:07:2034
मीन	01:11:2031	कुम्भ	01:10:2032	कर्क	01:09:2033	मिथुन	02:08:2034
कुम्भ	29:11:2031	मकर	29:10:2032	सिहं	29:09:2033	कर्क	30:08:2034
मकर	27:12:2031	धन्	26:11:2032	कन्या	27:10:2033	सिहं	27:09:2034
धन्	24:01:2032	वृश्चिक	24:12:2032	तुला	24:11:2033	कन्या	25:10:2034
वृश्चिक	21:02:2032	तुला	21:01:2033	वृश्चिक	22:12:2033	तुला	21:11:2034
तुला	20:03:2032	कन्या	18:02:2033	धन्	19:01:2034	वृश्चिक	19:12:2034
कन्या	17:04:2032	सिहं	18:03:2033	मकर	16:02:2034	धन्	16:01:2035
सिहं	15:05:2032	कर्क	15:04:2033	कुम्भ	15:03:2034	मकर	13:02:2035
कर्क	12:06:2032	मिथुन	13:05:2033	मीन	12:04:2034	कुम्भ	13:03:2035
मिथुन	10:07:2032	वृष	10:06:2033	मेष	10:05:2034	मीन	10:04:2035

कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मीन	08:05:2035	धन्	07:04:2036	वृश्चिक	08:03:2037	तुला	05:02:2038
मेष	05:06:2035	वृश्चिक	05:05:2036	तुला	05:04:2037	कन्या	05:03:2038
वृष	02:07:2035	तुला	01:06:2036	कन्या	03:05:2037	सिहं	02:04:2038
मिथुन	30:07:2035	कन्या	29:06:2036	सिहं	31:05:2037	कर्क	30:04:2038
कर्क	27:08:2035	सिहं	27:07:2036	कर्क	27:06:2037	मिथुन	28:05:2038
सिहं	24:09:2035	कर्क	24:08:2036	मिथुन	25:07:2037	वृष	25:06:2038
कन्या	22:10:2035	मिथुन	21:09:2036	वृष	22:08:2037	मेष	23:07:2038
तुला	19:11:2035	वृष	19:10:2036	मेष	19:09:2037	मीन	20:08:2038
वृश्चिक	17:12:2035	मेष	16:11:2036	मीन	17:10:2037	कुम्भ	17:09:2038
धन्	14:01:2036	मीन	14:12:2036	कुम्भ	14:11:2037	मकर	14:10:2038
मकर	11:02:2036	कुम्भ	11:01:2037	मकर	12:12:2037	धन्	11:11:2038
कुम्भ	10:03:2036	मकर	08:02:2037	धन्	09:01:2038	वृश्चिक	09:12:2038

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
धनु दशा (06:01:2039 – 06:01:2050)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:2039	वृश्चिक	07:12:2039	तुला	06:11:2040	कन्या	07:10:2041
कन्या	03:02:2039	धनु	04:01:2040	वृश्चिक	04:12:2040	तुला	04:11:2041
सिहं	03:03:2039	मकर	31:01:2040	धनु	01:01:2041	वृश्चिक	02:12:2041
कर्क	31:03:2039	कुम्भ	28:02:2040	मकर	29:01:2041	धनु	29:12:2041
मिथुन	28:04:2039	मीन	27:03:2040	कुम्भ	26:02:2041	मकर	26:01:2042
वृष	25:05:2039	मेष	24:04:2040	मीन	26:03:2041	कुम्भ	23:02:2042
मेष	22:06:2039	वृष	22:05:2040	मेष	23:04:2041	मीन	23:03:2042
मीन	20:07:2039	मिथुन	19:06:2040	वृष	20:05:2041	मेष	20:04:2042
कुम्भ	17:08:2039	कर्क	17:07:2040	मिथुन	17:06:2041	वृष	18:05:2042
मकर	14:09:2039	सिहं	14:08:2040	कर्क	15:07:2041	मिथुन	15:06:2042
धनु	12:10:2039	कन्या	11:09:2040	सिहं	12:08:2041	कर्क	13:07:2042
वृश्चिक	09:11:2039	तुला	09:10:2040	कन्या	09:09:2041	सिहं	10:08:2042

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	06:09:2042	वृष	07:08:2043	मेष	07:07:2044	वृष	07:06:2045
वृष	04:10:2042	मेष	04:09:2043	मीन	04:08:2044	मिथुन	05:07:2045
मेष	01:11:2042	मीन	02:10:2043	कुम्भ	01:09:2044	कर्क	02:08:2045
मीन	29:11:2042	कुम्भ	30:10:2043	मकर	29:09:2044	सिहं	30:08:2045
कुम्भ	27:12:2042	मकर	26:11:2043	धनु	27:10:2044	कन्या	27:09:2045
मकर	24:01:2043	धनु	24:12:2043	वृश्चिक	24:11:2044	तुला	25:10:2045
धनु	21:02:2043	वृश्चिक	21:01:2044	तुला	22:12:2044	वृश्चिक	21:11:2045
वृश्चिक	21:03:2043	तुला	18:02:2044	कन्या	19:01:2045	धनु	19:12:2045
तुला	17:04:2043	कन्या	17:03:2044	सिहं	16:02:2045	मकर	16:01:2046
कन्या	15:05:2043	सिहं	14:04:2044	कर्क	15:03:2045	कुम्भ	13:02:2046
सिहं	12:06:2043	कर्क	12:05:2044	मिथुन	12:04:2045	मीन	13:03:2046
कर्क	10:07:2043	मिथुन	09:06:2044	वृष	10:05:2045	मेष	10:04:2046

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति		धनु भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	08:05:2046	मीन	07:04:2047	धनु	07:03:2048	वृश्चिक	05:02:2049
वृष	05:06:2046	मेष	05:05:2047	वृश्चिक	04:04:2048	तुला	05:03:2049
मिथुन	02:07:2046	वृष	02:06:2047	तुला	02:05:2048	कन्या	02:04:2049
कर्क	30:07:2046	मिथुन	30:06:2047	कन्या	30:05:2048	सिहं	30:04:2049
सिहं	27:08:2046	कर्क	28:07:2047	सिहं	27:06:2048	कर्क	28:05:2049
कन्या	24:09:2046	सिहं	25:08:2047	कर्क	25:07:2048	मिथुन	25:06:2049
तुला	22:10:2046	कन्या	22:09:2047	मिथुन	22:08:2048	वृष	23:07:2049
वृश्चिक	19:11:2046	तुला	19:10:2047	वृष	19:09:2048	मेष	20:08:2049
धनु	17:12:2046	वृश्चिक	16:11:2047	मेष	17:10:2048	मीन	17:09:2049
मकर	14:01:2047	धनु	14:12:2047	मीन	14:11:2048	कुम्भ	14:10:2049
कुम्भ	11:02:2047	मकर	11:01:2048	कुम्भ	12:12:2048	मकर	11:11:2049
मीन	10:03:2047	कुम्भ	08:02:2048	मकर	09:01:2049	धनु	09:12:2049

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
मकर दशा (06:01:2050 — 06:01:2053)

धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2050	तुला	07:04:2050	वृश्चिक	08:07:2050	तुला	07:10:2050
तुला	14:01:2050	कन्या	15:04:2050	धनु	15:07:2050	वृश्चिक	14:10:2050
कन्या	21:01:2050	सिहं	23:04:2050	मकर	23:07:2050	धनु	22:10:2050
सिहं	29:01:2050	कर्क	30:04:2050	कुम्भ	30:07:2050	मकर	30:10:2050
कर्क	05:02:2050	मिथुन	08:05:2050	मीन	07:08:2050	कुम्भ	06:11:2050
मिथुन	13:02:2050	वृष	15:05:2050	मेष	15:08:2050	मीन	14:11:2050
वृष	21:02:2050	मेष	23:05:2050	वृष	22:08:2050	मेष	21:11:2050
मेष	28:02:2050	मीन	31:05:2050	मिथुन	30:08:2050	वृष	29:11:2050
मीन	08:03:2050	कुम्भ	07:06:2050	कर्क	06:09:2050	मिथुन	07:12:2050
कुम्भ	15:03:2050	मकर	15:06:2050	सिहं	14:09:2050	कर्क	14:12:2050
मकर	23:03:2050	धनु	22:06:2050	कन्या	22:09:2050	सिहं	22:12:2050
धनु	31:03:2050	वृश्चिक	30:06:2050	तुला	29:09:2050	कन्या	29:12:2050

सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	06:01:2051	मिथुन	07:04:2051	वृष	08:07:2051	मेष	07:10:2051
तुला	14:01:2051	वृष	15:04:2051	मेष	15:07:2051	मीन	14:10:2051
वृश्चिक	21:01:2051	मेष	23:04:2051	मीन	23:07:2051	कुम्भ	22:10:2051
धनु	29:01:2051	मीन	30:04:2051	कुम्भ	30:07:2051	मकर	30:10:2051
मकर	05:02:2051	कुम्भ	08:05:2051	मकर	07:08:2051	धनु	06:11:2051
कुम्भ	13:02:2051	मकर	15:05:2051	धनु	15:08:2051	वृश्चिक	14:11:2051
मीन	21:02:2051	धनु	23:05:2051	वृश्चिक	22:08:2051	तुला	21:11:2051
मेष	28:02:2051	वृश्चिक	31:05:2051	तुला	30:08:2051	कन्या	29:11:2051
वृष	08:03:2051	तुला	07:06:2051	कन्या	06:09:2051	सिहं	07:12:2051
मिथुन	15:03:2051	कन्या	15:06:2051	सिहं	14:09:2051	कर्क	14:12:2051
कर्क	23:03:2051	सिहं	22:06:2051	कर्क	22:09:2051	मिथुन	22:12:2051
सिहं	31:03:2051	कर्क	30:06:2051	मिथुन	29:09:2051	वृष	29:12:2051

मेष भुक्ति		मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	06:01:2052	मेष	07:04:2052	मीन	07:07:2052	धनु	07:10:2052
मिथुन	14:01:2052	वृष	14:04:2052	मेष	15:07:2052	वृश्चिक	14:10:2052
कर्क	21:01:2052	मिथुन	22:04:2052	वृष	22:07:2052	तुला	22:10:2052
सिहं	29:01:2052	कर्क	29:04:2052	मिथुन	30:07:2052	कन्या	29:10:2052
कन्या	06:02:2052	सिहं	07:05:2052	कर्क	07:08:2052	सिहं	06:11:2052
तुला	13:02:2052	कन्या	15:05:2052	सिहं	14:08:2052	कर्क	14:11:2052
वृश्चिक	21:02:2052	तुला	22:05:2052	कन्या	22:08:2052	मिथुन	21:11:2052
धनु	28:02:2052	वृश्चिक	30:05:2052	तुला	29:08:2052	वृष	29:11:2052
मकर	07:03:2052	धनु	07:06:2052	वृश्चिक	06:09:2052	मेष	07:12:2052
कुम्भ	15:03:2052	मकर	14:06:2052	धनु	14:09:2052	मीन	14:12:2052
मीन	22:03:2052	कुम्भ	22:06:2052	मकर	21:09:2052	कुम्भ	22:12:2052
मेष	30:03:2052	मीन	29:06:2052	कुम्भ	29:09:2052	मकर	29:12:2052

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
कुम्भ दशा (06:01:2053 — 06:01:2057)

मीन भुक्ति		मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मेष	06:01:2053	वृष	08:05:2053	मेष	06:09:2053	वृष	06:01:2054
वृष	16:01:2053	मिथुन	18:05:2053	मीन	17:09:2053	मेष	16:01:2054
मिथुन	26:01:2053	कर्क	28:05:2053	कुम्भ	27:09:2053	मीन	26:01:2054
कर्क	05:02:2053	सिहं	07:06:2053	मकर	07:10:2053	कुम्भ	05:02:2054
सिहं	16:02:2053	कन्या	17:06:2053	धनु	17:10:2053	मकर	16:02:2054
कन्या	26:02:2053	तुला	27:06:2053	वृश्चिक	27:10:2053	धनु	26:02:2054
तुला	08:03:2053	वृश्चिक	08:07:2053	तुला	06:11:2053	वृश्चिक	08:03:2054
वृश्चिक	18:03:2053	धनु	18:07:2053	कन्या	16:11:2053	तुला	18:03:2054
धनु	28:03:2053	मकर	28:07:2053	सिहं	26:11:2053	कन्या	28:03:2054
मकर	07:04:2053	कुम्भ	07:08:2053	कर्क	07:12:2053	सिहं	07:04:2054
कुम्भ	17:04:2053	मीन	17:08:2053	मिथुन	17:12:2053	कर्क	17:04:2054
मीन	28:04:2053	मेष	27:08:2053	वृष	27:12:2053	मिथुन	28:04:2054

कर्क भुक्ति		सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मिथुन	08:05:2054	कन्या	06:09:2054	तुला	06:01:2055	वृश्चिक	08:05:2055
वृष	18:05:2054	तुला	17:09:2054	वृश्चिक	16:01:2055	धनु	18:05:2055
मेष	28:05:2054	वृश्चिक	27:09:2054	धनु	26:01:2055	मकर	28:05:2055
मीन	07:06:2054	धनु	07:10:2054	मकर	05:02:2055	कुम्भ	07:06:2055
कुम्भ	17:06:2054	मकर	17:10:2054	कुम्भ	16:02:2055	मीन	17:06:2055
मकर	27:06:2054	कुम्भ	27:10:2054	मीन	26:02:2055	मेष	27:06:2055
धनु	08:07:2054	मीन	06:11:2054	मेष	08:03:2055	वृष	08:07:2055
वृश्चिक	18:07:2054	मेष	16:11:2054	वृष	18:03:2055	मिथुन	18:07:2055
तुला	28:07:2054	वृष	26:11:2054	मिथुन	28:03:2055	कर्क	28:07:2055
कन्या	07:08:2054	मिथुन	07:12:2054	कर्क	07:04:2055	सिहं	07:08:2055
सिहं	17:08:2054	कर्क	17:12:2054	सिहं	17:04:2055	कन्या	17:08:2055
कर्क	27:08:2054	सिहं	27:12:2054	कन्या	28:04:2055	तुला	27:08:2055

वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:09:2055	वृश्चिक	06:01:2056	धनु	07:05:2056	मीन	06:09:2056
कन्या	17:09:2055	तुला	16:01:2056	वृश्चिक	17:05:2056	मेष	16:09:2056
सिहं	27:09:2055	कन्या	26:01:2056	तुला	27:05:2056	वृष	26:09:2056
कर्क	07:10:2055	सिहं	06:02:2056	कन्या	07:06:2056	मिथुन	07:10:2056
मिथुन	17:10:2055	कर्क	16:02:2056	सिहं	17:06:2056	कर्क	17:10:2056
वृष	27:10:2055	मिथुन	26:02:2056	कर्क	27:06:2056	सिहं	27:10:2056
मेष	06:11:2055	वृष	07:03:2056	मिथुन	07:07:2056	कन्या	06:11:2056
मीन	16:11:2055	मेष	17:03:2056	वृष	17:07:2056	तुला	16:11:2056
कुम्भ	26:11:2055	मीन	27:03:2056	मेष	27:07:2056	वृश्चिक	26:11:2056
मकर	07:12:2055	कुम्भ	07:04:2056	मीन	07:08:2056	धनु	07:12:2056
धनु	17:12:2055	मकर	17:04:2056	कुम्भ	17:08:2056	मकर	17:12:2056
वृश्चिक	27:12:2055	धनु	27:04:2056	मकर	27:08:2056	कुम्भ	27:12:2056

जैमिनी चर दशा
(नीलकान्त सिद्धान्त)
मीन दशा (06:01:2057 – 06:01:2061)

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृष	06:01:2057	मेष	08:05:2057	वृष	06:09:2057	मिथुन	06:01:2058
मिथुन	16:01:2057	मीन	18:05:2057	मेष	17:09:2057	वृष	16:01:2058
कर्क	26:01:2057	कुम्भ	28:05:2057	मीन	27:09:2057	मेष	26:01:2058
सिहं	05:02:2057	मकर	07:06:2057	कुम्भ	07:10:2057	मीन	05:02:2058
कन्या	16:02:2057	धनु	17:06:2057	मकर	17:10:2057	कुम्भ	16:02:2058
तुला	26:02:2057	वृश्चिक	27:06:2057	धनु	27:10:2057	मकर	26:02:2058
वृश्चिक	08:03:2057	तुला	08:07:2057	वृश्चिक	06:11:2057	धनु	08:03:2058
धनु	18:03:2057	कन्या	18:07:2057	तुला	16:11:2057	वृश्चिक	18:03:2058
मकर	28:03:2057	सिहं	28:07:2057	कन्या	26:11:2057	तुला	28:03:2058
कुम्भ	07:04:2057	कर्क	07:08:2057	सिहं	07:12:2057	कन्या	07:04:2058
मीन	17:04:2057	मिथुन	17:08:2057	कर्क	17:12:2057	सिहं	17:04:2058
मेष	28:04:2057	वृष	27:08:2057	मिथुन	27:12:2057	कर्क	28:04:2058

सिहं भुक्ति		कन्या भुक्ति		तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	08:05:2058	तुला	06:09:2058	वृश्चिक	06:01:2059	तुला	08:05:2059
तुला	18:05:2058	वृश्चिक	17:09:2058	धनु	16:01:2059	कन्या	18:05:2059
वृश्चिक	28:05:2058	धनु	27:09:2058	मकर	26:01:2059	सिहं	28:05:2059
धनु	07:06:2058	मकर	07:10:2058	कुम्भ	05:02:2059	कर्क	07:06:2059
मकर	17:06:2058	कुम्भ	17:10:2058	मीन	16:02:2059	मिथुन	17:06:2059
कुम्भ	27:06:2058	मीन	27:10:2058	मेष	26:02:2059	वृष	27:06:2059
मीन	08:07:2058	मेष	06:11:2058	वृष	08:03:2059	मेष	08:07:2059
मेष	18:07:2058	वृष	16:11:2058	मिथुन	18:03:2059	मीन	18:07:2059
वृष	28:07:2058	मिथुन	26:11:2058	कर्क	28:03:2059	कुम्भ	28:07:2059
मिथुन	07:08:2058	कर्क	07:12:2058	सिहं	07:04:2059	मकर	07:08:2059
कर्क	17:08:2058	सिहं	17:12:2058	कन्या	17:04:2059	धनु	17:08:2059
सिहं	27:08:2058	कन्या	27:12:2058	तुला	28:04:2059	वृश्चिक	27:08:2059

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:09:2059	धनु	06:01:2060	मीन	07:05:2060	मेष	06:09:2060
तुला	17:09:2059	वृश्चिक	16:01:2060	मेष	17:05:2060	वृष	16:09:2060
कन्या	27:09:2059	तुला	26:01:2060	वृष	27:05:2060	मिथुन	26:09:2060
सिहं	07:10:2059	कन्या	06:02:2060	मिथुन	07:06:2060	कर्क	07:10:2060
कर्क	17:10:2059	सिहं	16:02:2060	कर्क	17:06:2060	सिहं	17:10:2060
मिथुन	27:10:2059	कर्क	26:02:2060	सिहं	27:06:2060	कन्या	27:10:2060
वृष	06:11:2059	मिथुन	07:03:2060	कन्या	07:07:2060	तुला	06:11:2060
मेष	16:11:2059	वृष	17:03:2060	तुला	17:07:2060	वृश्चिक	16:11:2060
मीन	26:11:2059	मेष	27:03:2060	वृश्चिक	27:07:2060	धनु	26:11:2060
कुम्भ	07:12:2059	मीन	07:04:2060	धनु	07:08:2060	मकर	07:12:2060
मकर	17:12:2059	कुम्भ	17:04:2060	मकर	17:08:2060	कुम्भ	17:12:2060
धनु	27:12:2059	मकर	27:04:2060	कुम्भ	27:08:2060	मीन	27:12:2060

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

क्र0 स0	राशि दशा	अवधि	से ———————— तक
1	मेष दशा	9 y.0 m.0 d.	06:01:1983 --- 06:01:1992
2	वृष दशा	8 y.0 m.0 d.	06:01:1992 --- 06:01:2000
3	मिथुन दशा	7 y.0 m.0 d.	06:01:2000 --- 06:01:2007
4	कर्क दशा	2 y.0 m.0 d.	06:01:2007 --- 06:01:2009
5	सिहं दशा	8 y.0 m.0 d.	06:01:2009 --- 06:01:2017
6	कन्या दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:2017 --- 06:01:2021
7	तुला दशा	3 y.0 m.0 d.	06:01:2021 --- 06:01:2024
8	वृश्चिक दशा	2 y.0 m.0 d.	06:01:2024 --- 06:01:2026
9	धनु दशा	11 y.0 m.0 d.	06:01:2026 --- 06:01:2037
10	मकर दशा	3 y.0 m.0 d.	06:01:2037 --- 06:01:2040
11	कुम्भ दशा	4 y.0 m.0 d.	06:01:2040 --- 06:01:2044
12	मीन दशा	8 y.0 m.0 d.	06:01:2044 --- 06:01:2052

जैमिनी चर दशा की भुक्ति

मेष दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:1983
धन्	06:01:1984
वृश्चिक	06:01:1985
तुला	06:01:1986
कन्या	06:01:1987
सिहं	06:01:1988
कर्क	06:01:1989
मिथुन	06:01:1990
वृष	06:01:1991

वृष दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:1992
धन्	06:01:1993
वृश्चिक	06:01:1994
तुला	06:01:1995
कन्या	06:01:1996
सिहं	06:01:1997
कर्क	06:01:1998
मिथुन	06:01:1999

मिथुन दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:2000
धन्	06:01:2001
वृश्चिक	06:01:2002
तुला	06:01:2003
कन्या	06:01:2004
सिहं	06:01:2005
कर्क	06:01:2006

कर्क दशा

भुक्ति	से
कन्या	06:01:2007
सिहं	06:01:2008

सिहं दशा

भुक्ति	से
धन्	06:01:2009
मकर	06:01:2010
कुम्भ	06:01:2011
मीन	06:01:2012
मेष	06:01:2013
वृष	06:01:2014
मिथुन	06:01:2015
कर्क	06:01:2016

कन्या दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:2017
धन्	06:01:2018
वृश्चिक	06:01:2019
तुला	06:01:2020

तुला दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:2021
धन्	06:01:2022
वृश्चिक	06:01:2023

वृश्चिक दशा

भुक्ति	से
मकर	06:01:2024
धन्	06:01:2025

धनु दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	06:01:2026
तुला	06:01:2027
कन्या	06:01:2028
सिहं	06:01:2029
कर्क	06:01:2030
मिथुन	06:01:2031
वृष	06:01:2032
मेष	06:01:2033
मीन	06:01:2034
कुम्भ	06:01:2035
मकर	06:01:2036

मकर दशा

भुक्ति	से
तुला	06:01:2037
वृश्चिक	06:01:2038
धन्	06:01:2039

कुम्भ दशा

भुक्ति	से
तुला	06:01:2040
वृश्चिक	06:01:2041
धन्	06:01:2042
मकर	06:01:2043

मीन दशा

भुक्ति	से
वृश्चिक	06:01:2044
तुला	06:01:2045
कन्या	06:01:2046
सिहं	06:01:2047
कर्क	06:01:2048
मिथुन	06:01:2049
वृष	06:01:2050
मेष	06:01:2051

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
तुला दशा (06:01:2021 —— 06:01:2024)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:2021	वृश्चिक	06:01:2022	मकर	06:01:2023		
वृश्चिक	05:02:2021	तुला	05:02:2022	धनु	05:02:2023		
धनु	08:03:2021	कन्या	08:03:2022	वृश्चिक	08:03:2023		
मकर	07:04:2021	सिहं	07:04:2022	तुला	07:04:2023		
कुम्भ	08:05:2021	कर्क	08:05:2022	कन्या	08:05:2023		
मीन	07:06:2021	मिथुन	07:06:2022	सिहं	07:06:2023		
मेष	08:07:2021	वृष	08:07:2022	कर्क	08:07:2023		
वृष	07:08:2021	मेष	07:08:2022	मिथुन	07:08:2023		
मिथुन	06:09:2021	मीन	06:09:2022	वृष	06:09:2023		
कर्क	07:10:2021	कुम्भ	07:10:2022	मेष	07:10:2023		
सिहं	06:11:2021	मकर	06:11:2022	मीन	06:11:2023		
कन्या	07:12:2021	धनु	07:12:2022	कुम्भ	07:12:2023		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
मेष दशा (06:01:1983 —— 06:01:1992)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:1983	वृश्चिक	06:01:1984	मकर	06:01:1985	मकर	06:01:1986
वृश्चिक	05:02:1983	तुला	06:02:1984	धनु	05:02:1985	धनु	05:02:1986
धनु	08:03:1983	कन्या	07:03:1984	वृश्चिक	08:03:1985	वृश्चिक	08:03:1986
मकर	07:04:1983	सिहं	07:04:1984	तुला	07:04:1985	तुला	07:04:1986
कुम्भ	08:05:1983	कर्क	07:05:1984	कन्या	08:05:1985	कन्या	08:05:1986
मीन	07:06:1983	मिथुन	07:06:1984	सिहं	07:06:1985	सिहं	07:06:1986
मेष	08:07:1983	वृष	07:07:1984	कर्क	08:07:1985	कर्क	08:07:1986
वृष	07:08:1983	मेष	07:08:1984	मिथुन	07:08:1985	मिथुन	07:08:1986
मिथुन	06:09:1983	मीन	06:09:1984	वृष	06:09:1985	वृष	06:09:1986
कर्क	07:10:1983	कुम्भ	07:10:1984	मेष	07:10:1985	मेष	07:10:1986
सिहं	06:11:1983	मकर	06:11:1984	मीन	06:11:1985	मीन	06:11:1986
कन्या	07:12:1983	धनु	07:12:1984	कुम्भ	07:12:1985	कुम्भ	07:12:1986

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:1987	धनु	06:01:1988	कन्या	06:01:1989	मकर	06:01:1990
धनु	05:02:1987	मकर	06:02:1988	सिहं	05:02:1989	धनु	05:02:1990
वृश्चिक	08:03:1987	कुम्भ	07:03:1988	कर्क	08:03:1989	वृश्चिक	08:03:1990
तुला	07:04:1987	मीन	07:04:1988	मिथुन	07:04:1989	तुला	07:04:1990
कन्या	08:05:1987	मेष	07:05:1988	वृष	08:05:1989	कन्या	08:05:1990
सिहं	07:06:1987	वृष	07:06:1988	मेष	07:06:1989	सिहं	07:06:1990
कर्क	08:07:1987	मिथुन	07:07:1988	मीन	08:07:1989	कर्क	08:07:1990
मिथुन	07:08:1987	कर्क	07:08:1988	कुम्भ	07:08:1989	मिथुन	07:08:1990
वृष	06:09:1987	सिहं	06:09:1988	मकर	06:09:1989	वृष	06:09:1990
मेष	07:10:1987	कन्या	07:10:1988	धनु	07:10:1989	मेष	07:10:1990
मीन	06:11:1987	तुला	06:11:1988	वृश्चिक	06:11:1989	मीन	06:11:1990
कुम्भ	07:12:1987	वृश्चिक	07:12:1988	तुला	07:12:1989	कुम्भ	07:12:1990

वृष भुक्ति							
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:1991						
धनु	05:02:1991						
वृश्चिक	08:03:1991						
तुला	07:04:1991						
कन्या	08:05:1991						
सिहं	07:06:1991						
कर्क	08:07:1991						
मिथुन	07:08:1991						
वृष	06:09:1991						
मेष	07:10:1991						
मीन	06:11:1991						
कुम्भ	07:12:1991						

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृष दशा (06:01:1992 —— 06:01:2000)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:1992	वृश्चिक	06:01:1993	मकर	06:01:1994	मकर	06:01:1995
वृश्चिक	06:02:1992	तुला	05:02:1993	धनु	05:02:1994	धनु	05:02:1995
धनु	07:03:1992	कन्या	08:03:1993	वृश्चिक	08:03:1994	वृश्चिक	08:03:1995
मकर	07:04:1992	सिहं	07:04:1993	तुला	07:04:1994	तुला	07:04:1995
कुम्भ	07:05:1992	कर्क	08:05:1993	कन्या	08:05:1994	कन्या	08:05:1995
मीन	07:06:1992	मिथुन	07:06:1993	सिहं	07:06:1994	सिहं	07:06:1995
मेष	07:07:1992	वृष	08:07:1993	कर्क	08:07:1994	कर्क	08:07:1995
वृष	07:08:1992	मेष	07:08:1993	मिथुन	07:08:1994	मिथुन	07:08:1995
मिथुन	06:09:1992	मीन	06:09:1993	वृष	06:09:1994	वृष	06:09:1995
कर्क	07:10:1992	कुम्भ	07:10:1993	मेष	07:10:1994	मेष	07:10:1995
सिहं	06:11:1992	मकर	06:11:1993	मीन	06:11:1994	मीन	06:11:1995
कन्या	07:12:1992	धनु	07:12:1993	कुम्भ	07:12:1994	कुम्भ	07:12:1995

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:1996	धनु	06:01:1997	कन्या	06:01:1998	मकर	06:01:1999
धनु	06:02:1996	मकर	05:02:1997	सिहं	05:02:1998	धनु	05:02:1999
वृश्चिक	07:03:1996	कुम्भ	08:03:1997	कर्क	08:03:1998	वृश्चिक	08:03:1999
तुला	07:04:1996	मीन	07:04:1997	मिथुन	07:04:1998	तुला	07:04:1999
कन्या	07:05:1996	मेष	08:05:1997	वृष	08:05:1998	कन्या	08:05:1999
सिहं	07:06:1996	वृष	07:06:1997	मेष	07:06:1998	सिहं	07:06:1999
कर्क	07:07:1996	मिथुन	08:07:1997	मीन	08:07:1998	कर्क	08:07:1999
मिथुन	07:08:1996	कर्क	07:08:1997	कुम्भ	07:08:1998	मिथुन	07:08:1999
वृष	06:09:1996	सिहं	06:09:1997	मकर	06:09:1998	वृष	06:09:1999
मेष	07:10:1996	कन्या	07:10:1997	धनु	07:10:1998	मेष	07:10:1999
मीन	06:11:1996	तुला	06:11:1997	वृश्चिक	06:11:1998	मीन	06:11:1999
कुम्भ	07:12:1996	वृश्चिक	07:12:1997	तुला	07:12:1998	कुम्भ	07:12:1999

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मिथुन दशा (06:01:2000 –– 06:01:2007)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
तुला	06:01:2000	वृश्चिक	06:01:2001	मकर	06:01:2002	मकर	06:01:2003
वृश्चिक	06:02:2000	तुला	05:02:2001	धनु	05:02:2002	धनु	05:02:2003
धनु	07:03:2000	कन्या	08:03:2001	वृश्चिक	08:03:2002	वृश्चिक	08:03:2003
मकर	07:04:2000	सिहं	07:04:2001	तुला	07:04:2002	तुला	07:04:2003
कुम्भ	07:05:2000	कर्क	08:05:2001	कन्या	08:05:2002	कन्या	08:05:2003
मीन	07:06:2000	मिथुन	07:06:2001	सिहं	07:06:2002	सिहं	07:06:2003
मेष	07:07:2000	वृष	08:07:2001	कर्क	08:07:2002	कर्क	08:07:2003
वृष	07:08:2000	मेष	07:08:2001	मिथुन	07:08:2002	मिथुन	07:08:2003
मिथुन	06:09:2000	मीन	06:09:2001	वृष	06:09:2002	वृष	06:09:2003
कर्क	07:10:2000	कुम्भ	07:10:2001	मेष	07:10:2002	मेष	07:10:2003
सिहं	06:11:2000	मकर	06:11:2001	मीन	06:11:2002	मीन	06:11:2003
कन्या	07:12:2000	धनु	07:12:2001	कुम्भ	07:12:2002	कुम्भ	07:12:2003

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति		कर्क भुक्ति			
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
मकर	06:01:2004	धनु	06:01:2005	कन्या	06:01:2006		
धनु	06:02:2004	मकर	05:02:2005	सिहं	05:02:2006		
वृश्चिक	07:03:2004	कुम्भ	08:03:2005	कर्क	08:03:2006		
तुला	07:04:2004	मीन	07:04:2005	मिथुन	07:04:2006		
कन्या	07:05:2004	मेष	08:05:2005	वृष	08:05:2006		
सिहं	07:06:2004	वृष	07:06:2005	मेष	07:06:2006		
कर्क	07:07:2004	मिथुन	08:07:2005	मीन	08:07:2006		
मिथुन	07:08:2004	कर्क	07:08:2005	कुम्भ	07:08:2006		
वृष	06:09:2004	सिहं	06:09:2005	मकर	06:09:2006		
मेष	07:10:2004	कन्या	07:10:2005	धनु	07:10:2006		
मीन	06:11:2004	तुला	06:11:2005	वृश्चिक	06:11:2006		
कुम्भ	07:12:2004	वृश्चिक	07:12:2005	तुला	07:12:2006		

अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
कर्क दशा (06:01:2007 —— 06:01:2009)

कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:2007	धन्	06:01:2008				
धन्	05:02:2007	मकर	06:02:2008				
वृश्चिक	08:03:2007	कुम्भ	07:03:2008				
तुला	07:04:2007	मीन	07:04:2008				
कन्या	08:05:2007	मेष	07:05:2008				
सिहं	07:06:2007	वृष	07:06:2008				
कर्क	08:07:2007	मिथुन	07:07:2008				
मिथुन	07:08:2007	कर्क	07:08:2008				
वृष	06:09:2007	सिहं	06:09:2008				
मेष	07:10:2007	कन्या	07:10:2008				
मीन	06:11:2007	तुला	06:11:2008				
कुम्भ	07:12:2007	वृश्चिक	07:12:2008				

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

सिहं दशा (06:01:2009 —— 06:01:2017)

धनु भुक्ति		मकर भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मीन भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2009	तुला	06:01:2010	तुला	06:01:2011	वृश्चिक	06:01:2012
तुला	05:02:2009	वृश्चिक	05:02:2010	वृश्चिक	05:02:2011	तुला	06:02:2012
कन्या	08:03:2009	धनु	08:03:2010	धनु	08:03:2011	कन्या	07:03:2012
सिहं	07:04:2009	मकर	07:04:2010	मकर	07:04:2011	सिहं	07:04:2012
कर्क	08:05:2009	कुम्भ	08:05:2010	कुम्भ	08:05:2011	कर्क	07:05:2012
मिथुन	07:06:2009	मीन	07:06:2010	मीन	07:06:2011	मिथुन	07:06:2012
वृष	08:07:2009	मेष	08:07:2010	मेष	08:07:2011	वृष	07:07:2012
मेष	07:08:2009	वृष	07:08:2010	वृष	07:08:2011	मेष	07:08:2012
मीन	06:09:2009	मिथुन	06:09:2010	मिथुन	06:09:2011	मीन	06:09:2012
कुम्भ	07:10:2009	कर्क	07:10:2010	कर्क	07:10:2011	कुम्भ	07:10:2012
मकर	06:11:2009	सिहं	06:11:2010	सिहं	06:11:2011	मकर	06:11:2012
धनु	07:12:2009	कन्या	07:12:2010	कन्या	07:12:2011	धनु	07:12:2012

मेष भुक्ति		वृष भुक्ति		मिथुन भुक्ति		कर्क भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:2013	मकर	06:01:2014	मकर	06:01:2015	कन्या	06:01:2016
धनु	05:02:2013	धनु	05:02:2014	धनु	05:02:2015	सिहं	06:02:2016
वृश्चिक	08:03:2013	वृश्चिक	08:03:2014	वृश्चिक	08:03:2015	कर्क	07:03:2016
तुला	07:04:2013	तुला	07:04:2014	तुला	07:04:2015	मिथुन	07:04:2016
कन्या	08:05:2013	कन्या	08:05:2014	कन्या	08:05:2015	वृष	07:05:2016
सिहं	07:06:2013	सिहं	07:06:2014	सिहं	07:06:2015	मेष	07:06:2016
कर्क	08:07:2013	कर्क	08:07:2014	कर्क	08:07:2015	मीन	07:07:2016
मिथुन	07:08:2013	मिथुन	07:08:2014	मिथुन	07:08:2015	कुम्भ	07:08:2016
वृष	06:09:2013	वृष	06:09:2014	वृष	06:09:2015	मकर	06:09:2016
मेष	07:10:2013	मेष	07:10:2014	मेष	07:10:2015	धनु	07:10:2016
मीन	06:11:2013	मीन	06:11:2014	मीन	06:11:2015	वृश्चिक	06:11:2016
कुम्भ	07:12:2013	कुम्भ	07:12:2014	कुम्भ	07:12:2015	तुला	07:12:2016

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कन्या दशा (06:01:2017 —— 06:01:2021)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
तुला	06:01:2017	वृश्चिक	06:01:2018	मकर	06:01:2019	मकर	06:01:2020
वृश्चिक	05:02:2017	तुला	05:02:2018	धनु	05:02:2019	धनु	06:02:2020
धनु	08:03:2017	कन्या	08:03:2018	वृश्चिक	08:03:2019	वृश्चिक	07:03:2020
मकर	07:04:2017	सिहं	07:04:2018	तुला	07:04:2019	तुला	07:04:2020
कुम्भ	08:05:2017	कर्क	08:05:2018	कन्या	08:05:2019	कन्या	07:05:2020
मीन	07:06:2017	मिथुन	07:06:2018	सिहं	07:06:2019	सिहं	07:06:2020
मेष	08:07:2017	वृष	08:07:2018	कर्क	08:07:2019	कर्क	07:07:2020
वृष	07:08:2017	मेष	07:08:2018	मिथुन	07:08:2019	मिथुन	07:08:2020
मिथुन	06:09:2017	मीन	06:09:2018	वृष	06:09:2019	वृष	06:09:2020
कर्क	07:10:2017	कुम्भ	07:10:2018	मेष	07:10:2019	मेष	07:10:2020
सिहं	06:11:2017	मकर	06:11:2018	मीन	06:11:2019	मीन	06:11:2020
कन्या	07:12:2017	धनु	07:12:2018	कुम्भ	07:12:2019	कुम्भ	07:12:2020

अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**

अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
तुला दशा (06:01:2021 —— 06:01:2024)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:2021	वृश्चिक	06:01:2022	मकर	06:01:2023		
वृश्चिक	05:02:2021	तुला	05:02:2022	धनु	05:02:2023		
धनु	08:03:2021	कन्या	08:03:2022	वृश्चिक	08:03:2023		
मकर	07:04:2021	सिहं	07:04:2022	तुला	07:04:2023		
कुम्भ	08:05:2021	कर्क	08:05:2022	कन्या	08:05:2023		
मीन	07:06:2021	मिथुन	07:06:2022	सिहं	07:06:2023		
मेष	08:07:2021	वृष	08:07:2022	कर्क	08:07:2023		
वृष	07:08:2021	मेष	07:08:2022	मिथुन	07:08:2023		
मिथुन	06:09:2021	मीन	06:09:2022	वृष	06:09:2023		
कर्क	07:10:2021	कुम्भ	07:10:2022	मेष	07:10:2023		
सिहं	06:11:2021	मकर	06:11:2022	मीन	06:11:2023		
कन्या	07:12:2021	धनु	07:12:2022	कुम्भ	07:12:2023		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

वृश्चिक दशा (06:01:2024 —— 06:01:2026)

मकर भुक्ति		धनु भुक्ति					
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
तुला	06:01:2024	वृश्चिक	06:01:2025				
वृश्चिक	06:02:2024	तुला	05:02:2025				
धनु	07:03:2024	कन्या	08:03:2025				
मकर	07:04:2024	सिहं	07:04:2025				
कुम्भ	07:05:2024	कर्क	08:05:2025				
मीन	07:06:2024	मिथुन	07:06:2025				
मेष	07:07:2024	वृष	08:07:2025				
वृष	07:08:2024	मेष	07:08:2025				
मिथुन	06:09:2024	मीन	06:09:2025				
कर्क	07:10:2024	कुम्भ	07:10:2025				
सिहं	06:11:2024	मकर	06:11:2025				
कन्या	07:12:2024	धनु	07:12:2025				

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
धनु दशा (06:01:2026 —— 06:01:2037)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:2026	मकर	06:01:2027	मकर	06:01:2028	धनु	06:01:2029
धनु	05:02:2026	धनु	05:02:2027	धनु	06:02:2028	मकर	05:02:2029
वृश्चिक	08:03:2026	वृश्चिक	08:03:2027	वृश्चिक	07:03:2028	कुम्भ	08:03:2029
तुला	07:04:2026	तुला	07:04:2027	तुला	07:04:2028	मीन	07:04:2029
कन्या	08:05:2026	कन्या	08:05:2027	कन्या	07:05:2028	मेष	08:05:2029
सिहं	07:06:2026	सिहं	07:06:2027	सिहं	07:06:2028	वृष	07:06:2029
कर्क	08:07:2026	कर्क	08:07:2027	कर्क	07:07:2028	मिथुन	08:07:2029
मिथुन	07:08:2026	मिथुन	07:08:2027	मिथुन	07:08:2028	कर्क	07:08:2029
वृष	06:09:2026	वृष	06:09:2027	वृष	06:09:2028	सिहं	06:09:2029
मेष	07:10:2026	मेष	07:10:2027	मेष	07:10:2028	कन्या	07:10:2029
मीन	06:11:2026	मीन	06:11:2027	मीन	06:11:2028	तुला	06:11:2029
कुम्भ	07:12:2026	कुम्भ	07:12:2027	कुम्भ	07:12:2028	वृश्चिक	07:12:2029

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	06:01:2030	मकर	06:01:2031	मकर	06:01:2032	मकर	06:01:2033
सिहं	05:02:2030	धनु	05:02:2031	धनु	06:02:2032	धनु	05:02:2033
कर्क	08:03:2030	वृश्चिक	08:03:2031	वृश्चिक	07:03:2032	वृश्चिक	08:03:2033
मिथुन	07:04:2030	तुला	07:04:2031	तुला	07:04:2032	तुला	07:04:2033
वृष	08:05:2030	कन्या	08:05:2031	कन्या	07:05:2032	कन्या	08:05:2033
मेष	07:06:2030	सिहं	07:06:2031	सिहं	07:06:2032	सिहं	07:06:2033
मीन	08:07:2030	कर्क	08:07:2031	कर्क	07:07:2032	कर्क	08:07:2033
कुम्भ	07:08:2030	मिथुन	07:08:2031	मिथुन	07:08:2032	मिथुन	07:08:2033
मकर	06:09:2030	वृष	06:09:2031	वृष	06:09:2032	वृष	06:09:2033
धनु	07:10:2030	मेष	07:10:2031	मेष	07:10:2032	मेष	07:10:2033
वृश्चिक	06:11:2030	मीन	06:11:2031	मीन	06:11:2032	मीन	06:11:2033
तुला	07:12:2030	कुम्भ	07:12:2031	कुम्भ	07:12:2032	कुम्भ	07:12:2033

मीन भुक्ति		कुम्भ भुक्ति		मकर भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
वृश्चिक	06:01:2034	तुला	06:01:2035	तुला	06:01:2036		
तुला	05:02:2034	वृश्चिक	05:02:2035	वृश्चिक	06:02:2036		
कन्या	08:03:2034	धनु	08:03:2035	धनु	07:03:2036		
सिहं	07:04:2034	मकर	07:04:2035	मकर	07:04:2036		
कर्क	08:05:2034	कुम्भ	08:05:2035	कुम्भ	07:05:2036		
मिथुन	07:06:2034	मीन	07:06:2035	मीन	07:06:2036		
वृष	08:07:2034	मेष	08:07:2035	मेष	07:07:2036		
मेष	07:08:2034	वृष	07:08:2035	वृष	07:08:2036		
मीन	06:09:2034	मिथुन	06:09:2035	मिथुन	06:09:2036		
कुम्भ	07:10:2034	कर्क	07:10:2035	कर्क	07:10:2036		
मकर	06:11:2034	सिहं	06:11:2035	सिहं	06:11:2036		
धनु	07:12:2034	कन्या	07:12:2035	कन्या	07:12:2036		

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

मकर दशा (06:01:2037 —— 06:01:2040)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति			
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:2037	मकर	06:01:2038	वृश्चिक	06:01:2039		
धन्	05:02:2037	धन्	05:02:2038	तुला	05:02:2039		
वृश्चिक	08:03:2037	वृश्चिक	08:03:2038	कन्या	08:03:2039		
तुला	07:04:2037	तुला	07:04:2038	सिहं	07:04:2039		
कन्या	08:05:2037	कन्या	08:05:2038	कर्क	08:05:2039		
सिहं	07:06:2037	सिहं	07:06:2038	मिथुन	07:06:2039		
कर्क	08:07:2037	कर्क	08:07:2038	वृष	08:07:2039		
मिथुन	07:08:2037	मिथुन	07:08:2038	मेष	07:08:2039		
वृष	06:09:2037	वृष	06:09:2038	मीन	06:09:2039		
मेष	07:10:2037	मेष	07:10:2038	कुम्भ	07:10:2039		
मीन	06:11:2037	मीन	06:11:2038	मकर	06:11:2039		
कुम्भ	07:12:2037	कुम्भ	07:12:2038	धन्	07:12:2039		

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जैमिनी चर दशा

(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)

कुम्भ दशा (06:01:2040 —— 06:01:2044)

तुला भुक्ति		वृश्चिक भुक्ति		धनु भुक्ति		मकर भुक्ति	
अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**
मकर	06:01:2040	मकर	06:01:2041	वृश्चिक	06:01:2042	तुला	06:01:2043
धन्	06:02:2040	धन्	05:02:2041	तुला	05:02:2042	वृश्चिक	05:02:2043
वृश्चिक	07:03:2040	वृश्चिक	08:03:2041	कन्या	08:03:2042	धन्	08:03:2043
तुला	07:04:2040	तुला	07:04:2041	सिहं	07:04:2042	मकर	07:04:2043
कन्या	07:05:2040	कन्या	08:05:2041	कर्क	08:05:2042	कुम्भ	08:05:2043
सिहं	07:06:2040	सिहं	07:06:2041	मिथुन	07:06:2042	मीन	07:06:2043
कर्क	07:07:2040	कर्क	08:07:2041	वृष	08:07:2042	मेष	08:07:2043
मिथुन	07:08:2040	मिथुन	07:08:2041	मेष	07:08:2042	वृष	07:08:2043
वृष	06:09:2040	वृष	06:09:2041	मीन	06:09:2042	मिथुन	06:09:2043
मेष	07:10:2040	मेष	07:10:2041	कुम्भ	07:10:2042	कर्क	07:10:2043
मीन	06:11:2040	मीन	06:11:2041	मकर	06:11:2042	सिहं	06:11:2043
कुम्भ	07:12:2040	कुम्भ	07:12:2041	धन्	07:12:2042	कन्या	07:12:2043

अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**

अंतर	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**	**अंतर**	**से**

जैमिनी चर दशा
(राघवभट्ट् और नरसिंह सूरी का सिद्धान्त)
मीन दशा (06:01:2044 —— 06:01:2052)

वृश्चिक भुक्ति		तुला भुक्ति		कन्या भुक्ति		सिहं भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
मकर	06:01:2044	मकर	06:01:2045	मकर	06:01:2046	धन्	06:01:2047
धन्	06:02:2044	धन्	05:02:2045	धन्	05:02:2046	मकर	05:02:2047
वृश्चिक	07:03:2044	वृश्चिक	08:03:2045	वृश्चिक	08:03:2046	कुम्भ	08:03:2047
तुला	07:04:2044	तुला	07:04:2045	तुला	07:04:2046	मीन	07:04:2047
कन्या	07:05:2044	कन्या	08:05:2045	कन्या	08:05:2046	मेष	08:05:2047
सिहं	07:06:2044	सिहं	07:06:2045	सिहं	07:06:2046	वृष	07:06:2047
कर्क	07:07:2044	कर्क	08:07:2045	कर्क	08:07:2046	मिथुन	08:07:2047
मिथुन	07:08:2044	मिथुन	07:08:2045	मिथुन	07:08:2046	कर्क	07:08:2047
वृष	06:09:2044	वृष	06:09:2045	वृष	06:09:2046	सिहं	06:09:2047
मेष	07:10:2044	मेष	07:10:2045	मेष	07:10:2046	कन्या	07:10:2047
मीन	06:11:2044	मीन	06:11:2045	मीन	06:11:2046	तुला	06:11:2047
कुम्भ	07:12:2044	कुम्भ	07:12:2045	कुम्भ	07:12:2046	वृश्चिक	07:12:2047

कर्क भुक्ति		मिथुन भुक्ति		वृष भुक्ति		मेष भुक्ति	
अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से
कन्या	06:01:2048	मकर	06:01:2049	मकर	06:01:2050	मकर	06:01:2051
सिहं	06:02:2048	धन्	05:02:2049	धन्	05:02:2050	धन्	05:02:2051
कर्क	07:03:2048	वृश्चिक	08:03:2049	वृश्चिक	08:03:2050	वृश्चिक	08:03:2051
मिथुन	07:04:2048	तुला	07:04:2049	तुला	07:04:2050	तुला	07:04:2051
वृष	07:05:2048	कन्या	08:05:2049	कन्या	08:05:2050	कन्या	08:05:2051
मेष	07:06:2048	सिहं	07:06:2049	सिहं	07:06:2050	सिहं	07:06:2051
मीन	07:07:2048	कर्क	08:07:2049	कर्क	08:07:2050	कर्क	08:07:2051
कुम्भ	07:08:2048	मिथुन	07:08:2049	मिथुन	07:08:2050	मिथुन	07:08:2051
मकर	06:09:2048	वृष	06:09:2049	वृष	06:09:2050	वृष	06:09:2051
धन्	07:10:2048	मेष	07:10:2049	मेष	07:10:2050	मेष	07:10:2051
वृश्चिक	06:11:2048	मीन	06:11:2049	मीन	06:11:2050	मीन	06:11:2051
तुला	07:12:2048	कुम्भ	07:12:2049	कुम्भ	07:12:2050	कुम्भ	07:12:2051

अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से	अंतर	से

जातक से संबंधित सामान्य भविष्यफल

सामान्य जानकारी :

आपकी लग्न राशि मेष है, जिसका स्वामी मंगल होने के कारण इसे एक अग्निमय (ऊर्जा से परिपूर्ण) और गतिमान राशि माना जाता है । इसकी प्रकृति आग्नेय होने के कारण यह बल, ऊर्जा और मानसिक तथा शारीरिक शक्तिका प्रतीक है। यह एक क्रोधी, प्रधान (चलायमान या तीव्र) तथा विषुव राशि है। यह राशि पौरूष, उसर, फलदायक, कठोर हृदय तथा हिंसक जैसे दूसरे प्राकृतिक गुणों से भी जुड़ी है।

इस लग्न में जन्म होने के कारण आप साहसी, अंत: प्रेरक, अविवेकी तथा उतावले होगें, परन्तु साथ में ही आप निर्भीक,भयमुक्त तथा दिलेर होगें। बाधाओं से डर कर दूर भागने की बजाये आप उनसे लोहा लेगें, और अपनी सफलताकी मंजिल पर पहुँचे बिना काम को अधूरा छोडकर वापस नहीं लौटेगें। आप में अद्‌भुत जीवन शक्ति होगी। आपमें दूरदर्शिता, कभी न हार मानना, परिश्रमी तथा ऊँचे लक्ष्य प्राप्ति जैसे गुण होगें।

आपके विचार तर्कसंगत और बुद्धिमतापूर्ण होगें। अपने इस गुण के कारण आप अपनी योजनाओं को तथ्यों के आधार पर वैज्ञानिक पद्धति द्वारा एक क्रमबद्ध और व्यवस्थित तरीके से पूरा करेगें। आप अपने बल और उर्जा का प्रयोग करने सेविमुख नही होगें। आप दृढ़, सकारात्मक विचारों वाले तथा तेज-तर्रार होगें। महत्वाकांक्षा के ऊँचे गगन में उडने की अपनी प्रवृत्ति के कारण आप अपने रोजगार में श्रेष्ठ और ऊँचा पद प्राप्त कर सकते हैं। अपने विशिष्ट गुणों के कारण आप जल्दी ही अपनी पहचान बनायेगें तथा आप किसी विभाग, कार्यालय या उपक्रम के अध्यक्ष बन सकते हैं।

यदि अपने कार्यस्थल पर आपको कोई विशेषाधिकार प्राप्त नहीं है, तो आप अपने लिए जल्द ही नए रास्तों की तलाश कर लेगें। आपका व्यवहार कभी-कभी अक्खड़, अशिष्ट एवं अभद्र हो सकता है। यदि कोई आपका प्रतिरोध करता है तो आप उसके प्रति हिंसक हो सकते हैं। इन सबके बावजूद आप उदार, धैर्यवान तथा इन जैसे कुछ अलग और अमूल्य गुणों से संपन्न होगें। आप कला और सौन्दर्य प्रेमी होगें। आपके हमउम्र आपका सम्मान करेगें, आपको अपना समझेगें तथा आपको अपना प्रेरणा स्रोत मानेगें। आप पित्त संबंधी दोषों, जैसे बुखार, पीडा आदि से ग्रसित हो सकते हैं।आप विपरित लिंग के लोगों को पसंद करेगें और छोटी उम्र में ही आपके द्वारा पसंद किए गये व्यक्ति से आपका विवाह हो सकता है। आपको शिशुओं से लगाव होगा और आपकी पहली संतान आपकी ऑखों का तारा होगी ।

शारीरिक संरचना :

आपकी मुखाकृति अण्डाकार और रंगत गुलाबी होगी। आप शरीर से दुबले-पतले लेकिन मजबूत हाथ-पैर वाले होगें और आपमें रोगों से लड़ने की क्षमता अधिक होगी। आपके बाल घुँघराले, नेत्र गोल और दाँत सुव्यवस्थित होगें। आपका कद औसत होगा। आपका चेहरा उमस, ललाट चौड़ा और ठोढ़ी छोटी हो सकती है। आपके चेहरे पर तिल या कटे का निशान हो सकता है।

मानसिक स्थिति :

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा कन्या राशि में स्थित है, जो बुध द्वारा संचालित होता है। यह साधारण, नकरात्मक और भौतिक राशि है। आप शांत स्वभाव के लेकिन चंचल प्रवृति के हो सकते हैं। आप अधिक महत्वाकांक्षी नही हो सकते हैं। आप अहंकारी तथा निराधार वादे करने वालों से घृणा करेगें। आपका बौद्धिक स्तर ऊँचा होगा तथा आप बौद्धिक कार्यों में व्यस्त रहेगें। आप ऐसा कार्य करना पसंद करेगें, जिसमें जिम्मेदारी तथा अधीनस्थता हो। आप शांतिमय तथा तनावमुक्त जीवन पसंद करेगें।

आपका अपने परिवार से लगाव होगा , तथा आपके निकट संबंधी आपके जीवन को आंनदमय तथा खुशहाल बना देगें।

कृषि, कृषि उत्पाद, दवाईयॉ, आयुर्वेद, खाद्य पदार्थ, मिष्ठान तथा घर में प्रयोग किए जाने वाले दूसरे उपकरण आपको आकर्षित करेगें। आप अपने सहयोगियों, वरिष्ठ अधिकारियों तथा अधीनस्थ अधिकारियों से मीठे संबंध विकसित करेगें। यदि आपका कोई घरेलू नौकर है, तो उसका आचरण ठीक होगा, और वो आपका आदर करेगा।

आपका स्वभाव जन्म से ही जागरूक और तेज होगा, फिर भी आप कुछ कम बोलने वाले भी हो सकते हैं, जिसके कारण आप असामान्य रूप से धैर्यवान होगें। कम उम्र में ही आपका पारिवारिक भाग्य क्षीण होने के कारण या घरेलू विवाद, किसी तरह का प्रतिबंध या कमी आपके जीवन को पीछे की ओर खींच सकती है। औपचारिक तौर पर आप विश्लेषण विज्ञान पढ़ेगें, लेकिन हस्तकला में भी गहरी दिलचस्पी होगी, और आप केवल सैद्धांतिक विषय पढ़ने में ही दिलचस्पी नहीं रखेगें, बल्कि व्यावहारिक भी होगें, और आप उनका पूर्णतया उपयोग करने में रूचि रखेगें। आप कुछ नई जानकारियों तथा तथ्यों की खोज कर सकते हैं, या आप रोजमर्रा में प्रयोग किये जाने वाले कुछ उपकरणों का अविष्कार भी कर सकते हैं। समय के साथ –साथ आपकी परिपक्वता और भागीदारी की क्षमता बढ़ेगी, स्वभाव मिलनसार होगा, संवाद बेहतर होगा। शिक्षण या सांस्कृतिक कार्यक्रम के सिलसिले में आपके किसी दूरस्थ स्थान या विदेश जाने की भी संभावना है।

गुण :

आप कर्मठ, मौलिक एवं सक्रिय होगें। साथ ही आप निर्भीक, महात्त्वाकांक्षी, आत्म विश्वास से भरपूर एवं स्वतंत्रता प्रियहोगें। आपकी संकल्प शक्ति काफी मजबूत होगी। आप बाधाओं एवं विषमताओं के खिलाफ लड़ने वाले होगें और उसमें सफलता प्राप्त करेगें।

अवगुण :

आप आवेगी तथा अधीर हो सकते हैं। आप झगड़ालू, हठी, अतिवादी तथा तुनुक मिजाजी हो सकते हैं। आप कोई भी फैसला करने एवं उसे कार्यान्वित करने में जल्दबाजी कर सकते हैं। आपको दूसरे व्यक्तियों की सलाह स्वीकार करने में मुश्किलें हो सकती हैं।

रोजगार :

समाज में आपके नाम तथा यश की पताका फहरेगी। आप व्यापार, उद्योग, कृषि या खनन कार्य में सफलता के शिखर पर पहुँच सकते हैं। आप आग या भट्ठी से संबंधित कार्य जैसे धातु की ढ़लाई, तापोपचार, किसी चीज को पिघलाकर जोड़ने का काम, गढ़ाई, ईंट का भट्ठा, बेकरी जैसे कामों में काफी सफल हो सकते हैं। सेना या पुलिस में भी भर्ती होनाआपके लिये उत्तम फलदायी हो सकता है। आप अभियंता, चिकित्सक, मजदूरों के नेता या अग्नि शामक अधिकारी भी हो सकते हैं।

शुभ एवं अशुभ ग्रह :

१) बुध, शुक्र और शनि अशुभ ग्रह होगें।
२) बुध तीसरे और छठे भाव का स्वामी होने की स्थिति में काफी अशुभ होगा।
३) चंद्रमा तटस्थ है। चंद्रमा पॉचवें या नौवें भाव में होने पर योगकारक होगा।
४) सूर्य (पॉचवें भाव का स्वामी), मंगल (पहले और आठवें भाव का स्वामी), बृहस्पति (नौवें भाव का स्वामी) शुभ होगें।

मेष लग्न वाले कुछ महत्त्वपूर्ण व्यक्ति :

नेताजी सुभाष चंद्र बोस, सरदार बल्लभ भाई पटेल, नरगिस, रीना रॉय, उद्योगपति आर पी गोयनका, डॉ सम्पूर्णानन्द, पृथ्वीराज चौहान, स्मिता पाटिल, क्रिकेटर अजय जडेजा, दार्शनिक रामानुजम

जन्म कुण्डली में प्राप्त विभिन्न ज़्योतिषीय गणनाओं से भविष्यफल

जन्म कालिक ब्राहस्पत्य (संवत्सर) का भविष्यफल–

आपका जन्म दुन्दुभि संवत्सर में हुआ है। जैसाकि नाम से प्रदर्शित होता है, कि आप असाधारण रूप से भाग्यशाली व्यक्तिहोगें। आप स्वतंत्र विचारों, प्रफुल्लित मिजाज, आनन्दपूर्ण प्रकृति और खुले स्वभाव वाले व्यक्तिहोगें। आप अपने सभी कामों में बहुत सफल होगें, और आप धनी तथा सम्पन्न होगें। आप बहुत बुद्धिमान तथा सुशिक्षित होगें, इसके अलावा आप ललित कलाओं की किसी विधा में असाधारण निपुणता प्राप्त करेगें। आपके व्यवसाय का कोई संबंध मनोरंजन के क्षेत्रों से हो सकता है, आप बहुत विख्यात होगें, और राजकीय सम्मान भी प्राप्त कर सकते हैं।

जन्म कालिक सौर अयन का भविष्यफल–

आपका जन्म सूर्य के दक्षिणायण (या यमयायन) में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आप कुछ हद तक दंभी और हठी प्रकृति, या असहिष्णु स्वभाव वाले व्यक्तिहो सकते हैं। यदि कुछ अनुकूल रवि योग कुण्डली (शुभ करतरी, उभयाचरी, वेशी, वोशी आदि) में मौजूद हैं, तो स्थितियों में बेहतरी के लिये सुधार होगा, लेकिन यदि सूर्य पाप करतरी योग में है, या अगली अधिकृत राशि में नैसर्गिक अशुभ ग्रह हैं, तो आप कठोर हृदयी या कपटी हो सकते हैं, आप अपनी जीविका कृषि और/ या मवेशियों के पालन से अर्जित कर सकते हैं, साथ ही आप कुछ ऐसे कामों को करने में संलग्न हो सकते हैं, जहाँ पर पारिश्रमिक किये गये प्रयासों की तुलना में बिल्कुल भी सामंजस्य पूर्ण नहीं हो सकता है।

जन्म कालिक ऋतु का भविष्यफल–

आपका जन्म हेमन्त ऋतु में हुआ है। यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत अनुकूलहैं। आप बहुत बुद्धिमान, विचारवान, ज्ञानी और विवेकी व्यक्तिहोगें। आप एक खुले दिमाग, उदार प्रवृत्ति वाले व्यक्तिहोगें, और हमेशा उचित कामों को करने में संलग्न रहेगें। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, और आप अपनी जीविका एक वरिष्ठ सलाहकार बन कर अर्जित कर सकते हैं। आप एक सुन्दर आचरण और सुशील स्वभाव वाले व्यक्ति होगें– जिससे लोग आपको सम्मान देगें।

जन्म कालिक मास का भविष्यफल–

आपका जन्म पौष मास (दिसम्बर/ जनवरी) में हुआ है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। यद्यपि आप आकर्षक व्यक्तित्व और सुन्दर रूप वाले होगें, फिर भी आपकी संरचना कमजोर हो सकती है– यदि आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। आपको अपने माता पिता से आर्थिक सहायता नहीं प्राप्त हो सकती है, फिर भी आप लापरवाही से व्यय कर सकते हैं। साथ ही, आप रहस्यमयी प्रकृति के हो सकते हैं, और अपने विचार तथा निर्णय अपने तक सीमित रख सकते हैं– जिससे आप अपने शत्रुओं को आघात पहुँचा सकते हैं। सुखद पहलू यह है, कि आप धार्मिक विचारों वाले, पवित्र शास्त्रों के अध्ययन के शौकीन होगें, और विद्वानों तथा धर्मपरायण लोगों का उचित सम्मान करेगें।

जन्म कालिक पक्ष का भविष्यफल–

आपका जन्म कृष्ण पक्ष में हुआ है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो संकेत अनुकूल नहीं हैं। आपकी संरचना कुछ हद तक कमजोर हो सकती है, और आप रोग से ग्रसित हो सकते हैं। आपकी प्रकृति अशांत और स्वभाव अस्थिर हो सकता है। आप पर झगड़ालू होने की छाप लग सकती है। आप बहुत भावुक हो सकते हैं, चीजों को उनके उचित परिपेक्ष्य में देखे बिना आप राई का पहाड़ बना सकते हैं। इसके अलावा, आप कामुक हो सकते हैं, और अपने जीवन साथी की चापलूसी कर सकते हैं।

जन्म कालिक दिन का भविष्यफल–

आपका जन्म वृहस्पतिवार को हुआ है। दिवसपति वृहस्पति की स्थिति आपकी कुण्डली में काफी महत्त्वपूर्ण है। इसका

फल – भाव में इसकी स्थिति के अनुसार – और भी अधिक महत्त्वपूर्ण होगा। इसके अलावा सारी सामान्य स्थिति आपकेपक्ष में है। आप काफी शिक्षित तथा धार्मिक प्रवृति के व्यक्ति होगें। आपके मन में शिक्षक, बड़ो तथा साधु–संतो के प्रति काफी आदर होगा। आपके विशिष्ट व्यवहार कौशल तथा विचारों से लोग आपका सम्मान करेगें। आपके बुद्धिमानी तथा वाकचातुर्य के कारण आप सलाहकार के रूप में काफी आगे जायेगें और काफी धन संचित करेगें।

दिन या रात के जन्म का भविष्यफल–

आपका जन्म दिन के समय हुआ है। यह स्थिति आपके लिए हितकारी है। आप बहुत कर्मठ, उत्साही, मेहनती, और बुद्धिमान व्यक्ति होगें। अपने पिता से सदगुण विरासत में प्राप्त होगें। आप आशावादी होगें और आपका व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आप गुणवत्ता वाले कार्यों के लिए जाने जाएँगें। आपकी आय बढ़िया होगी तथा आपकी मित्रता ऊँचे तबके के लोगों से होगी। आपके गुणों के कारण सामान्य जन आपका आदर और सम्मान करेगें।

जन्म कालिक सुर्य सिद्धान्त योग का भविष्यफल –

सूर्य–सिद्धान्त के अनुसार आपका जन्म अतिगंड योग में हुआ है। यह एक शुभ योग नही है। इस योग में जन्म लेने के कारण आप गले सम्बन्धी रोग से बचपन में पीड़ित हो सकते हैं। आपके जन्म के समय आपके परिवार में प्रतिकूल परिस्थितियॉ हुई होगीं तथा आपके माता का स्वास्थ्य खराब हुआ होगा। आप पाखंडी तथा धोखेबाज प्रवृति के व्यक्ति हो सकते हैं तथा झगड़ालू होने के कारण लोग आपसे दूर रह सकते हैं।

जन्म कालिक तिथी का भविष्यफल–

आपका जन्म अष्ठमी तिथि को हुआ है। अगर कोई शुभ ग्रह चन्द्रमा से जुड़ा हुआ है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो परिणाम काफी लाभदायक होगें। आप काफी विद्वान, बुद्धिमान तथा दूरदर्शी होगें। आप काफी साहसी, निडर तथा बड़े पैमाने के कार्य संभालने में सक्षम होगें। आपका मनोबल ऊँचा, लक्ष्य स्पष्ट और विश्वास दृढ़ होगा, जिसकी वजहसे आप कोई जोखिम या चुनौती लेने में नही हिचकिचाएँगें। आपमें अन्तर्बोध की शक्ति होगी और आपका स्वाभिमान प्रशंसनीय होगा। आपको निश्चित रूप से सफलता प्राप्त होगी, लेकिन जब तक आप उसे पा नही लेगें, आप चैन से नही बैठ सकते। अपने जीवनसाथी और संतानों से आपको हमेशा खुशी प्राप्त होगा।

जन्म कालिक करन का भविष्यफल–

आपका जन्म कौलव करन में हुआ है। यह चर श्रेणी का तीसरा करन है। आप किसी कुलीन परिवार के उत्तराधिकारी हो सकते हैं या आप किसी प्रख्यात परिवार में जन्म लिए हुए हैं। आप धनी, ताकतवर तथा कई मामलों में भाग्यशाली होगें। कभी–कभी आप काफी अक्खड़ हो सकते हैं तब भी आपके अनेक मित्र, सहयोगी तथा अनुयायी होगें। पारिस्थितिक लाभों के कारण आप अपने स्वतंत्र विचारों और कार्यों को प्रभावकारी तरीके से उपयोग करने में सक्षम होगें – जो कि आपको सामान्य लोगों की श्रेणी से अलग करेगा। अगर कोई अशुभ ग्रह चन्द्रमा से जुड़ा हुआ है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो आप कामुक स्वभाव के हो सकते हैं और आपके अव्यवहारिक कार्य चर्चा का विषय बन सकता है।

जन्म कालिक नक्षत्र का भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा हस्त नक्षत्र में स्थित है। जैसाकि चन्द्रमा अपने नक्षत्र में स्थित है, अतः आप कई मामलों मेंभाग्यशाली होगें। आप सक्रिय, संवेदनशील, और विचारपूर्ण व्यक्तिहोगें। आप तीक्ष्ण बुद्धिमान और सुशिक्षित व्यक्ति होगें, इसके अलावा, पवित्र तथा प्राचीन शास्त्रों को पढ़ने में आपकी गहरी रूचि होगी। साथ ही आप ललित कलाओं में कुछ निपुण हो सकते हैं। आप रचनात्मक कल्पनाशीलता और ऊँचे विचारों से पूर्ण होगें। आप लेखक, संपादक, आलोचक आदि के रूप में ख्याति प्राप्त कर सकते हैं। आपके व्यवसाय का कुछ संबंध महापालिका, जलीय कामों, मर्चेंट नेवी, आयात निर्यात आदि से हो सकता है, आपकी आय बहुत उत्तम हो सकती है।

जन्म कालिक लग्न का भविष्यफल–

आपका जन्म मेष लग्न में हुआ है। यह राशिचक्र की प्रथम राशि है, संरचनात्मक रूप से यह एक अग्नि तत्व की चर राशि है– शासित ग्रह मंगल की सकारात्मक राशि। इस राशि में स्थित ग्रह (यदि कोई है) और इस राशि पर ग्रह की दृष्टि(यदि है) के सम्यक प्रभावों के साथ, आप उदीयमान राशि और इसके स्वामी ग्रह मंगल की नैसर्गिक विशेषताओं और विशिष्ट गुणों से पूर्ण होगें। इस राशि के लाक्षणिक महत्व गति और क्रिया हैं। इस राशि का स्वामित्व शरीर के सिर और खोपड़ी के हिस्से पर है। स्वास्थ्य के मामले में आपमें अति उत्तम निरोगी क्षमता होगी, लेकिन आपको अत्याधिक काम करने के जोखिम से बचना चाहिये। आपको लाल रंग प्रिय होगा, आपका भाग्यशाली रत्न लाल मूँगा है, और पसन्दीदा फूल रंगीन खुशबूदार मटर का पुष्प है।

आप में शुभता का नयापन होगा, और नवीन कार्यों का आप सूत्रपात करेगें। आप का जन्म इस संसार में रहने, इसका अवलोकन करने तथा इस पर विजय प्राप्त करने के लिये हुआ है। अपने अन्दर प्रकाशित उत्साह और निडरता का रोशनीसे विभिन्न वांछित दिशाओं में आप विविध क्रियाकलापों का शुभारम्भ करेगें, और लोगों को लक्ष्यों को भेदने के लिये प्रेरित करेगें।

आपका सकारात्मक पक्ष यह है, कि आप सक्रिय भावना के व्यक्तिहोगें, और हमेशा फलदायी और रचनात्मक कार्यों को करने में रत रहेगें। लेकिन ऐसा करने में आपको गंभीर से विचारों के चिन्तन में बहुमूल्य समय बर्बाद नहीं करना चाहेगें– क्योंकि आप इसे बिल्कुल भी आवश्यक नहीं मान सकते हैं। आप बहुत निश्चयपूर्ण होगें, और अपने तरीके सेचीजो को शीघ्र पूरा करवाना चाहेगें– अनुबंधित समयावधि के अन्दर।

हालाँकि कम महत्वपूर्ण पक्ष यह है, कि आप रोब जमाने वाले और हुक्म चलाने वाले हो सकते हैं। आप अपने लोगों को हताश करने की कोशिश कर सकते हैं, और बिना किसी स्पष्ट उद्देश्य और दिशा के बाध्यकारी दुराग्रह के कारण किसी समय आप कार्यों के भ्रामक भँवर जाल में फँस सकते हैं। मात्रा में कमी नहीं होगी– बल्कि यह अधिक हो सकती है, लेकिन गुणवत्ता का अभाव हो सकता है।

आपकी कुण्डली में संचालित ग्रहीय प्रभावों का एकत्रित प्रभाव और आपके द्वारा अपनी मनाशक्तिके प्रयोग का तरीका निर्धारित करेगा, कि आप कौन सा रास्ता चुनना पसन्द करेगें, और आपको उस पर चलने से किस प्रकार के परिणाम वास्तव में मिलेगें।

जन्म कालिक होरा का भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में लग्न मेष राशि के प्रथम होरा में स्थित है– जो सिंह होरा के समकक्ष है। इस युति के कारण आपका कद लम्बा और व्यक्तित्व ओजपूर्ण होगा। लेकिन आप गर्ममिजाज हो सकते हैं, और बदमाश किस्म के लोगों की संगतिपसन्द कर सकते हैं। आपमें अनावश्यक रूप से इधर उधर देखने की विशेष आदत हो सकती है, और आप यह मान सकते हैं, कि आप दूसरों से अधिक चालाक हैं।

जन्म कालिक द्रेष्काण का भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में लग्न मेष राशि के प्रथम देष्काण में स्थित है– जो स्वयं मेष देष्काण के समकक्ष है। इस युति के कारण कुछ मामलों में आप भारी उतार चढ़ाव का सामना कर सकते हैं। आप निडर और साहसी होगें, और विरोध या विवाद के मामले में इन गुणों का प्रयोग करेगें। परिस्थितियों में तीव्र बदलाव के कारण जीवन में किसी समय के दौरान आपको व्यवसाय में एक गंभीर आघात का सामना करना पड़ सकता है। आपके जीवन के बुरे दौर के समय आपके कुछ नजदीक संबंधियों का व्यवहार आपको उनसे दूरी बनाकर रखने के लिये बाध्य कर सकता है, और आपका दृष्टिकोण अचानक बदल सकता है। संभावनाओं के बन्द दरवाजों के बावजूद आप पुन: अवश्य प्रगति करेगें, और जीवन के सुखतथा आराम का आनन्द लेगें। आपके दिमाग में खालीपन होने के कारण आप अपने दु:ख के आँसू चुपचाप पी

सकते हैं, फिर भी दुनिया के सामने आप हमेशा मुस्कराते रहेगें।

जन्म कालिक प्राणपद से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में,प्राणपद १२वें भाव (व्यय भाव) में स्थित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ संशोशनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो कई मामलों में संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। आप बहुत बुद्धिमान या ज्ञानी नहीं हो सकते हैं, और आपके विचार असंतुलित हो सकते हैं। आप नेत्र विकार और रोगों से ग्रसित होसकते हैं। आप बडों का सम्मान नहीं कर सकते हैं, और कुछ नीच या कलंकित कामों को करने में आनन्द प्राप्त कर सकते हैं।

जन्म कालिक गुलिक से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में,गुलिका १२वें भाव(व्यय भाव) में स्थित है। यह एक जरा भी अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो कई मामलों में संकेत बहुत अनुकूल नहीं हैं। आप अपने जीवन साथी और संतानों के मामले में बहुत सुखी नहीं हो सकते हैं। आप रोगी हो सकते हैं, और आपके पैर या ऐडियाँ रोग से पीडित हो सकती हैं। आपको व्यवसाय में आघात लग सकता है। लोग आपको आपके चिडचिडे मिजाज और उत्तेजक प्रकृति के कारण ना पसन्द कर सकते हैं।

जन्म कालिक गण से भविष्यफल–

देव गण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आपका व्यक्तित्व आकर्षक, रूप सुन्दर, आचरण मनोहारी और स्वभाव उदार होगा। आप भगवान के प्रति समर्पित होगें, बड़ों, शिक्षकों और उपदेशकों का आदर करेगें। आपकी आवाज में मिठास होगी, और आप मृदुभाषी होगें। आपकी भूख कम होगी, और आपको सात्विक भोजन पसन्द होगा। आप धनी और सद्गुणी होगें, आप स्तर की प्रसंशा करने और दूसरों के सद्गुणों समझने में सक्षम होगें।

जन्म कालिक से वर्ण से भविष्यफल–

वैश्य (व्यापारी) वर्ण नक्षत्र में जन्म लेने के कारण आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप आध्यात्मिक विकास की तीसरी श्रेणी से संबंध रखेगें, आर्थिक लाभ और धन संग्रह आप का प्रमुख उद्देश्य हो सकता है। शैक्षिणिक उपलब्धियोंऔर आध्यात्मिक उन्नति का आपके लिये बहुत महत्व नहीं हो सकता है, आप आय के मानक और भौतिक अधिग्रहणों के स्तर से अधिक प्रभावित होगें। आप बहुत युक्तिपूर्ण और चतुर होगें– हमेशा अपने हितों को पूरा करने में लगे रहेगें। आपका मनोबल बहुत ऊँचा नहीं हो सकता है, और सिद्धान्त लचीले हो सकते हैं। आप बहुत धनी होगें, और अपने जीवन साथी तथा संतानों से बहुत प्रेम करेगें, फिर भी आप बहुत खुश नहीं हो सकते है– जैसाकि कहीं पर किसी चीज के अभाव के कारण खालीपन महसूस कर सकते हैं। आपकी धन और अधिग्रहणों के प्रति दीवानगी के कारणआपके अपने लोग आपको एक मशीनी यंत्र समझ सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे योग (ग्रह–युति)

कुण्डली में हो लागू हो रहे महत्वपूर्ण योग–

आपकी कुण्डली में, लग्नेश अनुकूल भाव में स्थित है, लग्नेश की राशि का स्वामी भी अनुकूल भाव में स्थित है। समग्ररूप से यह बहुत अनुकूल युति है, और इसे सफल काम योग कहते हैं। आप जन्मजात भाग्यशाली होगें, और अपने सभी प्रयासों में सफल होगें। लोग आपको पारस मान सकते हैं, जो मिट्टी को भी छू कर सोना बना सकता है। आपकी सभी महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और सभी अवलम्बित अभिलाषायें पूर्ण होगीं।

आपकी कुण्डली में, एक विशेष ग्रह एक राशि में अकेले स्थित है, चार ग्रह इसकी छः पूर्ववर्ती राशियों में स्थित हैं, जबकि शेष चार ग्रह इसकी छः अनुवर्ती राशियों में स्थित हैं। यह एक बहुत अनुकूल योग,अनिवाहप्पू योग का निर्माण करता है। आपकी कुण्डली में, इस योग की उपस्थिति के कारण आप विशिष्ट क्षमता के व्यक्तिहोगें, और अवश्य ही एकप्रभावशाली मुकाम तक पहुँचेगें। जहाँ एक तरफ आप विशिष्टों या अधिकारियों से सक्रिय मदद प्राप्त करेगें, वहीं दूसरी तरफ आपके भारी संख्या में समर्पित अनुयायी होगें। (हालाँकि यदि अनिवाहप्पू योग बनाने वाला एकाकी ग्रह एकसे अधिक अशुभ ग्रहों की दृष्टि के कारण पीड़ित है, इस योग का प्रभाव परिणामस्वरूप कम हो जायेगा, ऐसे में आपएक कमाण्डर या प्रबंध निदेशक होने के बजाय, केवल एक कप्तान या साधारण सुपरवाइजर तक ही सीमित रह सकतेहैं।)

आपकी कुण्डली में, लग्नेश की राशि का स्वामी तुंगस्थ या अपनी राशि में स्थित है। इसके अलावा यह केन्द्र या त्रिकोणभाव में स्थित है। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति, पर्वत योग (मंत्रेस्वर फल दीपिका के अनुसार) का निर्माण करती है। इस शुभ योग की उपस्थिति के कारण आप बहुत भाग्यशाली होगें, आपको प्राचीन धार्मिक ग्रंथों और पवित्र शास्त्रों का ज्ञान और वाग्मिता का उपहार प्राप्त होगा, आपका परोपकारी स्वभाव होगा। इसके अलावा, आप गौरवशाली और उत्साही होगें,और शहर/ कस्बे/गाँव/ समाज में बहुत आदरणीय व्यक्तिहोगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश की राशि का स्वामी बली है– जैसाकि यह तुंगस्थ या अपनी राशि में है, इसके अलावा यह एक केन्द्रीय भाव या त्रिकोण भाव में स्थित हैं। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति, काहल योग का निर्माण करती है (मंत्रेस्वर फल दीपिका के अनुसार)। इस शुभ योग में जन्म के कारण आप बहुत ऊर्जावान, कलात्मक और साहसी होगें, आपको शक्तिऔर अधिकार वाला पद प्राप्त होगा, और आप अपने कार्यक्षेत्र में नियंत्रण रखेगें। आप एक पुलिस अधिकारी / तहसीलदार / जिलाधीश हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश तुंगस्थ राशि में है, और केन्द्रीय भाव में स्थित है। इसके अलावा, बृहस्पति की इस पर दृष्टि है। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति, चामर योग का निर्माण करती है। इस शुभ योग में जन्म लेने के कारण आप कला और साहित्य में उत्तम प्रकार निपुण, और वाग्मिता के उपहार से पूर्ण होगें। आप बहुत प्रसिद्ध अध्ययनकर्त्ता होगें, और राज्य / देश के ऊँचे अधिकारियों से उचित संरक्षण और प्रशंसा प्राप्त करेगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश तुंगस्थ या अपनी राशि में है, इसके अलावा, अन्य ग्रह भी तुंगस्थ या अपनी राशि में है, जो केन्द्रीय भाव या त्रिकोण भाव में स्थित है। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति, मृदंग योग का निर्माण करती है। इस योग में जन्म लेने के कारण, आप बहुत सम्पन्न और प्रभावी व्यक्तिहोगें। आपको शक्तिऔर अधिकार से पूर्ण पद अवश्य मिलेगा, और आप आराम तथा शान से जीवन व्यतीत करेगें। आपको जीवन में उत्तम चीजो का शौक हो सकता है, और आप कलात्मक वस्तुओं के कद्रदान हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश, ३रे, ६ठे, ८वें और १२वें भाव के अलावा किसी भाव में स्थित है, सप्तमेश की राशि का स्वामी ७वें भाव में है । यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे महा योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस शुभ युति के होने के कारण, आपको धन की देवी का वरदान प्राप्त होगा, और राज्य और अधिकारियों से सम्मान और लाभ प्राप्त करेगें। आप अपने जीवन साथी, संतान, संबंधियों और मित्रों के साथ अपना जीवन आराम और शान के साथ व्यतीत करेगें। आपको समाज में काफी सम्मान प्राप्त होगा, और आपकी विश्वसनीयता, सम्मान, यश और प्रतिष्ठा में हमेशा वृद्धि होगी।

आपकी कुण्डली में, दशमेश, ३रे, ६ठे, ८वें और १२वें भाव के अलावा किसी भाव में स्थित है, दशमेश की राशि का स्वामी १०वें भाव में है । यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे महा योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस शुभ युति के होने के कारण , आपको धन की देवी का वरदान प्राप्त होगा, और राज्य और अधिकारियों से सम्मान और लाभ प्राप्त करेगें। आप अपने जीवन साथी, संतानों, संबंधियों और मित्रों के साथ अपना जीवन आराम और शान के साथ व्यतीत करेगें। आपको समाज में काफी सम्मान प्राप्त होगा, और आपकी विश्वसनीयता, सम्मान, यश और प्रतिष्ठा में हमेशा वृद्धि होगी।

आपकी कुण्डली में, पंचमेश बली नहीं है– तुंगस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में नहीं होने के कारण। इसके अलावा, यह केन्द्रीय भाव या त्रिकोण भाव में है। इस युति को एक पुत्र योग कहते हैं। यदि कुछ बली संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपके केवल एक संतान हो सकती है– जो काफी हद तक एक पुत्र होगा।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। इसके अलावा, यह एक नैसर्गिक शुभ ग्रह बुध के साथ है या उसकी दृष्टि इस पर है। यह एक अनुकूल युति है, जिसे सत कलत्र योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के गुणों कारण ,जीवन साथी के मामलें में, आप बहुत भाग्यशाली होगें– जो एक कुलीन परिवार से होंगी, और सद्गुणोंऔर विशेषताओं से भरपूर होंगी।

आपकी कुण्डली में, विवाह का नैसर्गिक कारक शुक्र वक्री या अस्त या ग्रसित नहीं है। इसके अलावा, यह नैसर्गिक शुभग्रह बुध के साथ है या उसकी दृष्टि इस पर है। यह एक अनुकूल युति है, जिसे सत कलत्र योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के गुणों कारण, जीवन साथी के मामलें में, आप बहुत भाग्यशाली होगें– जो एक कुलीन परिवार से होंगी, और सद्गुणों और विशेषताओं से भरपूर होंगी।

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश एक नैसर्गिक शुभ ग्रह है, और लग्नेश से केन्द्रीय या त्रिक भाव में है। यह बली है –जैसाकि यह तुगंस्थ या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में है, और अस्त या ग्रसित नहीं है। समग्ररूप से, यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे स्ववीर्य धन योग कहते हैं। आपकी कुण्डली में इस योग के गुणों कारण, आप असाधारण क्षमताओं और मजबूत कामना शक्तिके स्वामी होगें। आप अपने भाग्य के निर्माता स्वयं होगें। आप आराम और शान के साथ अपना जीवन व्यतीत करेगें।

आपकी कुण्डली में, तृतीयेश तुगंस्थ है, और नवांश या चर राशि में स्थिति है। इसके अलावा, यह एक या अधिक नैसर्गिक अशुभ ग्रहों के साथ है, जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह साथ में स्थित नहीं है, या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति नहीं है, जिसे पूर्व दृढ़चित्त योग कहते हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप किसी चुनौतीपूर्ण काम को करने से पहले बहुत साहसी होने का दिखावा कर

सकते हैं, लेकिन वास्तविक परिस्थिति का सामना करते समय आप विचलित और डर सकते हैं, तथा बहुत असहाय महसूस कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश एक नैसर्गिक शुभ ग्रह साथ में है, और यह केन्द्रीय या त्रिक भाव में स्थित है। समग्ररूप से यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे युक्तिसमन्वित वाग्मि योग कहते हैं। आपको वाक्पटुता का नैसर्गिक उपहार प्राप्त होगा, और अपनी अकाट्य तर्क शक्तिऔर भाषण दक्षता के कारण आप सुविख्यात होगें। आप सभाओं में अपनी चमक बिखेर सकते हैं, और सम्मान प्राप्त कर सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे धन योग –

आपकी कुण्डली में २वें भाव(धन) का स्वामी उत्तम स्थिति में है, आप आर्थिक रूप से सम्पन्न होगें, आपको एक मोहकपद प्राप्त होने की काफी संभावना है, और आपको उत्तम नौकरी प्राप्त होगी– संभवतः आपके पेशे का संबंध बीमा,प्रॉविडेन्ट फंड, राजस्व आदि से हो सकता है। साथ ही, आपको अपनी शादी या व्यावसायिक भागीदार से आर्थिक लाभ प्राप्त होगें, साथ ही, आप कुछ प्रमुख वित्तीय संस्थानों से, अपना नया उपक्रम शुरू करने के लिये भारी ऋण प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में लग्नेश(स्वयं), नवमेश (भाग्य) और दशमेश (व्यवसाय) बहुत शक्तिशाली हैं, और लाभकारक योग में हैं, आप बहुत धनी होगें, और जीवन में एक बहुत ऊँचा स्थान हासिल करेगें।

आपकी कुण्डली में बहुत ही शुभ युति बन रही है। अपने स्वयं के कठिन प्रयत्नों और अपनी मनाशक्तिके द्वारा आप अपने समकालीनों से बहुत बधिक प्रगति करेगें। आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत होगी, और अवलम्बित अभिलाषायें पूरीहोगीं। आपके चारों तरफ के लोग आपको एक अनुकरणीय और प्रेरणादायक व्यक्तिमानेगें। आप अपने जीवनसाथी, संतान, संबंधी और मित्रों के साथ एक खुशहाल और समृद्धिपूर्ण जीवन व्यतीत करेगें।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, ११वाँ भाव वायु तत्व की राशि के साथ है, आप अपने जन्मस्थान या निवास स्थान से पश्चिम की दिशा में स्थित जगहों पर या से उत्तम लाभ कमा सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश और एकादशेश केन्द्रीय भाव में स्थित है। आप बहुत सक्रिय व्यक्तिहोगें, और अपने सक्रिय व्यवसायों से काफी उत्तम आय अर्जित करेगें। एक व्यवसाय में सफल होने के बाद आप दूसरे संबंधित फिर भी भिन्न क्षेत्र की तरफ मुड़ सकते हैं, उसमें भी आप भारी सफलता प्राप्त करेगें।

कुण्डली में लागू हो रहे वित्तहानि योग–

आपकी कुण्डली में, द्वितीयेश (धन) की दृष्टि, द्वादशेश के नवांश राशि के स्वामी पर है। यह एक वित्तहानि योग है। आप धनी व्यक्तिनहीं हो सकते हैं। आप आदतन फिजूलखर्ची हो सकते हैं, इसके कारण आपको बाद की आयु में आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

कुण्डली में लागू हो रहे नभष योग–

आपकी कुण्डली में मौजूद इस नभस योग को पाश योग कहते हैं। यह एक बहुत अनुकूल युति नहीं है, और आपको अपने जीवन के किसी दौर में विषमताओं और बाधाओं के खिलाफ संघर्ष करना पड़ सकता है। आप विनम्रतापूर्वक औसत पारिश्रमिक पर दूसरों की सेवा कर सकते हैं, और आपको उचित सम्मान प्राप्त नहीं हो सकता है। यद्यपि आप कार्य में निपुण हो सकते हैं, फिर भी आपका स्वभाव विद्वेषपूर्ण हो सकता है। कभी – कभी आप अपने शिष्टाचार को भूल सकते हैं, और मर्यादा को भंग कर सकते हैं। पारिस्थितिक अनिवार्यता के कारण आपको अपनी पसन्द के विरूद्ध किसी स्थान पर रहना पड़ सकता है।

कुण्डली में लागू हो रहे रवि योग-

आपकी कुण्डली में सूर्य से दूसरे भाव में चन्द्रमा के अलावा एक ग्रह मौजूद है, और ऐसा ही ग्रह सूर्य से १२वें भाव में स्थित है, यह एक ग्रह युति बनाता है, जिसे उभयचरी योग कहते हैं। जैसाकि इन दोनों में से एक ग्रह प्राकृतिक रूप से शुभ ग्रह हैं, जबकि दूसरा ग्रह प्राकृतिक रूप से अशुभ ग्रह है। यह युति की शुभता मध्यम होगी, क्योंकि आपकी कुण्डली में सूर्य मिश्रकरतरी योग में है। इस पूरी युति को उभयचरी मिश्र करतरीयोग कहते हैं। आपकी कुण्डली में मौजूद इस युति के कारण, आपका जन्म समृद्ध परिवार में हुआ है, और आप अपने जीवन के लगभग मध्य आयु काल में निश्चित रूप से विशिष्ट स्थान तक पहुँचेगें। आपको सरकारी साधनों से लाभ प्राप्त होगा, और जीवन के सुखों और आराम का आनन्द मिलेगा। हालाँकि आपको अपनी नेत्रदृष्टि में कुछ छोटी परेशानियाँ हो सकती हैं, और आपके आर्थिक मामलों में कुछ उतार चढ़ाव आ सकते हैं।

कुण्डली में लागू हो रहे चन्द्र योग-

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा से दूसरे भाव में एक ग्रह (सूर्य के अलावा) मौजूद है, यह एक ग्रह युति बनाता है, जिसे सुनफा योग कहते हैं। इस युति की उपस्थिति के कारण, आप बहुत बुद्धिमान होगें, आपकी आय बहुत उत्तम होगी,और आप धनी होगें। आप अपने मित्रों और संबंधियों के साथ, जीवन के ढ़ंग और आराम का आनन्द लेगें।

कुण्डली में लागू हो रहे पंच-महापुरूष योग-

आपकी कुण्डली में, मंगल लग्न से केन्द्र में स्थित है, इसके अलावा यह बली है, जैसाकि यह तुगंस्थ राशि (या अपनीराशि) में है। यह एक रूचक योग युति है, जो पंच-महापुरूष योगों में से एक है। यद्यपि इस वर्ग के योगों का सामान्य नाम कुछ हद तक भ्रमित करने वाला प्रतीत होता है, तो भी यह एक उत्तम योग है। यह भौतिक सुखों में वृद्धि को दर्शाता है, और सामान्य समृद्धि को सुनिश्चित करता है। आप बली, वीर और कुछ हद तक अक्खड़ प्रवृति के होगें।आप अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगें, और साहसी तथा वीरतापूर्ण कार्यों से धन प्राप्त करेगें। जैसाकि आपकी कुण्डली में मंगल अस्त (ग्रहण / वक्री) नहीं है, इस योग के लाभकारी प्रभाव काफी महत्वपूर्ण होगें।

आपकी कुण्डली में, शुक्र लग्न से केन्द्रीय राशि में स्थित है, इसके अलावा यह बली है, जैसाकि यह तुगंस्थ राशि (या अपनी राशि) में है। यह शश योग है, जो पंच-महापुरूष योगों में से एक है। यद्यपि इस वर्ग के योगों का सामान्य नाम कुछ हद तक भ्रमित करने वाला प्रतीत होता है, तो भी यह एक उत्तम योग है। यह भौतिक सुखों में वृद्धि को दर्शाता है, और सामान्य समृद्धि को सुनिश्चित करता है। आप कुछ सीमित लोगों से विशिष्ठ होगें, और दूसरों से लाभ प्राप्त करेगें, लेकिन अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिये आपके प्रयासों में ईमानदारी का अभाव हो सकता है। जैसाकि आपकीकुण्डली में शनि अस्त (ग्रहण / वक्री) नहीं है, इस योग के लाभकारी प्रभाव काफी महत्वपूर्ण होगें।

ग्रहों की भावगत और राशिगत स्थिति से भविष्यफल

जन्म कालिक सूर्य की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में सूर्य धनु राशि में स्थित है। जैसाकि सूर्य मित्र राशि में सुव्यवस्थित है, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आप चौड़े गठन की भव्य और प्रभावी शारीरिक संरचना से पूर्ण होगें। आप बहुत उत्साही, ऊर्जावान और सदा आशावादी होगें। आप एक विद्वान, बुद्धिमान और विवेकी व्यक्तिहोगें, लोग आपके विचारों और मतों को मानतथा महत्व देगें, और आपको बहुत सम्मान देगें। आप बड़ों, सदाचारी लोगों का आदर करेगें, और धर्म तथा ईश्वर में आस्था रखेगें। यद्यपि आप अन्दर से शांतिप्रिय होगें, फिर भी सुरक्षा के उद्देश्य से आपकी मार्शल आर्ट में महारत हासिल करने में बहुत रूचि हो सकती है, आप अपनी विद्वता का कुशलता से उपयोग ईमानदार योग्य लोगों को उचित प्रशिक्षण देने में कर सकते हैं। आपको अपने कार्य क्षेत्र में विशिष्टता प्राप्त होगी, और आप कई अनुयायिओं की प्रेरणाका स्रोत होगें।

आपकी कुण्डली में सूर्य ६वें भाव में स्थित है। जैसाकि आपका लग्न मेष है, पंचमेश सूर्य की ६वें भाव में स्थिति एकबहुत अनुकूल युति है। आपको अपने प्रशंसनीय कामों का फल प्राप्त होगा, और आप प्रचुरता तथा भरपूरता से पूर्णहोगें– जैसाकि भाग्य हमेशा आपके साथ है। आप एक विद्वान और बुद्धिमान व्यक्तिहोगें, और एक सम्मानपूर्ण पद को प्राप्त करेगें। आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, और भारी रूचि के साथ पवित्र ग्रंथों और प्राचीन शास्त्रों का अध्ययन करेगें। आपका कई भाषाओं (विदेशी भाषा सहित) पर उत्तम नियंत्रण हो सकता है। आपकी प्रथम संतान एक योग्य पुत्र होगा– जो आपके परिवार के गौरव और आनन्द का कारण होगा।

जन्म कालिक चन्द्रमा की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा कन्या राशि में स्थित है। इस कारण से आप कई संबंधों में भाग्यशाली होगें। आप सुन्दर रूप, आकर्षक व्यक्तित्व, ओजपूर्ण व्यवहार, मनोहारी स्वभाव और उदार प्रकृति वाले व्यक्तिहोगें। आप एक ज्ञानी और पवित्र और प्राचीन शास्त्रों के विद्वान व्यक्तिहोगें। आप मृदुभाषी और दूसरों के प्रति वास्तविक करूणा रखने वाले होगें। जीवन में आप बहुत विख्यात होगें, और आपके मित्रों और परिचितों का दायरा बहुत बड़ा होगा। आप विपरीत लिंग के अनुकूल लोगों की संगति के बहुत शौकीन होगें। आपका विवाह फलदायी होगा, आपके पुत्रियाँ अधिक हो सकती हैं, आपका घरेलू जीवन बहुत खुशहाल और आनन्दमय होगा। आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, आप परम्पराओं का नियमित रूप से निर्वाहन करेगें, अपेक्षाकृत कम आयु से प्रवचन सुनेगें, और पवित्र तीर्थों की यात्रा करेगें।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा ६ठे भाव में स्थित है। यह एक अनुकूल स्थिति नहीं है, इस कारण से आप अपनी किशोरावास्था में कई रोगों से ग्रसित हो सकते हैं, और आपका स्वास्थ्य बहुत नाजुक हो सकता है। आपका भाग्य बहुत स्थिर नहीं हो सकता है, और आपको परिवर्तनीय परिस्थितियों, दशाओं और वातावरणों से गुजरना पड सकता है। यदि चन्द्रमा बली है, तो आपको अपनी बहन और ननिहाल के लोगों से खुशियाँ प्राप्त होगीं। लेकिन यदि चन्द्रमा बलि नहीं है, तो आपको इनसे कष्ट मिल सकता है, और अपनी सौतेली माता से भी आपको पीडा और वेदना मिल सकती है। यदि आप रोजगार कर रहे हैं, तो आपको अपने कर्मचारियों को व्यस्थित करने मे परेशानी हो सकती है, लेकिन यदि आपनौकरी कर रहें हैं, तो आपकी नौकरी की दशायें बहुत संतोषजनक नहीं हो सकती हैं।

जन्म कालिक मंगल की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में मंगल मकर राशि में स्थित है। इस कारण से आप कई मामलो में भाग्यशाली होगें, हलाँकि, यदि मंगल नवांश कुण्डली में नीचस्थ है, तो परिणाम बिल्कुल विपरीत हो सकते हैं। आप बहुत साहसी और निडर होगें, और अपने विरोधियों तथा शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेगें। आप बहुत उत्साही,ऊर्जावान, आशावादी, सक्रिय और उद्यमी होगें। अपने प्रयासों को विवेकपूर्ण तरीके से निर्देशित करके अपने सभी प्रयासों में सफलता प्राप्त करेगें। आप सेना,

पुलिस आदि सक्रिय सेवाओं में उत्तम कार्य कर सकते हैं, या अपना व्यापार करके धन कमा सकते हैं। आप भूमि और भवन के व्यापार , निर्माण सामग्री, होटल/ रेस्त्रा, मशीन, लौह और इस्पात, रसायन आदि के व्यवसाय से उत्तम आय प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में मंगल १०वें भाव में स्थित है। यदि मंगल मेष या वृश्चिक या मकर राशि में स्थित है,तो आप बहुत भाग्यशाली होगें– जैसाकि आप रूचक योग(एक पंचमहापुरूष योग युति) के लाभकारी परिणामों का आनन्द प्राप्त करेगें। इस कारण से आप बहुत ऊर्जावान और प्रतापी होगें, और अपने साहसी कामों के बल पर अपने उद्देश्यों को प्राप्त करेगें। आप मंत्रों और यंत्रों में निपुण होगें। यदि मंगल किसी अन्य राशि में स्थित है, तोआप बहुत भाग्यशाली होगें– जैसाकि यहाँ पर मंगल को दिक् बल प्राप्त है, आप अपने व्यवसाय के क्षेत्र में बहुत प्रगति करेगें, लेकिन फिर भीआपको सावधान रहना चाहिये– जैसाकि आपक निंदा और अपमान का शिकार हो सकते हैं।

जन्म कालिक बुध की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में बुध मकर राशि में स्थित है। इस कारण से आप कुछ मामलो में भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं–यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं। आप बुद्धिमान नहीं हो सकते हैं, फिर भी अपने को बहुत चतुर समझ सकते हैं, इसके अलावा, आप अर्थहीन पूर्वाग्रहों से ग्रसित हो सकते हैं, और स्वमहत्व की झूठी भावना पाल सकते हैं। अपनी अवास्तविक आशाओं के कारण आपको कोई प्रगतिकारी उपलब्धि प्राप्त नहीं हो सकती है, और अपने उद्देश्यों को गुप्त तरीकों और नीच कामों के द्वारा प्राप्त करने की कोशिश कर सकते हैं। आपके सपने किसी दिन बिखर सकते हैं, और आप अकेले निराशा और असफलता के अँधेरों में गुम हो सकते हैं। आपके मित्र और संबंधी आपको छोड सकते हैं, और आप कई वेदनाओं से पीडित हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध १०वें भाव में स्थित है। यदि बुध मिथुन या कन्या राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें– जैसाकि आपको भद्र योग (पंचमहापुरूष योग युति) का सुख मिलेगा। इस कारण से, आप एक विद्वान, बुद्धिमानऔर मृदुभाषी व्यक्तिहोगें, इसके अलावा, आप अपने सभी कामों में निडर और सफल होगें। कुछहद तक गोपनीय होने के कारण आपके संबंध अपने से आत्मीय नहीं हो सकते हैं। आप एक विद्वान व्यक्तिहोगें, और लोग आपको सम्मान तथा आदर देगें। यदि बुध मीन में स्थित है, तो आप एक व्यापार कर सकते हैं। यदि किसी और राशि मेंहै, तो आप अशांत प्रकृति और अनिश्चित स्थिति वाले हो सकते हैं। आपके व्यवसाय का संबंध साहित्य या स्कूल सेहो सकता है, या आप कमीशन ऐजेंसी चलाकर कर लाभ कमा सकते हैं।

जन्म कालिक बृहस्पति की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में बृहस्पति वृश्चिक राशि में स्थित है। इस कारण से आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें– लेकिन कुछ अन्य मामलों में ऐसा नहीं हो सकता है। हलाँकि यदि आपका लग्न मेष है,और बृहस्पति अपने नक्षत्र में नहीं स्थितहै,तो आप भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं, और कुछ रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं। आप एक विद्वान होगें, और गहन रूचि के साथ पवित्र प्राचीन शास्त्रों का अध्ययन करेगें। आपका धार्मिक रूझान बहुत उत्कृष्ट होगा, और आप मूर्त ध्यानयोग का अभ्यास कर सकते हैं। आप कमेंन्टेटर के रूप में कुछ ख्याति प्राप्त कर सकते हैं, और धार्मिक तथा जन कल्याण की संस्थाओं का निर्माण करवा सकते हैं। लेकिन रोगों और शत्रुओं के कारण आपको परेशानी हो सकती है, और आप विक्षोभ के कारण कोई तिरस्कारपूर्ण काम कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बृहस्पति ८वें भाव में स्थित है। इस कारण से, आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप दीर्घायु होगें, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आप से मुक्तछोटे मोटे झगडो रहेगें, और विरासत, पैतृक सम्पत्ति आदि से उत्तमलाभ प्राप्त करेगें। आप आर्थिकरूप से सम्पन्न होगें, और आपका जीवन साथी धनी परिवार से होगा, लेकिन आपकीसंतानों का स्वास्थ्य और सुख आपकी चिन्ता का कारण हो सकता है। यदि बृहस्पति धनु या मीन या कर्क राशि में

स्थित है, तो आपका जीवन सम्पन्नता से पूर्ण होगा, लेकिन यदि मकर राशि में स्थित है, तो आपको विषम परिस्थितियों में कठिन संघर्ष करना पड सकता है। यदि बृहस्पति किसी अन्य राशि में स्थित है, या किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह से पीडित है, तो आपका दृष्टिकोण विकृत हो सकता है, आपमें अपने साथियों के प्रति सहानुभूति की भावना का लोप हो सकता है, और आप जानवरों के प्रति भी निर्दयी बन सकते हैं।

जन्म कालिक शुक्र की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में शुक्र मकर राशि में स्थित है। जैसाकि शुक्र इस राशि में सुव्यवस्थित नहीं है, आप कुछ मामलो में भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। आप किसी रोग से ग्रसित हो सकते हैं, आपका शरीर कमजोर हो सकता है, और आप कंजूस हो सकते हैं। जैसाकि वादों को पूरा करना आपकी आदत नहीं हो सकती है,अत: लोग आप पर विश्वास नहीं करसकते हैं। आपको दूसरों के मामलों में अधिक रूचि हो सकती है, कुछ अन्य के पास होने वाली किसी चीज का स्वयं के पास अभाव होने की सोच आपको अप्रसन्न कर सकती है। आपका वैवाहिक जीवन ना ही खुशहाल हो सकता है, और ना ही लम्बे समय तक रहने वाला हो सकता है। हलाँकि बाद की आयु में आपकी संभावनायें उत्तम हैं, और आप जीवन के उस भाग में काफी सुखी होगें।

आपकी कुण्डली में शुक्र १०वें भाव में स्थित है। यदि शुक्र वृषभ या मीन या तुला राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें– जैसाकि आपको मालव्य योग (एक पंचमहापुरूष युति)का सुख प्राप्त होगा। इस कारण से आपमें कईवांछित गुण होगें, और आप जीवन के सभी प्रकार के आरामों और सुखों का आनन्द प्राप्त करेगें, आपको मौजमस्ती प्रिय हो सकती है, लेकिन आप अपने सभी प्रयासों में सफल होगें। आपका जीवन साथी स्वस्थ, आवेगी, सहयोगी और आप से लगाव रखने वाला होगा। आप हमेशा उत्तम कार्य करने में रत रहेगें, और उत्तम कार्यों के लिये उदारता पूर्वक दान करेगें। आपके मित्र ऊँचे पदों पर होगें, और लोग सदा आपको बहुत सम्मान देगें। यदि शुक्र किसी और राशि में स्थित है, तो आप भविष्यवक्ता हो सकते हैं, और शाकुन विद्या में आपकी रूचि हो सकती है, साथ ही आप कुछ कलात्मक कार्यों में रत हो सकते हैं।

जन्म कालिक शनि की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में शनि तुला राशि में स्थित है। इस कारण से आप तीव्र बुद्धिमान होगें, और आप ऊँची शिक्षा ग्रहण करेगें। आपके जीवन में किसी समय आपके व्यवसाय का संबंध उद्योग और श्रम/ श्रमिक से हो सकता है। आप सावधान और सजग होगें, और अध्ययनशील तथा प्रेक्षण की प्रकृति से पूर्ण होगें। आप धैर्य और निरन्तर परिश्रमशील होने के गुणों से पूर्ण होगें। आप एक सख्त अनुशासक ,व्यहार में बहुत व्यवस्थित और क्रमिक, अत्याधिक परिश्रमी औरसौदों में एकरूप होगें। चीजों में हडबडी करने और अपरिपक्व निर्णयों पर पहुँचने के बजाय, आप विवेकपूर्ण तरीके से हर पहलू पर जाँच करने के बाद अपना निर्णय लेगें। आपके मित्रों के बीच में कई आपके प्रशंसक होगें, और परिचितों के दायरे में कई समर्थक होगें। आपको स्वयं के द्वारा किये गये प्रयासों का फल प्राप्त होगा, और आप अपने जीवन में एक विशिष्ट व्यक्तिहोगें। आपमें विपरीत लिंग के किसी व्यक्तिके साथ घनिष्ठ संबंध बनाने की लालसा हो सकती है, लेकिन परिस्थितियों के कारण आपकी यह कामना अधूरी रह सकती है।

आपकी कुण्डली में शनि ७वें भाव में स्थित है। यह एक लाक्षणिक स्थिति है, आप कुछ मामलों में भाग्यशाली हो सकतेहैं, जबकि अन्य दूसरे मामलों में परिणाम बिल्कुल विपरीत होगें। जैसाकि शनि इस स्थिति में दिक्बल प्राप्त करता है, आप युक्तिपूर्ण और कूटनीतिक होगें, और सार्वजनिक व्यवहारों तथा विदेशी मामलों में बहुत भाग्यशाली होगें। आप निजीसंगठनों में जिम्मेदार पदों पर काम कर सकते हैं, और बाद में अपना एक नया उपक्रम शुरू कर सकते हैं– जो औद्योगिक हो सकता है। आप आश्रित अधीनस्थों और भरोसेमंद कर्मचारियों को रखने के मामले में भाग्यशाली होगें। हलाँकि विवाह के मामले में स्थिति बहुत उत्तम नहीं है, आपके जीवन साथी की प्रकृति धीरे–२ भावुक और माँग करने वाली हो सकती है। यदि शनि कुम्भ या मकर या तुला राशि में स्थित है, तो आप बहुत भाग्यशाली होगें–जैसाकि

आपको शश योग (एक पंचमहापुरूष युति)के लाभकारी परिणामों का सुख प्राप्त होगा। आप एक महत्वपूर्ण और सम्मानीय व्यक्तिकी तरह समाज में जाने जायेगें, लेकिन आपको अपने से संबंधियों से दूर रहना पड सकता है।

जन्म कालिक राहु की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में राहु ३रे भाव में स्थित है। इस कारण से आप साहसी होगें, लेकिन कई छोटी चिन्ताओं और तंगियों के कारण परेशान रह सकते हैं। हलाँकि आपके सगे छोटे भाई बहनों के लिये यह स्थिति अनुकूल नहीं हो सकती है, औरयदि चन्द्रमा भी राहु के साथ है, तो आपकी माता के विचार कुछ हद तक संशयपूर्ण हो सकते हैं। यदि आप हस्तशिल्प या हाथ से निर्मित वस्तुओं का व्यापार कर रहे हैं, तो आपकी आय बहुत उत्तम होगीं।

आपकी कुण्डली में राहु किसी राशि में अकेले स्थित है, जो किसी प्रतिकूल त्रिक भाव(६ठा / ८वाँ/ १२वाँ)के साथ नहींमिलता है। इसके अलावा, यह अपने नक्षत्र में स्थित है। यह एक अनुकूल युति है, और आप राहु की स्थिति वाले भाव के महत्व के मामले में आप भाग्यशाली होगें। राहु की भुक्तिया दशा के दौरान इसके प्रभाव में और बढोत्तरी होगी ।हलाँकि आप इसके अन्तिम चरण के दौरान कुछ छोटी खीज पैदा करने वाली समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

जन्म कालिक केतु की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में, यूरेनस वृश्चिक राशि में स्थित है। इस कारण से, आपकी शारीरिक संरचना चौडी और सुगठित, कद औसत से अधिक, रंगत साँवली और मिजाज कुछहद तक बेलगाम हो सकता है। यदि आप पुरूष हैं, तो आपका पहनावा बेढंगा और सफाई के मामले में आप लापरवाह हो सकते हैं। लेकिन यदि आप महिला हैं, तो इन मामलों में आप बहुत अधिक तुनकमिजाज हो सकती हैं, और एक मॉडल की तरह अपनी उँगलियों को सजा सँवरा और सुव्यस्थितरखने की कोशिश कर सकती हैं। आपका अपना दृष्टिकोण बिल्कुल भी रूढिवादी नहीं हो सकता है, और आपका प्रेम प्रसंग विचित्र हो सकता है। आप गुर्दे की पथरी, प्रसव बुखार, मूत्रमार्ग में परेशानी, डायबिटीज, ब्लैडर का संकुचन, स्कर्वी आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, यूरेनस ८वें भाव में स्थित है। इस कारण से,आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आप गंभीर मानसिक रोग से पीडित हो सकते हैं, या पूर्णतया किसी अप्रत्याशित क्षेत्र से आपको अचानक शारीरिक हिंसा का सामना करना पड सकता है। अपनी शादी के बादआपको अपने आर्थिक मामलों में भारी उतार चढावों का सामना करना पड सकता है, अपने जीवन साथी के कारण याउसकी तरफ से आपको नुकसान हो सकते हैं ।

जन्म कालिक नेपचुन की स्थिती से भविष्यफल-

आपकी कुण्डली में, नेपचून धनु राशि में स्थित है। इस कारण से,आपकी शारीरिक संरचना सुन्दर / आकर्षक, कद औसत से अधिक, रंगत गोरी, बाल भूरे, उभरी नाक और लम्बे पैर हो सकते हैं। आप ईमानदार और दयालु होगें, आप हर प्रकार के कपटपूर्ण, धृष्ट और गलत कामों से हमेशा दूर रहेगें, इसके अलावा आप दूसरों में इन अवगुणों को शीघ्र ही पकड लेगें। दूरस्थ स्थानों के जीवन के प्रति आपमें भारी आकर्षण होगा, और आप कुछ लम्बी यात्रा कर सकते हैं।आप रक्तवाहिनियों में विकार, नितम्ब के जोडों, साइटिका, पैरों के निचले भाग की माँसपेशियों खिंचाव आदि रोगों सेग्रस्त हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, नेपचून ९वें भाव में स्थित है। इस कारण से,आप एक स्वप्नदृष्टा और प्रभावकारी तथा अनुकरणीयप्रकृति के व्यक्तिहो सकते हैं। आप भविष्यदृष्टा या अन्तर्ज्ञान की कला से पूर्ण हो सकते हैं, और आपके कईजिज्ञासु स्वप्न तथा विचित्र पूर्वाभास हो सकते हैं। धार्मिक मामलों में भी आपका दृष्टिकोण अव्यस्थित हो सकता है। यदि नेप%यून किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह से पीडित है, तो आप मानसिक विभ्रम का शिकार हो सकते हैं, आपको न्यासियों या वकीलों के कपटपूर्ण कामों के कारण मुकदमों का सामना करना पड सकता है, और नुकसान भी उठाना पड

सकता है।

जन्म कालिक प्लुटो की स्थिती से भविष्यफल–

आपकी कुण्डली में, प्लूटो तुला राशि में स्थित है। इस कारण से,आपका रूप आकृति बहुत सुन्दर / आकर्षक , कद औसत से अधिक, आँखें नीली और बाल हल्के रंग के हो सकते हैं। आपका धैर्य शानदार और व्यवहार संतुलित होगा। आप हमेशा दूसरों की मदद करेगें, और बदले में लोग भी आपको अपना पूरा साथ देगें। आपका जीवन साथी बहुत सहयोगी स्वभाव का हो सकता है, और वह आपकी हर संभव तरीके से मदद करेगा, जिससे आपको सामाजिक और सार्वजनिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने में सहायता मिल सकती है। आप पीलिया, गुर्दे और उसकी ग्रंथियोंमें विकार आदि रोगों से ग्रसित हो सकते हैं।

आपकी कुण्डली में, प्लूटो ७वें भाव में स्थित है। इस कारण से,आपको घरेलू वातावरण को छोडकर अपनी शादी के बाद किसी बहुत दूर स्थान पर रहना पड सकता है, और आपके चारों तरफ मौजूद वातावरण के कारण आपके व्यक्तिगत क्रियाकलापों में पूर्ण रूप से परिवर्तन हो जायेगा। हलाँकि आप अपने को भली भाँति समायोजित कर लेगें, और खुशी से अपना जीवन यापन करेगें। लेकिन यदि किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह का प्रभाव युति या दृष्टि के द्वारा प्लूटो पर पडता है, तो आपके जीवन साथी के जाने या अनजाने में अचानक गायब हो जाने की कुछ संभावनायें हैं।

कुण्डली में ग्रहों की स्थिति से भविष्यफल (सायन)

आपकी कुण्डली में लग्न की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप एक महात्वाकांक्षी, निडर तथा नायकत्व का गुण रखने वालेव्यक्ति होगें। आप किसी स्थिति को जल्द समझने वाले, मेधावी तथा भाषण कला में निपूण होगें, जिसकी वजह से आप लोगों के दिमाग में अमिट छाप छोड़कर उन्हे प्रभावित कर सकते हैं। आप अपने दायरे में बहुत सारे लोगों का भरोसा और दिली समर्थन हासिल करेगें।

आपकी कुण्डली में सूर्य की स्थिति यह दर्शाती है कि , यदि आपकी कुण्डली में कोई प्रतिकारी ग्रह युति उपस्थित नही हैं, तो आप बिल्कुल विनम्र तथा सामान्य प्रभाव वाले होगें। आपकी स्वभाविक शक्ति बिना दर्शाए हुए अप्रत्यक्ष होगी। आपमे एक असमान्य लचीलापन होगा, जो लेन-देन की नीति अपना कर आसानी से किसी निष्कर्ष पर पहुॅचने में सहायक होगा।

आपकी कुण्डली में चन्द्रमा की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप अहिंसावादी स्वभाव के शांत, चुप रहने वाले तथा मासूम व्यक्ति हैं। आप जल्द सहज होने वाले, काफी विवेकशील, बहुत धैर्यवान, विश्वासी तथा असामान्य दूरदर्शिता वाले होगें। लोग आपको गुणों और साहस का प्रतिरूप समझेगें और आपका सम्मान करेगें।

आपकी कुण्डली में मंगल की स्थिति यह दर्शाती है कि , जब तक आपकी कुण्डली में प्रतिकारी ग्रह-युति उपस्थित है और आप नैतिक रूप से परिपक्व हैं, आपका अपनी चाहतों पर नियंत्रण नही हो सकता और आप स्वार्थी बन सकते हैं। लेकिन, अगर आप इन पर नियंत्रण करने में सक्षम हैं तो आप प्रशंसनीय कार्य कर सकते हैं।

आपकी कुण्डली में बुध की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप एक चालाक व्यक्ति हैं, जो अपनी अभिलाषाओं की पूर्ति करने में प्रवीण हैं और इनको पूरा करने के लिए हमेशा नए रास्तों और साधनों की खोज में रहते हैं। आप परिवर्तनशीलस्वभाव वाले हो सकते हैं, जो अपने विचार जल्द बदलते रहते हों। आपके आसपास के लोग आप पर भरोसा नही कर सकते और आपको अप्रत्याशित की संज्ञा दे सकते हैं।

आपकी कुण्डली में वृहस्पति की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप खुले विचार वाले निष्कपट एवं परोपकारी व्यक्ति हैं। यद्यपि आप थोड़े व्यवहारिक होगें तथा धन लालसा को अपराध या भगवान तथा आदमी के प्रति पाप नही समझेगें, फिर भी आप ईमानदारी हो महत्त्व देगें। आपके विश्वसनीयता के बारे में लोगों में कोई मतभेद नही होगा।

आपकी कुण्डली में शुक्र की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप एक चालाक व्यक्ति हैं, जो अपनी अभिलाषाओं की पूर्ति करने में प्रवीण हैं और इनको पूरा करने के लिए हमेशा नए रास्तों और साधनों की खोज में रहते हैं। आप परिवर्तनशीलस्वभाव वाले हो सकते हैं, जो अपने विचार जल्द बदलते रहते हों। आपके आसपास के लोग आप पर भरोसा नही कर सकते और आपको अप्रत्याशित की संज्ञा दे सकते हैं।

आपकी कुण्डली में शनि की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप आत्म-विश्वास से भरे एक प्रतिष्ठित छवि के व्यक्ति होगें तथा आपमें बलशाली आत्म-शक्ति, स्वाभिमान तथा उत्तम चरित्र होगा। आप विश्वासी व्यक्ति होगें तथा कर्त्तव्यनिष्ठा कोमहत्त्व देगें। आपमें आत्मज्ञान का विकास होगा जो कठिन वक्त में आपका मार्गदर्शन करेगा।

आपकी कुण्डली में राहु की स्थिति यह दर्शाती है कि , अपने शुरूआती जीवन में आप दर्द भरे कष्ट सह सकते हैं, जिसकी वजह से आपका स्वभाव अविश्वासी या संदेहात्मक हो सकता है। अगर आपकी कुण्डली में चन्द्रमा सही स्थान पर स्थित नही है तो आपका दिमाग क्रोध तथा आक्रोश से भरा हो सकता है जिसे आप व्यक्त नही कर सकते लेकिन यह

आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुॅचाा सकता है ।

ञआपकी कुण्डली में केतू की स्थिति यह दर्शाती है कि , आप अत्यधिक महात्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और आपका स्वभाव संतुलित, व्यवहारिक और ऊॅचे आदर्शों वाला होगा। आप हमेशा 'कर्म ही पूजा है' में विश्वास रखेगें । कठोर परिश्रम के कारण आप लोगों में मिसाल बनेगें । आप शुरूआती समय में अधिक भाग्यशाली नही हो सकते, परन्तु आप अपने जीवन में निश्चित रूप से बढ़िया स्थिति को प्राप्त करेगें ।

ग्रहों के लिए रत्न और रूद्राक्ष

लग्नाधिपति के लिए रत्न

चूकि आपका लग्नाधिपति आपकी कुण्डली में किसी त्रिका भाव का स्वामी है, इसलिए लग्न स्वामी के लिए कोई रत्न धारण करना आपके लिए उपयुक्त नही होगा।

नौवें भाव के स्वामी के लिए रत्न

चूँकि आपकी कुण्डली में नौवें घर का स्वामी त्रिका भाव का स्वामी है, इसलिए नौवें घर के स्वामी के लिए रत्न पहनना उपयुक्त है।

योग कारक ग्रह के लिए रत्न

आपकी कुण्डली में कोइ प्राकृतिक योग-कारक ग्रह नहीं है

तात्कालिक योग कारक ग्रह के लिए रत्न

आपकी कुण्डली में कोइ तात्कालिक योग-कारक ग्रह नहीं है

रूद्राक्ष के लिए सुझाव

आपका जन्म अष्ठमी तिथि को हुआ है, इसलिए आपके लिए आठ मुख वाला रूद्राक्ष उपयुक्त है।

इस रूद्राक्ष के इष्ट देव गणेश हैं। ये सब रूकावटों को दूर करते हैं तथा सभी दिशाओं में सफलता सुनिश्चित करते हैं।

रूद्राक्ष को धारण करते समय आपको निम्न में से किसी एक मंत्र का जाप करना चाहिए:
रूद्राक्ष के लिए मंत्र:

ओऽम् हम् नमः।

रूद्राक्ष के लिए पंचाक्षरी मंत्र:

ओऽम् ह्रम् ग्रीम् लम् श्री।

रूद्राक्ष के लिए दुसरे अन्य सुझाव :

चूँकि आपके चन्द्रमा का नक्षत्र स्वामी चन्द्रमा है, इसलिए आपके लिए दो मुख वाला रूद्राक्ष उपयुक्त है।

रूद्राक्ष की सत्यता प्रमाणित करने के लिए जॉच:

(अ)तैरान जॉच :- पानी की उपरी सतह पर रूद्राक्ष रखने से यदि यह डुब जाता है तो रूद्राक्ष असली है, लेकिन यदि यह तैरता रहता है, तो रूद्राक्ष झूठा है।

(ब) तॉबा जॉच :- असली रूद्राक्ष बहुत उष्म होता हैं और यह विद्युत चुम्बकीय गुण के कारण तॉबे को अपनी ओर आकर्षित करता है। यदि रूद्राक्ष के मोतियों को धागे में लटका कर तॉबे के चादर के छोटे से टुकड़े के उपर लटका दिया जाय तो ये मोती लगातार गोल-गोल घूमने लगेगें। यदि इनके घूमने की दिशा घड़ी की सूईयों की घूमने की दिशा के समान है तो ये असली हैं।

(वि प्रा - भद्राक्ष भी रूद्राक्ष की तरह होता है, परन्तु यह मृदुल रंग एवं कम ताप देने वाला होता है।)

(स) दूध जॉच :- एक कप दूध के अंदर रूद्राक्ष के मोती को डाल दें और इसे पूरे दिन तक रखिये। यदि दूध खराब नही होता है तो मोती असली है और यदि दूध खराब हो जाता है तो झूठा है।

वि प्रा - असली रूद्राक्ष गर्म होता है, इसलिए यदि आप वृद्ध या शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्ति हैं, तो रूद्राक्ष की जगहआपको भद्राक्ष पहनना चाहिए।

भद्राक्ष भी रूद्राक्ष जैसा ही होता है लेकिन यह मृदुल रंग और कम ताप देने वाला होता है। ये गौरी शंकर का आर्शीवाद प्रदान करते हैं। यह उत्तम स्वास्थ्य के लिए एवं परिवार तथा दोस्तों के साथ आरामदायक जीवन बिताने में लाभदायक

है ।

भद्राक्ष के लिए मंत्रः-

ओऽम् गौरी शंकराय नमः।

भद्राक्ष के लिए शुभ मंत्रः-

सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वथा साधिके
श्रणये त्रयम्बके गौरी नारायणी नमस्तुते ।

क्या है कालसर्प योग?

जब कुण्डली में सारे ग्रह राहु और केतु के अंशो के बीच में आ जाते हैं तो कुण्डली को कालसर्प योग से ग्रसित माना जाता है। यदि एक भी ग्रह राहु और केतु के अंशो के बाहर रह जाता है तो पूंर्ण कालसर्प योग नही माना जाएगा। हांलाकिसारे ग्रह केतू और राहु के अंशो के बीच में आ जायें तो भी आशिंक कालसर्प योग माना जायेगा।

कालसर्प योग का सामान्य प्रभाव–

१) किसी भी शुभ और महत्वपूर्ण कार्य को करते समय परेशानियों का सामना करना ।
२) मानसिक तनाव
३) आत्म विश्वास मे कमी
४) स्वास्थ्य संबधी परेशानियां
५) गरीबी और धन की कमी
६) ब्यापार में घाटा और नौकरी में परेशानी
७) उत्तेजना और बेकार की चिंताएं
८) मित्रों और शुभचिंतकों से मनमुटाव
९) मित्रों और शुभचिंतकों की तरफ से विश्वासघात
१०) मित्रों, शुभचिंतकों और रिश्तेदारों की ओर से किसी भी तरह का सहयोग नहीं प्राप्त होना

आपकी कुण्डली में कालसर्प योग मौजुद नहीं है।

शरीर के विभिन्न अंगो का ज़्योतिषीय आकलन

शारिरिक बनावट, कद–काठी और त्वचा का रंग

इनमें से हर एक तत्व कई सारे छोटे–छोटे कारकों पर निर्भर हैं, जैसे– लग्न राशि, लग्न में बैठे हुए ग्रह, लग्न पर दृष्टि डालने वाले ग्रह, चन्द्र राशि में बैठे हुए ग्रह, चन्द्र राशि पर दृष्टि डालने वाले ग्रह, लग्न का क्रिशांश, ग्रहो की राशिगत स्थिति, लग्नाधिपति की भावगत स्थिति इत्यादि।

संभावित कद का अनुमान (वयस्क होने पर)–

आपकी लग्न राशि मेष है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म–कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना सामान्य होगी।

आपकी जन्म–कुण्डली में लग्न–स्वामी लग्न से केन्द्र भाव में स्थित है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म–कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना लंबी होगी।

आपकी जन्म–कुण्डली में लग्न की शायन डिग्री राशि के पहले चतुर्थांश में है। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म–कुण्डली में उपस्थित नहीं है तो आपकी शारीरिक संरचना काफी लंबी होगी।

संभावित त्वचा के रंग का अनुमान –

आपकी जन्म–कुण्डली में मंगल और शुक्र एक साथ स्थित हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी जन्म–कुण्डली मेंउपस्थित नहीं है तो आप गौरवर्ण के होगें।

आपका लग्न मेष है और मंगल आपके लग्न पर दृष्टि डाल रहा है। आप गौरवर्ण के हो सकते हैं।

आपका लग्न न तो कुंभ है और न ही मकर और शनि आपके लग्न पर दृष्टि डाल रहा है। आप कुछ गहरे वर्ण के हो सकते हैं।

आपकी जन्म–कुण्डली में सूर्य न तो चंद्रमा के साथ स्थित है और न ही इसपर अपनी दृष्टि डाल रहा है। इसके अलावा, सूर्य केतु के साथ स्थित है। यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं है तो इसकेप्रभाव के कारण आप कुछ गहरे वर्ण के हो सकते हैं।

त्वचा के रंग पर ग्रहों का संयुक्त प्रभाव–

सभी ग्रहों (सूर्य से शनि तक) के संचित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि आप थोड़े–बहुत गहरे वर्ण के हो सकते हैं।

शरीर के स्थूलकाय होने का अनुमान (वयस्क होने पर)–

आपकी जन्म–कुण्डली में लग्न या तो शनि के साथ स्थित है या शनि इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है। यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके विपरीत प्रभाव के कारण आपका शरीर हट्टा–कठ्ठा या स्थूल या भारी नहीं हो सकता है।

आपकी जन्म–कुण्डली में आपकी देह–राशि मंगल और शनि की संयुक्त स्थिति या दृष्टि के संयुक्त प्रभाव में है। यह बिल्कुल भी अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके विपरीत प्रभाव के कारण आपका शरीर हट्टा–कठ्ठा या स्थूल या भारी नहीं हो सकता है। बल्कि, आपकी शारीरिक

संरचना कुछ कमजोर हो सकती है या आप रोगी हो सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में आपकी देह-राशि वृहस्पति और शुक्र की संयुक्त स्थिति या दृष्टि के संयुक्त प्रभाव में है। यह काफी अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके प्रभाव के कारण आपके किशोरावस्था के बाद आपका शरीर बलिष्ठ होना शुरू होगा और बाद में आपका शरीर स्थूल एवं भारी हो सकता है।

आपकी जन्म-कुण्डली में आपकी देह-राशि वृहस्पति और बुध की संयुक्त स्थिति या दृष्टि के संयुक्त प्रभाव में है। यहकाफी अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके प्रभाव के कारण आपके किशोरावस्था के बाद आपका शरीर बलिष्ठ होना शुरू होगा और बाद में आपका शरीर स्थूल एवं भारी हो सकता है।

आपकी जन्म-कुण्डली में आपकी देह-राशि शुक्र और बुध की संयुक्त स्थिति या दृष्टि के संयुक्त प्रभाव में है। यह काफी अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो इसके प्रभाव के कारण आपके किशोरावस्था के बाद आपका शरीर बलिष्ठ होना शुरू होगा और बाद में आपका शरीर स्थूल एवं भारी हो सकता है।

जीभ, दांत और बोलने की क्षमता का आकलन

आपकी जन्म-कुण्डली में दूसरे भाव में वृहस्पति एवं शुक्र एक साथ स्थित हैं, जबकि कोई भी अशुभ ग्रह इस भाव में स्थित नहीं है। इसके अलावा, दूसरे भाव का स्वामी न तो किसी अशुभ ग्रह के साथ जुड़ा है और न ही किसी अशुभ ग्रह की दृष्टि पड़ रही है। यह काफी अनुकूल युति है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके दॉत काफी आकर्षक होगें, जो मोतियों जैसे होगें और लंबे समय तक चमकदार रहेगें। आप अपनी दॉतों का काफी ख्याल रखेगें।

आपकी जन्म-कुण्डली में बुध आपका लग्न-स्वामी नहीं है। यह लग्न के स्क्वायर में स्थित है और इसकी दृष्टि ३ डिग्री२० मिनट के अंदर है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो, जैसा कि बुधका प्रभाव चल रहा है, आपकी दॉतों के बीच में हल्की दरार या खाली जगह हो सकती है - खासकर ऊपरी पंक्ति में सामने की तरफ।

आपकी जन्म-कुण्डली में शुक्र आपका लग्न-स्वामी नहीं है। यह लग्न से स्क्वायर में स्थित है और इसकी दृष्टि ३ डिग्री २० मिनट के अंदर है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो, जैसा कि शुक्र का प्रभाव चल रहा है, आपके दॉत एक-दूसरे से अंशतः ढके हो सकते हैं - खासकर ऊपरी पंक्ति में और संभवत:सिर्फ एक तरफ।

आपकी जन्म-कुण्डली में दूसरे भाव का स्वामी किसी दूसरे ग्रह के साथ नक्षत्र बदलाव में शामिल है। इसके प्रभाव के कारण आप काफी बातूनी व्यक्ति हो सकते हैं और इस हद तक हो सकते हैं कि आपने अपने लोग आपके होठों पर चिपकाने वाला टेप - फीता - लगाना चाहेगें। हालॉकि, आपकी नैसर्गिक क्षमता आपके लिए आपके रोजगार में काफी लाभदायक हो सकती है, जहॉ यह अक्षमता की जगह वांछित गुण साबित हो सकता है। आपमें दूसरे लोगों को अपनी बात मनवाने की अद्‌भूत क्षमता होगी। आप स्वयं का कोई व्यवसाय कर सकते हैं, जिसे आप तेजी से चलाने में सक्षम होगें।

जैसा कि बुध के भिन्न-अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में पॉच बिन्दु हैं, यह कुछ अनुकूल चीजों को इंगित करता है। इसके प्रभाव के कारण आप एक सहमति कराने वाले वक्ता होगें। आप दूसरे लोगों को अपनी बात मनवाने में सक्षमहोगें और अपने रायों एवं विचारों के लिए समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में बुध के भिन्न-अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं। बुध अपनी कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है, जबकि इस भाव राशि में एक (या अधिक) शुभ ग्रह भी बिन्दु का योगदान कररहा है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपमें मनोहारीशिष्टाचार होगा। बातचीत के दौरान आपकी बातें तार्किक एवं हाजिर जवाब होगीं।

आपकी जन्म-कुण्डली में बुध के भिन्न-अष्टकवर्ग में दूसरे भाव की राशि में चार (या अधिक) बिन्दु हैं। शुक्र अपनी कक्षा में एक बिन्दु का योगदान कर रहा है, जबकि इस भाव राशि में एक (या अधिक) शुभ ग्रह भी बिन्दु का योगदान कररहा है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपमें मनोहारीशिष्टाचार होगा। बातचीत के दौरान आपकी बातें ऊॅचे आदर्शों एवं रोचक किस्सों के साथ फैलेगी।

बांह, हाथ और कन्धे की संरचना का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में तीसरे भाव का स्वामी शुक्र के साथ स्थित है या इस पर शुक्र की दृष्टि पड़ रही है। यह अनुकूल युति है। जैसा कि तीसरे भाव के स्वामी का आधिपत्य शरीर के बॉह एवं कंधे वाले भाग पर होता है, आपके शरीर के ये भाग कुछ हद तक विकसित हो सकते हैं। जैसा कि तीसरे भाव का स्वामी आहार-नली, हवा-नली, तंत्रिका प्रणाली एवं श्वांस प्रणाली को भी संचालित करता है, आपके शरीर के ये भाग सही तरीके से काम करेगें।

हृदय और पीठ की स्थिति का अनुमान

सूर्य, जो प्राकृतिक राशिचक्र में पॉचवीं राशि का स्वामी हैं, आपकी कुण्डली में एक या अधिक अशुभ ग्रहों के साथ स्थित है और कोई भी शुभ ग्रह न तो इसके साथ स्थित है और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपका हृदय एवं पीठ अधिक मजबूत नहीं हो सकता है। या फिर, अपने शरीर के इन हिस्सों के आस पास आप जन्मजात कष्ट महसूस कर सकते हैं।

उदर (पेट) और पाचन क्रिया का अनुमान

कर्क राशि एवं इसके स्वामी का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक अंग पेट पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा (जो कि कर्क राशि का स्वामी है) शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। यह अनुकूल युति है। यदि आपकी कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके पेट की क्रिया समस्यारहित होगी और आपकी पाचन शक्ति अक्छी होगी।

कन्या राशि का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक क्रिया पाचन प्रणाली पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली मेंएक या अधिक अशुभ ग्रह इस राशि में स्थित हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इस राशि में स्थित नहीं है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने पाचन प्रणाली को प्रभावित करने वाली कुछ समस्याओं से गुजर सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य को कुछ हद तक प्रभावित कर सकती है।

छठे भाव का आधिपत्य शरीर के बहुत महत्त्वपूर्ण आंतरिक क्रिया पाचन प्रणाली पर होता है। आपकी जन्म-कुण्डली में एक या अधिक अशुभ ग्रह इस राशि में स्थित हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इस राशि में स्थित नहीं है। यह अनुकूल

युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने पाचन प्रणाली को प्रभावित करने वाली कुछ समस्याओं से गुजर सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य को कुछ हद तक प्रभावित कर सकती है।

शरीर के ग्राही, अवशोषी और उत्सर्जी अंगो का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में चंद्रमा मजबूत स्थिति में है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थितहै। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का तरल प्रसारण प्रणाली एवं ग्रंथि प्रणाली समस्या रहित होगी।

आपकी जन्म-कुण्डली में शनि तुंगस्थ है और यह न तो वक्री है और न ही ज़्वलित है, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इसके साथ स्थित नहीं है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने आंतरिक जननेन्द्रिय से संबंधित किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में एक शुभ ग्रह शुक्र के साथ स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है, जबकि कोई भी अशुभ ग्रह न तो इसके साथ स्थित है और न ही इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है। संकेत काफी अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने आंतरिक जननेन्द्रिय से संबंधित किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में शुक्र शक्तिशाली नहीं है, जैसा कि यह न तो तुंगस्थ है और न ही अपनी राशि या अपने नक्षत्रमें स्थित है। इसके अलावा, यह दो या अधिक अशुभ ग्रहों से जुड़े होने या उनकी दृष्टि पड़ने के कारण दूषित हो रहा है। यह अनुकूल युति नहीं है। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपने आंतरिक जननेन्द्रिय से संबंधित किसी तरह की गंभीर समस्या का सामना कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में मंगल शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आप अपनी बाहरी जननेन्द्रिय और उत्सर्जन प्रणाली से संबंधित किसी तरह की समस्या का सामना नहीं कर सकते हैं।

जांघ, घुटना, टांगो और पंजों का अनुमान

आपकी जन्म-कुण्डली में दो या दो से अधिक अशुभ ग्रह धनु राशि में स्थित हैं, जबकि कोई भी शुभ ग्रह इसमें स्थित नहीं है। राशिचक्र में नौवीं राशि नितंब वाले भाग एवं जॉघों को संचालित करता है। संकेत अनुकूल नहीं हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये भाग काफी विकसित नहीं हो सकते हैं। या फिर, आप अपने शरीर के इन भागों के आस पास जन्मजात कष्ट महसूस कर सकते हैं।

आपकी जन्म-कुण्डली में एक तुंगस्थ ग्रह दसवें भाव में स्थित है, जिसका कुछ आधिपत्य शरीर के घुटने के आस पास वाले भाग पर होता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तोआपके शरीर का यह भाग काफी विकसित होगा।

आपकी जन्म-कुण्डली में एक या अधिक शुभ ग्रह दसवें भाव में स्थित है, जो शरीर के घुटने के आस पास वाले भाग को दर्शाता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म-कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर के ये भाग काफी विकसित होगें।

आपकी जन्म–कुण्डली में दसवें भाव का स्वामी शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। दसवें भाव का स्वामी शरीर के घुटनों के आस पास वाले भाग को संचालित करता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का यह भाग काफी विकसित होगा।

आपकी जन्म–कुण्डली में ग्यारहवें भाव का स्वामी शक्तिशाली है, जैसा कि यह तुंगस्थ है या अपनी राशि या अपने नक्षत्र में स्थित है। ग्यारहवें भाव का स्वामी आपके शरीर के टांग के आस पास वाले भाग – घुटने से नीचे एवं टखने से ऊपर वाला भाग – को संचालित करता है। संकेत अनुकूल हैं। यदि आपकी जन्म–कुण्डली में कुछ संशोधनकारी प्रभाव उपस्थित नहीं हैं तो आपके शरीर का यह भाग काफी विकसित होगा।

शिक्षा की संभावना की जाँच

शिक्षा में बाधाओं का आकलन–

जैसाकि तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित नहीं होने के कारण शुक्र आपकी कुण्डली में बली नहीं है– इसके अलावा, यह वक्री है। ये बिल्कुल भी अनुकूल संकेत नहीं हैं, और शिक्षा में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। यदि कुछ संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपके अन्दर विपरीत लिंग के लोगों से संबंधित मामलों मेंअसामान्य रूचि पैदा हो सकती है– जिससे आपकी शैक्षिणिक दक्षता भयानक रूप से प्रभावित हो सकती है, और ऊँचीशिक्षा प्राप्त करने की संभावना बर्बाद हो सकती है।

शिक्षा में लग्नाधिपति की विशेष भूमिका–

आपकी कुण्डली में, लग्नेश की दृष्टि चौथे भाव पर है– जो सामान्य शिक्षा का भाव है। जैसाकि इससे चौथे भाव के बल में वृद्धि होती है, अतः उत्तम शिक्षा पाने के लिये यह आपके लिये लाभकारी होगा– कम से कम आप एक डिग्री या डिप्लोमाधारी होगें।

आपकी कुण्डली में, लग्नेश की दृष्टि पांचवें भाव में है– जो स्मरणशक्ति,मेधा, बुद्धि और व्यवहारपरक शिक्षा का भाव है। जैसाकि इससे पांचवें भाव के बल में वृद्धि होती है, अतः उत्तम शिक्षा पाने के लिये यह आपके लिये लाभकारी होगा– कम से कम आप एक डिग्री या डिप्लोमाधारी होगें।

सामान्य शिक्षा (चौथे भाव से)–

आपकी कुण्डली में, चतुर्थेश बली है– तुगंस्थ या अपने भाव या नक्षत्र में स्थित होने के कारण। यह उत्तम शिक्षा की प्राप्ति के लिये अनुकूल संकेतों को दर्शाता है। आप सफलतापूर्वक केवल अपनी स्नातक की शिक्षा को ही नहीं पूरा करेगें, बल्कि आगे की शिक्षा भी जारी रखेगें। आप अपनी योग्यता को बढ़ाने के लिये किसी प्रतिष्ठित संस्था से कोई व्यवसायिक शिक्षा या पढ़ाई के बाद का प्रशिक्षण लेगें।

वस्तु–परक शिक्षा (कोणीय और त्रिकोणीय अधिपतियों के बीच का सह संबंध)–

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश और पंचमेश के बीच नक्षत्रों का आदान प्रदान हो रहा है। एक केन्द्र और एक त्रिकोण के स्वामी के बीच की यह युति किसी व्यवहारपरक क्षेत्र में ऊँची शिक्षा की प्राप्ति के लिये यह बहुत अनुकूल है। आप प्रखर बुद्धि और अवधारक स्मरण क्षमता से पूर्ण होगें। अपनी रूचि के व्यवसायिक कोर्स को आप न्यूनतम प्रयासों के द्वारा आसानी से पूरा करने में सक्षम होगें। भाषा, साहित्य, दर्शन आदि से संबंधित विषयों और विधि का अध्ययन आपको बहुत आकर्षित कर सकते हैं। इसके अलावा, आप की ललित कलाओं की किसी विधा या मनोरंजन के क्षेत्रों में भारी रूचि हो सकती है।

उच्च / व्यावहारिक शिक्षा और शोध (नौवें भाव से)–

आपकी कुण्डली में, पंचमेश ९वें भाव में स्थित है। यह युति उत्कृष्ट शिक्षा की प्राप्ति के लिये बहुत भाग्यशाली है– जैसाकि पंचमेश गुण को और नवमेश ऊँची शिक्षा को दर्शाता है। आप बहुत उत्तम दक्षता से पूर्ण होगें,और ऊँची शिक्षा प्राप्त करेगें, आप अपनी पसन्द के क्षेत्र में शोध कार्य भी कर सकते हैं। ऊँची या व्यवसायिक शिक्षा प्राप्त करने के लिये(और / या अपने पेशे के मामले में) आप प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कोई विदेशी संबंध बना सकते हैं।

शिक्षा की संभावना और शिक्षा में रुझान के क्षेत्र (बुध ग्रह के भिन्न अष्टकवर्ग से)–

आपकी कुण्डली में, बुध के भिन्न – अष्टकवर्ग में, लग्न में काफी संख्या(७या ८) शुभ बिन्दु हैं। यह एक अनुकूल युति है, और उपयोगी सूचना को एकत्र करने के मामले में आपको बुद्धिमान, सौम्य और सजग बनाती है, और आप उनका उपयोग एक उद्देश्य और प्रभावी तरीके से करने में सक्षम होगें।

शिक्षा में गुण और विस्तार (चर्तुविशांश वर्ग कुण्डली से)–

जैसाकि आपकी चतुर्विशांश कुण्डली (जिसका विशेषरूप से उपयोग शिक्षा को विचारने के लिये किया जाता है) में एककेन्द्र भाव का स्वामी एक त्रिकोण भाव के साथ स्थित है। यह दर्शाता है, कि आप एक व्यवहार परक क्षेत्र में शिक्षा जारी रख सकते हैं, जो कि तकनीकि या इंजीनियरिंग से संबंधित हो सकता है।

आपकी चतुर्विशांश कुण्डली (जिसका विशेषरूप से उपयोग शिक्षा को विचारने के लिये किया जाता है) में शुक्र लग्न से ११वें भाव में स्थित है, आप शिक्षा के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें। आप किसी प्रतिष्ठित संस्था से ऊँची या व्यवसायिक शिक्षा की प्राप्त कर सकते हैं। इस बात की संभावना है, कि आपकी शिक्षा का कोई संबंध इंजीनियरिंग, व्यापार, प्रबंधन, फैशन डिजानिंग, नेत्र संबंधी, वित्तीय, लेखा, विधि, शिक्षा आदि जैसे क्षेत्रों से हो सकता है।

भिन्न अष्टकवर्ग में बिन्दुओं की कुल संख्या से शिक्षा की संभावना का आकलन-

आपकी कुण्डली में, ६ठे भाव में शुभ बिन्दुओं की कुल संख्या बहुत उत्तम है। यह एक अनुकूल युति है, यदि आप की रूचि है, तो आप रोगों और उनके उपचार के बारे में औपचारिक या अनौपचारिक अध्ययन करके बहुत ज्ञान और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप एक निपुण चिकित्सक नहीं होते हैं, तो भी आपके व्यवसाय या शौक का कोई संबंध दवाओं से हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, ८वें भाव में शुभ बिन्दुओं की कुल संख्या बहुत उत्तम है। यह एक अनुकूल युति है, और गूढ़ विषयों, जैसे ज़्योतिषशास्त्र, हस्तरेखाशास्त्र , अंक विज्ञान आदि में आपकी बहुत रूचि हो सकती है।

ब्यवसाय(रोजगाार) की संभावनाओं की जाँच

जैसा कि मंगल आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है, आप बहादुर व्यक्ति होगें। यदि आप पुलिस या सुरक्षा या इसी तरह की दूसरी सक्रिय नौकरी में हैं तो आप काफी अक्छा करेगें और अधिकार एवं शक्ति वाले पद प्राप्त करेगें। आप काफी स्वतंत्रताप्रिय व्यक्ति होगें और आपमें विजय प्राप्ति की चाहत होगी। हालॉकि, यदि मंगल तुंगस्थ नहीं है या अपनेभाव में स्थित नहीं है तो आप झगड़ालू एवं दूसरे में दोष निकालने वाले हो सकते हैं। दूसरों के प्रति क्रूर होकर आप खुशी महसूस कर सकते हैं। यदि मंगल किसी अशुभ ग्रह के साथ जुड़ा है या मंगल पर इसकी दृष्टि पड़ रही है तो आप झूठी निंदा एवं बदनामी के शिकार हो सकते हैं और आपकी जिन्दगी अशांति एवं संघर्ष से भरी हो सकती है।

जैसा कि बुध आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है, आप अशांत प्रवृति वाले होगें एवं साहित्य में रूचि होगी। आप साहित्यिक पेशे में बहुत बढ़िया करेगें। या फिर, आप ट्रेडिंग या कमीशन एजेन्सी के व्यापार में सफल होगें। यदि बुध तुंगस्थ है या अपने भाव में स्थित है तो आपको साहित्य, कला या कारीगरी से काफी लाभ प्राप्त होगा और कई लोगों कानेतृत्व/मार्गदर्शन कर काफी धन अर्जित करेगें। लेकिन, यदि मंगल किसी अशुभ ग्रह के साथ जुड़ा है या मंगल पर उसकी दृष्टि पड़ रही है तो आपको बहुत सारी चिंतायें एवं दु:ख हो सकते हैं और अपने पेशे के क्षेत्र में आपकी स्थितिअनिश्चित हो सकती है।

जैसा कि शुक्र आपके लग्न से दसवें भाव में स्थित है, आप काफी भाग्यशाली होगें, क्योंकि यह आनंदायक, आरामदायक एवं खुशहाल जिन्दगी के लिए बेहतरीन योगों में से एक है। आप भविष्यवाणी करने में माहिर होगें। आप पवित्र धार्मिक ग्रंथों एवं विभिन्न दूसरे प्राचीन धर्मग्रंथों के ज्ञाता होगें, जिससे आप अपनी आजीविका अर्जित करेगें। यदि शुक्र तुंगस्थ है या अपने भाव में स्थित है या किसी शुभ ग्रह के साथ स्थित है या शुक्र पर किसी शुभ ग्रह की दृष्टिपड़ रही है तो कलात्मक क्षेत्रों में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है, अविवाहित लोगों के साथ प्रेम-प्रसंगों में सफलता मिल सकती है और खुशहाल जीवन व्यतीत कर सकते हैं।

जैसा कि सूर्य आपकी चंद्र-राशि से दसवें भाव पर दृष्टि डाल रहा है, आप काफी कर्मठ होगें एवं अपने सभी प्रयत्नों मेंसफल होगें। आपको सरकारी क्षेत्रों, दूतावासों आदि से संरक्षण प्राप्त होगा, अपनी मध्य आयु में सम्मान प्राप्त होगा और आपकी ख्याति सुरक्षित रहेगी। आपमें नेतृत्व करने का गुण होगा और दूसरों के लिए प्रेरणा के श्रोत होगें। आपकी पहुॅच ऊॅचे सामाजिक दायरों में होगी और अपने विभिन्न प्रयासों से आप धन अर्जित करेगें। आप प्रशंसा प्राप्त करेगें तथा आपका नाम एवं यश चारो तरफ फैलेगा।

जैसा कि चंद्र-राशि से दशमेश मंगल के साथ जुड़ा हुआ है, अपने पेशे के सिलसिले में आपको पुलिस विभाग, सुरक्षासंगठन या बिजली विभाग के साथ सीधे संपर्क में रहना पड़ सकता है। या आप भूसंपत्ति से अपनी आजीविका अर्जित कर सकते हैं और आपके छोटे भाई सक्रियता से आपके व्यापार को चलाने में मदद कर सकते हैं। शल्यक्रिया संबंधी बस्तुयें, रसायन, एसिड, इंधन, अग्निशामक यंत्र आदि का कारोबार आपके लिए काफी अनुकूल हो सकता है।

जैसा कि चंद्र-राशि से दशमेश शुक्र के साथ जुड़ा हुआ है, आप अपने पेशे के संबंध में काफी भाग्यशाली होगें। आप बहुत ही खुशनुमा एवं आरामदायक माहौल में काम करेगें और समाज के उक्च एवं प्रभावशाली लोगों के संपर्क में रहेगें। आपकी आमदनी अति उत्तम होगी और अपना जीवन आरामदेह तरीके से व्यतीत करेगें। किसी चीज का प्रदर्शन और शोरूम आपको काफी आकर्षित करेगें और आपके पेशे का कुछ संबंध चीजों के प्रदर्शन करने से हो सकता है।

जैसा कि आपकी कुण्डली में मंगल रोजगार का प्राथमिक कारक है, आप सुरक्षा, पुलिस या अग्नि-शामक नौकरी/सेवा में संलग्न हो सकते हैं। आपका कुछ संबंध आपराधिक जॉच/खुफिया विभाग तथा फॉरेन्सिक प्रयोगशाला से हो सकता

है। आपका संबंध इंजीनियरिंग, वास्तु कला, अचल संपत्ति, खनिज पदार्थ, अयस्क/कक्कवा धातु, धातु, रसायन, प्लास्टिक,हथियार, विस्फोटक पदार्थ, बिजली के सामान, ब्लड बैंक, शल्य चिकित्सा आदि से हो सकता है। आपका कुछ संबंध एल पी जी, रसोई के सामान और होटल से भी हो सकता है। आपको विरासत से काफी लाभ प्राप्त हो सकता है और अपने छोटे भाई के साथ साझेदारी में कोई व्यवसाय कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में मंगल बुरी तरह से दूषित है तो आपका संबंध वधशाला और/या आपराधिक गतिविधियों से हो सकता है।

जैसा कि आपकी कुण्डली में शुक्र रोजगार का सहायक कारक है, आपको ललित कला एवं कलात्मक कार्यों में रूचि होगी। फोटोग्राफी, सिनेमा, टेलीविजन और मनोरंजन के दूसरे क्षेत्र, ब्यूटी पार्लर, पब आदि आपको आकर्षित कर सकते हैं। आपको हर उस चीज में दिलचस्पी होगी जो जीवन को सुन्दर और सजीव बनाते हैं। आपके पेशे का कुछ संबंध कंप्यूटर और इलेक्ट्रोनिक्स, वस्त्र, कपड़े, होजरी, गहने, सौन्दर्य प्रसाधन, इत्र, फूल, फर्नीचर, ऑटोमोबाइल, विलासिता की वस्तुयें, मादक पदार्थ, तम्बाकू, चीनी, रबर, पेट्रोलियम पदार्थ, मसाला, चीनी मिट्टी के बर्त्तन आदि से हो सकता है ।यदि शुक्र सिर्फ किसी अशुभ ग्रह से जुड़ा है या अशुभ ग्रह की दृष्टि पड़ रही है तो आप कुछ बुरी आदतों के आदीहो सकते हैं।

काल चक्र दशा अंश और जीव राशि से ब्यवसाय(रोजगाार) का आकलन

आपकी काल चक्र दशा अंश राशि – मीन

आपकी काल चक्र दशा जीव राशि– कर्क

जैसा कि चंद्रमा आपकी जीव–राशि (जीवन) पर दृष्टि डाल रहा है, आप थोड़े मिजाजी एवं हमेशा बदलते रहने वाली प्रकृति के व्यक्ति होगें। हालॉकि, आप सुखद स्वभाव वाले होगें और अपने दायरे में काफी लोकप्रिय होगें। आपके पेशे का संबंध आम लोगों से हो सकता है। आप किसी व्यवसाय में हो सकते हैं। आप दवा, महिला सौन्दर्य प्रसाधन, सामान्य भोज्य पदार्थ या घरेलू उपयोगिता की वस्तुओं आदि का कारोबार कर सकते हैं। यदि कोई शुभ ग्रह चंद्रमा के साथ स्थित है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो आप काफी धनी होगें। लेकिन यदि कोई अशुभ ग्रह चंद्रमा के साथस्थित है या इस पर अपनी दृष्टि डाल रहा है तो आप स्वार्थी स्वभाव वाले हो सकते हैं।

जैसा कि वृहस्पति आपकी जीव–राशि (जीवन) पर दृष्टि डाल रहा है, आप प्रसन्नचित्त स्वभाव एवं आशावादी दृष्टिकोणवाले ईमानदार व्यक्ति होगें। धर्मों के प्रति आपमें गहन आस्था होगी और पवित्र धार्मिक ग्रंथों का अध्ययन करेगें। आप निरंतर धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन करेगें और छोटे बक्कवे आपको काफी प्रिय होगें। आपकी आमदनी काफी अक्कछी होगी और आपका पारिवारिक जीवन शांतिमय एवं खुशहाल होगा। आप खुद के व्यवसाय में संलग्न हो सकते हैं या किसी प्रतिष्ठित वित्तीय संस्था में कार्यरत हो सकते हैं।

आपका काल चक्र दशा अंश कर्क राशि में है। अंश राशि के स्वामी (चंद्रमा) से प्रभावित होने के कारण आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। आपका जन्म काफी धनी परिवार में हुआ होगा या अपने परिवार के कुछ सदस्यों के प्रभावशाली पद पर होने के कारण आपका परिवार धनी हो सकता है। इस वजह से आपका पालन–पोषण बहुत ही बढ़ियाढंग से हुआ होगा और आपको अपना कॅरियर एक स्थापित जगह/स्थिति से शुरू करने का सौभाग्य प्राप्त हो सकताहै। यह लाभदायक शुरूआत आपको अपने कई समकालीनों से आराम एवं आसानी से आगे ले जाने में मदद करेगा।

विवाह से संबंधित भविष्यफल

आपकी कुण्डली में, शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ५(या अधिक) शुभ बिन्दु हैं। यह शुक्र के नैसर्गिक महत्वों- शादी और वैवाहिक जीवन में खुशियों, के बारे में एक बहुत भाग्यशाली युति है। आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें। वह देखने में बहुत आकर्षक और धनी परिवार से होगा/ होगी। वह बहुत संस्कारित, परिष्कृत रूचियों वाला/ वाली और सुसभ्य होगा/ होगी। आपका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल और आनन्दपूर्ण होगा, जैसाकि आप दोनों एक दूसरे से अपने जीवन से अधिक प्रेम करेगें ।

आपकी कुण्डली में,शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ३(या कम) शुभ बिन्दु हैं। यह शुक्र के नैसर्गिकमहत्वों- शादी और वैवाहिक जीवन में खुशियों, के बारे में बिल्कुल भी भाग्यशाली युति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। वह देखने में ना ही बहुत आकर्षक और ना ही धनी परिवार से हो सकता / सकती है। इसके अलावा, वह संस्कारित, परिष्कृत रूचियों वाला/ वाली और सभ्य नहीं हो सकता / सकती है। यद्यपि वह परिश्रमी हो सकता / सकती है, फिर भी आपका वैवाहिक जीवन बहुत खुशहाल नहीं हो सकता है, जैसाकि उसकी प्रकृति हठी और बहस करने वालीतथा स्वभाव बिल्कुल यथार्थ से परे दंभी हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र- जो कि शादी का नैसर्गिक कारक है- न तो तुंगस्थ है, और ना ही अपनी राशि या नक्षत्र में स्थित है, जबकि यह षष्ठेश के साथ में है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकीकुण्डली में नहीं हैं, तो आपका जीवन साथी कुछ दुर्भाग्यशाली हो सकता है, और आपका वैवाहिक जीवन शांतिपूर्ण या खुशहाल नहीं हो सकता है। हालाँकि, यदि आपके कोई चाचा आपकी शादी को अन्तिम रूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, या आप और आपके जीवन साथी का कोई एक उभय संबंधी है, तो समस्याओं की गंभीरता तुलनात्मक रूप से कम होगी।

आपकी कुण्डली में, शनि ७वें भाव में स्थित है, जबकि यह ना ही लग्नेश है, और ना ही सप्तमेश है। इसके अलावा, नाही लग्न और ना ही ७वाँ भाव किसी नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ स्थित है, या इसकी उस पर दृष्टि है। यह एक अनुकूलयुति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका जीवन साथी कुछ हद तक निष्क्रिय और स्वार्थी हो सकता है। आपका वैवाहिक जीवन रसहीन हो सकता है- यह आनन्दमय या खुशहाल नहीं हो सकता है।

आपकी कुण्डली में,शुक्र के भिन्न अष्टकवर्ग में, शुक्र से ७वें भाव में ४(या ५) बिन्दु हैं। यह एक भाग्यशाली युति है ।आपका जीवन साथी बहुत लिहाज करने वाला होगा। वह आपकी पसन्द और नापसन्द को उचित महत्व देगा, और आपके मतों का मान रखेगा। आपका वैवाहिक जीवन खुशहाल और आनन्दपूर्ण होगा।

आपकी नवांश कुण्डली में, एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह ७वें भाव में स्थित है, यह ना ही तुगंस्थ है, और ना ही अपने भावया अपने नक्षत्र में स्थित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपका वैवाहिक जीवन बेतुके कारणों से गलतफहमियों और निरन्तर भावनात्मक विवादों के कारण खुशहाल नहीं हो सकता है।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश १०वें भाव में स्थित है, और यह अशुभ नहीं है- जैसाकि यह ना ही अस्त है, ना ही नीचस्थ,ग्रसित या वक्री है। यह एक अनुकूल युति है। आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें। वह एक बहुत सरोकारी और समझौतावादी प्रकृति का व्यक्तिहोगा। वह आपसे हमेशा प्रेम करेगा, और आपके प्रति

विश्वसनीय और बहुत वफादार होगा।

आप एक महिला हैं। आपकी नवांश कुण्डली में शनि ७वें भाव में स्थित है– जबकि यह ना ही तुगंस्थ है, ना ही अपने नवांश में स्थित है। यह एक अनुकूल युति नहीं है। यदि कुछ सौम्य संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप और आपके जीवन साथी की आयु में असामान्यरूप से अन्तर हो सकता है, इस बात की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है, कि उसकी आयु आपसे कुछ वर्ष अधिक हो। इसके अलावा, उसे कोई रोग हो सकता है– जिससे उसकी संरचना दुर्बल हो सकती है।

आप एक पुरूष हैं। आपकी नवांश कुण्डली में,बुध आत्म कारक ग्रह से ७वें अंश में स्थित हैं। यह एक बहुत अनुकूलयुति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें, वह सुन्दर, मनोहारी आचरण वाला, दिखने में आकर्षक होगी। इसके अलावा, वह ललित कलाओं की किसी विधा में दक्ष हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, सप्तमेश लग्न से केन्द्रीय भाव में स्थित है। इसके अलावा, यह एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ स्थित है, (या उसकी दृष्टि इस पर है)। यह एक बहुत अनुकूल युति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अपने जीवन साथी के मामले में बहुत भाग्यशाली होगें, वह एक समर्पित व्यक्ति होगा, औरवह आपके संयुक्तजीवन को सुखद और खुशहाल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा/ छोड़ेगी। वह आपके लिये हमेशा गर्व और आनन्द का स्रोत होगा/ होगी।

आपकी कुण्डली में, शनि मंगल जिस राशि में स्थित है, उससे ४थे (या१०वें) भाव में स्थित है। यह एक रूचिकर बात है, कि वास्तव में यह एक बहुत अनुकूल युति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आपके जीवन साथी से आपका सबंध बहुत आत्मीय और घनिष्ठ होगा, जैसा कि आप व्यवधानरहित एकांत में अपने जीवन साथी की संगति का आनन्द प्राप्त करने के बहुत शौकीन होगें।

आपकी कुण्डली में, विवाह का नैसर्गिक कारक शुक्र षष्ठेश के साथ स्थित है। यह एक प्रतिकूल युति है। यदि कुछ बली प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो आप अपने जीवन साथी के संबंध में बहुत भाग्यशाली नहीं हो सकते हैं। वह रूग्ण हो सकता है, और उसकी प्रकृति अनकही तथा मिजाज शीघ्र गुस्सा करने वाला हो सकता है– जिससे आपके वैवाहिक जीवन में शांति और खुशहाली का अभाव हो सकता है। आपके वैवाहिक जीवन की अवधि भी बहुत लम्बी नहीं हो सकती है।

आपकी कुण्डली में, शुक्र की स्थिति से गणना करने पर तीन महत्वपूर्ण राशियों (४थी, ८वीं और १२वीं) में से केवल एक नैसर्गिक अशुभ ग्रहों से अधिग्रहित हैं, जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इन दोनों में किसी राशि में नहीं है। यह एक बहुत अनुकूल युति है, जिसे अरिष्ट योग कहा जाता है। यदि कुछ बली सौम्य प्रभाव आपकी कुण्डली में नहीं हैं, तो यह युति आपके वैवाहिक जीवन में कुछ कलह पैदा करने और खुशियों को बिगाड़ने की क्षमता और प्रभाव रखती है।

जातक के स्वास्थ्य और बिमारियों का आकलन

जैसाकि आपकी कुण्डली में, सूर्य पीड़ित है, आप किसी प्रकार के जैविक विकार से ग्रस्त हो सकते हैं। आपकी संरचनाबहुत उत्तम नहीं हो सकती है, और आपमें अनुवांशिक रूप से कोई रोग उत्पन्न हो सकता है– संभवत: अपने पिता से।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा पीड़ित नहीं है, आप किसी भी क्रियात्मक विकार से मुक्त रहेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और बाह्य कारकों जैसे जलवायु और वातावरणीय स्थितियों में परिवर्तन के कारण आपको कोई रोग नहीं होगा।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, लग्न पीड़ित है, आपमें रोगों के प्रति उत्तम प्रतिरोधक क्षमता नहीं हो सकती है। आप कभी– कभी किसी एक या अन्य रोग से ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, अष्टमेश (८वाँ भाव– गंभीर समस्या) की दृष्टि लग्न पर है, आप किसी गंभीर रोग से काफी लम्बे समय तक ग्रसित हो सकते हैं। संभवत: आप किसी रोग से अपने प्रारम्भिक बचपन में लम्बे समय तक ग्रसित थे।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, बुध मकर राशि में स्थित है, और लग्न उससे पीड़ित है, अत: आप पीठ में दर्द, घुटनों में गठिया का दर्द, मूत्र मार्ग में रूकावट, अवसाद आदि से ग्रस्त हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, चन्द्रमा कन्या राशि में स्थित है, और सूर्य उससे पीड़ित है, अत: आप रक्त संबंधी रोग, बाँहों और कंधों में दर्द, आँतों में विकार आदि जैसे विकारों से ग्रसित हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, अष्टमेश अपनी तुगंस्थ राशि में स्थित है, आप अपने जीवन में किसी गंभीर दुर्घटना का सामना नहीं कर सकते हैं, आपको कोई बड़ी शल्य चिकित्सा भी नहीं करवानी पड़ सकती है।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, मंगल तुगंस्थ है, या अपने भाव में स्थित है,और यह वक्री नहीं है, आप किसी गंभीर दुर्घटना का सामना नहीं कर सकते हैं, या आपको कोई बड़ी शल्य चिकित्सा नहीं करवानी पड़ सकती है, आप मारकाट या रक्तहीनता का सामना भी नहीं कर सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, शनि तुगंस्थ है, या अपने भाव में स्थित है, और यह वक्री नहीं है, आपको हड्डी की किसी प्रकार की टूट या किसी बड़ी शल्य चिकित्सा का सामना नहीं करना पड़ सकता है। हालाँकि, यदि कुछ प्रतिकारी युतियाँ भी आपकी कुण्डली में मौजूद हैं, तो बुरे से बुरा प्रभाव आपकी हड्डी का अपने स्थान से खिसकना हो सकता है–और आपको बाह्य उपचार की आवश्यकता हो सकती है।

जैसाकि आपकी कुण्डली में, मेष राशि पर मंगल और शनि का संयुक्त प्रभाव है, बाहरी या आन्तरिक कारकों के कारण आपके सिर और चेहरे में विकार होने की संभावना है।

जैसाकि आप पुरूष हैं, और पीड़ित राशि एक विषम राशि है, आपके शरीर के बाँयें हिस्से, जिसे पीड़ित राशि दर्शाती है,में चोट लगने या उसके किसी और तरह से प्रभावित होने की अधिक संभावना है।

यात्रा, भ्रमण और विदेश गमन

आपकी कुण्डली में, लग्न चर राशि में आता है, और लग्नेश भी चर राशि में स्थित है। यह युति एक 'सदा संचार योग' का निर्माण करती है। आपका स्वभाव अशांत होगा, और आपको हर जगह घूमने का शौक होगा। आप कई दूरस्थ स्थानों की यात्रायें करेगें।

आपकी कुण्डली में, बहुत सारे ग्रह (४ या अधिक) एक चर राशि में स्थित हैं। यह दर्शाता है, कि आप कई स्थानों की बहुत यात्रा करेगें।

आपकी कुण्डली में, बहुत सारे ग्रह (५ या अधिक) चर और उभय राशि में स्थित हैं। यह दर्शाता है, कि आप कई स्थानों की बहुत यात्रा करेगें। यदि कई सारे ग्रह चरअर्ध या चर राशियों से आधी नजदीकी में स्थित हैं, तो यह प्रवृत्ति और भी अधिक होगी।

आपकी कुण्डली में, तृतीयेश चर राशि में स्थित है। यह दर्शाता है, कि आप कई परिवर्तन करेगें, और प्राय: समीपस्थ स्थानों की यात्रायें करेगें।

आपकी कुण्डली में, तीव्र गति से चलने वाला ग्रह (जो वक्री नहीं है) एक दूसरे मंद चलने वाले ग्रह के साथ, जिस परदृष्टि निर्माण के लिये आवश्यक स्थिति की यथार्थ डिग्री को इसने अभी प्राप्त नहीं किया है, ६0 डिग्री की दृष्टि में शामिल है। यह आपके किसी समीपस्थ स्थान (आपके जन्म या निवास स्थान से) पर स्थानांतरित होने की संभावना को व्यक्त करता है, जहाँ आप अमीर होंगे, और काफी लम्बे समय तक रहेगें।

आपकी कुण्डली में, तीव्र गति से चलने वाला ग्रह (जो वक्री नहीं है) एक दूसरे मंद चलने वाले ग्रह के साथ, जिस परदृष्टि निर्माण के लिये आवश्यक स्थिति की यथार्थ डिग्री को इसने अभी प्राप्त नहीं किया है, ६0 डिग्री की दृष्टि में शामिल है। यह किसी अप्रत्याशित घटनाक्रम के कारण आपके किसी दूरस्थ स्थान (आपके जन्म या निवास स्थान से) परस्थानांतरित होने की संभावना को व्यक्त करता है, जहाँ आप काफी लम्बे समय तक रहेगें। यदि कुछ प्रतिकारी संशोधनकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको किसी संभावित कारण से व्यवसाय में झटका लग सकता है।

शुभ दिशा का चुनाव ?

यदि कुछ प्रतिकारी प्रभाव आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपके लिये अनुकूल दिशा पश्चिम होगी।

विमशोत्तरी दशा से भविष्यफल

बृहस्पति दशा (18:02:2008 से 18:02:2024)

वर्तमान समय में आपकी बृहस्पति की महादशा चल रही है, और बृहस्पति आपकी कुण्डली में ८वें भाव में स्थित है। बृहस्पति की दशा के दौरान आप पूर्ण एकाकी जीवन व्यतीत कर सकते हैं। बहुत युवा अवस्था से ही आप पिता से अलग हो सकते हैं। यदि युवास्था में भी यह दशा विद्यमान रहती है, तो पिता से आपको कोई सुख नहीं मिल सकता है ।बाद के जीवन में आप सन्यास की तरफ मुड सकते हैं। आपका स्वास्थ्य बहुत खराब हो सकता है। आप हृदय की समस्या, रक्तविषाक्तता, ट्यूमर, कान की परेशानी से ग्रस्त हो सकते हैं।

वर्तमान समय में आपकी बृहस्पति की महादशा चल रही है, और बृहस्पति आपकी कुण्डली में वृश्चिक राशि में स्थित है। बृहस्पति के अपनी दशा के दौरान, आपके अन्दर विविध कार्यों को करने के लिये जोश होगा। आपकी बुद्धिमत्ता में बढ़ोत्तरी होगी, लेकिन गलत और सही की पहचान करने की आपकी क्षमता खो सकती है। आप सबका सम्मान करेगें।

बृहस्पति अर्न्तदशा (18:02:2008 से 07:04:2010)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यत: यह अन्तर्दशा आपके लिये बहुत उत्तम साबित होगी। आपको उचित कोटि का उत्तम भाग्य, भारी सम्मान और विकसित उत्कृष्ट गुण प्राप्त होगें। आपको एक पुत्र की प्राप्ति हो सकती है। आपको सरकार की तरफ से पहचान मिल सकती है। विद्वान, उपदेशकों और दूसरे धर्मपरायण लोगों से आपको मिलने के अवसर प्राप्त होगें। आपके उत्साह और शारीरिक जीवनशक्तिमें निरन्तर बढ़ोत्तरी होगी। आपके शरीर और दिमाग दोनों में एक विशिष्ट प्रकार की शांति और सौम्यता विद्यमान होंगी। आपके परिवार में कई वैवाहिक सामारोह आयोजित होगें। आपको पूर्ण पत्नी सुख और संतानों विशेषकर पुत्रों से खुशियाँ मिलेगीं। आपके सभी कार्य बहुत सहजता के साथ पूर्ण होगें। आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी,और कोष धन से पूर्ण रहेगें। यदि बृहस्पति कमजोर भी है, तो भी आप इस अन्तर्दशा के दौरान आप कुछ लाभकारीपरिणामों का आनन्द अवश्य ही उठायेगें।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (18:02:2008 से 01:06:2008)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस प्रत्यंतर्दशा के परिणाम बृहस्पति की स्थिति पर निर्भर करेगें। इसके दौरान आपको सुखद परिणाम प्राप्त होगें। आपके घर में कोई शुभ समारोह आयोजित होगा। आपका विवाह भी हो सकता है। यदि आप नौकरीकर रहे हैं, तो आप पदोन्नत्ति की आशा कर सकते हैं, और यदि व्यापार कर रहे हैं, तो आपको लाभ प्राप्त होगा।

शनि प्रत्यंतर्दशा (01:06:2008 से 02:10:2008)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान आपकी आय व्यय से कम हो सकती है। आपमें असुरक्षा की भावना जन्म ले सकती है। आप नशे के आदी हो सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ प्राय: आपका झगड़ा हो सकता है। अपने परिवारमें बुरी छवि होने के बावजूद भी आपको समाज में नाम और यश मिलेगा। संतानों की स्वास्थ्य आपकी चिन्ता काकारण हो सकता है। आपको अपने घर से बाहर अधिक खुशी मिलेगी।

बुध प्रत्यंतर्दशा (02:10:2008 से 21:01:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली प्रत्यंतर्दशा में किये गये उत्तम कार्यों का परिणाम आपको इस प्रत्यंतर्दशा में मिलेगा। आपको अपनेउद्देश्यों में आसानी से सफलता मिलेगी। आपको ईश्वर की भरपूर कृपा प्राप्त होगी। आप प्राय: विदेशों की यात्रायें कर सकते हैं, और उनसे धन अर्जित कर सकते हैं। आपको पानी से सावधान रहना चाहिये।

केतु प्रत्यंतर्दशा (21:01:2009 से 07:03:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान आपकी पत्नी और संतानों को कष्ट हो सकता है। आपको बहुधा रोगों और अपने सभी कामों में असफलता का सामना करना पड़ सकता है। आपको हथियारों या वाहन दुर्घटना के कारण कोई चोट लग सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (07:03:2009 से 15:07:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह प्रत्यंतर्दशा बहुत उत्तम होगी, आपको दशा के शुरू में धन, नाम, सम्मान मिलेगा, लेकिन अचानक सब प्राप्तियाँ लुप्त हो सकती हैं। आप धार्मिक आराधना में अधिक रूचि लेगें, और इस कारण आप विभिन्न तीर्थों की यात्रायें करेगें।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (15:07:2009 से 23:08:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। राजनीतिज्ञों और नौकरी करने वाले लोगों के लिये यह प्रत्यंतर्दशा अति उत्तम है। यदि आप राजनीति में हैं,तो एक महत्वपूर्ण पद प्राप्त करेगें, और यदि नौकरी कर रहें हैं, तो आपकी पदोन्नत्ति होगी। आपकी शक्तिऔर अधिकार में बढ़ोत्तरी होगी। आपको सरकारी समर्थन मिलेगा, और विभिन्न समारोहों और आयोजनों में शामिल होने का आप निमंत्रण पायेगें।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (23:08:2009 से 27:10:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशाचल रही है। सामान्यत: यह प्रत्यंतर्दशा आपके लिये शांतिपूर्ण और आनन्दायक होगी। आप युवा लड़कियों से सम्पर्क बनायेगें, और उनसे यौन सुख प्राप्त करेगें, या बहुत घनिष्ठ संबंध स्थापित करेगें। यदि आपने इस लालसा पर काबू नहीं पाया, तो आप परेशानियों में फँस सकते हैं। आपके शत्रु पीछे हट सकते हैं, या आपके मित्र बन सकते हैं ।यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको अधिक महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मिलेगीं।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (27:10:2009 से 11:12:2009)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको अपने मित्रों और संबंधियों के साथ-साथ अपने शत्रुओं से भी धन प्राप्त होगा। आपको भूमि और भवन की प्राप्ति होगी। आपको अपनी आँखों की उचित देखभाल करनी चाहिये। आप तीव्र सिरदर्द, बवासीर और गुदा केआस पास खुजली से ग्रस्त हो सकते हैं। निवेश के लिये यह सबसे उत्तम समय है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (11:12:2009 से 07:04:2010)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बृहस्पति की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस प्रत्यंतर्दशा में परिणामों की प्रकृति में बहुत बदलाव आ सकते हैं। आपके संबंधी आपकी व्यापारिक और व्यवसायिक प्रगति में बाधाये खड़ी कर सकते हैं। आप अपना निवास स्थान बदल सकते हैं। आपको त्वचा रोग हो सकता है। शत्रु आपको परेशान करने की कोशिश कर सकते हैं। घरेलू मामलों या व्यापार में उनका दखल सहने योग्य नहीं होगा।

शनि अर्न्तदशा (07:04:2010 से 19:10:2012)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा चल रही है। वेश्याओं के साथ संबंध रखने के कारण आपको विभिन्न प्रकार के यौन रोग हो सकते हैं। आपको नशे की लत लग सकती है। आपके परिवार के सदस्यों के बीच संबंध मधुर नहीं हो सकते हैं। हलाँकि, उत्तम कार्यों के कारण आपको नाम और यश प्राप्त होगा। आपकी आय व्यय से कम होगी। आपके दिमाग में किसी प्रकार का भय व्याप्त हो सकता है। आप संतानों की असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो सकते हैं। आपकी कुण्डली में शनि की अनुकूल या प्रतिकूल चाह जो भी प्रकृति हो, वह केवल

अपने अन्तर्निहित गुण को ही प्रदर्शित करेगा। हालाँकि, उसके किसी भी अशुभ प्रभाव को दशा का स्वामी बृहस्पति नियंत्रित करेगा।

शनि प्रत्यंतर्दशा (07:04:2010 से 01:09:2010)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको महिला समुदाय से कष्ट हो सकता है। आपका अपने से उम्र में बडी महिला के साथ यौन संबंध हो सकता है। आप बुखार, वायु या कफ विकार, लकवा, आँतों में दर्द आदि से पीड़ित हो सकते हैं। संबंधियों से भी आपको कष्ट हो सकता है। आप भारी मानसिक व्यथा से ग्रस्त हो सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (01:09:2010 से 10:01:2011)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह अति उत्तम दशा है, और लगभग ६0 प्रतिशत लोग इस दशा के प्रभाव में हैं। अपने खोये हुये धन और सम्पत्ति को प्राप्त करने का यह वास्तविक समय है। निवेश करने और भूमि तथा भवन खरीदने के लिये यह सबसे उत्तम समय है। अगर आपने इस दशा के दौरान कुछ प्राप्त नहीं किया, तो जीवन भर आप कुछ नहीं प्राप्त कर सकते हैं।

केतु प्रत्यंतर्दशा (10:01:2011 से 05:03:2011)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। अगर आपने अपनी मौजमस्ती और खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा तो पिछली दशा में प्राप्त हर चीज इस दशा के दौरान बर्वाद हो सकती है। आप कई रोगों से ग्रस्त हो सकते हैं।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (05:03:2011 से 06:08:2011)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह अपने दोषों और कमजोरियों को अहसास करने का समय है। आप उपद्रवी परिस्थितियों से धीरे-धीरे ऊपर उठेगें। इस दशा के अन्त में आप अपने नुकसान की भरपाई करेगें। शनि और शुक्र से संबंधित व्यापार इस दशा के दौरान लाभकारी होगा। आपको औरतों से सावधान रहना चाहिये। वे अपने लाभ के लिये केवलआपकी मित्र बनेगीं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (06:08:2011 से 21:09:2011)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा में की गयी गलती का प्रभाव आपको विषम परिणामों के रूप में इस दशा में देखने को मिल सकताहै। आपकी अवनति का कारण एक महिला हो सकती है, जिसके साथ आपके घनिष्ठ संबंध रहे हैं। यदि आप राजनीति से जुड़े हैं, तो आपको आशावान होना होगा। आपका कोई नया गठजोड़ बनाना चाहिये, या अपने सहकर्मियों का विरोध करना चाहिये।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (21:09:2011 से 07:12:2011)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी पत्नी, संतान और माता पिता को खतरा हो सकता है। आपको मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। ऐसा प्रतीत होता है, आपकी सारी योजनायें सफल होगीं। लेकिन अचानक सम्पूर्ण तंत्र और विचार असफल हो सकते हैं, और आपको धन का भारी नुकसान हो सकता है। ऐसे में केवल ईश्वर आपकी रक्षा कर सकता है। अतः आपको पूरी तरह से अपने को भगवान की उपासना में समर्पित कर देना चाहिये।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (07:12:2011 से 30:01:2012)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आपकी आर्थिक दशा बहुत उत्तम होगी, लेकिन आपको परिवार में एक के बाद एक कई आघातों का सामना करना पड़ सकता है। संबंधी आपको बहुत नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर सकते हैं। आप लम्बी यात्रायें करेगें, और धन प्राप्त करेगें।

राहु प्रत्यंतर्दशा (30:01:2012 से 17:06:2012)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा कुछ हद तक थकाने वाली हो सकती है। कर्जदार आपको परेशान कर सकते हैं। आपके कई लालसापूर्णविचार हो सकते हैं। आपके लिये लालसाओं पर नियंत्रण रखना बेहतर होगा। आपको नशे की लत लग सकती है। विशिष्ट लोग आपको परेशान कर सकते हैं। आपका सबसे सभी स्तर पर मतभेद हो सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (17:06:2012 से 19:10:2012)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शनि की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक लाभ प्रद दशा होगी। पहले शुरू की गयी किसी योजना में आपको सफलता मिलेगी। हालाँकि, आपको पत्नी का सुख नहीं मिल सकता है। वह आपकी प्रगति में बाधा बन सकती हैं। आपको अपने दिमाग से निर्णय लेना चाहिये।

बुध अर्न्तदशा (19:10:2012 से 24:01:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा चल रही है। आपको ईश्वरीय कृपा प्राप्त होगी। आप अपने उपक्रमों में आसानी से सफलता प्राप्त करेगें। प्रतियोगिताओं में अगर भाग ले रहे हैं, तो आप उनमें अपनी सफलता का परचम लहरायेगें। समग्र रूप से यह अन्तर्दशा आपकी पत्नी और संतानों के लिये उत्तम होगी।मित्र आपकी मदद को आगे आयेगें। यदि आप हिन्दु हैं, तो आपको अपने कुटुम्ब के भगवान और अग्नि देवता की पूजा करनी चाहिये। आप उत्तम कामों को करने में रूचि लेगें। आप संपन्न होगें, और आपको वाहनों का लाभ प्राप्त होगा। आप निस्तर विदेशों की यात्रा करेगें। आपको पानी से सावधान रहना चाहिये। आप सिर से संबंधित किसी रोग से पीड़ित हो सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (19:10:2012 से 13:02:2013)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के इौरान आप अपने पेशे या व्यापार में बदलाव कर सकते हैं। आपको जुए की लत लग सकती है, और आप अपना धन गँवा सकते हैं। हालाँकि, विभिन्न स्रोतों से आप धन अर्जित करेगें, और यौन सुख प्राप्त करने के लिये उसको खर्च कर सकते हैं। अपनी पत्नी और संतानों के कारण आप चिन्तित हो सकते हैं। आपको गले में विकार ,कफ और सर्दी की शिकायत हो सकती है।

केतु प्रत्यंतर्दशा (13:02:2013 से 02:04:2013)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह अनिश्चिताओं से भरी दशा है। आप गैरमैत्रीवत और दुष्ट प्रकृति के लोगों से घिर सकते हैं। आपको जुए की लत लग सकती है, और आप अपना धन गँवा सकते हैं। आपको एक पीड़ादायक और दु:खी जीवन व्यतीत करना पड़ सकता है। आप मिर्गी या उन्माद से ग्रस्त हो सकते हैं। पत्नी और संतान आपकी देखभाल करने से विमुख हो सकतेहैं। आपको असीमित पाप कर्म करने पर बाध्य होना पड़ सकता है। कोई दुष्ट शक्तिइसके लिये जिम्मेदार हो सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (02:04:2013 से 18:08:2013)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप पाप से युक्तगतिविधियों से बाहर निकलने की कोशिश कर सकते हैं, आप ईश्वर की मदद की कामना कर सकते हैं, और उसकी आराधना में लगे रहेगें। अन्तत: आप ऊँचे स्तर का ज्ञान प्राप्त करेगें, और अपने पापों से मुक्त होगें। आप अपने परिवार के साथ स्वादिष्ट भोजन का आनन्द प्राप्त करेगें। पत्नी और संतान आपका समर्थन करेगीं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (18:08:2013 से 29:09:2013)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल

रही है। सामान्यत: यह दशा सबसे उत्तम मानी जाती है। आपकी सभी महत्वाकांक्षायें पूरी होगीं। आपको बिना अधिक प्रयास के प्रत्येक चीज मिलेगी। आपको रोगों से मुक्तिमिलेगी। आपकी पत्नी, संतान, संबंधी और मित्र आपके उत्तम कामों की प्रंशंसा करेगें, और आपको खुला सहयोग देगें।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (29:09:2013 से 07:12:2013)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक उत्तम दशा होगी। ये तीनों ग्रह बृहस्पति, बुध और चन्द्रमा किसी व्यक्तिके द्वारा सफलता प्राप्त करनेके लिये तीन मूल जरूरतों, क्रमश: ज्ञान, बुद्धिमता और दिमाग की शुद्धता, को व्यक्तकरते हैं। जब दशा इनसे संबंधित होती है, तो कोई भी दुष्ट शक्तिआपको सफलता प्राप्त करने से नहीं रोक सकती है– जैसाकि आप इसकी जानकारी पाकर पहले से तैयारी कर सकेगें। आप कोई भी काम करने के लिये स्वतंत्र होगें। आपकी सफलता निश्चित है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (07:12:2013 से 24:01:2014)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। इस दशा के दौरान आपको काफी संघर्षों और विवादों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन आप इस जीवन संघर्ष पर विजय प्राप्त कर लेगें। आपके शत्रु परास्त होगें। आप निडर होकर काम करेगें, और सफलता को प्राप्त करेगें। हालाँकि, आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिये– जैसाकि विभिन्न कामों में बहुत अधिक व्यस्तता आपकेस्वास्थ्य पर आखिरकार बुरा प्रभाव डाल सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (24:01:2014 से 28:05:2014)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप की आय उत्तम होगी, और आप अपनी खोये हुये पद और धन को पुन: प्राप्त करेगें। आपको समाज के लिये किये गये अपने उत्तम कार्य के लिये प्रशंसा मिलेगी। आप पर ईश्वर की प्रचुर कृपा रहेगी।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (28:05:2014 से 15:09:2014)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको लगभग अपने हर मामले में सफलता मिलेगी। यदि आपको कोई रोग है, तो आपको उससे पूरी राहत मिलेगी। आपको अपने उत्तम काम के लिये समाज में प्रशंसा प्राप्त होगी। ईश्वर की आप पर भरपूर कृपा होगी।

शनि प्रत्यंतर्दशा (15:09:2014 से 24:01:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में बुध की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको मिश्रित फल प्राप्त होगें। यद्यपि आपको विभिन्न स्रोतों से आय प्राप्त होगी, फिर भी नशे की लत और अन्य यौन सुखों की प्राप्ति में रत रहने के कारण आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। आप लेखन या प्रकाशन से कमा सकते हैं। आपको विभिन्न रोगों से राहत मिलेगी।

केतु अर्न्तदशा (24:01:2015 से 31:12:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा चल रही है। आपको हथियारों से खतरा हो सकता है। आप शरीर में फोड़ों की समस्या से ग्रसित हो सकते हैं। आपके नौकरों के साथ गलतफहमी का शिकार होने और मानसिकरूप से व्यथित होने की संभावना है। आपकी पत्नी और संतानों को किसी तरह का कष्ट हो सकता है। कुण्डली में मौजूद अन्य प्रभाव के अनुसार आपका स्वास्थ्य खराब या बड़ो और मित्रों से अलगाव हो सकताहै। आप दूरस्थ स्थानों की यात्राये कर सकते हैं, और आपको भारी तथा अपरिहार्य खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। आपको केतु के अशुभ प्रभाव से बचने के लिये महामृत्युंजय मंत्र का जाप करना चाहिये।

केतु प्रत्यंतर्दशा (24:01:2015 से 13:02:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल

रही है। आपको भवन और भूमि की प्राप्ति होगी। भूमि और अप्रत्याशित स्रोत से आप धन प्राप्त करेगें। यदि आप संतानोत्पत्ति में सक्षम हैं, तो आपको भाग्यशाली पुत्र प्राप्त होगें। आपका रूझान धार्मिक कार्यों में होगा।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (13:02:2015 से 11:04:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको उत्तम पत्नी का सुख नहीं प्राप्त हो सकता है। आप और आपकी पत्नी के बीच प्राय: विवाद हो सकते हैं। हालाँकि आपका वैवाहिक संबंध बना रहेगा। आप आर्थिक रूप से एक उत्तम दशा की आशा कर सकते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (11:04:2015 से 28:04:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है।आपको सरकारी अधिकारियों के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको अपने परिवार के लोगा नापसन्द कर सकते हैं, और आप नीच लोगों की संगति में पड़ सकते हैं, जो आपको पथभ्रष्ट कर सकते हैं, और आपका जीवन बरबाद कर सकते हैं। आपके परिवार में किसी का मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है, जिससे आपके परिवार का वातावरण पूरी तरह से बदल सकता है।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (28:04:2015 से 26:05:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। आपको अपनी प्रगति में कई सारी समस्याओं और बाधाओं कासामना करना पड़ सकता है। संतानों के कारण आप चिन्तित हो सकते हैं। यदि आप अविवाहित हैं, तो इस दशा के दौरान आपके विवाह की संभावना है। यदि आपकी माता इस दशा में किसी संतान को जन्म देती है, तो आपकी माता कोबहुत कष्ट हो सकता है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (26:05:2015 से 15:06:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आपकी आध्यात्मिक प्रगति होगी। आपकी आय काफी हद तक संतोषप्रद होगी, लेकिन व्यय का तरीका बहुत निकृष्ट हो सकता है। अत: यदि आपने सावधानी नहीं बरती तो आप सारा अर्जित धन खो सकते हैं। इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान आपको गुदा रोग या बवासीर या पीलिया होने की संभावना है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (15:06:2015 से 05:08:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के परिणाम मुख्यत: राहु की स्थिति पर निर्भर करेगें। यदि राहु बली है, तो आपकी सभी महत्वाकांक्षायें पूरी होगीं। आपका व्यापार बहुत तेजी से फले फूलेगा। आपको भूमि भवन, वाहन और खुशहाल जीवन के लिये आवश्यक सभी चीजें प्राप्त होगीं। यदि राहु कमजोर है, तो परिणाम प्रतिकूल हो सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (05:08:2015 से 20:09:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यत: यह प्रत्यंतर्दशा उत्तम होगी। आपके घर पर शुभ समारोह आयोजित होगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आपका विवाह हो सकता है। आपको संतानों की प्राप्ति होगी। आप परीक्षाओं में सफल होंगें। व्यापार में आपको लाभ मिलेगा। यदि आप नौकरी में है, तो आपको पदोन्नति प्राप्त होगी। आपको रोगों से छुटकारा मिलेगा।

शनि प्रत्यंतर्दशा (20:09:2015 से 13:11:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपने अपने अधिकार से अधिक सुखों को प्राप्त कर लिया है। अत: आपको अत्याधिक सुखों का आनन्द प्राप्त करने की कीमत चुकानी पड़ सकती है। परिस्थितियाँ कुछ ऐसी बन सकती हैं,कि आप उनके आगे कुछ न कर पाने को विवश हो सकते हैं। हर तरफ आपको हानि का सामना करना पड़ सकता है। आपके घर पर हर समय किसी को रोग बना

रह सकता है। शत्रु आप और आपके परिवार को लगातार परेशान कर सकते हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (13:11:2015 से 31:12:2015)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में केतु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आखिरकार आपको दैवीय मदद प्राप्त होगी। आपको ऋण और कर्जे से राहत मिलेगी। यह पूर्णरूप से एक हानिरहित दशा होगी। यदि आपने अपने दिमाग का उचित प्रयोग किया तो आपकी कार्य के हर क्षेत्र में प्रगति होगी। पत्नीऔर संतानों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपके विवाह और पदोन्नति की संभावना है।

शुक्र अर्न्तदशा (31:12:2015 से 31:08:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा चल रही है। इस अर्न्तदशा के दौरान, आप धन संग्रह करेगें, और पत्नी, संतानों, संबंधियों और मित्रों से सुख तथा खुशियाँ प्राप्त करेगें। आपकी मवेशियों कीसंख्या, अनाज के भंडार और सामान्य संपन्नता में बढोत्तरी होगी। आप धार्मिक मामलों में गहरी रूचि लेगें। आप ईश्वर के संबंध में जानने के उत्सुक होगें, और इसके लिये धर्मपरायण तथा साधुजनों पर निर्भर रहेगें। कुछ हद तक आप अपने उद्देश्य में सफल होगें, अर्थात आप कुछ वास्तविक उपदेशकों के सम्पर्क में आयेगें, जिनसे आप और अधिक ज्ञान प्राप्त करने में सफल होगें। हालाँकि, दैवीय उपदेशक के छद्म वेश में छिपे हुये लोगों से आपको धोखा भीहो सकता है। आपके शत्रुओं की संख्या बढ़ सकती है, और बिना किसी कारण के प्राय: झगड़े हो सकते हैं। आपको महिलाओं के कारण अपमान का सामना करना पड़ सकता है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (31:12:2015 से 11:06:2016)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। विभिन्न स्रोतों से आपको धन प्राप्त होगा। लेकिन इस आय का एक बड़ा भाग आप मौज मस्ती और मनोरंजन मेंव्यय कर सकते हैं। आपको वाहन की प्राप्ति होगी। आप सभी नुकसानों की भरपाई करने और एक आनन्दपूर्ण जीवन जीने में सक्षम होगें।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (11:06:2016 से 29:07:2016)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह एक उत्तम दशा होगी। आप ऊँचे राजनीतिक पदों पर आसीन लोगों से लाभ प्राप्त करेगें, और उन लाभों की मदद से आप कोई लाभकारी व्यापार करने में सक्षम होगें। हालाँकि, आपको महिलाओं से बहुत सावधान रहना चाहिये।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (29:07:2016 से 19:10:2016)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकी आय से व्यय अधिक होगा। आप स्त्रियों के सम्पर्क में आ सकते हैं, जिन्हें व्यापारिक या आर्थिक सलाह आदि के रूप में आपकी मदद की आवश्यकता हो सकती है। इस मदद के दौरान आप के साथ-साथ उनको भी लाभ होगा। इस दौरान आपके उनसे संबंध भी बन सकते हैं,जिससे आप और आपकी पत्नी के बीच कलह उत्पन्न हो सकती है। आपको सिर, दाँत, नाखून और उदर के रोग हो सकते हैं।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (19:10:2016 से 15:12:2016)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। यह दशा गतिविधियों से पूर्ण होगी। आप व्यापार या व्यवसाय या नौकरी, जो भी कर रहे होगें, उसमें बहुत व्यस्त होगें। इस कारण से आप अपनी पत्नी और संतानों को समय नहीं दे पायेगें। हालाँकि, आप उनको खुश करने के लिये प्रत्येक काम करेगें, लेकिन वह सब बेकार जायेगा। वे आपकी समस्या को नहीं समझेगें, और आपसे अनावश्यक झगड़ा कर सकते हैं। आपको सम्मान मिलेगा। आपको रक्तचाप, बवासीर या पीलिया की शिकायत हो सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (15:12:2016 से 10:05:2017)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल

रही है। आपको अज्ञात स्रोतों से अप्रत्याशित धन का लाभ होगा। आप खोई हुई सम्पत्ति प्राप्त कर सकते हैं। अब तक केअनसुलझे सम्पत्ति विवाद इस दशा के दौरान सुलझ जायेगें, और आप एक आरामदायक और खुशहाल जीवन व्यतीतकरेगें।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (10:05:2017 से 17:09:2017)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। भूमि और सम्पत्ति प्राप्त करने के लिये यह उत्तम समय है। आप अपनी गतिविधियों के क्षेत्र में आसानी से सफलता प्राप्त करेगें। आपको कोई भी नयी योजना इस दशा के दौरान शुरू नहीं करनी चाहिये। आप केवल अपने मौजूदा व्यापार को बढ़ा या विकसित कर सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपके रोजगार में बदलाव हो सकताहै, और आपका वेतन बढ़ सकता है।

शनि प्रत्यंतर्दशा (17:09:2017 से 18:02:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपकें जीवन में प्रायः बदलाव होगें। आपको अधिकतम शुभ परिणामों का आनन्द प्राप्त होगा।

बुध प्रत्यंतर्दशा (18:02:2018 से 06:07:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा में आपको अति उत्तम परिणाम मिलेगें। आपका या आपके भाई/बहन का विवाह हो सकता है। आपके घर पर शुभ समारोह सम्पन्न होगें। आपके संबंधी आपके हर प्रयास में मदद करेगें। आप शत्रुओं को परास्त करेगें। आप लेखन, प्रकाशन या ट्यूशन से आय प्राप्त कर सकते हैं।

केतु प्रत्यंतर्दशा (06:07:2018 से 31:08:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में शुक्र की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा आध्यात्मिक पहलू पर अधिक जोर देती है। इस दशा में नास्तिक भी आस्तिक हो जाता है। आप तीर्थस्थानों की यात्रा करेगें। आप भविष्यवक्ताओं और तांत्रिकों से परामर्श करने में धन की बर्बादी कर सकते हैं। आपकोअपने मित्रों से सावधान रहना चाहिये- जैसाकि वे आपके कामों का अनुमोदन करके आपको परेशानी में डाल सकते हैं।

सूर्य अर्न्तदशा (31:08:2018 से 19:06:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा चल रही है। इस अर्न्तदशा के दौरान शत्रु पीछे हटेगें। वे या तो अपनी गलती मानकर क्षमा माँग सकते हैं, या हार कर भाग जायेगें। आपकी शक्तिऔर अधिकार में बढ़ोत्तरी होगी, और आपको सरकारी सम्मान प्राप्त होगा। आपको शाही समारोहों का आमंत्रण प्राप्त होगा। आपमें आत्म विश्वास की भावना का विकास होगा, और आप साहसिक कामों को करके सफलता प्राप्त करेगें। आप निरन्तर छोटी यात्रायें करेगें, और ज्ञान के कई नये क्षेत्रों को देखने और समझने के आपको अवसर मिलेगें। आप अपने पहनावे में विशेष रूचि लेगें, ताकि आप अधिक आकर्षक दिख सकें और अपने आस पास के लोगों को आकर्षित कर सकें। हलाँकि आप अचानक अवनति का सामना कर सकते हैं, और सरकारी अधिकारियों के द्वारा दंडित किये जा सकते हैं। यह भी हो सकता है, कि आप कस्बे में जाकर बस जायें, और सुख तथा विलास का आनन्द प्राप्त करें।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (31:08:2018 से 15:09:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यतः यह एक उत्तम दशा है। आपको सामान्य संपन्नता अवश्य प्राप्त होगी। आप भूमि, भोजन और वाहन प्राप्त करेगें। परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों के लिये यह एक उत्तम दशा है। यदि आप बेरोजगार हैं, तो आपको रोजगार मिलेगा। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपकी पदोन्नति होगी, और यदि आप व्यापारी हैं, तो आप लाभ कमायेगें। आप शत्रुओं को परास्त करेगें।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (15:09:2018 से 09:10:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपमें ज्ञान, अधिकार और बुद्धि का विकास होगा। यदि आप विवाहित हैं, तो ये गुण आपके लिये उत्तम नहीं हो सकते हैं– जैसाकि आप और आपकी पत्नी के बीच ये गुण व्यक्तित्व मतभेद को जन्म दे सकते हैं। बाहरी लोग आपके विचारों और कार्यक्रमों का खुला समर्थन करेगें, जबकि आपकी पत्नी उनका विरोध कर सकती है, और आपके व्यवसायिक भविष्य तथा अन्य मामलों में संभावनाओं में दखल दे सकती है।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (09:10:2018 से 26:10:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। यह दशा आडम्बर और दिखावे की हो सकती है। आपको शक्तिऔर अधिकार अवश्य प्राप्त होगें। लेकिन आप उनका गलत प्रयोग करके परेशानी में पड़ सकते हैं। आपको अपने प्रतिद्वन्दियों से बहुत अधिक सावधान रहना चाहिये। अन्यथा अगली दशा के दौरान आपको अपूर्णिय नुकसान हो सकते हैं। इन सबके बावजूद आप सफलता के साथ आगे बढेगें।

राहु प्रत्यंतर्दशा (26:10:2018 से 09:12:2018)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यदि आप लोगों पर नजर और उनसे दूरी बनाकर नहीं रखेगें, तो आपके बहुत नजदीकी लोग आपको धोखा दे सकते हैं। आपको भारी धन हानि हो सकती है। रक्त की अशुद्धता के कारण आपको रोग हो सकते हैं। आपको अपनी पत्नी और संतान के कारण दु:ख हो सकता है। इस दु:ख के दो कारण हो सकते हैं– पहला उनकी बीमारी और दूसरा आपके साथ सामंजस्य रखने में उनका हठी रवैया।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (09:12:2018 से 17:01:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के परिणाम बृहस्पति की स्थिति पर निर्भर करेगें। यदि बृहस्पति शुभ है, तो आपको उसके सभी उत्तम परिणाम प्राप्त होगें। दूसरे शब्दों में, आपके सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी, पुत्र की प्राप्ति होगी, और आपको उत्तम वस्त्रों तथा धन का लाभ होगा।

शनि प्रत्यंतर्दशा (17:01:2019 से 04:03:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इस दशा के दौरान आपको विरोधों का सामना करना पड़ सकता है। विचार ,कार्यक्रम और अधिकारों का एक दूसरे के साथ टकराव हो सकता है। आपको किसी नयी योजना को स्थगित कर देना चाहिये– जैसाकि आपका अस्थिर दिमाग उसे बेकार कर सकता है। शत्रु आपको अधिकतम कष्ट पहुँचाने की कोशिश कर सकते हैं, लेकिन बृहस्पति की कृपा के कारण आप उनको परास्त करेगें, और सफलतापूर्वक परेशानियों से बाहर आयेगें।

बुध प्रत्यंतर्दशा (04:03:2019 से 15:04:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके लाभ में बढ़ोत्तरी होगी। आपको पदकों का सम्मान मिलेगा। आप भूमि, नया वाहन और अन्य सम्पत्तियाँ खरीदेगें। आपका विवाह हो सकता है, या आपको संतानों की प्राप्ति हो सकती है।

केतु प्रत्यंतर्दशा (15:04:2019 से 02:05:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यत: यह दशा उत्तम नहीं हो सकती है। आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आपके जीवन को खतरा हो सकता है। आपके आस पास के लोग आपको धोखा दे सकते हैं, और आपकी धन हानि के लिये जिम्मेदार हो सकते हैं।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (02:05:2019 से 19:06:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में सूर्य की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके जीवन की गति धीमी और स्थिर हो सकती है। आपको ना ही कोई तनाव होगा, और ना ही कोई खुशी। आपको कभी- कभी धन का लाभ होगा, और आप महिलाओं पर और मनोरंजन में धन व्यय कर सकते हैं। आपका विवाह हो सकता है। आप ईश्वर की पूजा में अपना समय बिता सकते हैं।

चन्द्रमा अर्न्तदशा (19:06:2019 से 19:10:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा चल रही है। यह मुख्यत: आपके लिये आनन्द का समय है। आपको विभिन्न महिलाओं के साथ यौन सुख की प्राप्ति होगी, या यदि आप शर्मीली प्रकृति के हैं, तो हो सकता है, कि आप शारीरिक सुख न प्राप्त करें, लेकिन आपका रूझान ऐसे काम की तरफ हो सकता है। कुछमामलों में ऐसा देखने में आया है, कि अत्याधिक शर्मीली प्रकृति के लोग, जो स्वयं पहल नहीं कर सकते हैं, विपरीत लिंग के लोग जानबूझ कर यौन सुख का आनन्द लेने वाली परिस्थितियाँ उनके लिये तैयार कर देते हैं।

शत्रु फ्लिहाल पीछे हट सक्ते हैं, या आपके मित्र बन सकते हैं। यदि आप सरकारी नौकरी कर रहे हैं, तो आपको पदोन्नति के साथ कोई महत्वपूर्ण पद या विभाग मिल सकता है। आपके ज्ञान में बढ़ोत्तरी होगी। विपरीत लिंग के लोगों के प्रति आपके झुकाव के बावजूद आप अपनी पत्नी और संतानों से प्रेम करेगें, और उनका ख्याल रखेगें। आप सदा उनके साथ रहना चाहेगें। यदि चन्द्रमा आपकी कुण्डली में कमजोर भी है, तो भी आप इस अन्तर्दशा के दौरान कुछ लाभकारी परिणामों का आनन्द उठायेगें।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (19:06:2019 से 30:07:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यत: यह दशा आपके लिये शुभ और अति उत्तम होगी। आप धार्मिक परम्पराओं का अनुसरण करेगें, और भिक्षा बाँटेगें। आपकी सोच परिपक्व होगी, और गलत सही में अन्तर करने का आपमें गुण विकसित होगा। आपको सरकार से समर्थन मिलेगा। विभिन्न स्रोतों से आपको धन का लाभ होगा, और संतान सम्पन्न होगीं। संतान से आपको सुख मिलेगा।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (30:07:2019 से 27:08:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप अशुद्ध रक्त, कफ, मानसिक वेदना,आग, विद्युत और अन्य गर्म वस्तुओं के कारण होने वाले विकारों से ग्रस्त हो सकते हैं। चोरों और शत्रुओं के कारण आपको धन की हानि हो सक्ती है। आपका स्थानांतरण हो सकता है, या आपको प्राप्त पद से आपकी अवनति हो सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (27:08:2019 से 08:11:2019)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। राहु आपसे कई बुरे काम करवाने की कोशिश करेगा, लेकिन बृहस्पति और चन्द्रमा उन कामों पर नियंत्रण रखकर आपको बचायेंगें। हालाँकि, राहु आप पर हावी हो सकता है, और सभी संभव विपदायें पैदा करने की कोशिश कर सकता है। आपको चर्म विकार और बवासीर होने की संभावना हो सकती है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (08:11:2019 से 12:01:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशाचल रही है। यह आपके लिये अति उत्तम दशा होगी। आप गतिविधियों के प्रत्येक क्षेत्र में सही दिशा में काम करेगें, और किसी प्रकार की कोई बाधा नहीं आयेगी। लेखकों और प्रकाशकों के लिये यह सुनहरा अवसर साबित होगा। इस प्रत्यंतर्दशा के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न परीक्षाओं में सफलता अवश्य मिलेगी। साधुजनों से संबंध आपके

विश्वास को बढ़ायेगें।

शनि प्रत्यंतर्दशा (12:01:2020 से 29:03:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। बृहस्पति और चन्द्रमा आपको धन की प्राप्ति करायेगें, और शनि उसकी हानि करा सकता है। आप और आपके माता पिता के बीच गलतफहमी पैदा हो सकती है। सफलता के कारण आप लालचवश निवेश करेगें, जिससे आपको हानियाँ हो सकती हैं।

बुध प्रत्यंतर्दशा (29:03:2020 से 07:06:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके बौद्धिक काम में बढ़ोत्तरी होगा। आपकी आर्थिक दशा में सुधार होगा। आप नया व्यापार शुरू करेगें, या मौजूदा गतिविधियों में विस्तार होगा। हालाँकि, ईर्ष्या के कारण बाहरी दखल हो सकता है। आपको कड़ी प्रतिस्पर्धा कासामना करना पड़ सकता है। शत्रु हर संभव परेशानी पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन अन्ततः आप सभी पर विजय प्राप्त करेगें, और सफल होगें।

केतु प्रत्यंतर्दशा (07:06:2020 से 05:07:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा में शत्रुओं और प्रतिस्पर्धियों के द्वारा निभायी गई भूमिका के नकारात्मक परिणाम अब सामने आ सकते हैं। आपको तीव्र मानसिक तनाव हो सकता है। प्रियजनों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है। आपको धन हानि हो सकती है। आपको पानी या जलीय पदार्थों से खतरा हो सकता है। अतः पानी से संबंधिक कामों जैसे तैराकी, नदी या सागर में स्नान आदि से आपको बचना चाहिये।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (05:07:2020 से 24:09:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आप प्रायः लम्बी यात्रायें कर सकते हैं। आपको विदेश में रोजगार मिल सकता है, या आप विदेशों से आयात निर्यात का व्यापार कर सकते हैं। आप सोने, रत्नों या जलीय पदार्थों का भी व्यापार कर सकते हैं।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (24:09:2020 से 19:10:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में चन्द्रमा की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको रोगों से मुक्तिमिलेगी। हालाँकि पित्तरस और वायु के कारण आपको कभी-कभी विकार हो सकते हैं।आप दुर्घटना के कारण चोटिल हो सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। सरकारी अधिकारियों से आपको आर्थिक सहयोग मिलेगा।

मंगल अर्न्तदशा (19:10:2020 से 25:09:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा चल रही है। सामान्यतः यह अन्तर्दशाभी आपके लिये बहुत उत्तम साबित होगी। आप न केवल मित्रों और संबंधियों से धन प्राप्त करेगें, बल्कि शत्रुओं से भी धन प्राप्त करने में सक्षम होगें। यदि आप सैन्य सेवा में हैं, तो कुछ मिशनों को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिये पदोन्नत्ति प्राप्त करेगें। यदि किसी और क्षेत्र में नौकरी कर रहे हैं, तो भी आपको पदोन्नत्ति, अधिकार और शक्ति प्राप्त हो सकती है। आप भूमि और भवन या कुछ भौतिक सम्पत्तियाँ प्राप्त करेगें। विपरीत लिंग के लोगों के साथ मौज मस्ती करने के तमाम अवसर आपको मिल सकते हैं। आपको धन का लाभ होगा। आपको अपनी आँखों की उचित देखभाल करनी चाहिये- जैसाकि आपकी आँखों में चोट लगने की संभावना है। आपको तीव्र सिरदर्द, बवासीर या गुदा के आस पास खुजली आदि की भी शिकायत होने की शंका है। यह अन्तर्दशा आपके परिवर के बड़ों के लिये कुछ उत्तमनहीं हो सकती है। यदि मंगल पीडित है,तो उसके अशुभ प्रभाव को मंद करने के लिये और यदि शुभ है, तो लाभकारी परिणामों में बढोत्तरी के लिये, आपको भगवान कार्तिकेय की प्रशंसा में मंत्रों का जाप करना चाहिये।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (19:10:2020 से 08:11:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको दूसरों पर अधिकार प्राप्त होगा। आप अपने या अपने परिवार के मामलों की देखरेख करने के बजायदूसरों के मामलों की देखभाल करेगें, जिससे आप अपने परिवार से दूर हो सकते हैं। यद्यपि आपको धन प्राप्त होता रहेगा, फिर भी आपको उसकी कमी बनी रह सकती है।

राहु प्रत्यंतर्दशा (08:11:2020 से 29:12:2020)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। सामान्यत: यह दशा अति उत्तम होगी। आपको बहुत ऊँचा पद प्राप्त होगा, और आप बहुत सारा धन अर्जित करेगें। यदि दूसरी ग्रहीय स्थिति भी अनुकूल है, तो आप दयालु हो सकते हैं।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (29:12:2020 से 12:02:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पूर्व दशा में जो सुधार हुआ था, इस दशा में उसमें और अनुकूलता आयेगी, और आपको शुभ और लाभकारी परिणाम प्राप्त होगें। आपको धन, भूमि और भवन प्राप्त होगें। आपकी सेवा के लिये कई सारे नौकर होगें। आपको रोजगार पूरे जोरों पर होगा।

शनि प्रत्यंतर्दशा (12:02:2021 से 07:04:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शनि की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। इस दशा में आपको बहत अधिक सावधानी बरतनी चाहिये। आपको विषम परिणाम मिलेगें। आपने जो भी नाम, यश और धन पिछली कुछ दशाओं में कमाया था, उस पर प्रभाव पड़ सकता है, और आपको अपने शत्रुओं के प्रतिरोध का सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि, आप इस परेशानी से बाहर निकल आयेगें, और एक सामान्य जीवन व्यतीत करेगें।

बुध प्रत्यंतर्दशा (07:04:2021 से 26:05:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। इस दशा के दौरान आपको विभिन्न प्रकार के परिणाम प्राप्त होगें। आपको कोई भी नया उपक्रम शुरू नहीं करना चाहिये- जैसाकि इसमें हानि होने की संभावना है। आपको गले या गर्दन, दिमाग से संबंधित गंभीर रोग हो सकते हैं। आपके दिमाग में कैंसर जैसा विकार पैदा हो सकता है।

केतु प्रत्यंतर्दशा (26:05:2021 से 14:06:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। इस दशा के दौरान रोग गंभीर हो सकते हैं, और आपके चिकित्सकीय व्यय बढ़ सकते हैं। हालाँकि, ईश्वर की कृपा से आपको समय पर सहायता प्राप्त होगी, और सभी संभव चिकित्सकीय आवश्यकतायें पूरी होगीं। बाकी अन्य कारकों पर निर्भर होगा। व्यापार और अन्य क्रियाकलापों में गिरावट और कमी आ सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (14:06:2021 से 10:08:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। इस दशा में गरीब परिवार में जन्मा व्यक्तिभी अपने स्तर के अनुसार अचानक भाग्यशाली होने की आशा कर सकता है। जुआरियों को उत्तम लाभ प्राप्त हो सकता है। आपके लिये शेयर और दूसरे सट्टों में निवेश करने के लिये यहउचित समय है। आपको सामान्य रोगों से राहत मिलेगी।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (10:08:2021 से 27:08:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आनन्द प्राप्त करने के साथ-साथ इस दशा में आपको संचित धन की हानि हो सकती है। आपने पिछली

कुछ दशाओं में जो धन कमाया है, वह इस दशा के दौरान यौन सुखों को प्राप्त करने में खर्च हो सकता है। आपको ऊँचेसरकारी अधिकारियों से लाभ प्राप्त होगा। चिकित्सा व्यवसाय में प्रगति होगी।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (27:08:2021 से 25:09:2021)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में मंगल की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपके पिता का स्वास्थ्य आपकी चिन्ता का कारण हो सकता है। आपके पिता या माता को मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है। आप विभिन्न प्रकार की समस्याओं से घिर सकते हैं। आपकी ससुराल के लोग आपकी मदद को आगे आ सकते हैं। आपके सगे भाई बहन आपके लिये परेशानियाँ पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं, और परिवार से अलग होसकते हैं।

राहु अर्न्तदशा (25:09:2021 से 18:02:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा चल रही है। यह अर्न्तदशा आपके लिये मिले जुले परिणाम देने वाली होगी। जहाँ एक तरफ आपको अपने संबंधियों के कारण गंभीर मानसित तनाव का सामना करना पड़ सकता है, वहीं दूसरी तरफ आपके रोजगार व्यवसायिक भविष्य या व्यापार में भी सुधार होगा। आपको अचानक उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। अत: इस अर्न्तदशा को सबसे घुमावदार कहा जा सकता है। यदि आप पुरूष हैं, तो आपकी बहनों और परिवार के अन्य महिला सदस्यों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है, तथा यदि आप महिला हैं, तो आपके भाइयों और परिवार के अन्य पुरूष सदस्यों को निराशा का सामना करना पड़ सकता है।

आप अपना निवास स्थान बदल सकते हैं। आपकी पत्नी और संतानों के लिये यह दशा उत्तम नहीं है। शत्रु आपसे बदल लेने के लिये अवसर की तलाश में हो सकते हैं। आपकी वस्तुयें चोरी हो सकती हैं। आपके प्रियजन आप से दूरी बना सकते हैं। संभावित रोग जैसे चर्म रोग और पेट दर्द, की शुरूआत हो सकती है, या वह गंभीर रूप ले सकता है। यदि राहु बली भी है, तो भी आपको केवल मिश्रित फल प्राप्त होगें।

राहु प्रत्यंतर्दशा (25:09:2021 से 03:02:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत राहु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको वाहन और धन की प्राप्ति होगी। आप मित्रों और संबंधियों की संगति का आनन्द प्राप्त करेगें। आपके घर पर कई शुभ समारोह आयोजित होगें। आपको सम्पत्ति हानि का भय है। हालाँकि, आपकी संतानं का स्वास्थ्य खराब होसकता है।

बृहस्पति प्रत्यंतर्दशा (03:02:2022 से 31:05:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यदि राहु शुभ राशि में स्थित है, तो आपको निरन्तर हर जगह संपन्नता प्राप्त होगी। आपको केवल अपनी पत्नी के साथ विवादों के कारण परेशानी हो सकती है। आपको उसका सहयोग प्राप्त नहीं हो सकता है, अपितु वो आपकेसाथ हमेशा लड़ाई करने के लिये तैयार रहेंगी।

शनि प्रत्यंतर्दशा (31:05:2022 से 17:10:2022)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बृहस्पति की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। आपको कई सारे बुरे सपने आ सकते हैं। आप कैंसर या तपेदिक से ग्रसित हो सकते है। आपका स्वास्थ्य दिन प्रतिदिन क्षीण हो सकता है। डाक्टर आपके रोग का ठीक तरह से पता लगा पाने में असमर्थ हो सकते हैं। इस दशा के दौरान आपको मृत्युतुल्य कष्ट हो सकता है।

बुध प्रत्यंतर्दशा (17:10:2022 से 18:02:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत बुध की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। भारी संघर्ष के बाद आपको बेहतर स्थिति प्राप्त होगी। आपको ऐसा प्रतीत होगा, कि तूफान गुजर चुका है, और

अब आप सहारे के साथ तैर सकते हैं। रोजगार से जुड़े लोगों को कठिन समय से गुजरना पड़ सकता है। कर्मचारी और अधीनस्थ लोग परेशानी पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं।

केतु प्रत्यंतर्दशा (18:02:2023 से 10:04:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत केतु की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली दशा से यह थोड़ी बेहतर दशा होगी। आपको विदेशों से कुछ शुभ समाचार मिल सकते हैं, या आपको वहाँ पर काम करने के लिये प्रस्ताव मिल सकता है। आप ऐसा प्रस्ताव स्वीकार नहीं कर सकते हैं, क्योंकि इसको स्वीकारकरने से कोई समस्या हो सकती है।

शुक्र प्रत्यंतर्दशा (10:04:2023 से 03:09:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत शुक्र की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। पिछली प्रत्यंतर्दशा में प्राप्त उन्नति जारी रहेगी। आपका या आपकी बहन का विवाह हो सकता है। आपके भाई परिवार में कुछ समस्यायें पैदा करने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी माता का स्वाथ्य खराब हो सकता है। दूसरे शब्दोंमें आपको सुख और दु:ख का एक के बाद एक अनुभव हो सकता है।

सूर्य प्रत्यंतर्दशा (03:09:2023 से 17:10:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत सूर्य की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। यह दशा अनिश्चिताओं से पूर्ण हो सकती है। आपको आस पास का वातावरण कुछ ऐसा बन सकता है, मानो वह आपको निगल जायेगा। आपकी पत्नी और संतानें मानसिक और शारीरिकरूप से परेशान हो सकते हैं। आप उनकी उचित तरीके से देखभाल कर पाने में असक्षम हो सकते हैं। संबंधी आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं। आपको सम्पत्ति विवाद का सामना करना पड़ सकता है।

चन्द्रमा प्रत्यंतर्दशा (17:10:2023 से 29:12:2023)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत चन्द्रमा की प्रत्यंतर्दशा चलरही है। आपकी स्थिति में सुधार होगा। आपको एक नया रोजगार और बेहतर जीवन शैली के लिये एक नया वातावरण मिलेगा। आपका अपने माता पिता से अलगाव हो सकता है। आपके खर्चे बढ़ सकते हैं। अप्रत्याशित क्षेत्रों सेआपको समय -समय पर अचानक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। आप बुखार, चर्म रोग या रक्तके कैंसर से ग्रसित हो सकतेहैं।

मंगल प्रत्यंतर्दशा (29:12:2023 से 18:02:2024)

वर्तमान समय में आपकी कुण्डली में बृहस्पति की महादशा में राहु की अर्न्तदशा के अन्तर्गत मंगल की प्रत्यंतर्दशा चल रही है। इन तीनों ग्रहों की राशियों और भावों में स्थिति के अनुसार इस दशा के परिणाम होगें। साथ में साढ़े साती को भी ध्यान में रखना होगा। यदि साढ़े साती नहीं चल रही है, तो आपको बेहतर परिणाम मिलेगें।

अष्टोत्तरी दशा से भविष्यफल

मंगल(हस्त) दशा

(06:01:1983 -- 15:01:1983)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें- विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपके योग स्फूट की सूर्य के साथ १५० डिग्री की दृष्टि है, इस दशा के दौरान आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये- विशेषकर किसी व्यस्त गली से गुजरते समय। अन्यथा यातायात के नियमों का पालन नहीं करते हुयेवाहन चलाने के कारण आपको किसी छोटी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अत: आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी ६ठे भाव में स्थित है, और - एक प्रमुख नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ में है,या उसकी इस पर दृष्टि है। इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। कुछ प्रभावी लोगों से आपको प्रत्यक्ष सर्मथन और अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होसकता है, जिससे आपको एक नया रोजगार या अधिक जिम्मेदारी का पद प्राप्त करने में सक्रियरूप से मदद मिल सकती है। आपका नाम और यश चारों ओर फैलेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 13:06:1983, 16:06:1983, 09:11:1983, 20:01:1984, 26:05:1984, 30:05:1984, 12:06:1984

मंगल(चित्रा) दशा

(15:01:1983 -- 15:01:1985)

जैसाकि योग स्फूट आपके ८वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अगोचर कारणों या अप्रत्याशित स्रोतों से उत्पन्न कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का आप सामना कर सकते हैं। अपने

कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या सरकारी अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। आपको धैर्यपूर्वक और सावधानी से काम करना चाहिये, और मुश्किलों के काले बादल छँटजाने देना चाहिये। आपको दशा के प्रारम्भ और अन्त में अधिक सजग रहना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट ४थे पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप औपचारिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, तो परीक्षा में आप सफलता प्राप्त करेगें, और एक प्रभावी योग्यता धारण करेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध शैक्षिणिक या प्रशिक्षण संस्थान, फैशन डिजायनिंग या आन्तरिक सजावट से है, तो आप उत्तम लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि दशा में एक ही ग्रह ग्रह स्वामी और नक्षत्र का स्वामी है। लगभग दशा के प्रारम्भ में दशा की अवधि अवश्य ही घटनाओं से पूर्ण होगी। दशा के मध्य और लगभग अन्त में भी कुछ महत्वपूर्ण अनुकूल परिवर्तन हो सकते हैं।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है– जबकि अष्टमेश आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा के दौरान, आपको किसी अशुभ घटना का सामना करना पड सकता है। आपके किसी छोटी दुर्घटना का शिकार होने, किसी विपदा में पड़ने, गंभीर झगड़ों और विवादों में फँसने आदि का खतरा है। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आप अपने पद को बनाये रखनेमें कोई परेशानी अनुभव कर सकते हैं, किसी प्रकार का स्थानांतरण या रोजगार में बदलाव की भी संभावना है। इसके अलावा, आपके पिता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है– इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 10:03:1983, 22:05:1983, 25:09:1983, 29:09:1983, 12:10:1983, 12:10:1984, 15:10:1984

मंगल(स्वाती) दशा

(15:01:1985 -- 15:01:1987)

जैसाकि योग स्फूट आपके लग्न में स्थित है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर परिवारऔर आर्थिक मामलों में। आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और अपनी अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण सुविख्यात होगें। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप की रूचि है, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, और / या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ५वें पद राशि में है, और राशि का स्वामी सुव्यवस्थित है, इस दशा के दौरान व्यवसाय और अनुमानित निवेशों भी से आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी, आपको एक नया रोजगार या पदोन्नति मिल सकती है। आपकीख्याति हमेशा बढ़ेगी, और आपके मित्र आपको जरूरी या आवश्यक मदद या सहयोग देने को आतुर होगें। आप आनन्द और मौजमस्ती प्रिय होगें, और आपका मिजाज प्रफुल्लित और खुशीपूर्ण होगा। आपमें अनुमान लगाने की

प्रवृत्ति हो सकती है, और आप विवेकपूर्ण निवेशों के द्वारा उत्तम लाभ प्राप्त कर सकते हैं, मनोरंजन के क्षेत्रों की तरह आप आकृष्ट हो सकते हैं। आनन्द और लाभ के लिये आप कोई लम्बी यात्रा भी कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 17:01:1985, 17:01:1986, 19:01:1986, 15:06:1986, 26:08:1986, 31:12:1986, 04:01:1987

मंगल(विशाखा) दशा

(15:01:1987 -- 15:01:1989)

यह अष्त्येत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है। यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बुध(अनुराधा) दशा

(15:01:1989 -- 15:09:1994)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपके योग स्फूट की सूर्य के साथ १५0 डिग्री की दृष्टि है, इस दशा के दौरान आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये– विशेषकर किसी व्यस्त गली से गुजरते समय। अन्यथा यातायात के नियमों का पालन नहीं करते हुये वाहन चलाने के कारण आपको किसी छोटी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है, और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अतः आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं, आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल

होगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 18:04:1990, 26:04:1990, 14:06:1991, 06:01:1992, 31:12:1992, 11:01:1993, 16:02:1993

बुध(ज़्येष्ठा) दशा
(15:09:1994 -- 16:05:2000)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ६वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि दशा में एक ही ग्रह ग्रह स्वामी और नक्षत्र का स्वामी है। लगभग दशा के प्रारम्भ में दशा की अवधि अवश्य ही घटनाओं से पूर्ण होगी। दशा के मध्य और लगभग अन्त में भी कुछ महत्वपूर्ण अनुकूल परिवर्तन हो सकते हैं।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है– जबकि षष्ठेश आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा के दौरान, आपको कई क्षेत्रों से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपका स्वास्थ्य कुछ हद तक कमजोर हो सकता है, किसी स्थान या वाहन से गिरने के कारण आपको कोई चोट लग सकती है, और आपके संबंधी या शत्रु आपके लिये कुछ परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं। हालाँकि, आपके पेशे के क्षेत्र में कुछ सुधार होगा। आपको एक नया रोजगार कुछ बढ़े हुयेवेतन के साथ मिल सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है– इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 18:09:1995, 11:04:1996, 05:04:1997, 17:04:1997, 23:05:1997, 22:03:2000,

30:03:2000

बुध(मूल) दशा
(16:05:2000 -- 15:01:2006)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६ठे भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान पारिस्थितिक घटनाक्रमों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं, जो आपके नियंत्रण से बाहर होगीं।अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। आपके शत्रु आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सत्त तनाव को झेल सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 05:09:2000, 13:09:2000, 01:11:2001, 26:05:2002, 20:05:2003, 31:05:2003, 06:07:2003

शनि(पूर्वाषाढ) दशा
(15:01:2006 -- 16:07:2008)

जैसाकि योग स्फूट आपके ९वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों मेंभाग्यशाली होगें- विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अतः आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है- इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान

बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 10:08:2006, 13:08:2006, 12:02:2007, 14:05:2007, 19:10:2007, 24:10:2007, 09:11:2007

शनि(उत्तराषाढ़) दशा
(16:07:2008 -- 15:01:2011)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अतः आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 19:03:2009, 23:03:2009, 21:09:2009, 21:12:2009, 28:05:2010, 02:06:2010, 18:06:2010

शनि(अभिजीत) दशा
(15:01:2011 -- 16:07:2013)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते

हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अतः आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी ६ठे भाव में स्थित है, और – एक प्रमुख नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ में है,या उसकी इस पर दृष्टि है। इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। कुछ प्रभावी लोगों से आपको प्रत्यक्ष सर्मथन और अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होसकता है, जिससे आपको एक नया रोजगार या अधिक जिम्मेदारी का पद प्राप्त करने में सक्रियरूप से मदद मिल सकती है। आपका नाम और यश चारों ओर फैलेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 17:09:2011, 21:09:2011, 22:03:2012, 21:06:2012, 27:11:2012, 02:12:2012, 18:12:2012

शनि(श्रवण) दशा

(16:07:2013 -- 15:01:2016)

जैसाकि योग स्फूट आपके लग्न में स्थित है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर परिवारऔर आर्थिक मामलों में। आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और अपनी अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण सुविख्यात होगें। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप की रूचि है, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, और / या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ५वें पद राशि में है, और राशि का स्वामी सुव्यवस्थित है, इस दशा के दौरान व्यवसाय और अनुमानित निवेशों भी से आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी, आपको एक नया रोजगार या पदोन्नति मिल सकती है। आपकीख्याति हमेशा बढ़ेगी, और आपके मित्र आपको जरूरी या आवश्यक मदद या सहयोग देने को आतुर होगें। आप आनन्द और मौजमस्ती प्रिय होगें, और आपका मिजाज प्रफुल्लित और खुशीपूर्ण होगा। आपमें अनुमान लगाने की प्रवृत्ति हो सकती है, और आप विवेकपूर्ण निवेशों के द्वारा उत्तम लाभ प्राप्त कर सकते हैं, मनोरंजन के क्षेत्रों की तरह आप आकृष्ट हो सकते हैं। आनन्द और लाभ के लिये आप कोई लम्बी यात्रा भी कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ७वें पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी के बन्धन में बँध सकते हैं। यदि आप भागीदारी या सहयोग करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपका स्वास्थ्य

उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध विदेश व्यापार या विदेशों से संबंध रखने वाली कम्पनियों से है, तो आप ऐसे स्रोतों से भारी लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं ।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 30:07:2013, 30:10:2014, 02:11:2014, 04:05:2015, 03:08:2015, 08:01:2016, 13:01:2016

बृहस्पति(धनिष्ठा) दशा

(15:01:2016 -- 16:05:2022)

यह अष्टोत्तरी दशा अधिक घटनापूर्ण नहीं है । यद्यपि हम बहुत अधिक स्थितियों की गणना कर रहे

बृहस्पति(शतभिषा) दशा

(16:05:2022 -- 15:09:2028)

जैसाकि योग स्फूट आपके १०वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप औपाचारिक पढ़ाई कर रहे हैं, तो आपकीबहुत उन्नति होगी, परीक्षा में आप सफल होगें, और एक गौरवपूर्ण योग्यता को प्राप्त करेगें । अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं । आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। लेकिन जैसाकि अपने कैरियर पर अधिक ध्यान देने से आप अपने घरेलू जीवन को कुछ हद तक नजरअन्दाज कर सकते हैं ।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 13:07:2022, 19:08:2023, 31:08:2023, 10:10:2023, 10:12:2026, 19:12:2026, 27:03:2028

बृहस्पति(पूर्वाभाद्रपद) दशा

(15:09:2028 -- 15:01:2035)

जैसाकि योग स्फूट आपके ३रे भाव में स्थित है, जोकि कई मामलों में अनुकूल है । इस दशा के दौरान आप अपने व्यवसाय के संबंध में छोटी यात्रायें कर सकते हैं । यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण या नये घर में स्थानांतरित होने की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है । यदि आप नौकरी में हैं, तो आप बहुत उत्तमकार्य करेगें, और किसी अधिक जिम्मेदार पद को प्राप्त कर सकते हैं । यदि आप लेखक, सम्पादक या अनुवादक हैं,तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, और आपका संबंध प्रकाशन, मुद्रण, विज्ञापन आदिक्षेत्रों से है, तो आप बहुत सम्पन्न होगें । हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है ।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें । आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं । आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है । हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता

है ।

जैसाकि दशा में एक ही ग्रह ग्रह स्वामी और नक्षत्र का स्वामी है । लगभग दशा के प्रारम्भ में दशा की अवधि अवश्य ही घटनाओं से पूर्ण होगी। दशा के मध्य और लगभग अन्त में भी कुछ महत्वपूर्ण अनुकूल परिवर्तन हो सकते हैं ।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है- जबकि द्वादशेश आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा के दौरान, आपको कई क्षेत्रों से कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपका स्वास्थ्य बहुत उत्तम नहीं हो सकता है,और आपकोकुछ समय तक बिस्तर पर रहना पड़ सकता है। आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करनेया आपके लिये परेशानियाँ पैदा करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम कर सकते हैं। किसी प्रकार का स्थानांतरण या रोजगार में बदलाव की भी संभावना है, आप दूर किसी स्थान पर जा सकते हैं, और असुविधाजनक परिस्थितियों में लम्बे समय तक रह सकते हैं। अपने व्यवसाय के संबंध में आप कुछ परिणाम रहित यात्राये कर सकते हैं। यदि आपकी कुण्डली में कुछ निवारक युतियाँ मौजूद नहीं हैं, तो आपको कुछ हानियाँ या धन के अवरूद्ध हो जाने के कारण गतिहीन स्थिति का सामना करना पड़ सकता है ।

जैसाकि यह एक विशेष दशा है- जबकि नैसर्गिक शुभ ग्रह बृहस्पति आपकी कुण्डली में दशा का स्वामी है, इस दशा केदौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें- विशेषकर परिवार और आर्थिक मामलों में। यदि आप अविवाहित हैं, तोआप शादी कर सकते हैं। यदि आप पहले से विवाहित हैं,और एक संतान का कामना कर रहे हैं, तो आपको एक योग्यसंतान प्राप्त हो सकती है, जो आपके परिवार को हमेशा आनन्दित और गौरवान्वित करेगी।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 30:08:2030, 08:09:2030, 15:12:2031, 01:08:2032, 07:09:2033, 19:09:2033, 29:10:2033

राहु(उत्तराभाद्रपद) दशा
(15:01:2035 -- 15:01:2038)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों मेंभाग्यशाली होगें- विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं ।

जैसाकि योग स्फूट पंचमेश (गुण) के बहुत पास में स्थित है, और ये दोनों एक ही दिशा में हैं, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप व्यवहार परक क्षेत्र में औपचारिक पढ़ाई कर रहे हैं, तो आप एक प्रभावीशैक्षिक योग्यता प्राप्त करेगें होगी। अपने कार्य क्षेत्र में उत्तम काम करेगें। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक पदोन्नति या नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप विवाहित हैं, और एक संतान की कामना कर रहे हैं, तो आपको एक संतान प्राप्त हो सकती है- जो आपके परिवार को हमेशा आनन्द और गौरव प्रदान करेगी।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 22:01:2035, 10:05:2035, 16:11:2035, 23:11:2035, 11:12:2035, 12:06:2037,

16:06:2037

राहु(रेवती) दशा

(15:01:2038 -- 15:01:2041)

जैसाकि योग स्फूट आपके १२वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। कुछ ईष्यालु लोग गुप्तरूप से आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सत्त तनाव में रह सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से बहुत कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं। आपको अनुमानित निवेशों या ऋण लेने से दूर रहना चाहिये। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ८वें पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी बली और सुव्यवस्थित है- आपका आगामी समय बहुत आनन्दपूर्ण है। आपको अपने ससुराल के लोगों और व्यापारिक साझीदारोंसे लाभ मिलेगें। आपके मित्र मददगार होगें, और आपके शत्रु परास्त होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा,और किसी वित्तीय संस्थान से निवेश या किसी सम्पत्ति का एक भाग प्राप्त करने के उद्देश्य से एक बड़ा ऋण प्राप्त कर सकतेहैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है- इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ- 18:02:2038, 24:02:2038, 15:03:2038, 13:09:2039, 18:09:2039, 24:04:2040, 12:08:2040

राहु(अश्विनी) दशा

(15:01:2041 -- 15:01:2044)

जैसाकि योग स्फूट आपके ११वें भाव (लाभ) में स्थित है, जोकि बहुत अनुकूल है, जैसाकि यह आय और लाभ का भाव है, आपकी व्यवसाय से आय और दूसरे स्रोतों से लाभ में बहुत वृद्धि होगी, और आप अपने मित्रों और शुभचिन्तकों से प्रत्यक्ष लाभ और अप्रत्यक्ष मदद प्राप्त करेगें। आपकी प्रतिष्ठा सम्मान और विश्वसनीयता हमेशा बढ़ती रहेगी। आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं। यदि एकादशेश आपकी कुण्डली में सुव्यवस्थित है, तो सांस्कृतिक और शैक्षिणिक उद्देश्य से आप किसी दूर स्थान या विदेश की यात्रा कर सकते हैं। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ- 17:05:2041, 23:05:2041, 11:06:2041, 10:12:2042, 15:12:2042, 22:07:2043,

08:11:2043

राहु(भरणी) दशा
(15:01:2044 -- 15:01:2047)

जैसाकि योग स्फूट आपके १२वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। कुछ ईष्यालु लोग गुप्तरूप से आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सत्त तनाव में रह सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से बहुत कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं। आपको अनुमानित निवेशों या ऋण लेने से दूर रहना चाहिये। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ८वें पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी बली और सुव्यवस्थित है- आपका आगामी समय बहुत आनन्दपूर्ण है। आपको अपने ससुराल के लोगों और व्यापारिक साझीदारोंसे लाभ मिलेगें। आपके मित्र मददगार होगें, और आपके शत्रु परास्त होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा,और किसी वित्तीय संस्थान से निवेश या किसी सम्पत्ति का एक भाग प्राप्त करने के उद्देश्य से एक बड़ा ऋण प्राप्त कर सकतेहैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है- इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ- 24:02:2044, 01:03:2044, 20:03:2044, 19:09:2045, 23:09:2045, 01:05:2046, 18:08:2046

शुक्र(कृत्तिका) दशा
(15:01:2047 -- 15:01:2054)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६ठे भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान पारिस्थितिक घटनाक्रमों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं, जो आपके नियंत्रण से बाहर होगीं।अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। आपके शत्रु आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सत्त तनाव को झेल सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ- 23:03:2047, 02:04:2047, 26:08:2048, 08:05:2049, 25:07:2050, 08:08:2050, 21:09:2050

शुक्र(रोहिणी) दशा

(15:01:2054 -- 15:01:2061)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपके योग स्फूट की मंगल के साथ १५० डिग्री की दृष्टि है, इस दशा के दौरान आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये– विशेषकर किसी व्यस्त गली से गुजरते समय। अन्यथा लापरवाही और असावधानी के साथ वाहन चलाने के कारण आपको किसी छोटी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अत: आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी ६ठे भाव में स्थित है, और – एक प्रमुख नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ में है,या उसकी इस पर दृष्टि है। इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। कुछ प्रभावी लोगों से आपको प्रत्यक्ष सर्मथन और अप्रत्यक्ष सहयोग प्राप्त होसकता है, जिससे आपको एक नया रोजगार या अधिक जिम्मेदारी का पद प्राप्त करने में सक्रियरूप से मदद मिल सकती है। आपका नाम और यश चारों ओर फैलेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 11:12:2055, 22:12:2055, 17:05:2057, 26:01:2058, 15:04:2059, 29:04:2059, 12:06:2059

शुक्र(मृगशिर) दशा

(15:01:2061 -- 15:01:2068)

जैसाकि योग स्फूट आपके ८वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अगोचर कारणों या अप्रत्याशित स्रोतों से उत्पन्न कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का आप सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या सरकारी अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। आपको धैर्यपूर्वक और सावधानी से काम करना चाहिये, और मुश्किलों के काले बादल छँटजाने देना चाहिये। आपको दशा के प्रारम्भ और अन्त में अधिक सजग रहना

चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट ४थे पद राशि में है, आप बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप औपचारिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, तो परीक्षा में आप सफलता प्राप्त करेगें, और एक प्रभावी योग्यता धारण करेगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। यदि आपके पेशे का संबंध शैक्षिणिक या प्रशिक्षण संस्थान, फैशन डिजायनिंग या आन्तरिक सजावट से है, तो आप उत्तम लाभ और धन प्राप्त कर सकते हैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है- इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 16:12:2061, 27:08:2062, 13:11:2063, 27:11:2063, 10:01:2064, 12:07:2067, 22:07:2067

सूर्य(आर्द्रा) दशा
(15:01:2068 -- 16:07:2069)

जैसाकि योग स्फूट आपके १२वें भाव में स्थित है, जो आपकी कुण्डली में प्रतिकूल त्रिकोण भाव है, इस दशा के दौरान अप्रत्याशित साधनों के कारण आप कुछ गंभीर प्रकार की समस्याओं का सामना कर सकते हैं। अपने कार्य स्थल पर भी आपको कुछ समस्यायें हो सकती हैं, और आप अपने वरिष्टों या अधिकारियों के कारण मुश्किलों में पड़ सकते हैं। कुछ ईष्यालु लोग गुप्तरूप से आपके लिये परेशानियाँ पैदा कर सकते हैं, और आप सतत तनाव में रह सकते हैं। आपकी आय आपके व्यय से बहुत कम हो सकती है, और समय -समय पर आप जरूरतों को पूरा करने के लिये ऋण ले सकते हैं। आपको अनुमानित निवेशों या ऋण लेने से दूर रहना चाहिये। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है।

जैसाकि आपका योग स्फूट एक ऐसी राशि में है, जो ८वें पद राशि के समान है, लेकिन राशि का स्वामी बली और सुव्यवस्थित है- आपका आगामी समय बहुत आनन्दपूर्ण है। आपको अपने ससुराल के लोगों और व्यापारिक साझीदारोंसे लाभ मिलेगें। आपके मित्र मददगार होगें, और आपके शत्रु परास्त होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा,और किसी वित्तीय संस्थान से निवेश या किसी सम्पत्ति का एक भाग प्राप्त करने के उद्देश्य से एक बड़ा ऋण प्राप्त कर सकतेहैं। हालाँकि आपके पिता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 27:02:2068, 01:03:2068, 11:03:2068, 10:12:2068, 12:12:2068, 01:04:2069, 26:05:2069

सूर्य(पुनर्वसु) दशा
(16:07:2069 -- 15:01:2071)

जैसाकि योग स्फूट आपके ५वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर संतान और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक मोहक पदोन्नति प्राप्त हो सकती है, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, यासाझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ३रे पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी नजदीकी स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। आपके सगे और चचेरे अनुज, पड़ोसी और सहकर्मी भी आपके लिये बहुत सहायक और मददगार होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 28:10:2069, 30:10:2069, 17:02:2070, 12:04:2070, 16:07:2070, 19:07:2070, 29:07:2070

सूर्य(पुष्य) दशा
(15:01:2071 -- 16:07:2072)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्ति और अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं। आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अत: आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें। आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 11:06:2071, 13:06:2071, 01:10:2071, 25:11:2071, 28:02:2072, 02:03:2072,

11:03:2072

सूर्य(आश्लेषा) दशा

(16:07:2072 -- 15:01:2074)

जैसाकि योग स्फूट आपके ७वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से केन्द्र है, इस दशा के दौरान आप बहुत ऊर्जावान और सक्रिय होगें, और कई मामलों में आपका सारभूत सुधार होगा। यदि आप एक नये रोजगार के अवसर को तलाश रहेहैं, या अपना स्वयं का एक व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत अनुकूल है। आप अपने पेशेके क्षेत्र में बहुत सुधार होगा, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान एक नयी ऊँचाइयों को छूयेगा। यदि आप अविवाहित हैं, तो आप शादी कर सकते हैं। साथ ही आप साझेदारी या सहयोगसे लाभान्वित हो सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट ६वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, अपने व्यवसाय के संबंध में आप एक लम्बी यात्रा पर जा सकते हैं। आपका किसी दूर स्थान पर स्थानांतरण हो सकता है, या ऐसे स्थान पर आप एक नया रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप अपना एक नया उपक्रम शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। किसी धनी और प्रभावी व्यक्तिसे आप बिल्कुल अप्रत्याशितरूप से कुछ समर्थन और लाभ हासिल कर सकते हैं।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत भाग्यशाली , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा केदौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। अपनी विशेष उपलब्धियों के कारण आप अपने परिवार के आनन्द और गर्व का स्रोत होगें। आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा। इसके अलावा, आपके परिवार में एक शुभ समारोह आयोजित हो सकता है।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है– इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं। आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 28:07:2072, 30:07:2072, 17:11:2072, 10:01:2073, 15:04:2073, 18:04:2073, 28:04:2073

चन्द्रमा(मघा) दशा

(15:01:2074 -- 15:01:2079)

जैसाकि योग स्फूट आपके ३रे भाव में स्थित है, जोकि कई मामलों में अनुकूल है। इस दशा के दौरान आप अपने व्यवसाय के संबंध में छोटी यात्रायें कर सकते हैं। यदि आप रोजगार में परिवर्तन या स्थानांतरण या नये घर में स्थानांतरित होने की उम्मीद कर रहे हैं, तो समय आपके लिये अनुकूल है। यदि आप नौकरी में हैं, तो आप बहुत उत्तमकार्य करेगें, और किसी अधिक जिम्मेदार पद को प्राप्त कर सकते हैं। यदि आप लेखक, सम्पादक या अनुवादक हैं,तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी, लेकिन यदि आप व्यापारी हैं, और आपका संबंध प्रकाशन, मुद्रण, विज्ञापन आदिक्षेत्रों से है, तो आप बहुत सम्पन्न होगें। हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य और सुख आपको चिन्तित कर सकता

है ।

जैसाकि आपका योग स्फूट ११वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय, दूसरे स्रोतों से लाभ और मित्रों का दायरा सभी में वृद्धि होगी। आप आनन्दमग्न रहेगें, और संबंधियों तथा मित्रों के साथ आप अपने जीवन का सुखपूर्वक आनन्द लेगें । आपकी कुछ महत्वाकांक्षायें फलीभूत होगीं, और कुछ अवलम्बित कामनायें पूर्ण होगीं। आप आनन्द और लाभ के लिये आप लम्बी यात्राओं पर जा सकते हैं, और आपके परिवार में कोई शुभ समारोह आयोजित हो सकता है । हालाँकि आपकी माता का स्वास्थ्य आपको चिन्तित कर सकता है ।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 11:10:2075, 18:10:2075, 19:10:2076, 18:04:2077, 01:03:2078, 11:03:2078, 12:04:2078

चन्द्रमा(पूर्वाफाल्गुनी) दशा
(15:01:2079 -- 15:01:2084)

जैसाकि योग स्फूट आपके ६वें भाव में स्थित है, जो आपके लग्न से त्रिकोण है, इस दशा के दौरान आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें– विशेषकर विदेशी और आर्थिक मामलों में। अपनी मेधा शक्तिऔर अन्तर्निहित क्षमताओं और प्रशंसनीय उपलब्धियों के कारण आपको उचित पहचान प्राप्त होगी। आप अपने पेशे के क्षेत्र में उत्तम कार्य करेगें, और कुछ लाभदायक परिवर्तन भी हो सकते हैं । यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक नया रोजगार प्राप्त हो सकता है । यदि आप व्यापारी हैं, तो आप एक नये संभावित क्षेत्र में विविधता लाने के लिये काम शुरू कर सकते हैं, या साझेदारी या सहयोग से लाभान्वित भी हो सकते हैं । आप लाभ और आनन्द के लिये लम्बी यात्रायें कर सकते हैं ।

जैसाकि आपके योग स्फूट की मंगल के साथ १५० डिग्री की दृष्टि है, इस दशा के दौरान आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये– विशेषकर किसी व्यस्त गली से गुजरते समय। अन्यथा लापरवाही और असावधानी के साथ वाहन चलाने के कारण आपको किसी छोटी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है ।

जैसाकि आपका योग स्फूट १२वें पद राशि में है, इस दशा के दौरान, व्यवसाय से आपकी आय में गिरावट आ सकती है,और आपके दायरे के कुछ ईष्यालु लोग आपकी छवि को धूमिल करने के लिये गुप्त रूप से आपके खिलाफ काम करसकते हैं, और आपके सम्मान और प्रतिष्ठा को गिराने की कोशिश कर सकते हैं । आपकी आय का अनुपात आपके व्यय से अधिक हो सकता है, और हानि तथा धन के अवरूद्ध होने की भी संभावनायें हैं, अतः आपको अनुमानित निवेशों और ऋण देने से सर्वथा बचना चाहिये ।

जैसाकि आपका योग स्फूट पहले पद राशि में है, आप बहुत महत्वाकांक्षी , ऊर्जावान और बहुत सक्रिय होगें, इस दशा के दौरान, अपने प्रयासों और परिश्रमरहित प्रयत्नों के द्वारा आप अपने उद्देश्यों को पूर्ण करेगें। यदि आप एक रोजगार की तलाश कर रहे हैं,आपको एक प्रतिष्ठित पद प्राप्त होगा। आपके सभी प्रयास बहुत सफल होगें । आपकी ख्याति और सम्मान हमेशा बढ़ेगा, आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा, और आपका घरेलू जीवन शांतिपूर्ण और खुशहाल होगा।

जैसाकि आपके योग स्फूट के नक्षत्र का स्वामी १०वें भाव में स्थित है– इस दशा के दौरान आपकी व्यवसायिक संभावनाओं में बहुत सुधार होगा। आप एक नया रोजगार या जिम्मेदारी का पद प्राप्त कर सकते हैं । आपकी विश्वसनीयता, ख्याति और सम्मान बढ़ेगा।

दशा अवधि के दौरान महत्वपूर्ण तिथियाँ– 26:05:2080, 02:06:2080, 04:06:2081, 02:12:2081, 15:10:2082, 25:10:2082, 25:11:2082

योगिनी दशा से भविष्यफल

संकटा (राहु){हस्ता} दशा

(06:01:1983 -- 09:02:1983)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि ०९-०२-१९८३,०९-०२-२०१९ और ०९-०२-२०५५ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना होगा।

आपकी कुण्डली में राहु ३रे भाव(सहज) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है- जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अतः आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये। अपने छोटे भाई बहनों से आपके संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। यदि कुछ निष्प्रभावी कारक आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, याएक भगोड़ा होने का कंलक मिल सकता है, और आप शारीरिक हिंसा का शिकार हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में राहु दशमेश के नक्षत्र में स्थित है, (या दशमेश राहु के नक्षत्र में स्थित है) यह आपके पेशे का कारक है। साथ ही यह एक चर राशि या उभय राशि में स्थित है, और दशमेश भी समान रूप में स्थित है। यह एक बहुत अनुकूल युति है। योगिनी राहु दशा आपके लिये अवश्य ही कई प्रकार से लाभदायक और कुछ अनुकूल परिवर्तनों से पूर्ण होगी। आपको उचित सम्मान मिलेगा, और एक बहुत जिम्मेदारी तथा सम्मानपूर्ण पद प्राप्त होगा। आपकई जगहों पर लम्बे समय तक रह सकते हैं, और दूर स्थानों की यात्रायें भी कर सकते हैं।

मंगला (चन्द्रमा){चित्रा} दशा

(09:02:1983 -- 09:02:1984)

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){स्वाति} दशा

(09:02:1984 -- 09:02:1986)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ६वें भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप अपने वरिष्ठों और सरकारी स्रोतों लाभ और सहयोग प्राप्त करेगें, आपके पिता से भी आपको बहुत मदद मिलेगी। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, आप समर्पण के साथ पवित्र धार्मिक शास्त्रों का अध्ययन करेगें, नियमित रूप से

धार्मिक प्रवचनों में भाग लेगें, और किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं। आप सुदूर स्थानों और विदेशों की भी यात्रा कर सकते हैं, या ऐसे स्थानों पर रहने वाले कुछ लोगों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। और आपके सभी काम सफल होगें। हालाँकि, यदि आप एक विवाहित महिला हैं, और संतान की कामना कर रही हैं, तो संतान के जन्म या ठीक उससे पूर्व आप कुछ समस्याओं का सामना कर सकती हैं।

धन्या (बृहस्पति){विशाखा} दशा

(09:02:1986 -- 09:02:1989)

बृहस्पति आपकी कुण्डली में द्वादशेश है, जो ८वें भाव में स्थित है। यह दशा आपके लिये लाभकारी होगी, और आपकीआर्थिक स्थिति में बहुत सुधार होगा। दूसरा भाग अपेक्षाकृत बेहतर होगा। आपका घरेलू जीवन काफी शान्तिपूर्ण और सुखी होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल नहीं है, जबकि यह एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल दृष्टि में शामिल है। योगिनी बृहस्पति दशा आपके लिये कुछ हद तक कष्टकारी हो सकती है। महिलाओं (परिवार के सदस्य और संबंधी) को आप से सामान्यत: बहुत लगाव नहीं हो सकता है। यदि आपके पेशे कासंबंध आम जनता से है, तो आपको उनसे सहयोग नहीं मिल सकता है, और आपकी प्रसिद्धि धीरे-धीरे मंद पड़ सकती है, लेकिन यह केवल एक अस्थायी दौर है, जो शीघ्र ही गुजर जायेगा।

ंमरी (मंगल){अनुराधा} दशा

(09:02:1989 -- 09:02:1993)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर, १०वें भाव में है, यदि दशमेश आपकी कुण्डली में सुव्यस्थित नहीं है, तो इस दशा की अवधि के दौरान आपको अपनी स्थिति को बनाये रखने में कुछ असामान्य मुश्किले आ सकती हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान दाँव पर लग सकते हैं, और आप निंदा तथा अपमान का शिकार हो सकते हैं। यदि नैसर्गिक अशुभ ग्रह मंगल के साथ है, या उसकी दृष्टि इस पर है, तो कुछ अधिकारिक क्रिया कलाप आपके खिलाफ हो सकते हैं, और आपको अधिकरियों के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है, आपको अपमान, निलम्बन या निष्कासन काभी सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि यदि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह मंगल को, इसके साथ होने या उसकी दृष्टि इस पर होने के बजाये, प्रभावित करता है, तो ही आप इन परिणामों से बचे रहने की आशा कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,जबकि किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह की प्रतिकूल दृष्टि में शामिल नहीं है। योगिनी मंगल दशा आपके लिये काफी आनन्दायक होगी। यदि आपके पेशे का संबंधआम जनता से है, तो आपकी उनके साथ उत्तम घनिष्ठता होगी, और आपकी प्रसिद्धि में बहुत वृद्धि होगी।

द्रिका (बुध){ज्येष्ठा} दशा

(09:02:1993 -- 09:02:1998)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में १०वें भाव में है, आप बहुत सक्रिय होगें, और अपने काम में बहुत व्यस्त रहेगें। नवीन तकनीकियों के बारे में ज्ञान और सूचना प्राप्त करने और एक अनोखे तरीके से उनका प्रभावी वास्तविक प्रयोग करने में आप बहुत व्यस्त रहेगें। आप नये विचारों से पूर्ण होगें, और आपका किसी मौलिक काम को पहचान और उचित प्रशंसा मिलेगी। आप विशिष्टता को प्राप्त करेगें, और काफी कम आयु में एक सम्मानजनक पद को प्राप्त करेगें। दशा काल आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा, और यह आपके जीवन का एक बहुत फलदायी समय

होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बुध दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बुध दशा आपके के लियेबहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछ असोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी बुध दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजें ना ही बहुत बिगडेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह का भी इस पर प्रभाव है।

उल्का (शनि){मूला} दशा

(09:02:1998 -- 09:02:2004)

जैसाकि शनि आपके ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली होगें। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आप निजी क्षेत्र में एक नया रोजगार पा सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो विश्वासपूर्वक एक अति उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आपके कई नये संबंध बनेगें, और आप अपने सभी व्यवहारों में बहुत सफल होगें। आप सार्वजनिक सौदों में सफल होगें, और विदेशों तथा दूर स्थानों से उत्तम लाभों की आशा कर सकते हैं। यदि आप एक नया उद्योग या आयात निर्यात व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत शुभ है।

जैसाकि दशा के स्वामी शनि का स्फूट नक्षत्र स्वामी पंचमेश के साथ स्थित है, यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो इस दशा के आरम्भ में आपको नया रोजगार या पदोन्नति मिल सकती है। यदि आप व्यापारी हैं, तो आपकी उल्लेखनीय उन्नति होगी।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल नहीं है, जबकि यह एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल दृष्टि में शामिल है। योगिनी शनि दशा आपके लिये कुछ हद तक कष्टकारी हो सकती है। महिलाओं (परिवार के सदस्य और संबंधी) को आप से सामान्यत: बहुत लगाव नहीं हो सकता है। यदि आपके पेशे कासंबंध आम जनता से है, तो आपको उनसे सहयोग नहीं मिल सकता है, और आपकी प्रसिद्धि धीरे-धीरे मंद पड़ सकती है, लेकिन यह केवल एक अस्थायी दौर है, जो शीघ्र ही गुजर जायेगा।

सिद्धा (शुक्र){पूर्वाषाढ़} दशा

(09:02:2004 -- 09:02:2011)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में १०वें भाव में है, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप शैक्षिणिक, बौद्धिकया कलात्मक कामों में लगे हैं, तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक

आकर्षक पदोन्नति या एक नये संभावित मालिक से एक विशिष्ट पद का प्रस्ताव मिल सकता है। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो यह दशा चहुँमुखी सम्पन्नता का अग्रदूत होगी। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान के साथ भौतिक सम्पत्तियोंमें हमेशा बढ़ोत्तरी होगी, आप एक नया वाहन प्राप्त कर सकते हैं, और परिलब्धि के रूप में एक नये वाहन का सुख प्राप्त कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट आपके दशमेश के नजदीक है,लेकिन इससे काफी आगे है (इससे अलग है), आप का स्थानान्तरण एक असुविधाजनक स्थान पर हो सकता है, या आपको अपने रोजगार के खोने का भय है। रोजगार में बदलाव होने पर आपको बहुत सजग होना चाहिये, और अपनी उम्मीदों में उदार होना चाहिये, अन्यथा योगिनी शुक्र दशा के प्रारम्भ में किसी समय आप हाथ में आये हुये अवसर को खो सकते हैं- जिसके लिये आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

संकटा (राहु){उत्तराषाढ़} दशा

(09:02:2011 -- 09:02:2019)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि ०६-०२-१९८३,०६-०२-२०१६ और ०६-०२-२०५५ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना होगा।

आपकी कुण्डली में राहु ३रे भाव(सहज) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है- जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अतः आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये। अपने छोटे भाई बहनों से आपके संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। यदि कुछ निष्प्रभावी कारक आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, याएक भगोड़ा होने का कंलक मिल सकता है, और आप शारीरिक हिंसा का शिकार हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में राहु दशमेश के नक्षत्र में स्थित है, (या दशमेश राहु के नक्षत्र में स्थित है) यह आपके पेशे का कारक है। साथ ही यह एक चर राशि या उभय राशि में स्थित है, और दशमेश भी समान रूप में स्थित है। यह एक बहुत अनुकूल युति है। योगिनी राहु दशा आपके लिये अवश्य ही कई प्रकार से लाभदायक और कुछ अनुकूल परिवर्तनों से पूर्ण होगी। आपको उचित सम्मान मिलेगा, और एक बहुत जिम्मेदारी तथा सम्मानपूर्ण पद प्राप्त होगा। आपकई जगहों पर लम्बे समय तक रह सकते हैं, और दूर स्थानों की यात्रायें भी कर सकते हैं।

मंगला (चन्द्रमा){श्रवण} दशा

(09:02:2019 -- 09:02:2020)

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना

ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं– जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){धनिष्ठा} दशा

(09:02:2020 -- 09:02:2022)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ६वें भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप अपने वरिष्ठों और सरकारी स्रोतों लाभ और सहयोग प्राप्त करेगें, आपके पिता से भी आपको बहुत मदद मिलेगी। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, आप समर्पण के साथ पवित्र धार्मिक शास्त्रों का अध्ययन करेगें, नियमित रूप से धार्मिक प्रवचनों में भाग लेगें, और किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं। आप सुदूर स्थानों और विदेशों की भी यात्रा कर सकते हैं, या ऐसे स्थानों पर रहने वाले कुछ लोगों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। और आपके सभी काम सफल होगें। हालाँकि, यदि आप एक विवाहित महिला हैं, और संतान की कामना कर रही हैं, तो संतान के जन्म या ठीक उससे पूर्व आप कुछ समस्याओं का सामना कर सकती हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी सूर्य दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभसमारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी सूर्य दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी सूर्य दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी–कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं– जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डाल रहा है।

धन्या (बृहस्पति){शतभिषा} दशा

(09:02:2022 -- 09:02:2025)

बृहस्पति आपकी कुण्डली में द्वादशेश है, जो ८वें भाव में स्थित है। यह दशा आपके लिये लाभकारी होगी, और आपकीआर्थिक स्थिति में बहुत सुधार होगा। दूसरा भाग अपेक्षाकृत बेहतर होगा। आपका घरेलू जीवन काफी शान्तिपूर्ण और सुखी होगा।

जैसाकि, बृहस्पति आपकी कुण्डली में योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी है, जो ३रे भाव में स्थित है, आप का स्थानान्तरण या रोजगार में बदलाव हो सकता है। आप को किसी नजदीक स्थान पर जाना पड़ सकता है, और आपका निवास स्थान किसीनजदीकी जगह पर स्थांनातरित हो सकता है। जैसाकि यह विशेष ग्रह नैसर्गिकरूप से अशुभ ग्रह है, परिवर्तन अचानक हो सकता है, लोगों को आश्चर्य हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता

है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी बृहस्पति दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

ंमरी (मंगल){पूर्वाभाद्र} दशा

(09:02:2025 -- 09:02:2029)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर, १0वें भाव में है, यदि दशमेश आपकी कुण्डली में सुव्यस्थित नहीं है, तो इस दशा की अवधि के दौरान आपको अपनी स्थिति को बनाये रखने में कुछ असामान्य मुश्किले आ सकती हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान दाँव पर लग सकते हैं, और आप निंदा तथा अपमान का शिकार हो सकते हैं। यदि नैसर्गिक अशुभ ग्रह मंगल के साथ है, या उसकी दृष्टि इस पर है, तो कुछ अधिकारिक क्रिया कलाप आपके खिलाफ हो सकते हैं, और आपको अधिकरियों के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है, आपको अपमान, निलम्बन या निष्कासन काभी सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि यदि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह मंगल को, इसके साथ होने या उसकी दृष्टि इस पर होने के बजाये, प्रभावित करता है, तो ही आप इन परिणामों से बचे रहने की आशा कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लियेबहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी मंगल दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे नियंत्रण से बाहर नहीं होगीं- ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभग्रह भी इस पर प्रभाव है।

द्रिका (बुध){उत्तरभाद्र} दशा

(09:02:2029 -- 09:02:2034)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में १0वें भाव में है, आप बहुत सक्रिय होगें, और अपने काम में बहुत व्यस्त रहेगें। नवीन तकनीकियों के बारे में ज्ञान और सूचना प्राप्त करने और एक अनोखे तरीके से उनका प्रभावी वास्तविक प्रयोग करने में आप बहुत व्यस्त रहेगें। आप नये विचारों से पूर्ण होगें, और आपका किसी मौलिक काम को पहचान और उचित प्रशंसा मिलेगी। आप विशिष्टता को प्राप्त करेगें, और काफी कम आयु में एक सम्मानजनक पद को प्राप्त करेगें।

दशा काल आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा, और यह आपके जीवन का एक बहुत फलदायी समय होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बुध दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बुध दशा आपके के लियेबहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछ असोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी बुध दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजें ना ही बहुत बिगडेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह का भी इस पर प्रभाव है।

उल्का (शनि){रेवती} दशा

(09:02:2034 -- 09:02:2040)

जैसाकि शनि आपके ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली होगें। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आप निजी क्षेत्र में एक नया रोजगार पा सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो विश्वासपूर्वक एक अति उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आपके कई नये संबंध बनेगें, और आप अपने सभी व्यवहारों में बहुत सफल होगें। आप सार्वजनिक सौदों में सफल होगें, और विदेशों तथा दूर स्थानों से उत्तम लाभों की आशा कर सकते हैं। यदि आप एक नया उद्योग या आयात निर्यात व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत शुभ है।

जैसाकि दशा के स्वामी शनि का स्फूट नक्षत्र स्वामी अष्ठमेश के साथ स्थित है, यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो इस दशा के आरम्भ में आपको अपने पद को बनाये रखने में बहुत परेशानी हो सकती है, और दबाव के कारण आप स्वयं उसे छोड़ सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो आपका आगामी समय मुश्किलों से भरा हो सकता है। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान धीरे -धीरे मंद हो सकता है। हालाँकि यदि आप गूढ़ विषयों का अध्ययन कर रहे हैं जैसे ज़्योतिषशास्त्र, तोआप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या कई शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शनि दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह का भी इस पर प्रभाव

है।

सिद्धा (शुक्र){अश्विनी} दशा

(09:02:2040 -- 09:02:2047)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में १0वें भाव में है, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप शैक्षिणिक, बौद्धिकया कलात्मक कामों में लगे हैं, तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक आकर्षक पदोन्नति या एक नये संभावित मालिक से एक विशिष्ट पद का प्रस्ताव मिल सकता है। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो यह दशा चहुँमुखी सम्पन्नता का अग्रदूत होगी। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान के साथ भौतिक सम्पत्तियोंमें हमेशा बढ़ोत्तरी होगी, आप एक नया वाहन प्राप्त कर सकते हैं, और परिलब्धि के रूप में एक नये वाहन का सुख प्राप्त कर सकते हैं।

जैसाकि, शुक्र के योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी ६वें भाव में स्थित है, आप का स्थानान्तरण या रोजगार में बदलाव हो सकता है। आप को किसी सुदूर स्थान पर या विदेश जाना पड़ सकता है, और वहाँ काफी लम्बे समय तक रहना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी शुक्र दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी शुक्र दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

संकटा (राहु){भरणी} दशा

(09:02:2047 -- 09:02:2055)

राहु योगिनी दशा चक्र की अन्तिम समयावधि कुछ बुरे अनुभव प्रदान कर सकती है। दशा चक्र की अन्तिम समयावधि 0६-0२-१६८३,0६-0२-२0१६ और 0६-0२-२0५५ हैं। आपको उपर दिए गये तारीखो से ३ महीने आगे-पीछे तक सावधान रहना होगा।

आपकी कुण्डली में राहु ३रे भाव(सहज) में स्थित है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर है- जबकि कोई नैसर्गिक शुभ ग्रह इसके साथ में या उसकी दृष्टि इस पर नहीं है। यह एक प्रतिकूल युति है। अतः आपको बहुत सावधान और सजग रहना चाहिये। अपने छोटे भाई बहनों से आपके संबंध तनावपूर्ण हो सकते हैं। यदि कुछ निष्प्रभावी कारक आपकी कुण्डली में मौजूद नहीं हैं, तो आपको किसी दुर्घटना का सामना करना पड़ सकता है, याएक भगोड़ा होने का कंलक मिल सकता है, और आप शारीरिक हिंसा का शिकार हो सकते हैं।

जैसाकि आपकी कुण्डली में राहु दशमेश के नक्षत्र में स्थित है, (या दशमेश राहु के नक्षत्र में स्थित है) यह आपके पेशे

का कारक है। साथ ही यह एक चर राशि या उभय राशि में स्थित है, और दशमेश भी समान रूप में स्थित है। यह एक बहुत अनुकूल युति है। योगिनी राहु दशा आपके लिये अवश्य ही कई प्रकार से लाभदायक और कुछ अनुकूल परिवर्तनों से पूर्ण होगी। आपको उचित सम्मान मिलेगा, और एक बहुत जिम्मेदारी तथा सम्मानपूर्ण पद प्राप्त होगा। आपकई जगहों पर लम्बे समय तक रह सकते हैं, और दूर स्थानों की यात्रायें भी कर सकते हैं।

मंगला (चन्द्रमा){कृतिका} दशा

(09:02:2055 -- 09:02:2056)

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक या अधिक शुभ समारोह संपन्न होगें।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी चन्द्रमा दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी चन्द्रमा दशा के दौरान आपको मिश्रित (शुभ और अशुभ दोनों)अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी अपने सौम्य प्रभावों से इस पर असर डालता है।

पिंगला (सुर्य){रोहिणी} दशा

(09:02:2056 -- 09:02:2058)

जैसाकि आपकी कुण्डली में सूर्य ९वें भाव में है, योगिनी सूर्य दशा के दौरान आप कुछ मामलों में भाग्यशाली होगें। आप अपने वरिष्ठों और सरकारी स्रोतों लाभ और सहयोग प्राप्त करेगें, आपके पिता से भी आपको बहुत मदद मिलेगी। आपका धार्मिक रूझान उत्कृष्ट होगा, आप समर्पण के साथ पवित्र धार्मिक शास्त्रों का अध्ययन करेगें, नियमित रूप से धार्मिक प्रवचनों में भाग लेगें, और किसी तीर्थ यात्रा पर भी जा सकते हैं। आप सुदूर स्थानों और विदेशों की भी यात्रा कर सकते हैं, या ऐसे स्थानों पर रहने वाले कुछ लोगों से लाभ प्राप्त कर सकते हैं। और आपके सभी काम सफल होगें। हालाँकि, यदि आप एक विवाहित महिला हैं, और संतान की कामना कर रही हैं, तो संतान के जन्म या ठीक उससे पूर्व आप कुछ समस्याओं का सामना कर सकती हैं।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, जबकि किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह की प्रतिकूल दृष्टि में शामिल नहीं है। योगिनी सूर्य दशा आपके लिये काफी आनन्दायक होगी। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आपकी उनके साथ उत्तम घनिष्ठता होगी, और आपकी प्रसिद्धि में धीरे-धीरे वृद्धि होगी।

धन्या (बृहस्पति){मृगशिर} दशा

(09:02:2058 -- 09:02:2061)

बृहस्पति आपकी कुण्डली में द्वादशेश है, जो ८वें भाव में स्थित है। यह दशा आपके लिये लाभकारी होगी, और आपकीआर्थिक स्थिति में बहुत सुधार होगा। दूसरा भाग अपेक्षाकृत बेहतर होगा। आपका घरेलू जीवन काफी शान्तिपूर्ण और सुखी होगा।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के

लिये बहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी बृहस्पति दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है,और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी बृहस्पति दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह भी इस पर प्रभाव है।

ृमरी (मंगल){अरिद्रा} दशा

(09:02:2061 -- 09:02:2065)

जैसाकि मंगल आपकी कुण्डली में अष्ठमेश होकर, १०वें भाव में है, यदि दशमेश आपकी कुण्डली में सुव्यस्थित नहीं है, तो इस दशा की अवधि के दौरान आपको अपनी स्थिति को बनाये रखने में कुछ असामान्य मुश्किले आ सकती हैं। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान दाँव पर लग सकते हैं, और आप निंदा तथा अपमान का शिकार हो सकते हैं। यदि नैसर्गिक अशुभ ग्रह मंगल के साथ है, या उसकी दृष्टि इस पर है, तो कुछ अधिकारिक क्रिया कलाप आपके खिलाफ हो सकते हैं, और आपको अधिकरियों के कोप का भाजन बनना पड़ सकता है, आपको अपमान, निलम्बन या निष्कासन काभी सामना करना पड़ सकता है। हालाँकि यदि एक नैसर्गिक शुभ ग्रह मंगल को, इसके साथ होने या उसकी दृष्टि इस पर होने के बजाये, प्रभावित करता है, तो ही आप इन परिणामों से बचे रहने की आशा कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक शुभ ग्रहों की अनुकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लियेबहुत आनन्दायक होगी। इस दशा के दौरान आपकी बहुत उत्तम प्रगति होगी, और आपके परिवार में एक शुभ समारोह संपन्न हो सकता है।

जैसाकि योग स्फूट दो भिन्न नैसर्गिक अशुभ ग्रहों की प्रतिकूल दृष्टियों में शामिल है, योगिनी मंगल दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। इस दशा के दौरान आपको कई परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, और कुछअसोचनीय घटनाओं या अशुभ कामों के कारण भारी कष्ट का सामना करना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, और एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ यह प्रतिकूल दृष्टि में भी शामिल है। योगिनी मंगल दशा के दौरान आपको मिश्रित (अनुकूल और अन्यथा दोनों) अनुभव प्राप्त होगें। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आप कभी-कभी चिड़चिड़े हो सकते हैं, लेकिन चीजे नियंत्रण से बाहर नहीं होगीं- ना ही बहुत बिगड़ेगीं और ना ही लम्बे समय तक रहेगीं- जैसाकि एक नैसर्गिक शुभग्रह भी इस पर प्रभाव है।

द्रिका (बुध){पुनर्वसु} दशा

(09:02:2065 -- 09:02:2070)

जैसाकि बुध आपकी कुण्डली में १०वें भाव में है, आप बहुत सक्रिय होगें, और अपने काम में बहुत व्यस्त रहेगें। नवीन तकनीकियों के बारे में ज्ञान और सूचना प्राप्त करने और एक अनोखे तरीके से उनका प्रभावी वास्तविक प्रयोग करने में आप बहुत व्यस्त रहेगें। आप नये विचारों से पूर्ण होगें, और आपका किसी मौलिक काम को पहचान और

उचित प्रशंसा मिलेगी। आप विशिष्टता को प्राप्त करेगें, और काफी कम आयु में एक सम्मानजनक पद को प्राप्त करेगें। दशा काल आपके लिये बहुत आनन्दायक होगा, और यह आपके जीवन का एक बहुत फलदायी समय होगा।

जैसाकि, बुध के योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी ६वें भाव में स्थित है, आप का स्थानान्तरण या रोजगार में बदलाव हो सकताहै। आप को किसी सुदूर स्थान पर या विदेश जाना पड़ सकता है, और वहाँ काफी लम्बे समय तक रहना पड़ सकता है।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल १५0 डिग्री दृष्टि में शामिल है, और यह दृष्टि पास की है। योगिनी बुध दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। आप अपने व्यवसायिक जीवन में एक बुरे दौर से गुजर सकते हैं। आपके घर पर कुछ व्यवधान पैदा करने वाली घटनायें हो सकती हैं, और आप बहुत निराश हो सकते हैं। आपको सजग रहना चाहिये, अपने विशिष्टों/ अधिकारियों के साथ मतभेदों और किसी विवाद में उलझने से बचना चाहिये - योगिनी बुध दशा के प्रारम्भ में -लगभग ८वें महीने से अन्धकार स्वत: ही समाप्त हो कर चीजे प्रकाशमान हो जायेगीं, और आपको अपने को प्रभावी रूप से व्यक्तकरने के लिये बेहतर अवसर मिलने प्रारम्भ हो जायेगें।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक शुभ ग्रह के साथ अनुकूल दृष्टि में शामिल है, जबकि किसी नैसर्गिक अशुभ ग्रह की प्रतिकूल दृष्टि में शामिल नहीं है। योगिनी बुध दशा आपके लिये काफी आनन्दायक होगी। यदि आपके पेशे का संबंध आम जनता से है, तो आपकी उनके साथ उत्तम घनिष्ठता होगी, और आपकी प्रसिद्धि में भी बहुत वृद्धि होगी।

उल्का (शनि){पुष्य} दशा

(09:02:2070 -- 09:02:2076)

जैसाकि शनि आपके ७वें भाव में स्थित है, आप कुछ मामलों में बहुत भाग्यशाली होगें। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आप निजी क्षेत्र में एक नया रोजगार पा सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो विश्वासपूर्वक एक अति उत्तम प्रगति की आशा कर सकते हैं। आपके कई नये संबंध बनेगें, और आप अपने सभी व्यवहारों में बहुत सफल होगें। आप सार्वजनिक सौदों में सफल होगें, और विदेशों तथा दूर स्थानों से उत्तम लाभों की आशा कर सकते हैं। यदि आप एक नया उद्योग या आयात निर्यात व्यापार शुरू करना चाह रहे हैं, तो समय आपके लिये बहुत शुभ है।

जैसाकि दशा के स्वामी शनि का स्फूट नक्षत्र स्वामी अष्ठमेश के साथ स्थित है, यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो इस दशा के आरम्भ में आपको अपने पद को बनाये रखने में बहुत परेशानी हो सकती है, और दबाव के कारण आप स्वयं उसे छोड़ सकते हैं। यदि आप व्यापारी हैं, तो आपका आगामी समय मुश्किलों से भरा हो सकता है। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान धीरे -धीरे मंद हो सकता है। हालाँकि यदि आप गूढ़ विषयों का अध्ययन कर रहे हैं जैसे ज्योतिषशास्त्र, तोआप उत्तम उन्नति की आशा कर सकते हैं।

जैसाकि योग स्फूट एक नैसर्गिक अशुभ ग्रह के साथ प्रतिकूल १५0 डिग्री दृष्टि में शामिल है, और यह दृष्टि पास की है। योगिनी शनि दशा आपके के लिये बहुत कष्टकारी हो सकती है। आप अपने व्यवसायिक जीवन में एक बुरे दौर से गुजर सकते हैं। आपके घर पर कुछ व्यवधान पैदा करने वाली घटनायें हो सकती हैं, और आप बहुत निराश हो सकते हैं। आपको सजग रहना चाहिये, अपने विशिष्टों/ अधिकारियों के साथ मतभेदों और किसी विवाद में उलझने से बचना चाहिये - योगिनी शनि दशा के प्रारम्भ में -लगभग ८वें महीने से अन्धकार स्वत: ही समाप्त हो कर चीजे प्रकाशमान हो जायेगीं, और आपको अपने को प्रभावी रूप से व्यक्तकरने के लिये बेहतर अवसर मिलने प्रारम्भ हो जायेगें।

सिद्धा (शुक्र){अश्लेषा} दशा

(09:02:2076 -- 09:02:2083)

जैसाकि शुक्र आपकी कुण्डली में १०वें भाव में है, आप कई मामलों में भाग्यशाली होगें। यदि आप शैक्षिणिक, बौद्धिकया कलात्मक कामों में लगे हैं, तो आपकी अति उत्तम प्रगति होगी। यदि आप नौकरी कर रहे हैं, तो आपको एक आकर्षक पदोन्नति या एक नये संभावित मालिक से एक विशिष्ट पद का प्रस्ताव मिल सकता है। यदि आप व्यापार कर रहे हैं, तो यह दशा चहुँमुखी सम्पन्नता का अग्रदूत होगी। आपकी विश्वसनीयता और सम्मान के साथ भौतिक सम्पत्तियोंमें हमेशा बढ़ोत्तरी होगी, आप एक नया वाहन प्राप्त कर सकते हैं, और परिलब्धि के रूप में एक नये वाहन का सुख प्राप्त कर सकते हैं।

जैसाकि, शुक्र के योग स्फूट नक्षत्र का स्वामी ६वें भाव में स्थित है, आप का स्थानान्तरण या रोजगार में बदलाव हो सकता है। आप को किसी सुदूर स्थान पर या विदेश जाना पड़ सकता है, और वहाँ काफी लम्बे समय तक रहना पड़ सकता है।